आज का मौसम
29.0⁰ अधिकतम तापमान
16.0⁰ न्यूनतम तापमान
सूर्योदय 06.25
सूर्यास्त 05.27

एक सम्पूर्ण दैनिक अखबार

अमृत विचार

बरेली

www.amritvichar.com

2 राज्य | 6 संस्करण
लखनऊ बरेली कानपुर
मुरादाबाद अयोध्या हल्द्वानी

कार्तिक शुक्ल पक्ष एकादशी 07:31 उपरांत द्वादशी विक्रम संवत 2082

रविवार, 2 नवंबर 2025, वर्ष 6, अंक 343, पृष्ठ 14+4 मूल्य 6 रुपये

- भारत-रूस संबंधों को नुकसान पहुंचाने वाले आदेश पारित नहीं करना चाहते : सुप्रीम कोर्ट- 12

- त्योहारी सीजन व जीएसटी में राहत से यात्री वाहनों की बंपर बिक्री - 12

- एशिया प्रशांत क्षेत्र के विकास के लिए मजबूत व्यापार और निवेश महत्वपूर्ण - 13

- तीसरा टी20 मैच आज : हेजलवुड की अनुपस्थिति में भारतीय बल्लेबाजों को मिलेगी राहत - 14

महिला विश्व कप: इतिहास रचने की दहलीज पर भारत और दक्षिण अफ्रीका

विश्वकप ट्रॉफी के साथ भारत और साउथ अफ्रीका टीम की कप्तान।

नवी मुंबई। आत्मविश्वास से भरी भारतीय टीम महिला वनडे विश्व कप के फाइनल में रविवार को यहां जब मैदान पर उतरेगी तो उसे पिछले सात में से छह मैच जीत कर पहली बार इस टूर्नामेंट के खिताबी मुकाबले में पहुंची दक्षिण अफ्रीका की कड़ी चुनौती से पार पाने के लिए एड़ी-चोटी का जोर लगाना होगा। यह मुकाबला सिर्फ एक खिताब के लिए जंग नहीं है, बल्कि महिला क्रिकेट के इतिहास में एक नया अध्याय लिखने जा रहा है, क्योंकि इस फाइनल से नया विश्व चैंपियन मिलने वाला है। भारतीय टीम तीसरी बार (2005 और 2017 के बाद) इस प्रतिष्ठित टूर्नामेंट के फाइनल में पहुंची है, जबकि दक्षिण अफ्रीका की टीम पहली बार खिताबी मुकाबले में पहुंची है।

दिल्ली की वायु गुणवत्ता बहुत खराब श्रेणी में, एक्यूआई 303 दर्ज

- सबसे अधिक प्रदूषण स्तर वजीरपुर में रहा एक्यूआई 383 दर्ज किया गया
- 38 निगरानी केंद्रों में से 26 में वायु गुणवत्ता बहुत खराब श्रेणी (300 से ऊपर) में दर्ज

नई दिल्ली, एजेंसी

दिल्ली की वायु गुणवत्ता शनिवार को और बिगड़ गई व यह बहुत खराब श्रेणी में पहुंच गई। दिल्ली में समग्र वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) 303 दर्ज किया गया जोकि एक दिन पहले 218 था। केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (सीपीसीबी) के अनुसार, शहर का औसत वायु गुणवत्ता सूचकांक शाम चार बजे 303 रहा, जो वायु गुणवत्ता में तीव्र गिरावट को दर्शाता है। सीपीसीबी के समीर ऐप के आंकड़ों के अनुसार दिल्ली में सबसे अधिक प्रदूषण स्तर वजीरपुर में दर्ज किया गया, जहां एक्यूआई 383 रहा, जो बहुत खराब श्रेणी में आता है।

राष्ट्रीय राजधानी के 38 निगरानी केंद्रों में से 26 में वायु गुणवत्ता बहुत खराब श्रेणी (300 से ऊपर) में दर्ज की गई, जबकि शेष केंद्रों में यह खराब श्रेणी (300 से नीचे) में रही। एक्यूआई को शून्य से 50 के बीच अच्छा, 51 से 100 के बीच संतोषजनक, 101 से 200 के बीच मध्यम, 201 से 300 के बीच खराब, 301 से 400 के बीच बहुत खराब और 401 से 500 के बीच गंभीर माना जाता है। भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) के अनुसार, अधिकतम तापमान सामान्य से तीन डिग्री कम 30.5 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जबकि न्यूनतम तापमान सामान्य से 3.3 डिग्री अधिक 19.4 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। शाम 5:30 बजे आर्द्रता का स्तर 73 प्रतिशत रहा।

दिल्ली में बीएस-4 से निचली श्रेणी के वाहनों की एंट्री बैन

नई दिल्ली। राष्ट्रीय राजधानी में बीएस-3 या उससे कम उत्सर्जन मानकों वाले दिल्ली से बाहर पंजीकृत सभी वाणिज्यिक मालवाहक वाहनों के प्रवेश पर प्रतिबंध शनिवार को लागू हो गया। परिवहन विभाग ने प्रतिबंध सुनिश्चित करने के लिए यातायात पुलिस के सहयोग से 23 टीम गठित की हैं। जिन 23 स्थान पर इन टीम को तैनात किया गया है उनमें कुंडली बॉर्डर, रजोकरी बॉर्डर, टिकरी बॉर्डर, आया नगर बॉर्डर, कालिंदी कुंज बॉर्डर, औचंदी बॉर्डर, मंडोली, कापसहेड़ा और बजघेड़ा टोल/द्वारका एक्सप्रेसवे आदि शामिल हैं। अनुमानित 50 से 70 हजार वाहन बीएस-4 से कम उत्सर्जन मानकों वाले हैं। दिल्ली में पंजीकृत वाणिज्यिक मालवाहक वाहनों, बीएस-4 वाहनों, या सीएनजी, एलएनजी एवं बिजली से चलने वाले वाहनों के प्रवेश पर कोई प्रतिबंध नहीं होगा। वायु गुणवत्ता प्रबंधन आयोग ने 17 अक्टूबर को हुई बैठक में शहर में प्रदूषण की समस्या के मद्देनजर दिल्ली में प्रदूषण फैलाने वाले वाणिज्यिक वाहनों के प्रवेश पर एक नवंबर से व्यापक प्रतिबंध लगाने को मंजूरी दे दी थी।

इस बार के रविवारीय संस्करण 'लोक दर्पण' में, बच्चों में बढ़ता जा रहा सिक्स पॉकेट सिंड्रोम व अन्य विषयों पर विशेष सामग्री दी जा रही है।

www.amritvichar.com

आंध्र के वेंकटेश्वर मंदिर में भगदड़ आठ महिलाओं समेत नौ की मौत

भीड़ उमड़ने के कारण सीढ़ियों के पास लगी लोहे की ग्रिल टूटने से हुआ हादसा

- राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री ने जताया दुख, पुलिस बंदोबस्त के लिए नहीं किया गया था आवेदन

काशीबुग्गा (आंध्र प्रदेश), एजेंसी

श्रीकाकुलम जिले के काशीबुग्गा में एक मंदिर में भगदड़ मचने से आठ महिलाओं और एक लड़के समेत कम से कम नौ लोगों की मौत हो गई और कई अन्य घायल हो गए। शनिवार को एकादशी और कार्तिक मास का अवसर होने के कारण मंदिर में भारी भीड़ उमड़ने से यह घटना हुई। एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। इससे पहले श्रीकाकुलम जिला कलेक्टर ने मृतकों की संख्या 10 बताई थी।

श्रीकाकुलम के पुलिस अधीक्षक केवी महेश्वर रेड्डी ने बताया, नौ लोगों की मौत हुई है। एक व्यक्ति की हालत गंभीर है। उसकी मौत नहीं हुई है। 12 साल के एक लड़के की मौत हुई है। बाकी सभी मृतक महिलाएं हैं। यह एक निजी मंदिर है। यह कोई सरकारी मंदिर नहीं है। इसका निर्माण हाल ही में हुआ है। काशीबुग्गा उपमंडल प्रभारी डीएसपी लक्ष्मण राव ने बताया कि भगदड़ पूर्वाह्न करीब 11:30 बजे काशीबुग्गा शहर के वेंकटेश्वर मंदिर में हुई। रेड्डी ने कहा कि हादसा सीढ़ियों के पास लगी लोहे की ग्रिल के गिरने से हुआ, जिसके बाद लोग डर गए और उन्हें लगा कि कुछ गिर रहा है। उन्होंने कहा, घबराहट के कारण वे लगभग छह फुट की ऊंचाई से गिर गए। चूंकि यह छह फुट की ऊंचाई से गिरा था, इसलिए एक व्यक्ति दूसरे पर गिर गया और इसी वजह से यह हादसा हुआ। यह पूरी तरह से एक दुर्घटना है और मालिक की गलती के कारण ऐसा हुआ है। उन्होंने पुलिस बंदोबस्त के लिए आवेदन नहीं किया था, इसके लिए कोई अनुमति भी नहीं ली गई थी। प्रधानमंत्री मोदी ने इस घटना पर दुख जताया और मृतकों के परिजनों को प्रधानमंत्री राष्ट्रीय राहत कोष से दो-दो लाख रुपये और घायलों को 2,000 रुपये की अनुग्रह राशि देने की घोषणा की। साथ ही घायलों के स्वस्थ होने की कामना की। वहीं राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने भी घटना पर दुख जताया।

आंध्र प्रदेश के श्रीकाकुलम जिले के काशीबुग्गा स्थित वेंकटेश्वर मंदिर में मची भगदड़। **दाएं** : टूटी पड़ी रेलिंग जो हादसे का कारण बनी।

हादसे के जिम्मेदार लोगों पर होगी कार्रवाई : नायडू

घटना पर दुख व्यक्त करते हुए, आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री एन चंद्रबाबू नायडू ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, श्रीकाकुलम जिले के काशीबुग्गा वेंकटेश्वर मंदिर में हुई भगदड़ से मुझे बहुत दुख हुआ है। नायडू ने कहा कि उन्होंने अधिकारियों और स्थानीय नेताओं को भगदड़ स्थल पर राहत कार्यों की निगरानी करने के निर्देश दिए हैं। हादसे के जिम्मेदार लोगों पर कार्रवाई की जाएगी। आंध्र प्रदेश की गृह मंत्री वी. अनीता ने कहा कि मृतकों में कम से कम सात की उम्र 35-40 वर्ष के बीच है। गृह मंत्री के अनुसार, मंदिर पहली मंजिल पर ऊंचाई पर स्थित है और जब श्रद्धालु चढ़ रहे थे, तो रेलिंग टूट गई, जिससे एक कोने में खड़े लोग गिर गए और कुछ लोग उनके ऊपर गिर पड़े।

भारतीय लोकतंत्र की आत्मा संविधान में निहित है : गवई

प्रयागराज, एजेंसी

- इलाहाबाद विश्वविद्यालय में आयोजित संगोष्ठी में प्रधान न्यायाधीश ने रखे विचार

शीर्ष कोर्ट के प्रधान न्यायाधीश भूषण रामकृष्ण गवई ने शनिवार को कहा कि भारतीय लोकतंत्र की आत्मा संविधान में निहित है और भारत में संविधान के कारण ही लोकतंत्र की नींव मजबूत है। यहां इलाहाबाद विश्वविद्यालय में आयोजित एक संगोष्ठी के मुख्य अतिथि न्यायमूर्ति गवई ने कहा, कई देशों में केंद्र और राज्यों में अलग-अलग संविधान कार्य करते हैं, लेकिन भारत में एक ही संविधान राज्यों और केंद्र के लिए कार्य करता है।

इलाहाबाद विश्वविद्यालय के मुताबिक गवई ने कहा कि जिला स्तर से न्यायिक व्यवस्था प्रारंभ होकर उच्च न्यायालय होते हुए उच्चतम न्यायालय तक जाती है। इससे सभी को न्याय की अवधारणा संभव हो पाई है। सीजेआई ने नेपाल, बांग्लादेश और श्रीलंका जैसे देशों के अस्थिर लोकतंत्र का उदाहरण देते हुए कोलेजियम प्रणाली को सही ठहराया और कहा कि इस व्यवस्था में नियुक्तियों में राज्य सरकार और केंद्र सरकार और विभिन्न एजेंसियों के 'इनपुट' शामिल होते हैं और इसके आधार पर ही न्यायाधीशों की नियुक्ति होती है। वरिष्ठ न्यायाधीश विक्रम नाथ ने कहा कि आंबेडकर ने उदारवाद और सामाजिक न्याय के विचार को जन्म दिया और उनका मानना था कि कोई भी व्यक्ति संविधान से ऊपर नहीं है। उन्होंने कहा कि आंबेडकर समाज में व्याप्त जाति, लैंगिक और समाज आधारित भेदभाव को समाप्त करने के पक्षधर थे। इलाहाबाद उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश न्यायमूर्ति अरूण भंसाली ने कहा कि बाबासाहेब के लिए, संविधान समाज में व्याप्त असमानता और अस्पृश्यता को दूर करने का एक महत्वपूर्ण साधन था।

ब्रीफ न्यूज

विमान ईंधन महंगा वाणिज्यिक एलपीजी सिलेंडर सस्ता

नई दिल्ली। तेल विपणन कंपनियों ने शनिवार से विमान ईंधन के दाम बढ़ा दिए हैं जबकि 19 किलोग्राम वाले एलपीजी सिलेंडर की कीमत में पांच रुपये की कटौती की गई है। देश की सबसे बड़ी तेल विपणन कंपनी इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन के अनुसार, दिल्ली में आज से विमान ईंधन की कीमत 777 रुपये (0.83 प्रतिशत) बढ़कर 94,543.02 रुपये प्रति किलोलीटर हो गई है। इससे पहले, अक्टूबर में इसकी कीमत तीन प्रतिशत से ज्यादा बढ़ाकर 93,766.02 रुपये प्रति किलोलीटर कर दी गई थी।

नक्सल और माओवादी आतंक को खत्म करने की ओर अग्रसर भारत

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को स्मृति चिह्न देते छत्तीसगढ़ विधानसभा के अध्यक्ष रमन सिंह।

- प्रधानमंत्री ने कहा- लाल झंडे की जगह शान से आज लहरा रहा तिरंगा
- छत्तीसगढ़ राज्योत्सव में की शिरकत, 14,260 करोड़ के उद्घाटन शिलान्यास किए

नवा रायपुर, एजेंसी

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शनिवार को कहा कि भारत नक्सलवादी और माओवादी आतंक को खत्म करने की ओर अग्रसर है और आतंकवाद के विनाश की प्रतिज्ञा करके आतंकियों की कमर तोड़ रहा है। लाल झंडे की जगह शान से आज तिरंगा लहरा रहा है। मोदी ने नवा रायपुर, अटल नगर में छत्तीसगढ़ विधानसभा के नए भवन का उद्घाटन करने के बाद सभा को संबोधित करते हुए यह बात कही।

प्रधानमंत्री ने कहा, भारत आतंकवाद के विनाश की प्रतिज्ञा करके आतंकियों की कमर तोड़ रहा है। भारत आज नक्सलवाद, माओवादी आतंक को भी समाज से खत्म करने की दिशा में बढ़ रहा है। भारत अभूतपूर्व विजय के गर्व से भरा हुआ है और गर्व की यही भावना छत्तीसगढ़ विधानसभा के नए परिसर में चारों तरफ दिख रही है। उन्होंने कहा कि विधानसभा केवल कानून बनाने का स्थान नहीं बल्कि राज्य के भाग्य निर्धारण का केंद्र है। सभी को सुनिश्चित करना होगा कि यहां से निकलने वाले हर विचार में जनसेवा की भावना हो, विकास का संकल्प हो तथा भारत को नयी ऊंचाइयों तक ले जाने का विश्वास हो। उन्होंने कहा, नई विधानसभा भवन के उद्घाटन का असली महत्व हमारे इस सामूहिक संकल्प में है कि हम अपने कर्तव्यों को ईमानदारी से निभाएं और लोकतंत्र की भावना को बनाए रखें। उन्होंने 14,260 करोड़ की परियोजनाओं का उद्घाटन-शिलान्यास किया।

नागरिक देवो भव: हमारे सुशासन का मंत्र : मोदी

प्रधानमंत्री मोदी ने कहा, हमें एक ऐसे भारत का निर्माण करना है, एक ऐसे छत्तीसगढ़ की नींव रखनी है जो विरासत से जुड़कर विकास के पथ पर आगे बढ़ सके। नागरिक देवो भव : हमारे सुशासन का मंत्र है, इसलिए विधानसभा के हर निर्णय में जनता के हित को ध्यान में रखकर काम करना होगा। मोदी ने कहा कि कानून ऐसे बनाए जाएं जो सुधारों को गति दें जिससे लोगों का जीवन आसान हो। प्रधानमंत्री ने इस दौरान आतंकवाद और वामपंथी उग्रवाद से निपटने में भारत की सफलता पर भी प्रकाश डाला। उन्होंने कहा, पिछले 25 वर्षों में छत्तीसगढ़ ने जो परिवर्तन देखा है वह प्रेरणादायी है। कभी यह राज्य नक्सलवाद और पिछड़ेपन से पहचाना जाता था, आज वही राज्य समृद्धि, सुरक्षा और स्थायित्व का प्रतीक बन गया है। विकास की लहर और मुस्कान नक्सल प्रभावित इलाकों तक पहुंच गई है।

छोटे, कम जोखिम वाले व्यवसायों को तीन दिनों में मिलेगा जीएसटी पंजीकरण

नई दिल्ली। छोटे और कम जोखिम वाले व्यवसायों को तीन कार्य दिवसों के भीतर जीएसटी पंजीकरण मिल जाएगा। जीएसटी विभाग शनिवार से छोटे और मझोले व्यवसायों के लिए एक सरल जीएसटी पंजीकरण योजना शुरू कर रहा है।

छोटे और कम जोखिम वाले ऐसे व्यवसाय, जिन्हें वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) प्रणाली डेटा विश्लेषण के आधार पर पहचानती है, वे इस योजना का विकल्प चुन सकते हैं। इसके अलावा ऐसे आवेदक जो खुद आकलन करते हैं कि उनकी कर देयता 2.5 लाख रुपये प्रति माह से अधिक नहीं होगी, वे भी इस योजना के लिए पात्र हैं। केंद्र और राज्य के वित्त मंत्रियों वाली जीएसटी परिषद ने तीन सितंबर की अपनी बैठक में सरलीकृत पंजीकरण योजना को मंजूरी दी थी। इस योजना में स्वैच्छिक रूप से शामिल होने और इससे बाहर निकलने का विकल्प होगा। गाजियाबाद में सीजीएसटी भवन के उद्घाटन के अवसर पर वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने कहा था कि एक नवंबर से शुरू होने वाली सरलीकृत जीएसटी पंजीकरण योजना से 96 प्रतिशत नए आवेदकों को लाभ होने की उम्मीद है।

हमने कभी नमाज के वक्त हमला नहीं किया

रीवा (मप्र), एजेंसी

- सेना प्रमुख ने कहा- ऑपरेशन सिंदूर सिद्धांतों और तकनीक की मिली-जुली ताकत से किया गया

सेना प्रमुख जनरल उपेंद्र द्विवेदी ने शनिवार को कहा कि भारत ने ऑपरेशन सिंदूर के दौरान सिद्धांतों और तकनीक की मिली-जुली ताकत से लड़ाई लड़ी और पाकिस्तान में नागरिक या सैन्य ठिकाने को निशाना नहीं बनाया। उन्होंने कहा कि ऑपरेशन सिंदूर के दौरान भारतीय सेनाओं ने यह सुनिश्चित किया कि जब प्रार्थना या नमाज अदा की जा रही हो तो कोई कार्रवाई न की जाए।

हमने उन जगहों पर हमला किया जहां आतंकवादी मौजूद थे। हमने ऑपरेशन सिंदूर में अपना लक्ष्य हासिल किया और पाकिस्तान को यह संदेश दिया कि हम उनके जैसे नहीं हैं। मध्यप्रदेश के रीवा जिले में जनरल द्विवेदी ने पत्रकारों से कहा कि भारत ने पड़ोसी देश में सिर्फ आतंकवादी ठिकानों को नष्ट किया। पहलगाम हमले के जवाब में भारत ने छह और सात मई की दरम्यानी रात को 'ऑपरेशन सिंदूर' शुरू किया। इन हमलों के कारण चार दिनों तक जबरदस्त झड़पें हुईं जो 10 मई को सैनिक कार्रवाई रोकने की सहमति के साथ खत्म हुईं। जनरल द्विवेदी ने अपने पुराने स्कूल, रीवा सैनिक स्कूल में एक सभा को भी संबोधित किया।

मार्गदर्शन | मुख्यमंत्री ने बच्चों को दीं पुस्तकें और की भावनात्मक अपील, गोरखपुर विश्वविद्यालय में शुरू हुआ नौ दिनी पुस्तक महोत्सव

युवाओं से योगी बोले- स्मार्टफोन की जगह पढ़ें अच्छी पुस्तकें

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार: मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने युवाओं से अपील की कि वे स्मार्टफोन पर समय व्यर्थ न करें और अपने समय का उपयोग पुस्तकों में करें। उन्होंने कहा कि स्मार्टफोन पर निर्भरता युवाओं में अवसाद और विचलन बढ़ा रही है। प्रधानमंत्री मोदी की पुस्तक 'एग्जाम वारियर्स' छात्रों के लिए उपयोगी मार्गदर्शक है।

वे शनिवार को दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय परिसर में आयोजित गोरखपुर पुस्तक महोत्सव 2025 की शुरूआत करने के बाद बोल रहे थे। यह नौ दिनी मेला 1 से 9 नवंबर तक चलेगा। नेशनल बुक ट्रस्ट (एनबीटी) और डीडीयू विश्वविद्यालय के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित इस आयोजन में 200 से अधिक स्टॉलों पर विभिन्न विषयों की पुस्तकें उपलब्ध हैं।

गोरखपुर में पुस्तक मेले की शुरुआत करने के बाद छात्राओं को किताबें भेंट करते सीएम योगी।

हर ग्राम पंचायत में पुस्तकालय स्थापित कर रही सरकार

योगी ने कहा कि पुस्तकें नई प्रेरणा देती हैं, इसलिए हर किसी को उनसे जुड़ना चाहिए। सरकार ग्राम पंचायत में पुस्तकालय स्थापित कर रही है। 57,600 पंचायतों में ग्राम सचिवालयों के साथ पुस्तकालय बने हैं और 1.36 लाख प्राथमिक विद्यालयों में डिजिटल लाइब्रेरी की व्यवस्था की गई है ताकि बच्चों में पढ़ने की संस्कृति विकसित हो।

इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने स्कूली बच्चों से संवाद किया और उन्हें पुस्तकें भेंट कीं। योगी ने कहा कि अच्छी पुस्तकें व्यक्ति की सच्ची साथी और सही मार्गदर्शक होती हैं। उन्होंने कहा कि हमारे ऋषि-मुनियों ने ज्ञान को लिपिबद्ध कर आने वाली पीढ़ियों तक पहुंचाने की परंपरा विकसित की। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विचारों का उल्लेख करते हुए सीएम ने कहा कि जब नागरिक पढ़ते हैं तभी देश आगे बढ़ता है। उन्होंने गीता प्रेस, फिराक गोरखपुरी, मुंशी प्रेमचंद और श्रीराम दरस मिश्र का स्मरण करते हुए कहा कि गोरखपुर की भूमि साहित्यिक चेतना से संपन्न है। मुख्यमंत्री ने कहा कि आज देवोत्थान एकादशी का शुभ दिन है। भगवान विष्णु की कृपा से यह पुस्तक महोत्सव पूरे प्रदेश में ज्ञान और पढ़ने की संस्कृति के विस्तार का प्रतीक बनेगा।

अमृत विचार

बरेली, रविवार,2 नवंबर 2025

शाहजहांपुर

ब्रीफ न्यूज

रामलीला में ताड़का वध का किया मंचन

सिंधौली, अमृत विचार : कस्बे में चल रही रामलीला में शनिवार रात भगवान राम द्वारा ताड़का वध का मंचन हुआ। श्री मुरली गोपाल दर्शन मंडल वृंदावन के निर्देशन में प्रस्तुत लीला में बताया गया कि जब राम और लक्ष्मण के रास्ते में ताड़का आई, तो विश्वामित्र ने राम को उसका वध करने का आदेश दिया। राम ने बाण चलाकर ताड़का का वध किया और ऋषियों को उसके अत्याचारों से मुक्ति दिलाई। मेला कमेटी अध्यक्ष रामाधार सिंह यादव, उपाध्यक्ष वासुदेव मिश्रा, सचिव वीरपाल सिंह यादव सहित बड़ी संख्या में दर्शक रहे।

बच्चों ने दिखाई कुकिंग प्रतियोगिता में प्रतिभा

सिंधौली, अमृत विचार : क्षेत्र के मुड़िया मोड़ स्थित एमए पब्लिक स्कूल में शनिवार को कुकिंग प्रतियोगिता आयोजित की गई। बच्चों ने छोले, पनीर, खीर, मिक्स सब्जी और देसी खोए की मिठाइयों से सभी का मन मोह लिया। स्कूल प्रबंधक मोहम्मद आसिफ अली मंसूरी ने कहा कि खाना बनाना एक कला है, जो रोजगार और जीवन कौशल दोनों सिखाती है। प्रतियोगिता में खुशबू की चाय प्रथम, शीतल की सब्जी द्वितीय और बेबी के छोले तृतीय स्थान पर रहे। आयोजन गृह विज्ञान शिक्षिका निदा अंसारी और अब्दुल रहमान खान के निर्देशन में हुआ। कार्यक्रम में इरम मंसूरी, करुणा शंकर पांडे, शिवम् वर्मा सहित शिक्षकों की उपस्थिति रही।

खाटू श्याम जागरण में गूंजे भजन

सिंधौली, अमृत विचार : खाटू श्याम बाबा के जन्मोत्सव पर ब्लॉक परिसर में शनिवार को आयोजित जागरण में कलाकारों ने भक्तिभाव से भरे भजन प्रस्तुत कर वातावरण को श्याममय बना दिया। श्री श्याम सेवा समिति द्वारा दरबार में केक काटा गया और आतिशबाजी से उत्सव मनाया गया। कलाकारों ने "आ गया मैं दुनियादारी सारी बाबा छोड़ के" और "धनुष श्रीराम के कंधे पर" जैसे भजनों से भक्तों को भाव-विभोर कर दिया। राधा-कृष्ण स्वरूपों ने मनमोहक नृत्य प्रस्तुत किया। आयोजन में रज्जन मिश्रा, प्रशांत मिश्रा, शिवम मिश्रा, आकाश गुप्ता और हरीश मिश्रा सहित कई भक्त उपस्थित रहे।

शिक्षक संगठन में टूटा समझौता ऋषिकांत दोबारा बने जिलाध्यक्ष

प्राथमिक शिक्षक संघ के दोनों गुटों का एक साथ निर्वाचन कराने का समझौता असफल

कार्यालय संवाददाता, शाहजहांपुर

- अब 5 नवम्बर को होगी जिला बैठक, प्रदेश अध्यक्ष सुशील कुमार पांडे ने ऋषिकांत पांडे को दोबारा सौंपी जिम्मेदारी

अमृत विचार: अखिल भारतीय प्राथमिक शिक्षक संघ से संबद्ध उत्तर प्रदेशीय प्राथमिक शिक्षक संघ के प्रदेश अध्यक्ष सुशील कुमार पांडे ने शाहजहांपुर में ऋषिकांत पांडे को पुनः जिलाध्यक्ष घोषित कर दिया है। वे इससे पहले 15 मई 2022 को भी इसी पद पर निर्वाचित हो चुके हैं। पुनर्नियुक्ति के साथ ही उन्हें अपनी नई जिला कार्यकारिणी गठित कर अनुमोदन के लिए भेजने के निर्देश दिए गए हैं।

जिलाध्यक्ष के रूप में दोबारा जिम्मेदारी मिलने के बाद ऋषिकांत पांडे ने 5 नवम्बर को जिला बैठक बुलाने की घोषणा की है, जिसमें संगठन के ब्लॉक स्तरीय निर्वाचन और जनपदीय कार्यकारिणी के गठन पर विचार-विमर्श कर कार्यक्रम तय किया जाएगा। तय कार्ययोजना के अनुसार 10 दिसम्बर तक सभी ब्लॉक इकाइयों का निर्वाचन और 26 दिसम्बर तक जिला अधिवेशन संपन्न कराया जाएगा। उल्लेखनीय है 30 अगस्त को प्रांतीय महामंत्री संजय सिंह की पहल पर शिक्षक संघ के दोनों गुटों को एक साथ लाने और संयुक्त चुनाव कराने की घोषणा मांडलिक मंत्री मुकेश चौहान द्वारा की गई थी। लेकिन दो माह बीत जाने के बावजूद न तो निर्वाचन प्रक्रिया शुरू हो सकी और न ही असंवैधानिक ढंग से कार्य कर रही कालातीत कमेटी पर कोई कार्रवाई हो पाई। परिणामस्वरूप 30 अक्टूबर को यह समझौता टूट गया।

जिलाध्यक्ष ऋषिकांत पांडे ने बताया कि मांडलिक मंत्री द्वारा की गई घोषणा के अगले ही दिन कालातीत कमेटी के कार्यवाहक अध्यक्ष ने उसे असंवैधानिक बताकर निरस्त कर दिया, जबकि प्रांतीय नेतृत्व की ओर से अब तक

नवनियुक्त जिलाध्यक्ष ऋषिकांत पांडे।

कोई स्पष्ट प्रतिक्रिया नहीं दी गई। उन्होंने कहा कि उक्त स्थिति से शिक्षक वर्ग में असमंजस की स्थिति बनी रही। उन्होंने बताया कि उक्त गुट के छह ब्लॉक अध्यक्ष, जो पहले 25 जुलाई को उनके संगठन में शामिल हुए थे, बाद में पुनः उनके साथ आ गए, किंतु कालातीत कमेटी ने उनकी वापसी स्वीकार नहीं की और अनुचित तरीके से संयोजक नियुक्त कर उन्हें वैधानिक ठहराया।

ऋषिकांत पांडे ने कहा कि प्रांतीय महामंत्री संजय सिंह से इस विषय पर कई बार वार्ता हुई, परन्तु ठोस समाधान नहीं निकला। अंततः सभी साथियों से विचार-विमर्श के बाद उन्होंने अपने पुराने संगठन में लौटकर शिक्षक हित में कार्य जारी रखने का निर्णय लिया। उन्होंने कहा कि अब 5 नवम्बर को आयोजित जिला स्तरीय बैठक में आगामी कार्ययोजना पर अंतिम निर्णय लिया जाएगा। दिसंबर में विद्यालयों के शीत अवकाश से पहले जिला कार्यकारिणी का चुनाव भी संपन्न कराया जाएगा।

उन्होंने कहा कि वर्तमान में आम शिक्षक ऑनलाइन उपस्थिति और टीईटी अनिवार्यता जैसे मुद्दों से परेशान है। जिले के अनेक शिक्षक उनसे लगातार संपर्क में थे और नेतृत्व संभालने की अपील कर रहे थे। ऐसे में शिक्षकों की समस्याओं के निस्तारण और संघर्ष के लिए उन्होंने दोबारा जिम्मेदारी स्वीकार की है। उन्होंने यह भी बताया कि इन दोनों प्रमुख मुद्दों पर संगठन आंदोलन की रूपरेखा तैयार कर चुका है, जिसकी विस्तृत जानकारी 5 नवम्बर की बैठक में दी जाएगी।

दहेज हत्या के दो दोषियों को आजीवन कारावास की सजा

शाहजहांपुर,अमृत विचार: अदालत ने हत्या के मामले में दो दोषियों को आजीवन कारावास की सजा सुनाई है। प्रत्येक पर 25-25 हजार रुपये के अर्थदंड की सजा सुनाई है।

एसपी की मॉनीटरिंग सेल, थाना तिलहर पुलिस और अभियोजन विभाग के संयुक्त प्रयास से अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश तीन में अभियोजन पक्ष ने ठोस साक्ष्य और साक्षियों के आधार पर प्रभावी पैरवी की, जिसके परिणामस्वरूप दोनों आरोपियों को दोषी पाया गया। अदालत ने जयवीर और इन्द्रकला निवासी ग्राम हिसमाह, थाना तिलहर, जिला शाहजहांपुर को भादवि की धारा 302/34 के तहत दोषी करार दिया। दोषियों पर आरोप था कि उन्होंने वादी की बहन से अतिरिक्त दहेज की मांग की और मांग पूरी न होने पर उसे मिट्टी का तेल डालकर जलाकर मार डाला। अदालत ने दोनों अभियुक्तों को आजीवन कारावास की सजा सुनाई और प्रत्येक पर 25-25 हजार रुपये का अर्थदंड भी लगाया। पुलिस अधीक्षक शाहजहांपुर ने इसे "ऑपरेशन कन्विक्शन" के तहत पुलिस और अभियोजन के समन्वित प्रयासों की एक और उल्लेखनीय उपलब्धि बताया।

गड़बड़ी पाने पर कोटेदार के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज

संवाददाता, परौर क्विंटल

- सरकारी राशन की दुकान में स्टॉक कम मिलने पर आपूर्ति विभाग की कार्रवाई

अमृत विचार: ग्राम पृथ्वीपुर कुबेरपुर की उचित दर दुकान पर स्टॉक में भारी गड़बड़ी पाए जाने पर कोटेदार रंजना देवी के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया है।

आपूर्ति निरीक्षक नरेन्द्र प्रताप सिंह ने बताया कि 24 अक्टूबर 2025 को दोपहर लगभग तीन बजे किए गए निरीक्षण में कोटेदार की दुकान पर केवल 1.5 क्विंटल गेहूं, 19 क्विंटल चावल और 6 किलोग्राम चीनी ही पाई गई, जबकि रिकॉर्ड के अनुसार 66.92 क्विंटल गेहूं, 100.55 क्विंटल चावल और 3 किलोग्राम चीनी होना चाहिए था। निरीक्षण के दौरान 65.42 क्विंटल गेहूं और 81.55 क्विंटल चावल कम पाया गया तथा विक्रेता या उसके परिजनों द्वारा कोई संतोषजनक जवाब नहीं दिया गया। उस समय तक कोटेदार ने मात्र 37.37 प्रतिशत राशन वितरण ही किया था, जबकि 25 अक्टूबर वितरण की अंतिम तिथि थी। मौके पर स्टॉक रजिस्टर भी प्रस्तुत नहीं किया गया और मिड डे मील व बाल पुष्टाहार से संबंधित जानकारी नहीं दी गई। बरामद अनाज, ई-पॉस मशीन, चार्जर और ई-कांटा को ग्राम की अन्य उचित दर विक्रेता जगरानी की सुपुर्दगी में दिया गया। प्रभारी जिलाधिकारी की अनुमति पर पुलिस ने आवश्यक वस्तु अधिनियम 1955 की धारा 3/7 के तहत कोटेदार रंजना देवी के विरुद्ध मुकदमा दर्ज कर कार्रवाई शुरू कर दी है।

दबंगों ने युवक को पीटा मुकदमा दर्ज

मिर्जापुर, अमृत विचार : ग्राम उईला निवासी निर्भान सिंह ने पुलिस को दी तहरीर में बताया 20 अक्टूबर 2025 की शाम 7 बजे उसका भाई सुभाष सिंह खेत से घर लौट रहा था। रास्ते में रामसागर, ओमप्रकाश और रामप्रकाश ने उसे गाली-गलौज किया, जब उसने विरोध किया तो तीनों ने उस पर लाठी-डंडों से पीट दिया।परिजन उसे निजी वाहन से जलालाबाद नागरिया अस्पताल ले गए, जहां हालत गंभीर देख उसे राजकीय मेडिकल कॉलेज शाहजहांपुर रेफर किया गया। इलाज के बाद घर लौटने पर पीड़ित ने थाने में आरोपियों के खिलाफ तहरीर दी। पुलिस ने तीनों आरोपियों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

बाबा खाटू श्याम का मनाया गया जन्मोत्सव

संवाददाता, पुवायां

अमृत विचार: नगर के सूरज मैरिज लॉन में शुक्रवार रात श्री श्याम परिवार कल्याण समिति की ओर से बाबा खाटू श्याम का छठवां जन्मोत्सव धूमधाम और श्रद्धा के साथ मनाया गया। मैरिज लॉन में वैवाहिक समारोह के बाद आयोजित इस भव्य कार्यक्रम में नगर के अलावा आसपास के क्षेत्रों से आए श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ी।

भक्ति संगीत से सजे इस आयोजन में जयपुर की प्रसिद्ध गायिका उमा लहरी और उनकी टीम ने अपने मधुर भजनों से वातावरण को भक्तिरस से सराबोर कर दिया। मंच से लगातार गूंजते 'श्याम नाम की गूंज' ने पूरे परिसर को आध्यात्मिक रंग में रंग दिया। कार्यक्रम के दौरान श्रद्धालुओं पर पुष्पवर्षा और इत्रवर्षा की गई, जिससे वातावरण और अधिक सुगंधित एवं दिव्य हो उठा। कार्यक्रम में उपस्थित जनसमूह 'जय श्री श्याम' के जयकारों के साथ बाबा के प्रति अपनी श्रद्धा व्यक्त करता रहा। नगर के गणमान्य लोगों ने बाबा का पूजन किया। आयोजन को सफल बनाने में श्री श्याम परिवार पुवायां के पदाधिकारियों व कार्यकर्ताओं का विशेष योगदान रहा।

खाटू श्याम का जन्मोत्सव मनाया

सिंधौली। बचपन इंटरनेशनल एकेडमी बाजपुर में खाटू श्याम का जन्मोत्सव धूमधाम से मनाया। छात्र-छात्राओं ने केक भी काटा। संस्थापक विमल शुक्ला ने सभी को खाटू श्याम के जन्मोत्सव की शुभकामनाएं दीं। कार्यक्रम में वरिष्ठ अध्यापिका अतिथि दीक्षित, सविता यादव, अंशिका, शगुन गुप्ता और रामेंद्र सहित शिक्षक-शिक्षिकाएं मौजूद रहीं।

समाधान दिवस में 35 में से 4 शिकायतों का निस्तारण

तिलहर, अमृत विचार: ब्लॉक सभागार में शनिवार को सम्पूर्ण समाधान दिवस में तहसीलदार दीपेंद्र कुमार ने फरियादियों की समस्याएं सुनीं। कुल 35 शिकायतें दर्ज की गईं, जिनमें से चार का निस्तारण कर दिया गया। इस दौरान राष्ट्रीय गो रक्षक संघ के प्रदेश उपाध्यक्ष मनोज कश्यप ने कहा कि क्षेत्र में अवैध मिट्टी खनन हो रहा है, जिसे तत्काल रोका जाए। वहीं बहादुरगंज मोहल्ला निवासी सर्वेश कुमार ने बताया कि नगर में पानी की सप्लाई लाइन डालने के दौरान सड़कों को तोड़ा गया, लेकिन महीनों बीत जाने के बाद भी उनकी मरम्मत नहीं कराई गई। कार्यक्रम के दौरान कोतवाल राकेश कुमार, नायब तहसीलदार मनु माथुर, पूनम मधुकर, पूर्ति निरीक्षक आलोक कुमार और मनीष यादव सहित कई अधिकारी मौजूद रहे।

अंतरमहाविद्यालय क्रिकेट टूर्नामेंट के लिए टीम चयनित

- प्राचार्य प्रो. मोहसिन हसन खान बोले-शिक्षा के साथ खेल का भी समान महत्व
- चयनित खिलाड़ी सात नवंबर से महाराजा अग्रसेन कॉलेज, बरेली में करेंगे प्रतिनिधित्व

कार्यालय संवाददाता, शाहजहांपुर

अमृत विचार : जीएफ कॉलेज में महाविद्यालय स्तरीय क्रिकेट पुरुष/महिला ट्रायल टूर्नामेंट का आयोजन किया गया, जिसमें अंतरमहाविद्यालय टूर्नामेंट के लिए कॉलेज टीम का चयन किया गया। इस अवसर पर महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो. मोहसिन हसन खान ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि शिक्षा के साथ खेल का भी विद्यार्थी जीवन में बड़ा महत्व है। खेल से टीम भावना और अनुशासन का विकास होता है, जो जीवन में सफलता के लिए आवश्यक है। ट्रायल टूर्नामेंट का आयोजन महाविद्यालय क्रिकेट क्लब के अध्यक्ष डॉ. मोहम्मद काशिफ नईम के नेतृत्व में हुआ। आयोजन में बड़ी संख्या में खिलाड़ियों ने भाग लिया।

पुरुष वर्ग में अलबाब खान, श्रेयांश सक्सेना, सिद्धार्थ सिंह, अजय सिंह, हर्षित कुमार, कामरान खान, अनमोल तिवारी, आयुष सक्सेना, मोहित कुमार, फूलबाबू, प्रतीक यादव, अर्जुन यादव और मोहम्मद खालिद का चयन किया गया।

महिला वर्ग में अंशिका, शबनम प्रसाद और इरम का चयन हुआ। महाविद्यालय के क्रीड़ा सचिव प्रो. फैयाज अहमद ने बताया कि चयनित खिलाड़ी सात नवंबर 2025 से महाराजा अग्रसेन कॉलेज, बरेली में आयोजित होने वाली अंतरमहाविद्यालय क्रिकेट प्रतियोगिता में जीएफ कॉलेज का प्रतिनिधित्व करेंगे। इस अवसर पर डॉ. मोहम्मद शोएब, डॉ. परवेज मोहम्मद, डॉ. जमाल अख्तर सिद्दीकी और डॉ. शाइस्ता खान सहित अन्य शिक्षक उपस्थित रहे।

जीएफ कॉलेज में आयोजित क्रिकेट ट्रायल टूर्नामेंट के दौरान खिलाड़ी। ● अमृत विचार

कार्तिक मेला शुरू, गंगा स्नान को उमड़े श्रद्धालु

- गंगा तट पर छाया भक्ति का रंग, सुरक्षा और स्वच्छता के पुख्ता इंतजाम

संवाददाता, मिर्जापुर

अमृत विचार: पतित पावनी गंगा तट ढाई घाट पर शुक्रवार से शुरू हुए कार्तिक मेले में श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ने लगी है। मेले के प्रारंभ होते ही पूरा घाट क्षेत्र भक्ति और उत्सव के रंग में रंग गया। ऋषियों की तपोभूमि पर गूंजते मंत्रोच्चार और गंगा आरती के स्वर से वातावरण आध्यात्मिक हो उठा।

मेला क्षेत्र में पंडे-पुजारियों द्वारा यजमानों के लिए जगह-जगह रंग-बिरंगे टेंट लगाए गए हैं। श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए प्रशासन ने बिजली, पेयजल, सुरक्षा, स्वच्छता और यातायात व्यवस्था के पुख्ता इंतजाम किए हैं। घाटों पर महिलाओं के वस्त्र परिवर्तन हेतु चेंजिंग रूम बनाए गए हैं।

मेले में दूर-दराज से आए व्यापारी दुकानों के साथ पहुंच चुके हैं, जिससे घाट क्षेत्र में चहल-पहल बढ़ गई है। धार्मिक अनुष्ठान, गंगा स्नान और सांस्कृतिक कार्यक्रमों ने मेले को और आकर्षक बना दिया है। मेला 8 नवंबर तक चलेगा, जिसमें लाखों श्रद्धालुओं के गंगा स्नान के लिए पहुंचने की संभावना है। शनिवार को देवोत्थान एकादशी के अवसर पर श्रद्धालुओं की सबसे अधिक भीड़ रहने की संभावना जताई गई है। इस बीच जिला पंचायत मेले में शेष व्यवस्थाओं को पूर्ण कराने में जुटा हुआ है ताकि श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की असुविधा न हो।

ढाई घाट पर लगे श्रद्धालुओं के तंबू। ● अमृत विचार

एडीएम ने धान क्रय केंद्रों का किया निरीक्षण

तिलहर, अमृत विचार: एडीएम रजनीश मिश्रा ने शनिवार को मंडी समिति में लगे धान क्रय केंद्रों का औचक निरीक्षण किया। उन्होंने केंद्र प्रभारियों को खरीदे गए धान को बरसात के पानी से बचाने के निर्देश दिए। उन्होंने मंडी सचिव के साथ किसानों से बातचीत कर उनकी समस्याएं जानी और उनके सामने ही धान की नमी जांच कराई। एडीएम ने निर्देश दिए कि किसानों का सही धान तुरंत खरीदा जाए। उन्होंने स्पष्ट किया कि किसी किसान की फसल न खरीदे जाने पर शिकायत मिलने पर संबंधित केंद्र प्रभारी के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। निरीक्षण के दौरान उन्होंने खुले में रखे धान को पन्नी से ढकने के निर्देश दिए। बाद में उन्होंने मंडी सचिव शिवेंद्र प्रताप सिंह से अब तक हुई खरीद की जानकारी ली।

विहिप ने किया रक्तदान शिविर का आयोजन

- एसपी राजेश द्विवेदी ने शिविर का फीता काटकर किया उद्घाटन

कार्यालय संवाददाता, शाहजहांपुर

अमृत विचार: विश्व हिन्दू परिषद ने राजकीय मेडिकल कॉलेज में रक्तदान शिविर का आयोजन किया। एसपी राजेश द्विवेदी ने शिविर का फीता काटकर उद्घाटन किया। उन्होंने कहा कि रक्तदान जीवनदान है, हमारे द्वारा दान किया गया रक्त किसी जरुरत मंद व्यक्ति को जीवन दे सकता है।

पुलिस विभाग सदैव समाजहित तथा मानवीय मूल्यों को सर्वोपरि रखते हुए सेवा कार्यों में सहभागी रहता है। सभी नागरिकों को भी मानव सेवा के लिए ऐसे कार्यक्रमों में बढ़चढ़कर हिस्सा लेना चाहिए। एसपी ने कार्यक्रम के दौरान मानव सेवा के इस महत्वपूर्ण कार्य में योगदान देने वाले रक्तदाताओं को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया।

उन्होंने कहा कि इस प्रकार के आयोजन समाज में संवेदनशीलता एवं मानवता के संदेश को और भी मजबूत करते हैं। रक्तदान शिविर में लोगों ने बढ़चढ़कर हिस्सा लिया और अपनी स्वेच्छा से रक्तदान किया। इस अवसर पर मेडिकल कालेज के प्राचार्य डा राजेश कुमार, सीएमएस डा नेपाल सिंह, डा एमपी गंगवार, विश्व हिन्दू परिषद के पदाधिकारी आदि मौजूद रहे।

मेडिकल कॉलेज में विहिप ने किया रक्तदान शिविर का आयोजन। ● अमृत विचार

जेल अधीक्षक मिजाजी लाल हुए सेवानिवृत्त

संवाददाता, शाहजहांपुर

- बाराबंकी से आए जेपी तिवारी ने संभाला कार्यभार

अमृत विचार : शाहजहांपुर जिला कारागार में शुक्रवार को प्रशासनिक परिवर्तन हुआ। जेल अधीक्षक मिजाजी लाल अपने कार्यकाल की सफल पूर्णता के बाद सेवानिवृत्त हो गए, जबकि बाराबंकी से स्थानांतरित होकर आए जेपी तिवारी ने नए जेल अधीक्षक के रूप में कार्यभार ग्रहण किया।

जेल अधीक्षक मिजाजी लाल ने लगभग तीन वर्षों तक जेल प्रशासन का कुशल संचालन करते हुए कई सुधारात्मक एवं जनकल्याणकारी कार्य कराए। उन्होंने जेल को केवल दंड स्थल नहीं, बल्कि सुधार गृह के रूप में विकसित करने के लिए अनेक नवाचार शुरू किए। उनके कार्यकाल में कैदियों के कौशल विकास, शिक्षा और मानसिक परामर्श से जुड़े कई कार्यक्रम संचालित किए गए। शुक्रवार को उनके सेवानिवृत्त होने पर जेल परिसर में विदाई समारोह आयोजित किया गया। जेल कर्मियों और सहयोगियों ने उन्हें बुके और उपहार देकर भावभीनी विदाई दी। इस दौरान मिजाजी लाल ने सभी साथियों के सहयोग और टीम भावना की सराहना करते हुए कहा कि उन्होंने हमेशा जेल सुधार और कैदियों के पुनर्वास को प्राथमिकता दी।

कार्यभार ग्रहण करने के बाद नए जेल अधीक्षक जेपी तिवारी ने जेल परिसर का निरीक्षण किया और कारागार की व्यवस्थाओं की जानकारी ली। उन्होंने कहा कि जेल प्रशासन में अनुशासन और सुधार दोनों साथ-साथ चलने चाहिए।

नशा नाश का कारण और संयम जीवन का आधार...

कार्यालय संवाददाता, शाहजहांपुर

- अपर मुख्य सचिव ने एसएस कॉलेज में हुई संगोष्ठी में रखे विचार
- कर्मयोग, मद्य निषेध और विकसित भारत विषय पर हुई संगोष्ठी

अमृत विचार: समाज कल्याण एवं सैनिक कल्याण विभाग के अपर मुख्य सचिव एल. वेंकटेश्वर लू की अध्यक्षता में शनिवार को शाहजहांपुर के एसएस कॉलेज सभागार में "कर्मयोग, मद्य निषेध एवं विकसित भारत" विषय पर संगोष्ठी का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में जिले के विभिन्न कॉलेजों के प्रधानाचार्य, अधिकारी एवं विद्यार्थी उपस्थित रहे।

मुख्य अतिथि एल. वेंकटेश्वर लू ने कहा कि भारत को विकसित राष्ट्र बनाने के लिए प्रत्येक व्यक्ति को अपने क्षेत्र में पूरी निष्ठा और क्षमता के साथ कार्य करना होगा। उन्होंने कहा कि भारत की प्रगति तभी संभव है जब समाज के हर वर्ग में सेवा भाव, अनुशासन और सकारात्मक सोच का विकास होगा। अपर मुख्य सचिव ने कहा कि नशा नाश का कारण है, चाहे वह किसी भी रूप में हो। नशे की अवस्था में व्यक्ति संयम और मर्यादा को भूल जाता है, जिससे समाज और परिवार दोनों प्रभावित होते हैं। उन्होंने कहा कि भारत की स्वतंत्रता हमारे महापुरुषों के त्याग और अनुशासन का परिणाम है, आज जरूरत है कि हम भी उसी मार्ग का अनुसरण करें। उन्होंने कहा कि कर्मयोग का अर्थ है अपने कार्य से जुड़े रहना और उसे पूर्ण समर्पण के साथ करना। प्रत्येक व्यक्ति को आत्मनिरीक्षण कर अपने कर्मों की समीक्षा करनी चाहिए। सेवा भाव और आत्मसंयम के साथ कार्य करने वाला व्यक्ति ही समाज में सकारात्मक परिवर्तन ला सकता है। एल. वेंकटेश्वर लू ने कहा कि विकसित भारत के लिए सही ज्ञान, विज्ञान और जागरूकता आवश्यक है। उन्होंने कहा कि बच्चों में मोबाइल और इंटरनेट के अत्यधिक प्रयोग से असंतुलन और नींद न आने जैसी समस्याएं बढ़ रही हैं। आज लोग गूगल को गुरु बना बैठे हैं, जबकि वास्तविक ज्ञान गुरुजन और अनुभव से प्राप्त होता है। उन्होंने कहा कि संवाद, चिंतन और मंथन ही समस्याओं का समाधान हैं। कर्म वह बीज है जिसका फल देर से सही, पर निश्चित रूप से मिलता है। जो लोग आज सफल हैं, उन्होंने अपने समय में अनुशासन, परिश्रम और तपस्या का पालन किया है। कार्यक्रम में एसपी सिटी देवेंद्र कुमार, विद्यार्थियों और शिक्षकों ने भी विचार प्रस्तुत किए। अपर मुख्य सचिव ने विद्यार्थियों से कहा कि वे नशा मुक्ति और अच्छे कार्यों के लिए समाज को प्रेरित करें तथा अपने श्रेष्ठ गुणों को राष्ट्र निर्माण में लगाएं।

इस अवसर पर नगर आयुक्त डॉ. विपिन कुमार मिश्र, मुख्य विकास अधिकारी डॉ. अपराजिता सिंह, एसपी सिटी देवेंद्र कुमार, डिप्टी डायरेक्टर अजय वीर सिंह यादव, क्षेत्रीय मद्य निषेध अधिकारी आर.एल. राजवंशी, जिला समाज कल्याण अधिकारी राजेश कुमार शर्मा, जिला विद्यालय निरीक्षक हरिवंश कुमार, विद्यालय सचिव डॉ. एके मिश्रा, प्रधानाचार्य एसके आजाद व अनेक अधिकारी, शिक्षक और विद्यार्थी मौजूद रहे।

एसएस कॉलेज सभागार में आयोजित "कर्मयोग, मद्य निषेध एवं विकसित भारत" विषयक संगोष्ठी में विचार व्यक्त करते अपर मुख्य सचिव एल. वेंकटेश्वर लू।

एसपी ने चेक किया पुलिस रिस्पांस टाइम

शाहजहांपुर, अमृत विचार: एसपी राजेश द्विवेदी ने कानून व्यवस्था को बेहतर बनाने के लिए शुक्रवार देर रात पुलिस के रिस्पांस टाइम की जांच की। इस दौरान खिरनीबाग में सूचना मिलने पर सदर बाजार थाना का पुलिस फोर्स पांच मिनट में पहुंच गया। एसपी अपने आवास से सीधे खिरनी बाग चौराहे पर पहुंचे। उन्होंने पुलिस अधिकारियों और सदर बाजार पुलिस को तत्काल पहुंचने के निर्देश दिए। पुलिस कर्मचारियों के पहुंचने पर एसपी ने उनसे बातचीत की और भविष्य में किसी सूचना पर त्वरित प्रतिक्रिया देनें के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि हाईवे से लेकर शहर तक पुलिस बराबर गश्त कर रही है, जिससे सुरक्षा व्यवस्था बनी रहे। एसपी ने पुलिस को मुस्तैद रखने और किसी घटना या दुर्घटना की स्थिति पीड़ितों तक त्वरित सहायता पहुंचाने के उद्देश्य से यह अभियान चलाया है।

न्यूज ब्रीफ

किन्नर ने मेडिकल कॉलेज में किया हंगामा

शाहजहांपुर, अमृत विचार : जांच रिपोर्ट लेने मेडिकल कॉलेज आई एक किन्नर ने मेडिकल कॉलेज में जमकर हंगामा किया। वहां मौजूद लोगों ने उसे शांत कराया। लखीमपुर खीरी जिले के मोहम्मदी क्षेत्र की एक किन्नर अपनी मां की जांच कराने दो दिन पूर्व आई थी। वह अपनी मां की जांच रिपोर्ट लेने मेडिकल कॉलेज में शनिवार की सुबह आई। वह रिपोर्ट लेने पैथोलॉजी विभाग गई। कर्मचारी किन्नर को रिपोर्ट देने में आनाकानी कर रहे थे। इस दौरान किन्नर ने हंगामा किया। इस दौरान लोगों की भीड़ लग गई। कर्मचारियों ने कहा कि दो घंटे बाद रिपोर्ट मिल जाएगी। इस आश्वासन पर मामला शांत हुआ।

महिला से की मारपीट तीन नामजद

तिलहर, अमृत विचार : क्षेत्र के गांव बरैंचा निवासी प्रेमवती ने पुलिस को तहरीर देकर आरोप लगाया है 30 अक्टूबर को वह गांव के बाहर कंडे निकाल रही थी। इसी दौरान गांव के अवधेश, उनकी पत्नी और पुत्र रामविशेष वहां पहुंचे। आरोप है कि तीनों ने उसे घेरकर गालियां दीं। विरोध करने पर सभी ने मारपीट की और जान से मारने की धमकी दी। पीड़िता ने तीनों के खिलाफ नामजद रिपोर्ट दर्ज कराई है। प्रभारी निरीक्षक राकेश कुमार ने बताया कि पीड़िता की तहरीर पर मुकदमा दर्ज कर लिया गया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

पुलिस ने नहीं लिखी चोरी की रिपोर्ट

सिंधौली, अमृत विचार : शादी के तीन दिन पहले चोर घर से नकदी और जेवर समेट ले गए, पीड़ित परिवार ने पुलिस से कार्रवाई की गुहार लगाई, लेकिन उसकी रिपोर्ट दर्ज नहीं की गई।जेवर न मिलने से युवक का रिश्ता टूट गया। कस्बा सिंधौली निवासी परिवार ने बताया उसने बेटे की शादी तय की थी, घर में शादी की तैयारी चल रही थी। शादी के तीन दिन पहले चोर घर से नकदी- जेवर समेट ले गए। पुलिस की निष्क्रियता से चोरी का पर्दाफाश नहीं हुआ। जेवर के अभाव में युवक की शादी नहीं हो सकी।

झोपड़ी में आग लगाने का आरोप

रोजा, अमृत विचार : दो ग्रामीणों ने एक व्यक्ति पर रंजिशन झोपड़ी में आग लगाने का आरोप लगाया। थाना क्षेत्र के गांव सिसौआ निवासी बाबा छोटेलाल और रामदास ने एसपी को दिए गए प्रार्थना पत्र में बताया कि शुक्रवार की शाम खेत पर शौच करने के लिए गए थे। आरोप है कि उसकी झोपड़ी में आग लगा दी, जिससे 20 हजार रुपये और घरेलू सामान जल गया है। उन्होंने लौटते पर एक व्यक्ति को भागते हुए देखा था। प्रभारी निरीक्षक ने बताया कि मामले की जांच की जा रही है।

हादसे में युवक की मौत दोस्त घायल

शाहजहांपुर, अमृत विचार : बंडा क्षेत्र में दो बाइकों की आमने-सामने टक्कर हो जाने से एक बाइक पर सवार दो लोग घायल हो गए। दोनों घायलों को मेडिकल कालेज लाया गया। डाक्टर ने एक युवक को मृत घोषित कर दिया। बंडा थाना क्षेत्र के गांव भावी निवासी 62 वर्षीय मुनेंद्र पाल दोपहर को बाइक से अपने दोस्त के साथ बाजार से घर लौट रहा था। गांव के बाहर उसकी बाइक दूसरी बाइक से टकरा गयी, जिससे दोनों लोग घायल हो गए। दोनों घायलों को मेडिकल कालेज लाया गया। जहां इलाज के दौरान घायल मुनेंद्र पाल की मौत हो गयी। मौत की खबर से परिवार में रोना पीटना मच गया। पुलिस ने शव का पोस्टमार्टम कराया।

जंगल में युवक का संदिग्ध हालात में शव मिला, हत्या की आशंका

गले में बंधा गमछा, शरीर पर चोटों के निशान देख परिजनों ने लगाया हत्या का आरोप

कार्यालय संवाददाता, शाहजहांपुर

- फॉरेंसिक टीम ने किया साक्ष्य संग्रह, एसपी राजेश द्विवेदी ने घटनास्थल का निरीक्षण किया
- पोस्टमार्टम रिपोर्ट में हैंगिंग से हुई मौत, शरीर पर सात चोटों के निशान पाए गए

अमृत विचार: सदर बाजार थाना क्षेत्र में शनिवार की सुबह सेना की फायरिंग रेंज से कुछ दूरी पर जंगल में एक युवक का संदिग्ध अवस्था में शव मिलने से सनसनी फैल गई। मृतक के गले में गमछा बंधा था और शरीर पर कई चोटों के निशान थे। शव के पास एक टूटा हुआ डंडा भी मिला। पुलिस को आशंका है कि युवक की हत्या की गई है।

हाइडिल कॉलोनी, पुवायां रोड निवासी अमर कश्यप (30) शुक्रवार दोपहर बकरियां चराने के लिए जंगल की ओर गया था। शाम करीब 4:30 बजे बकरियां तो घर लौट आईं, लेकिन अमर घर नहीं पहुंचा। परिवार वालों ने पहले सोचा कि वह कहीं रुक गया होगा, पर देर रात तक उसका कोई पता नहीं चला। शनिवार सुबह करीब 10 बजे ग्रामीणों ने हाइडिल कॉलोनी से लगभग दो किलोमीटर दूर जंगल में एक शव पड़ा देखा, जिसकी पहचान अमर कश्यप के रूप में हुई।

परिवार के सदस्य चंदन मौके पर पहुंचे और बताया कि अमर के गले में गमछा बंधा था और सिर पर गहरी चोटें थीं। पास ही एक डंडा पड़ा मिला, जिससे मारपीट की गई होगी। सूचना पर प्रभारी निरीक्षक बृजेश कुमार सिंह, एसपी राजेश द्विवेदी, एसपी सिटी और सीओ सिटी मौके पर पहुंचे। फोरेंसिक टीम ने जांच कर साक्ष्य एकत्र किए और शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया।

परिजनों ने बताया दो दिन पहले अमर का कॉलोनी के ही एक युवक से विवाद हुआ था, जिसने उसे जान से मारने की धमकी दी थी। परिवार ने आरोप लगाया कि अमर की गला घोटकर और पीट-पीटकर हत्या की गई है। पुलिस का कहना है कि मामले की जांच की जा रही है और तहरीर मिलने पर आगे की कार्रवाई की जाएगी। पोस्टमार्टम रिपोर्ट में खुलासा हुआ है कि अमर की मौत हैंगिंग (फांसी) से हुई है, लेकिन उसके शरीर पर सात चोटों के निशान पाए गए हैं। सिर में एक गहरी खुली चोट भी थी, जबकि गला उसी के गमछे से कसा हुआ था। पुलिस हर पहलू पर जांच कर रही है, ताकि यह स्पष्ट हो सके कि यह आत्महत्या थी या हत्या के बाद शव को लटकाया गया।

एसपी राजेश द्विवेदी घटनास्थल का निरीक्षण करते हुए। ● अमृत विचार

देर रात तक घर न लौटने पर परिजन हुए परेशान

परिवार के अनुसार अमर कश्यप चार भाइयों में दूसरे नंबर पर था। उसके एक भाई की एक माह पूर्व कैंसर से मौत हो चुकी थी। वह करीब 15 बकरियां चराकर जीविकोपार्जन करता था। शुक्रवार को वह हमेशा की तरह बकरियां लेकर गया था, जो अकेले घर लौट आईं, लेकिन वह वापस नहीं आया। शव मिलने के बाद परिवार में कोहराम मच गया और माहौल शोकपूर्ण हो गया। एसपी राजेश द्विवेदी ने बताया कि मृतक का शव फायरिंग रेंज की तरफ जंगल में मिला था। पुलिस को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए हैं। जांच के बाद ही स्थिति स्पष्ट हो सकेगी।

प्रेमिका से शादी नहीं होने पर दी जान

कार्यालय संवाददाता, शाहजहांपुर

● मोहम्मदी की युवती से चल रहा था प्रेम-प्रसंग, कमरे में लगाया फंदा

अमृत विचार: एक युवक ने प्रेमिका की शादी दूसरी जगह तय हो जाने से क्षुब्ध होकर कमरे में पंखे के कुंडे से साड़ी का फंदा गले में डालकर जान दे दी। उसकी प्रेमिका के घर वालों ने शादी करने से मना कर दिया था। युवक ने दरवाजा अंदर से बंद कर लिया था और दरवाजा तोड़कर उसका शव उतारा गया।

चौक कोतवाली के मोहल्ला नवादा इंदेपुर निवासी अरविंद कुमार (24) मजदूरी करता था। शुक्रवार की शाम 7 बजे वह मजदूरी करके घर पर आया। 8 बजे एक कमरे में चला गया उसने कमरे का दरवाजा अंदर से बंद कर लिया और पंखे के कुंडे से साड़ी का फंदा गले में डालकर लटक गया। उसकी मां ने रात 10 बजे दरवाजा खटखटाया जो नहीं खुला, न ही अंदर से बेटे की आवाज आई। उसने रिश्तेदारों और पड़ोसियों को बताया कि अरविंद ने कमरे का दरवाजा अंदर से बंद कर लिया और खोल नहीं रहा। परिवार वालों ने चौक कोतवाली को सूचना दी। प्रभारी निरीक्षक अश्वनी कुमार सिंह सिपाहियों के साथ मौके पर पहुंचे। सिपाहियों ने दरवाजा काफी खटखटाया और कोई आवाज अंदर से नहीं आई। दरवाजे को तोड़ पुलिस अंदर गई तो देखा अरविंद का शव कुंडे से लटका हुआ था। पुलिस ने शव को नीचे उतारा। परिवार वालों ने बताया अरविंद का मोहम्मदी की एक युवती से प्रेम-प्रसंग चल रहा था। वह उससे हमेशा फोन पर बात किया करता था और उसी से शादी करना चाहता था। उसकी प्रेमिका ने उससे कहा कि उसके परिवार वालों ने दूसरी जगह शादी तय कर दी है। इसलिए अब शादी नहीं करेंगे। वह कई दिन से डिप्रेशन में रह रहा था। उसकी तीन बहनें है, जिसमें दो की शादी हो गयी है और एक की शादी नहीं हुई है। वह मजदूरी करके परिवार का पालन पोषण करता था। प्रभारी निरीक्षक ने बताया कि तहरीर मिलने पर आगे की कार्रवाई की जाएगी। पुलिस मामले की जांच कर रह रही है। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

महिला का शव कमरे में दुपट्टे से लटका मिला

संवाददाता, पुवायां/शाहजहांपुर

● मायके वालों ने लगाया मार डालने का आरोप

अमृत विचार : दो दिन पूर्व मायके से आयी एक नवविवाहिता का शव कमरे में दुपट्टे से लटका हुआ मिला है। उसकी शादी छह माह पूर्व हुई थी। मृतका के मायके वालों का आरोप है कि दहेज की खातिर उसको मारडाला और शव को लटका दिया।पुवायां थाना क्षेत्र के गांव नगला हरना निवासी शिवम की शादी छह माह पूर्व 20 वर्षीय प्रियांशी निवासी बरखेड़ा तालुके थाना दिउरिया जिला पीलीभीत के साथ हुई थी। शादी के कुछ दिनों तक वह ससुराल में रही और चार माह से मायके में रह रही थी। दो दिन पूर्व शिवम अपनी ससुराल गया और पत्नी प्रियांशी की विदा करके ले आया। शुक्रवार की रात में उसका शव कमरे में पंखे के कुंडे से दुपट्टे से लटका हुआ देखा। परिवार वालों ने शोर मचाया। परिवार और गांव वालों ने उसका शव नीचे उतार लिया। ससुराल वालों ने मृतका के मायके में सूचना दी। मृतका के पिता नंदराम बेटी की ससुराल पहुंचे और बेटी का शव जमीन पर रखा पाया। उन्होंने पुवायां थाना पर सूचना दी। पुलिस मौके पर पहुंची। मृतका के पिता ने बताया कि उसने छह माह पूर्व बेटी की शादी की थी। ससुराल वाले दहेज की मांग को लेकर उसकी बेटी को प्रताड़ित किया करते थे और दहेज में बाइक की मांग करते थे। उनका आरोप है कि ससुराल वालों ने उसकी पुत्री को मारकर लटका दिया। थाना प्रभारी करन सिंह ने बताया कि मायके वालों की तरफ से तहरीर नहीं आई है। तहरीर मिलने के बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी।

बोलेरो की टक्कर से बच्ची की मौत

● ग्रामीणों ने चालक को मौके पर पकड़कर पुलिस के हवाले किया

संवाददाता, परौर

अमृत विचार: गांव कौहीं स्थित नयागांव चौराहे पर शनिवार को जब सड़क पार कर रही आठ वर्षीय बच्ची रोशनी को तेज रफ्तार बोलेरो ने टक्कर मार दी उसकी मौके पर ही मौत हो गई।

घटना के बाद ग्रामीणों की भारी भीड़ मौके पर एकत्र हो गई। हादसे की जानकारी मिलते ही परिजन मौके पर पहुंचे और आनन-फानन में बच्ची को नजदीकी डॉक्टर के पास ले गए, लेकिन तब तक रोशनी की सांसें थम चुकी थीं। मृतका के पिता संजू पेंटर मेहनत-मजदूरी कर अपने परिवार का पालन-पोषण करते हैं। अचानक हुई इस घटना से परिवार में कोहराम मच गया। परिजन शव को देख विलाप करने लगे, जिससे माहौल गमगीन हो गया। ग्रामीणों ने मौके से पिकअप चालक को पकड़ लिया और पुलिस को सूचना दी। पुलिस मौके पर पहुंची और वाहन व चालक को हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू कर दी। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार वाहन तेज रफ्तार से आ रहा था और बच्ची को बचने का मौका तक नहीं मिला। घटना के बाद चालक मौके से भागने का प्रयास कर रहा था, लेकिन ग्रामीणों ने उसे पकड़ लिया। हादसे के बाद गांव में मातम छा गया और स्थानीय लोगों ने सड़क पर अनियंत्रित गति से दौड़ते वाहनों पर रोक लगाने की मांग की।

हादसे में घायल की बरेली ले जाते समय मौत

अल्हागंज/शाहजहांपुर, अमृत विचार : अज्ञात वाहन की टक्कर से एक व्यक्ति घायल हो गया। घायल की बरेली ले जाते समय मौत हो गयी। पुलिस ने अज्ञात चालक के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर ली है। थाना क्षेत्र के मोहल्ला साहुकारा निवासी संजीव ने थाना पर दी गई तहरीर में बताया कि दो दिन पूर्व उसके पिता 50 वर्षीय राम स्वरुप अल्हागंज-फर्रुखाबाद मार्ग पर फल की ठिलिया करने जा रहे थे। अज्ञात वाहन ने उसके पिता को टक्कर मार दी, जिससे उसके पिता घायल हो गए। घायल को फर्रुखाबाद के एक अस्पताल में भर्ती कराया गया था। परिवार वाले शुक्रवार की शाम घायल को बरेली लेकर जा रहे थे। रास्ते में घायल की मौत हो गयी। मौत की खबर से परिवार में रोना पीटना मच गया। पुलिस ने शव का पोस्टमार्टम कराया। पुलिस मामले की विवेचना कर रही है।

दिल्ली पुलिस नकली नोट के मामले में युवक को ले गई

शाहजहांपुर, अमृत विचार: दिल्ली पुलिस ने शहर में एक मकान पर छापा मारा और नकली नोट बरामद किए। पुलिस ने आरोपी को पकड़कर दिल्ली ले गयी है। दिल्ली पुलिस ने शनिवार की दोपहर चौक कोतवाली पहुंची।

पुलिस प्रभारी निरीक्षक से मिले और रवि अरोड़ा के यहां दबिश देने है। उसके एक साथी दिल्ली में नकली नोट समेत पकड़ा गया है। दिल्ली पुलिस ने दोपहर चौक कोतवाली पुलिस को साथ में लेकर रवि अरोड़ा के घर मोहल्ला चारखंभा में दविश दी। पुलिस ने उसके घर से 18 हजार 200 रुपये नकली नोट बरामद किए। यह नोट पांच सौ रुपये के थे। दिल्ली पुलिस आरोपी रवि अरोड़ा से पूछताछ की। प्रभारी निरीक्षक अश्वनी कुमार सिंह ने इसकी जानकारी दी।

शाहजहांपुर में रुकेगी वंदे भारत एक्सप्रेस

कार्यालय संवाददाता, शाहजहांपुर

● केंद्रीय राज्य मंत्री जितिन प्रसाद ने रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव को दिया धन्यवाद, बोले-अब यात्रियों को मिलेगी सुविधा

अमृत विचार: केंद्रीय राज्य मंत्री जितिन प्रसाद ने वंदे भारत एक्सप्रेस ट्रेन का शाहजहांपुर स्टेशन पर ठहराव किए जाने पर रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव का आभार व्यक्त किया है। उन्होंने कहा कि यह निर्णय शाहजहांपुर जनपद के यात्रियों के लिए एक बड़ी सौगात है। अब जिले से लखनऊ और सहारनपुर की यात्रा कम समय में, अधिक आरामदायक और सुरक्षित तरीके से पूरी की जा सकेगी।

जितिन प्रसाद।

जितिन प्रसाद ने कहा कि रेल मंत्री निरंतर उनकी जन्मभूमि और कर्मभूमि शाहजहांपुर के विकास के लिए विशेष ध्यान दे रहे हैं, जो अत्यंत प्रसन्नता का विषय है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार लोगों को तेज, सुरक्षित और आधुनिक परिवहन सुविधा उपलब्ध कराने के लिए लगातार प्रयासरत है। वंदे भारत एक्सप्रेस का ठहराव इसी दिशा में एक बड़ा कदम है। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि यह ट्रेन शाहजहांपुर सहित आसपास के जिलों के यात्रियों के लिए भी अत्यंत उपयोगी साबित होगी। इससे व्यापार, शिक्षा और पर्यटन को नई गति मिलेगी तथा जिले के विकास में तेजी आएगी। बता दें कि वंदे भारत एक्सप्रेस भारत की सबसे आधुनिक और स्वदेश निर्मित अर्ध-हाईस्पीड ट्रेन है, जो 160 किलोमीटर प्रति घंटा की गति से चल सकती है। इसमें यात्रियों की सुविधा के लिए अत्याधुनिक सुविधाएं उपलब्ध हैं। ट्रेन में स्वचालित दरवाजे, जीपीएस आधारित सूचना प्रणाली, एयरलाइन जैसी घूमने योग्य सीटें, सीसीटीवी कैमरे, फायर सेफ्टी सिस्टम और रिकुपरेटिव ब्रेकिंग तकनीक जैसी सुविधाएं हैं, जिससे यह ऊर्जा की बचत करते हुए पर्यावरण के अनुकूल यात्रा प्रदान करती है।

टेंपो की छत पर रखे बैग की चेन खोलकर जेवर चोरी

कार्यालय संवाददाता, शाहजहांपुर

● बैग टेंपो की छत पर रखा था,चालक की तलाश जारी

अमृत विचार: टेंपो की छत पर रखे महिला के बैग की अज्ञात व्यक्ति ने चेन खोल ली। उसके बैग से लाखों रुपये के जेवर चुरा लिए और चंपत हो गया। इधर चालक भी मौका पाकर भाग गया। पुलिस ने चालक की तलाश में सीसीटीवी कैमरे खंगाल है।

बरेली के बिथरी चैनपुर थाना क्षेत्र के गांव उड़ला जागीर निवासी रिफाकत अली की पत्नी शबाना बेगम अपनी मां रुकसाना बेगम के साथ खुदागंज रिश्तेदारी में गयी थी। शनिवार की दोपहर खुदागंज से टेंपो में सवार होकर कटरा चौराहे पर आई। महिला कटरा चौराहे पर ओवरब्रिज के नीचे खड़े टैंपो में नरियावल जाने के लिए बैठ गयी। चालक ने उसका बैग लेकर टेंपो की छत पर रख दिया। महिला नरियावल में टेंपो से उतरी और छत पर से बैग उतरवाया। उसने देखा कि बैग की चेन खुली हुई थी। बैग में रखे दस लाख रुपये के सोने और चांदी के जेवर गायब थे। उसने चालक को रोकने का प्रयास किया तो चालक टैंपो में सवारियां उतारकर भाग गया। कटरा पुलिस ने चौराहे पर लगे सीसीटीवी कैमरे चेक किए। प्रभारी निरीक्षक ने बताया कि महिला की तरफ से तहरीर मिल गयी है और जांच की जा रही है। चालक की तलाश की जा रही है। उन्होंने कहा कि घटना का शीघ्र खुलासा होगा।

प्रेमी के साथ जाने की जिद पर अड़ी

संवाददाता, कलान

प्रेमी को पिटता देख ससुराल वालों से लड़ी महिला

शाहजहांपुर, अमृत विचार : कचहरी परिसर में शनिवार की दोपहर एक युवती प्रेमी से कोर्ट मैरिज करने के लिए आई। युवती के ससुराल वाले पहुंच गए और उसके प्रेमी को पीट दिया। इस दौरान युवती का ससुराल वालों से विवाद हो गया। लखीमपुर खीरी के उचौलिया थाना क्षेत्र के युवक का विवाह पुवायां क्षेत्र में एक युवती से हुआ था। उस युवती का क्षेत्र के एक युवक से प्रेम-प्रसंग हो गया। युवती दोपहर को कचहरी लव मैरिज करने के लिए अपने प्रेमी के साथ पहुंची। युवती के ससुराल वाले पहुंच गए। ससुराल वालों ने उसके प्रेमी की पिटाई कर दी। उसने अपने प्रेमी को बचाने का प्रयास किया, जिसके सिर में चोट लग गयी। इस दौरान हंगामा हो गया। सिपाहियों ने दोनों पक्षों का बीच बचाव कराया। युवती अपने मायके वालों के साथ चली गयी और प्रेमी अपने घर चला गया। प्रभारी निरीक्षक ने बताया कि थाना पर कोई सूचना नहीं है।

अमृत विचार: कस्बा कलान के एक मोहल्ले में रहने वाली महिला ने प्रेमी के साथ जाने की जिद में शनिवार को थाने पर जमकर हंगामा काटा। इस दौरान उसका भाई और प्रेमी आमने-सामने आ गए। पुलिस ने तत्काल हस्तक्षेप कर प्रेमी को हिरासत में ले लिया।

युवती की शादी करीब दो वर्ष पहले परौर थाना क्षेत्र के एक गांव में हुई थी और उसका एक छोटा बच्चा भी है। बताया जाता है कि उसकी रिश्तेदारी जलालाबाद क्षेत्र के एक मोहल्ले में है, जहां उसकी मुलाकात एक तीन बच्चों के पिता से हुई थी। दोनों के बीच नजदीकियां बढ़ीं और धीरे-धीरे प्रेम संबंध बन गया। परिवार के विरोध के बावजूद उसने पति से नाता तोड़ने और बच्चे को मायके वालों के सुपुर्द करने का निर्णय लिया। इसके बाद वह प्रेमी के साथ रहने की जिद पर अड़ गई। जब मामला थाने पहुंचा तो युवती, उसका भाई और प्रेमी आपस में भिड़ गए। पुलिस ने स्थिति बिगड़ते देख प्रेमी को हिरासत में ले लिया। महिला ने थाने में ही प्रेमी से निकाह करने की जिद की और कहा कि वह अब उसी के साथ रहेगी। वहीं प्रेमी का भाई भी थाने में पहुंच गया और उसने दोनों के विवाह के लिए सहमति जताई। पुलिस ने पूछताछ के दौरान पता लगाया कि युवती का प्रेमी पहले से विवाहित है और तीन बच्चों का पिता है। इस संबंध में पुलिस ने उसकी पत्नी को सूचना दे दी है। फिलहाल पुलिस पूरे मामले की जांच कर रही है और दोनों पक्षों से पूछताछ जारी है।

कालामठ मंदिर परिसर में सौंदर्यीकरण पर विवाद

संवाददाता, पुवायां

● मोहल्लेवासियों ने दिया स्पष्टीकरण अराजक तत्वों पर कार्रवाई की मांग

अमृत विचार: वार्ड नं. 9 मोहल्ला छावनी में ऐतिहासिक कालामठ मंदिर परिसर में नगर पालिका परिषद द्वारा कराए जा रहे सौंदर्यीकरण को लेकर कुछ लोगों द्वारा विवाद करने के बाद अब मोहल्लेवासियों ने आगे आकर स्थिति स्पष्ट की है।

मोहल्लेवासियों ने के माध्यम से प्रशासन को अवगत कराया कि कालामठ मंदिर परिसर में स्थित शिव मंदिर और उसके सामने बनी स्वतंत्रता संग्राम सेनानी मौलवी अहमद उल्ला शाह की मजार का सौंदर्यीकरण कार्य नगर पालिका द्वारा कराया जा रहा है। इस कार्य से स्थानीय लोग प्रसन्न हैं और उन्हें मंदिर या मजार के कार्य से कोई आपत्ति नहीं है। मोहल्लेवासियों का कहना है कि कुछ बाहरी अराजक तत्व इस कार्य में जानबूझकर बाधा डाल रहे हैं और अफवाह फैला रहे हैं कि मंदिर से मूर्तियां तोड़ी या हटाई गई हैं। जबकि वास्तविकता यह है कि परिसर में पहले से रखी खंडित मूर्तियों को निर्माण कार्य के दौरान ठेकेदार ने सुरक्षित रूप से शिव मंदिर के बरामदे में रखवा दिया है, किसी भी मूर्ति को नुकसान नहीं पहुंचाया गया। अराजक तत्वों के विरोध के कारण सौंदर्यीकरण कार्य फिलहाल रुक गया है। मोहल्लेवासियों ने प्रशासन से अनुरोध किया है कि ऐसे तत्वों को चिन्हित कर उनके खिलाफ कार्रवाई की जाए। पत्र पर शिवसिंह, रमेश, रामनिवास, गौरव, सर्वेश, मोनू, रामबेटी समेत अन्य ने हस्ताक्षार किए है।

मायके में महिला ने फंदा लगाकर दी जान

संवाददाता रोजा/शाहजहांपुर

● एक घंटे पहले पति से फोन पर की बात, आरोप ससुराल वाले प्रताड़ित करते थे

अमृत विचार: शाहगंज में पति से फोन पर बात होने के बाद एक महिला ने कमरे का दरवाजा अंदर से बंद करके साड़ी का फंदा गले में डालकर जान दे दी। पुलिस मौके पर पहुंची और शव को नीचे उतारा। मृतका के भाई ने ससुराल वालों पर बहन पर मानसिक उत्पीड़न का आरोप लगाया है।

रोजा थाना क्षेत्र के गांव शाहगंज निवासी राजेश ने बताया कि उसनी अपनी बहन 22 वर्षीय मोनी की शादी लखीमपुर में गोला तहसील के गांव वजीरपुर में की थी। उसका आरोप है कि ससुराल वाले दहेज की मांग को लेकर उसकी बहन को प्रताड़ित किया करते थे। ससुराल वालों से तंग आकर उसकी बहन कई माह से अपने मायके में रह रही थी। आरोप है कि शनिवार की शाम मोनी ने अपने पति से मोबाइल पर फोन पर बात की। उसके बाद उसकी बहन ने कमरे में कुंडे से साड़ी का फंदा गले में डालकर जान दे दी। सूचना पर प्रभारी निरीक्षक राजीव कुमार मौके पर पहुंचे और शव को नीचे उतार लिया। उन्होंने बताया कि परिवार वालों की तरफ से कोई तहरीर नहीं है। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

महिला से की मारपीट चार पर रिपोर्ट दर्ज

तिलहर, अमृत विचार: रंजिशन बुजुर्ग महिला पर कुल्हाड़ी से हमला कर गंभीर रूप से घायल कर दिया गया। पुलिस ने पीड़िता की तहरीर पर चार लोगों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।गांव हथगांव निवासी गुड्डी देवी ने पुलिस को दी तहरीर में बताया 23 अक्टूबर की शाम 8 बजे गांव के श्रवण, अजय पाल, संजीव, सुरजीत रंजिशन गाली-गलौज करने लगे। विरोध करने पर श्रवण अपने साथियों के साथ धारदार हथियार लेकर घर में घुस आया। वह जान बचाने के लिए छिप गईं, तभी श्रवण ने कुल्हाड़ी से हमला कर दिया, जिससे उनके सिर में गंभीर चोटें आईं। शोर सुनकर बेटा रामवीर और बेटी माधुरी मौके पर पहुंचे और बचाने की कोशिश की तो आरोपी जान से मारने की धमकी देते हुए भाग गए।

कवायद एसपी ने किया यातायात माह का शुभारंभ, राहगीरों को बांटे हेलमेट

सुरक्षित जीवन के लिए सीट बेल्ट और हेलमेट जरूरी

कार्यालय संवाददाता, शाहजहांपुर

अमृत विचार: जनपद में शनिवार को यातायात नियमों के प्रति जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से यातायात माह का शुभारंभ किया गया। कार्यक्रम का उद्घाटन पुलिस अधीक्षक राजेश द्विवेदी ने किया। इस दौरान पुलिस और प्रशासनिक अधिकारियों के साथ-साथ उत्तर प्रदेश उद्योग व्यापार प्रतिनिधि मंडल ने हर वर्ष की तरह इस बार भी सक्रिय सहयोग प्रदान किया।

कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि सीडीओ डॉ. अपराजिता सिंह रहीं। उन्होंने उपस्थित जनसमूह को संबोधित करते हुए कहा कि "जीवन सुरक्षा सर्वोपरि है।" उन्होंने नागरिकों से अपील की कि दोपहिया वाहन चलाते समय हेलमेट और चार पहिया वाहन चलाते समय सीट बेल्ट का प्रयोग अनिवार्य रूप से करें। उन्होंने कहा कि ये उपकरण चालान से बचने का साधन नहीं, बल्कि जीवन रक्षा का कवच हैं। इस अवसर पर नगर आयुक्त डॉ. विपिन मिश्रा, एसपी सिटी देवेंद्र कुमार, सीओ सिटी पंकज पंत, सीओ ट्रैफिक संजय कुमार सिंह, आरटीओ सर्वेश कुमार सिंह, अपर नगर आयुक्त एसके सिंह, यातायात प्रभारी विनय कुमार पांडेय सहित ट्रैफिक विभाग का पूरा स्टाफ उपस्थित रहा। सभी ने यातायात नियमों के पालन और सड़क सुरक्षा पर बल दिया।

एसपी राहगीरों को हेलमेट वितरित करते हुए। ● अमृत विचार

व्यापार प्रतिनिधि मंडल की ओर से जिला अध्यक्ष वेद प्रकाश गुप्ता ने पुलिस अधीक्षक का स्वागत किया, जबकि महानगर अध्यक्ष सचिन बाथम ने नगर आयुक्त डॉ. विपिन मिश्रा को पुष्पगुच्छ भेंट कर अभिनंदन किया। इसके साथ ही प्रांतीय संयुक्त महामंत्री नारायण दास अग्रवाल, प्रांतीय मंत्री सुरेंद्र सिंह सेठ, जिला महामंत्री आकाशदीप गुप्ता और महानगर महामंत्री अमित शर्मा ने अन्य अधिकारियों का स्वागत किया।

कार्यक्रम के अंत में पुलिस अधीक्षक राजेश द्विवेदी स्वयं सड़क पर उतरे और राहगीरों को हेलमेट वितरित किए। कार्यक्रम का संचालन नरेंद्र सक्सेना ने किया। इस अवसर पर कुंज बिहारी अग्रवाल, राजीव खन्ना, सुशील दीक्षित, रेहान मिर्जा, इकबाल खां लकी, अक्षय कदम, पंकज टंडन, अशोक गुप्ता, अजय गुप्ता, विवेक सहगल, सचिन अग्रवाल, कामेश वर्मा, यासिर, दिनेश राजा, अनीस राजा, उमंग गुप्ता, फुरकान, शादान, विकास पांडे, और शादाब खान सहित बड़ी संख्या में व्यापारी और सामाजिक कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

अमृत विचार

बरेली, रविवार,2 नवंबर 2025

शाहजहांपुर

न्यूज ब्रीफ

चकबंदी के बाद भी नहीं मिला कब्जा

तिलहर, अमृत विचार : बरहा मोहब्बतपुर गांव के किसानों ने शनिवार को समाधान दिवस में हंगामा करते हुए अपनी जमीनों पर कब्जा दिलाने की मांग की। किसानों ने बताया कि चकबंदी को 14 वर्ष बीत चुके हैं, लेकिन अभी तक उन्हें उनकी जमीन का कब्जा नहीं मिला। आरोप लगाया कि कुछ प्रभावशाली लोगों ने उनकी जमीन पर अवैध कब्जा कर रखा है। किसानों का कहना है कि वे 12 वर्षों से अधिकारियों के चक्कर लगा रहे हैं, लेकिन सिर्फ आश्वासन ही मिल रहा है। उन्होंने कहा कि जमीन न मिलने से वे भुखमरी की कगार पर हैं और मजदूरी कर जीवन यापन कर रहे हैं। किसानों ने चेतावनी दी कि यदि शीघ्र समाधान नहीं हुआ तो वे आंदोलन करेंगे। मौके पर पातीराम, मिथिलेश, श्रीपाल, राजाराम, मलखान, अरविंद, विक्रम, रामदास, अमीरुद्दीन सहित दर्जनों किसान मौजूद रहे।

करियर मेले में विशेषज्ञों ने किया मार्गदर्शन

सिंधौली, अमृत विचार : राजकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय में शनिवार को कैरियर मेले का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी अजयपाल वर्मा और अपराध निरीक्षक राजेश कुमार ने दीप प्रज्वलित कर किया। अजयपाल वर्मा ने छात्रों से कहा कि ऐसा कैरियर चुनें जिसमें सम्मान और सफलता दोनों मिलें। राजेश कुमार ने विद्यार्थियों को प्रेरित करते हुए कहा कि सफलता मेहनत और आत्मविश्वास से मिलती है। चिकित्सा विभाग की डॉ. तरु साहू ने छात्रों को नीट परीक्षा और चिकित्सा शिक्षा से जुड़ी जानकारी दी। प्रधानाचार्या कृष्णा गुप्ता ने कहा कि ऐसे आयोजन छात्रों में जागरूकता बढ़ाने में मददगार होते हैं। कार्यक्रम में छात्रों ने हस्तकला, मिठाई, चाय-समोसा और सिलाई के आकर्षक स्टॉल भी लगाए।

रॉड मारकर युवक को किया घायल

पीलीभीत,अमृत विचार : ग्राम रूपपुर कृपा निवासी रंजीत ने पुलिस को तहरीर देकर बताया 31 अक्टूबर की रात 10 बजे वह अपने घर में बैठा हुआ था। तभी गांव का ही विकास उसके घर पर आकर दरवाजा खटखटाने लगा। जब उसने दरवाजे पर जाकर देखा तो आरोपी ने उसके साथ गाली गलौज करते हुए मारपीट करना शुरू कर दी। उसके चेहरे पर स्टील की रॉड मार दी। जान से मारने की धमकी देता हुआ आरोपी भाग गया। पुलिस ने नामजद रिपोर्ट दर्ज की है।

छात्रों के शोषण के खिलाफ एबीवीपी का प्रदर्शन

काइनेटिक इंस्टीट्यूट प्रबंधन पर फाइन के नाम पर अवैध वसूली और अनियमितताओं का आरोप

कार्यालय संवाददाता, शाहजहांपुर

कलेक्ट्रेट परिसर में प्रदर्शन करते एबीवीपी कार्यकर्ता। ● अमृत विचार

- एबीवीपी ने पूर्व में डीएम को दिया था ज्ञापन, कार्रवाई न होने पर प्रदर्शन में फूटा आक्रोश
- सम्पूर्ण समाधान दिवस में एडीएम प्रशासन व सिटी मजिस्ट्रेट ने सुनी समस्याएं, जांच का आश्वासन

> सारे आरोप झूठे हैं। काइनेटिक इंस्टीट्यूट में कोई अनियमितता नहीं है। सच्चाई जांच में सामने आ जाएगी।
> – विवेक गुप्ता, डायरेक्टर काइनेटिक इंस्टीट्यूट।

अमृत विचार: कलेक्ट्रेट परिसर में शनिवार को अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद के कार्यकर्ताओं ने काइनेटिक इंस्टीट्यूट महुआ पाठक के खिलाफ जोरदार प्रदर्शन किया। प्रदर्शनकारियों ने नारे लगाते हुए संस्थान प्रबंधन के खिलाफ कार्रवाई की मांग की। छात्रों ने आरोप लगाया कि काइनेटिक इंस्टीट्यूट प्रशासन विद्यार्थियों से फाइन के नाम पर अवैध वसूली कर रहा है और विरोध करने वाले छात्रों को मानसिक रूप से प्रताड़ित किया जाता है।

एबीवीपी की ओर से पूर्व में जिलाधिकारी को ज्ञापन देकर इस संबंध में शिकायत की गई थी, लेकिन कोई ठोस कार्रवाई न होने पर परिषद ने शनिवार को हल्लाबोल किया। प्रदर्शन के दौरान एबीवीपी के जिला संयोजक योगेंद्र मिश्र ने कहा कि संस्थान में छात्रों के साथ आर्थिक और मानसिक शोषण किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि विद्यालय में कई गंभीर अनियमितताएं पाई जा रही हैं, जिन पर प्रशासन को तुरंत कार्रवाई करनी चाहिए।

परिषद द्वारा दिए गए ज्ञापन में बताया गया कि संस्थान में शनिवार को अवकाश रखा जाता है और रविवार को कक्षाएं चलाई जाती हैं, जो नियमों के विपरीत है। विद्यालय में अग्निशमन यंत्रों की कोई व्यवस्था नहीं है, न ही पर्याप्त सीसीटीवी कैमरे लगे हैं। संस्थान तक पहुंचने का रास्ता भी अत्यधिक संकरा है, जिससे विद्यार्थियों को आवागमन में दिक्कत होती है। ज्ञापन में यह भी आरोप लगाया गया है कि छात्रों के मूल अभिलेख विद्यालय प्रशासन अपने पास रखता है और उन्हें वापस करने के नाम पर धन वसूली की जाती है। इसके अलावा फीस की कोई पावती नहीं दी जाती है और ग्रामीण पृष्ठभूमि से आने वाले विद्यार्थियों व अभिभावकों के साथ अभद्र भाषा का प्रयोग किया जाता है। एबीवीपी ने इन सभी बिंदुओं पर दो दिन के भीतर कार्रवाई करने की मांग की थी, अन्यथा आंदोलन तेज करने की चेतावनी दी थी। शनिवार को सम्पूर्ण समाधान दिवस होने के कारण जिलाधिकारी की जगह एडीएम प्रशासन रजनीश मिश्र ने छात्रों की शिकायतें सुनीं। छात्रों के बढ़ते आक्रोश को देखते हुए पुलिस प्रशासन भी सक्रिय रहा। काफी देर तक चले हंगामे के बाद एडीएम प्रशासन और सिटी मजिस्ट्रेट ने एबीवीपी के प्रतिनिधिमंडल से ज्ञापन प्राप्त किया और पूरे मामले की जांच कराने का आश्वासन दिया। परिषद पदाधिकारियों ने कहा कि यदि शीघ्र कार्रवाई नहीं की गई तो संगठन जिला मुख्यालय पर व्यापक आंदोलन करेगा।

छात्रों ने लिया विभिन्न खेल स्पर्धा में हिस्सा

कार्यक्रम के दौरान मेडल के साथ विजेता बच्चे। ● अमृत विचार

कार्यालय संवाददाता, शाहजहांपुर

अमृत विचार : लीड कान्वेंट स्कूल में विद्यार्थियों ने आयोजित विभिन्न खेलों में भाग लेकर जेसीआई सेवा सप्ताह 2025 के स्पोर्ट्स एंड वैलनेस डे मनाया किया। कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि डॉ. सत्यप्रकाश मिश्रा एवं विशिष्ट अतिथि जेसीआई के प्रेसिडेंट कामेश वर्मा, सदस्य अभिषेक जायसवाल, नवनीश कटियार, अमन मलिक, व्यापार मंडल के अध्यक्ष सचिन बाथम, पदमा गुप्ता रहे।

सभी प्रधानाचार्या तराना जमाल व निदेशक मोहम्मद जमाल के साथ कार्यक्रम का शुभारंभ किया। इसके बाद खिलाड़ियों ने भाव मार्च पास कर मुख्य अतिथियों को गार्ड ऑफ ऑनर दिया। स्कूल के ब्लू हाउस के खिलाड़ियों ने सर्वाधिक अंक जीतकर ओवरऑल ट्रॉफी जीती। स्कूल के मैदान में आयोजित खेलों व प्रतियोगिता में भाग लेने वाले विद्यार्थियों ने खेल भावना से भाग लेने की शपथ भी ली। कक्षा 1 से कक्षा 8 तक के छात्र-छात्राओं ने खेल प्रतियोगिताएं में भाग लेकर अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। खो खो में ग्रीन हाउस विजेता येलो हाउस उपविजेता रहा एवं ब्लू हाउस विजेता एवं रेड हाउस उपविजेता रहा। अंत में विभिन्न वर्गों के विजेताओं व उपविजेताओं को मुख्य अतिथि डॉ. सत्य प्रकाश मिश्रा एवं जेसीआई के प्रेसिडेंट कामेश वर्मा आदि ने प्रशस्ति पत्र व मेडल देकर पुरस्कृत किया।

एम-पैक्स मथाना ने शुरू किया व्यवसाय

कार्यालय संवाददाता, शाहजहांपुर

मदनापुर ब्लॉक में नवगठित एम-पैक्स मथाना की पहली खाद खेप को हरी झंडी दिखाकर रवाना करते जिला सहकारी बैंक अध्यक्ष डीपी सिंह राठौर। ● अमृत विचार

- डीएपी की पहली खेप को हरी झंडी दिखाकर किया रवाना

अमृत विचार: मदनापुर में सहकार से समृद्धि कार्यक्रम के तहत नवगठित एम-पैक्स मथाना समिति ने अपना व्यवसाय प्रारंभ किया। इसी क्रम में डीएपी खाद की पहली खेप 20 मीट्रिक टन को जिला सहकारी बैंक अध्यक्ष डीपी सिंह राठौर ने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया।

इस अवसर पर डीपी सिंह राठौर ने कहा कि सहकारिता आंदोलन अब नए आयाम स्थापित कर रहा है। न्यायपंचायत और ग्राम पंचायत स्तर पर समितियों के गठन से किसानों को खाद, बीज और ऋण की डोर-स्टेप सुविधा प्राप्त होगी। उन्होंने कहा कि इससे किसानों को किसी भी प्रकार की परेशानी का सामना नहीं करना पड़ेगा और सहकारिता की जड़ें ग्राम स्तर तक मजबूत होंगी। उन्होंने कहा कि सहकारिता विभाग किसानों की आर्थिक उन्नति और कृषि उत्पादन बढ़ाने के लिए पूरी प्रतिबद्धता से कार्य कर रहा है। जनपद में खाद की कोई कमी नहीं है। सभी वास्तविक कृषकों को समय से खाद उपलब्ध कराने के निर्देश दिए गए हैं।

राठौर ने राजनीतिक लाभ के लिए सहकारिता के नाम पर अफवाह फैलाने वालों को चेतावनी देते हुए कहा कि खाद वितरण को लेकर किसी भी प्रकार की राजनीति बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने कहा कि सहकारिता के माध्यम से किसानों के लिए अभूतपूर्व कार्य किए जा रहे हैं, जिससे उनका जीवन स्तर बेहतर हो सके।

इस अवसर पर एआर कोऑपरेटिव अखिलेश प्रताप सिंह, मुख्य कार्यपालक अधिकारी सौरभ द्विवेदी, पीसीएफ जिला प्रबंधक यशवीर सिंह, एडीसीओ बैंकिंग हरिकेश सिंह, एडीसीओ सदर संजय सिंह, एडीओ राकेश कुमार सिंह, इफको क्षेत्रीय प्रबंधक राम रतन सिंह, एम-पैक्स मथाना अध्यक्ष रघुप्रताप सिंह, अनुज प्रताप सिंह सहित बड़ी संख्या में पदाधिकारी उपस्थित रहे।

देवोत्थान एकादशी पर जागे भगवान विष्णु

मिर्जापुर, अमृत विचार: मंदिरों और घरों में शनिवार को देवोत्थान एकादशी का पर्व श्रद्धा और भक्ति के साथ मनाया गया। मान्यता के अनुसार आषाढ़ शुक्ल पक्ष हरिशयन एकादशी पर भगवान श्री हरि विष्णु क्षीर सागर में विश्राम के लिए चले जाते हैं और कार्तिक शुक्ल पक्ष देवोत्थान एकादशी के दिन चार माह की योग निद्रा से जागते हैं।

पं. चंद्रमोहन शंखधर ने बताया कि भगवान श्री हरि विष्णु के जागने के साथ ही हिंदू धर्मावलंबी तुलसी और शालिग्राम का विवाह कराकर लग्न पर्व की शुरुआत करते हैं। इस दिन को धार्मिक दृष्टि से अत्यंत शुभ माना गया है। क्षेत्रभर के श्रद्धालुओं ने देवोत्थान एकादशी पर उपवास रखकर शाम को पूजन-अर्चन किया। लोगों ने अपने घरों में गन्ने से मंडप बनाकर तुलसी-शालिग्राम की पूजा की। पूजा में गुड़, चना, मूंगफली और सिंघाड़े का विशेष रूप से प्रसाद चढ़ाया गया। श्रद्धालुओं ने भगवान श्री हरि विष्णु से सुख-शांति, समृद्धि और दरिद्रता निवारण की प्रार्थना की और घरों में दिव्य ऊर्जा का आशीर्वाद मांगा।

सरदार वल्लभभाई पटेल जयंती पर प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता में रखे विचार

कार्यालय संवाददाता, शाहजहांपुर

स्वामी शुकदेवानंद कॉलेज में छात्रा को सम्मानित करते शिक्षक। ● अमृत विचार

- विद्यार्थियों में देशभक्ति, एकता और जागरुकता की भावना जगाने के उद्देश्य से हुआ कार्यक्रम

अमृत विचार: भारत के लौह पुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल की 150वीं जयंती के उपलक्ष्य में स्वामी शुकदेवानंद कॉलेज में राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) इकाई द्वारा राष्ट्रीय एकता एवं अखंडता पर आधारित मौखिक प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता का सफल आयोजन किया गया। प्रतियोगिता का उद्देश्य विद्यार्थियों में देशभक्ति, एकता और जागरूकता की भावना को प्रबल करना था।

कार्यक्रम का शुभारंभ महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो. राकेश कुमार आज़ाद एवं उप-प्राचार्य डॉ. अनुराग अग्रवाल के सौजन्य से किया गया। दोनों शिक्षकों ने अपने प्रेरणादायक संबोधन में कहा कि सरदार पटेल का जीवन त्याग, एकता और राष्ट्र निर्माण का प्रतीक है। उन्होंने विद्यार्थियों से उनके जीवन से प्रेरणा लेकर समाज और देश की सेवा में योगदान देने का आह्वान किया। प्रतियोगिता के दौरान विद्यार्थियों ने सरदार पटेल के जीवन, उनके योगदान और भारत की एकता व अखंडता से जुड़े प्रश्नों का उत्साहपूर्वक उत्तर दिया। पहले 25 सही उत्तर देने वाले प्रतिभागियों को मंच पर बुलाकर तत्काल पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम के बीच विद्यार्थियों को राष्ट्रीय एकता की शपथ भी दिलाई गई, जिसमें बड़ी संख्या में छात्र-छात्राओं ने भाग लिया। कॉलेज परिसर "एक भारत, श्रेष्ठ भारत" के नारे से गूंज उठा। एनएसएस कार्यक्रम अधिकारी डॉ. अरुण कुमार यादव ने बताया कि यह प्रतियोगिता राष्ट्रीय एकता और अखंडता की भावना को मजबूत करने की दिशा में एक सार्थक पहल रही। उन्होंने सभी विद्यार्थियों, सहयोगी शिक्षकों और स्वयंसेवकों को इस आयोजन को सफल बनाने के लिए धन्यवाद दिया।

MEDICAL Lifelines OF BAREILLY
अमृत विचार
विज्ञापन हेतु सम्पर्क करें :- 8445507002

फोकस नेत्रालय
राजेन्द्र नगर, बरेली 731-098-7005

● 40,000 से अधिक सफल सर्जरी सम्पन्न
● बिना इंजेक्शन एनेस्थीसिया (केवल आई ड्राप्स द्वारा)
● आयुष्मान/सीजीएचएस/ईसीएचएस/सीएपीएफ सभी स्वास्थ्य बीमा मान्य
● कैशलेस ईलाज

डॉ. प्रेम गंगवार

B.H.M.S. (Homeo Cafe Gwalior)
वरिष्ठ होम्योपैथिक चिकित्सक
मो. 8859517808
सैक्स रोग, शीघ्रपतन, नामर्दी, त्वचा, गुर्दे, कैंसर, जोड़, नस, थायराइड व महिलाओं का बांझपन
होम्योपैथिक से जुड़ी समस्या व दवाईयों के लिये निःशुल्क सम्पर्क करें।
अत्याधुनिक जर्मन दवाईयों द्वारा कुशल डाक्टर के मार्गदर्शन में इलाज
11 वर्षों का अनुभव प्रेम जर्मन होम्योपैथिक
रूहेलखण्ड यूनिवर्सिटी के सामने, पीलीभीत बाईपास, एच.के. टावर, बरेली

बवासीर-भगन्दर-फिशर
पाइलोनाइडल साइनस Mob.: 8126164170
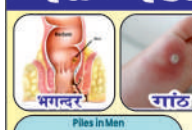

डॉ. वी.के. सिसोदिया
वरिष्ठ क्षार सूत्र विशेषज्ञ
B.Sc., B.A.M.S.
Proctologist (Ayur.), N.D.D.Y., C.C.K.S. (MUMBAI)
मिलें : प्रत्येक रविवार 12 पत्थर रोड, जलालाबाद (शाहजहाँपुर) में
बरेली एनोरक्टल क्लीनिक पता:- करगैना पुलिस चौकी के पीछे, बदायूं रोड, बरेली

डॉ. हारिस अंसारी
एम.एस., एम.सी.एच. (यूरोलॉजी)
Consultant Urologist & Andrologist
गुर्दा, प्रोस्टेट, पेशाब की थैली की पथरी व कैंसर सर्जन
● प्रोस्टेट (गदूद का आपरेशन) (TURP) ● गुर्दे की पथरी का आपरेशन (PCNL) ● गुर्दे की नली (यूरेटस) की पथरी का ऑपरेशन (URSL) ● पेशाब के समस्त प्रकार के रोगों का इलाज
कैशलेस, इंश्योरेंस, TPA व ESI आयुष्मान से अनुबन्धित अस्पताल
डॉ. एम. खान हॉस्पिटल
मल्टी स्पेशलिटी व क्रिटिकल केयर सेन्टर स्टेडियम रोड, निकट सेंट फ्रांसिस स्कूल, बरेली
समय दोपहर 12 से शाम 4 बजे तक हेल्पलाईन 9837549348, 98978382286

12 करोड़ से क्षतिग्रस्त पुल पुलियों की होगी मरम्मत

कार्यालय संवाददाता, पीलीभीत

अमृत विचार: बीते साल जुलाई में आई बाढ़ के बाद क्षतिग्रस्त हुई पुलियां और सड़कों का जल्द सुधार हो सकेगा। केंद्रीय राज्यमंत्री एवं पीलीभीत सांसद जितिन प्रसाद के प्रयासों के बाद शुक्रवार को कुल नौ क्षतिग्रस्त पुलियों/मार्गों की स्वीकृति लोक निर्माण विभाग की ओर से जारी कर दी गई है। इनका सुधार कार्य 12 करोड़ रुपये की लागत से कराया जाएगा।

बता दें बीते साल जुलाई में पहाड़ी और मैदानी इलाकों में हुई मूसलाधार बारिश के बाद नदियों का जलस्तर बढ़ा और बाढ़ के हालात बन गए थे। इससे काफी नुकसान भी पहुंचा। खासकर आवागमन को लेकर कई जगह पुलियां और मार्ग क्षतिग्रस्त होने से दिक्कत अधिक आई। जिसका लंबे समय से सुधार नहीं हो सका था। प्रतिदिन बड़ी संख्या लोगों के आवागमन के बाद भी दिक्कत बनी हुई थी। मामले को गंभीरता से लेते हुए केंद्रीय राज्यमंत्री जितिन प्रसाद ने लोक निर्माण विभाग को संबंधित बाढ़ से क्षतिग्रस्त पुलियों और मार्गों का सुधार कराने के निर्देश दिए गए थे। अभी तक वैकल्पिक व्यवस्था कुछ जगह कर दी गई थी लेकिन अब केंद्रीय राज्यमंत्री के प्रयासों के बाद लोक निर्माण विभाग से स्वीकृति भी जारी कर दी गई है। जिसे क्षेत्रीय लोगों के लिए बड़ी राहत के तौर पर देखा जा रहा है। इसे लेकर स्थानीय लोगों और अन्य जनप्रतिनिधियों ने केंद्रीय मंत्री का आभार भी जताया।

इन नौ स्थानों पर कराया जाएगा काम : 12 करोड़ रुपये की लागत से अब नौ स्थानों पर काम कराया जाएगा।

देवउठनी एकादशी पर खाटू श्याम मंदिर में उमड़ी श्रद्धालुओं की भीड़

संवाददाता, गढ़िया रंगीन

खाटू श्याम मंदिर में उमड़ी श्रद्धालुओं की भीड़, तैयारियों में जुटे श्याम भक्त।

- श्याम जन्मोत्सव की तैयारियों के बीच भक्तों ने चढ़ाया प्रसाद

अमृत विचार: क्षेत्र के मरेना हिम्मतपुर चौराहे पर स्थित श्री खाटू श्याम मंदिर में शनिवार को देवउठनी एकादशी के पावन अवसर पर श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ी। करीब छह माह पूर्व स्थापित इस मंदिर में अब भक्तों की संख्या लगातार बढ़ रही है, और हर धार्मिक आयोजन पर यहां हजारों की भीड़ एकत्र हो रही है।

एकादशी के अवसर पर सुबह से ही भक्तों ने मंदिर पहुंचकर प्रसाद चढ़ाया और मन्नतें मांगीं। बाबा श्याम का विशेष श्रृंगार किया गया, जिसमें उन्हें नए वस्त्र और आभूषणों से सजाया गया। मंदिर परिसर को गुब्बारों, झालरों और चांदनी से आकर्षक ढंग से सजाया गया था। श्रद्धालुओं के लिए मंदिर के पास ही प्रसाद वितरण की व्यवस्था भी की गई। श्याम भक्त अरविंद रिंकू सिंह ने बताया कि आज से बाबा के जन्मोत्सव की तैयारियां चल रही हैं। रात्रि में श्याम संकीर्तन का आयोजन किया जाएगा और केक काटने के बाद सभी भक्तों को प्रसाद वितरित किया जाएगा। उन्होंने बताया कि जन्मोत्सव के अवसर पर मेले का आयोजन भी किया जाएगा, जिसमें आसपास के क्षेत्रों से बड़ी संख्या में श्रद्धालु भाग लेंगे। वहीं, श्याम भक्त रोहित सिंह, प्रशांत सिंह, बंटू गुर्जर, अंकित और सचिन ने बताया कि बाबा का जन्मोत्सव हर वर्ष की भांति इस बार भी बड़े धूमधाम से मनाया जाएगा। उन्होंने कहा कि देवउठनी एकादशी पर मंदिर चौराहे पर भीड़ अत्यधिक बढ़ जाती है, इसलिए पुलिस प्रशासन से अनुरोध किया गया है कि सुरक्षा व्यवस्था सुनिश्चित करने हेतु कम से कम एक या दो पुलिस कर्मियों की तैनाती की जाए।

अव्यवस्था से जूझ रहे किसान, गेहूं बीज वितरण में हंगामा

जैतीपुर, अमृत विचार: कृषि रक्षा इकाई केंद्र पर किसानों को अनुदानित गेहूं का बीज वितरण शुरू नहीं हो पाया। केंद्र पर अव्यवस्था के कारण दूरदराज से आए किसानों को काफी परेशानी झेलनी पड़ी।

किसानों का आरोप है कि कर्मचारियों की मनमानी से प्रक्रिया बाधित है। कृषि विभाग द्वारा लाभार्थियों की जमीन के अभिलेखों का सत्यापन किया जा रहा है, लेकिन इस प्रक्रिया में अनियमितताएं की जा रही हैं। पिटरहाई के बुजुर्ग श्यामवीर सिंह ने बताया कि सुबह से लाइन में लगने के बाद भी दोपहर में उन्हें अभिलेखों के नाम पर लौटा दिया गया। बाखरपुर के दृगपाल सिंह और अभिषेक यादव ने बताया सुबह से इंतजार के बावजूद उनका नंबर नहीं आया। गोदाम प्रभारी अमन कुमार गुप्ता से संपर्क करने का प्रयास किया गया, लेकिन उन्होंने फोन रिसीव नहीं किया।

दुकान में बाइक टकराने पर विवाद

संवाददाता, बीसलपुर

- दो समुदायों से जुड़ा मामला होने पर मचा हड़कंप, एक आरोपी ने किया हमला
- सूचना पर मौके पर पहुंची पुलिस ने समझाकर दोनों पक्षों को कराया शांत

अमृत विचार : बाजार में पान की दुकान पर बाइक से लगी टक्कर के बाद विवाद हो गया। मामला दो समुदायों से जुड़ा होने पर सांप्रदायिक रंग देने की कोशिश की गई। एक पक्ष ने दुकान पर हमला बोल दिया।

दुकान स्वामी के साथ मारपीट की गई। मदद को आए एक व्यापारी की आरोप है कि सोने की चेन हमलावर लूट ले गए। पुलिस के आने पर हमलावर बाइक छोड़कर भाग गए। नगर के सर्राफा बाजार के पास आर्य समाज मंदिर रोड पर राकेश भारद्वाज की पान की दुकान है। इस पर संजय भारद्वाज बैठते है। शनिवार रात एक युवक की बाइक दुकान में टकरा गई। इसमें समान बिखरकर गया। इसी बात को लेकर युवक व दुकान स्वामी के बीच कहासुनी होने लगी।

विवाद बढ़ने पर युवक के पक्ष में लोग मौके पर पहुंच गए और उन्होंने दुकानदार के साथ मारपीट करने लगे। दोनों के अलग समुदाय से होने पर सांप्रदायिक रंग देने की कोशिश की गई। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंच गई। पुलिस को आता देख हमलावर भाग गए। हमला करने वाले युवक की बाइक मौके पर रह गई, जिसे पुलिस ने कब्जे में ले लिया। पड़ोस की दुकानदार मणिक गुप्ता ने हमलावरों द्वारा सोने की चेन लूटकर ले जाने का आरोप लगाया। मुकदमा दर्ज करने के लिए कोतवाली में तहरीर दी गई। इस पर पुलिस जांच कर रही है। घटना के बाद बड़ी संख्या में व्यापारी बाजार में एकत्र हो गए। स्थिति तनावपूर्ण बनी रही। कोतवाल संजीव शुक्ला ने बताया कि तहरीर मिल गई है कार्रवाई की जा रही है। इसके साथ ही पुलिस बाजार में नजर बनाए हुई है, आरोपियों को किसी कीमत पर छोड़ा नहीं जाएगा।

पंजाबी गायक गुरदास मान को देखने उमड़ी भीड़

अमरिया,अमृत विचार: तहसील क्षेत्र के गांव कटमटा कटमटी में सरदार रक्षपाल सिंह पाली की बरसी के अवसर पर धार्मिक कार्यक्रम आयोजित किया गया। चार दिन पहले उनके निवास पर धार्मिक आयोजन कर भोग डाला गया था।

शनिवार को पंजाबी गायक गुरदास मान ने इसकी शुरुआत अखंड पाठ से कराई। देर सायं तक धार्मिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए गए। सरदार रक्षपाल सिंह पाली गांव कटमटा कटमटी के निवासी थे। वह एक बड़े फार्मर होने के साथ साथ समाजसेवी भी थे। पिछले वर्ष उनका निधन हो गया था।

मेडिकल कॉलेज के छात्रों ने गोद लिए तीन-तीन परिवार

कार्यालय संवाददाता, पीलीभीत

अमृत विचार: मेडिकल कॉलेज में नवप्रवेशित एमबीबीएस 2025 बैच के विद्यार्थियों की ओर से ग्राम खाग के परिवारों को गोद लेने का की कवायद की गई। राष्ट्रीय आयुर्विज्ञान आयोग के निर्देशों के तहत सामुदायिक स्वास्थ्य के प्रति संवेदनशीलता विकसित करने के लिए ऐसा कराया गया।

प्रत्येक विद्यार्थी को तीन-तीन परिवार गोद लेने का दायित्व सौंपा गया। जिसके माध्यम से वे ग्रामीण परिवारों के स्वास्थ्य, स्वच्छता और सामाजिक परिस्थितियों को समझ सकेंगे। नियमित रूप से स्वास्थ्य संबंधी सहायता प्रदान करेंगे। संचालन सामुदायिक चिकित्सा विभागाध्यक्ष डॉ. अरुण सिंह ने किया। सहायक आचार्य डॉ. पूजा सिंदवानी, डॉ. शोभित सिंह, डॉ. कौस्तव हलदार ने ग्राम प्रधान के सहयोग से विद्यार्थियों का चयनित परिवारों से परिचय कराया।

गांव के प्रथम भ्रमण पर विद्यार्थियों ने अत्यंत उत्साह एवं जिज्ञासा के साथ सहभागिता की। प्राचार्या डॉ. संगीता अनेजा ने कहा कि चिकित्सा शिक्षा केवल पाठ्यपुस्तक तक सीमित नहीं है, बल्कि समाज के साथ जुड़कर सीखना ही सच्ची चिकित्सा सेवा का आधार है।

ब्रीफ न्यूज

ट्रांसफर होने पर थाना प्रभारी को दी विदाई

कुंवरगांव, अमृत विचार : थाना प्रभारी बीपी सिंह का स्थानांतरण दातागंज हो जाने पर शनिवार को थाना परिसर में विदाई सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। पुलिसकर्मियों और स्थानीय नागरिकों ने ढोल-नगाड़ों की गूंज के बीच उनका भव्य स्वागत कर उन्हें भावभीनी विदाई दी। पुलिस विभाग के साथ-साथ नगर के नागरिकों, व्यापारियों और समाजसेवियों ने उनके कुंवर गांव में पांच माह के अच्छे कार्यकाल की प्रशंसा की। लोगों ने कहा कि बीपी सिंह ने थाना परिसर में अनुशासन, स्वच्छता और टीम भावना को बढ़ावा दिया। इस मौके पर नगर पंचायत चेयरमैन पति अरविंद रावत,एसआई रामेश्वर सिंह,एसआई सुकेंद्र सिंह, एसआई सुभाष सिंह, सहित अन्य पुलिस स्टाफ मौजूद रहा।

निरीक्षक ज्योति सिंह ने ग्रहण किया मुजरिया थाने का कार्यभार

बदायूं, अमृत विचार : थाना मुजरिया का चार्ज निरीक्षक ज्योति सिंह को दिया गया है। शनिवार को उन्होंने कार्यभार ग्रहण कर लिया। जिसके बाद उन्होंने कहा कि शासन की मंशा के अनुरूप महिला सशक्तिकरण के तहत महिलाओं की समस्याओं को वरीयता के आधार पर निस्तारित किया जाना मुख्य उद्देश्य है। क्षेत्र में जनता के सहयोग से शांति व्यवस्था बनाए रखने और स्वच्छता मिशन को प्राथमिकता दी जाएगी। पहले दिन उन्होंने थाना का मुआयना किया। हेड मुहर्रिर को परिसर में खड़े क्षतिग्रस्त और सीज वाहनों को व्यवस्थित प्रक्रिया में लाने का निर्देशित किया। परिसर में साफ सफाई के प्रति संवेदनशील रहने की बात कही। उपनिरीक्षक अनिल कुमार, रघुवीर सिंह, बच्चू सिंह, हेड मुहर्रिर अनिरुद्ध सिंह आदि उपस्थित रहे।

967.79 लाख से बनेगा वजीरगंज - कसेर मार्ग

शासन से मिली मंजूरी, 98.78 लाख की पहली किस्त जारी

कार्यालय संवाददाता, बदायूं

- कई सालों से टूटा पड़ा था मार्ग लोगों को मिलेगी राहत

अमृत विचार : वजीरगंज-कसेर से विजय नगला जाने वाले करीब 5.80 किलोमीटर का मार्ग का निर्माण किया जाएगा। रोड का निर्माण 967.79 लाख की लागत से होगा। इसकी शासन से स्वीकृति मिल गई है। साथ ही सड़क निर्माण के लिए 98.78 लाख रुपये की प्रथम किस्त जारी की है। सड़क निर्माण की स्वीकृति मिलने के बाद लोक निर्माण विभाग टेंडर प्रक्रिया पूरी करने में जुट गया है।

वजीरगंज कसेर से वाया विजय नगला होते हुए असिम बर्खिन तक जाने वाली 5.80 किलोमीटर सड़क पिछले कई सालों से टूटी पड़ी थी। सड़क टूटकर बिखर चुकी थी। उसमें गहरे गहरे गड्ढे हो गए थे। जिसकी वजह से ग्रामीणों को आने जाने में दिक्कतों का सामना करना पड़ता था। बरसात के दौरान स्थिति बेहद खराब रहती थी। सड़क टूटी होने की वजह से कई बार हादसे भी हो चुके थे। कई बाइक सवार रोड टूटी होने की वजह से फिसलकर गिर चुके हैं। इस मार्ग को बनवाने के लिए ग्रामीण प्रशासन के साथ साथ जनप्रतिनिधियों से मांग कर रहे थे। ग्रामीणों की इस समस्या को देखते हुए डीएम के निर्देश पर लोक निर्माण विभाग ने सड़क का सर्वे किया। सर्वे करने के बाद सितंबर में शासन के लिए मंजूरी के लिए 967.79 लाख का प्रस्ताव बनाकर भेजा था। सड़क निर्माण के लिए सितंबर माह में भेजे गए प्रस्ताव को शासन ने स्वीकृति प्रदान कर दी है। साथ ही निर्माण कार्य शुरू कराने के लिए 98.78 लाख की प्रथम किस्त जारी की है। शासन से सड़क निर्माण की स्वीकृति मिलने के लोक निर्माण विभाग टेंडर प्रक्रिया पूरी करने में जुट गया है। वहीं सड़क निर्माण की स्वीकृति मिलने की जानकारी पर वर्षों से परेशान ग्रामीणों ने भी राहत की सांस ली है।

> वजीरगंज-कसेर से वाया विजय नगला होते हुए असिम बर्खिन तक जाने वाली 5.80 किलोमीटर सड़क निर्माण के लिए 967.79 लाख का प्रस्ताव शासन में मंजूरी के लिए भेजा था। इसे स्वीकृति मिल गई है। टेंडर प्रक्रिया की कार्रवाई शुरू कर दी है। जल्द ही सड़क निर्माण का कार्य शुरू कराया जाएगा। - नरेश कुमार सिंह, अधिशासी अभियंता, लोक निर्माण विभाग

खोखे में लगी आग बेटी की शादी के लिए रखे रुपये राख

विजय नगला, अमृत विचार : टीन और लकड़ी से बने खोखा में आग लग गई। इसमें रखा परचून के सामान के साथ शादी के लिए रखे रुपये जलकर राख हो गए। खोखा मालिक ने अज्ञात पर आग लगाने की तहरीर दी है।थाना बिनावर क्षेत्र के गांव विजयनगला निवासी कृष्ण पाल ने तहरीर में बताया उनका मकान बरेली-मथुरा राजमार्ग किनारे है। मकान के आगे ही उन्होंने टीन और लकड़ी का बड़ा खोखा बनवा लिया था। इसमें परचून की दुकान रख ली थी। शुक्रवार की रात किसी व्यक्ति ने खोखे में आग लगा दी। खोखे से आग की ऊंची ऊंची लपटे निकलने लगी। वह दौड़कर घर के बाहर आए और शोर मचाया। गांव के लोग बाल्टी में पानी लेकर पहुंचे। खासी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया गया। कृष्ण पाल ने बताया कि अगले महीने उनकी बेटी की शादी होनी है। इसकी वजह से सारे रुपये एकत्र करके खोखे में ही रखते थे। खोखा में 85 हजार रुपये जल गए। पीड़ित ने तहरीर देकर कार्रवाई की मांग की है।

कोल्ड स्टोर में रखा आलू सड़ा, हंगामा

थाना बिनावर के गेट पर हंगामा करते किसान। ● अमृत विचार

संवाददाता, विजय नगला

- थाना बिनावर क्षेत्र के गांव नरखेड़ा का मामला, दी तहरीर

अमृत विचार : किसानों ने नए कोल्ड स्टोरेज में आलू रखा था। वापस मांगने पर कोल्ड स्टोर मालिक ने जब आलू सड़ने की बात कही तो किसान हंगामा करते हुए थाने पहुंचे। पुलिस को तहरीर देकर कार्रवाई की मांग की। पुलिस कोल्ड स्टोर मालिक से पूछताछ कर रही है।

थाना बिनावर क्षेत्र के गांव नरखेड़ा पर इस साल नया कोल्ड स्टोर बना है। नौसना, मलिकपुर, बिलैहत, नदौलिया, अहिरवारा, सिकरोड़ी, नवादा, फरीदपुर, रैपुरा, तिसंगा, मुल्लापुर, सुकटिया आदि गांव के किसान अशोक कुमार, राघवेंद्र सिंह, महेश सिंह, सुखपाल सिंह, हरपाल, रामनाथ, श्रीपाल, कृष्ण पाल, अनिल कुमार, रामप्रसाद, गुड्डू, देशराज, जगपाल, रोहित यादव, जगपाल व राममूर्ति ने बताया कि उन्होंने अपना आलू कोल्ड स्टोर में रखा था। अब आलू की फसल की लगाई जा रही है। जिसके चलते किसान अपने आलू लेने के लिए कोल्ड स्टोर पहुंचे। यहां कोल्ड स्टोर के मालिक ने कहा कि आलू सड़ गया है। किसानों ने कहा कि अगर उनका आलू सड़ गया है तो सड़ा हुआ आलू कहां है। आलू सड़ने की सूचना किसानों को क्यों नहीं दी। किसान अपना आलू लेने की जिद पर अड़ गए। आरोप है कि कोल्ड स्टोर मालिक उनसे लड़ने को तैयार हो गया। इसके बाद किसान हंगामा करते हुए थाना बिनावर पहुंचे। तहरीर देकर कोल्ड स्टोर मालिक पर कार्रवाई की मांग की है। पुलिस ने जांच के बाद कार्रवाई का आश्वासन देकर किसानों को शांत कराया। थाना प्रभारी राजेंद्र सिंह ने बताया कि किसानों ने कोल्ड स्टोर मालिक के खिलाफ तहरीर दी है। जांच के बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी।

चोरी के खुलासे को सपा नेता ने बताया फर्जी, शिकायत

संवाददाता, विजय नगला

- 19 अक्टूबर की रात बगुली नगला निवासी सपा नेता के घर हुई थी चोरी, सीएम से शिकायत

अमृत विचार : बिनावर क्षेत्र के गांव में सपा नेता के घर हुई 50 लाख की चोरी का पुलिस ने खुलासा किया था और आरोपी को जेल भेजा था। अब सपा नेता ने मुख्यमंत्री को शिकायत पत्र भेजकर खुलासे को फर्जी बताया है। जांच कराकर कार्रवाई की मांग की है।

थाना बिनावर क्षेत्र के गांव बगुली नगर निवासी मोद प्रकाश पाल पुत्र चिंतामणि ने बताया कि वह सपा नेता हैं। उन्होंने मुख्यमंत्री को शिकायती पत्र भेजते हुए बताया कि 19 अक्टूबर की रात को चोरों ने उनके घर की खिड़की तोड़ी। नगदी समेत 50 लाख रुपये का सामान चोरी कर लिया था। उनके तहरीर देने पर पुलिस ने मौका मुआयना किया। फारेंसिक टीम ने जांच करके साक्ष्य संकलित किए थे। अज्ञात में रिपोर्ट दर्ज की। पुलिस थाना अलापुर क्षेत्र के गांव गभियाई निवासी फजर अली को पकड़ कर ले आई। पुलिस ने उन्हें चोर की पहचान करने के लिए थाने बुलाया। वह अपनी पत्नी के साथ थाने गए। यहां एक व्यक्ति हवालात में बंद था। वह कहने लगा कि उसने उनके घर पर चोरी नहीं की है। उसने तो बदायूं में सिविल लाइन क्षेत्र के एक मेडिकल स्टोर से चोरी की थी। जिसके बाद वह दिल्ली चला गया था। वह पुलिस के खुलासे से संतुष्ट नहीं हैं। इसके चलते मुख्यमंत्री को शिकायत पत्र भेजकर सही खुलासा कराने की मांग की है।

ओलंपिक संघ ने किया सभापति राजीव कुमार का स्वागत

बदायूं, अमृत विचार : बदायूं ओलंपिक संघ ने प्रतिनिहित विधायन समिति के सभापति बनने पर दातागंज विधायक राजीव कुमार सिंह का स्वागत किया।

संघ की कार्यकारिणी में कोच, खिलाड़ियों के साथ अरशान इस्माइल, डॉ. अकील इस्माइल ने अलग-अलग ढोल नगाड़ों के साथ और आतिशबाजी चलाकर माल्यार्पण किया।

स्वागत सम्मान में बदायूं ओलंपिक संघ बदायूं के जिलाध्यक्ष राजन मेंदीरत्ता, उपाध्यक्ष नीरज शर्मा, किशन शर्मा, सुशील कुमार सिंह, एमपी सिंह, सरदार अजय पाल सिंह, इंजीनियर प्रमोद कुमार शर्मा, मधुकर मिश्रा, नितिन तिवारी, विजय पाल सिंह चौधरी, रोहन शर्मा, सुरेन्द्र गुप्ता आदि मुख्य रूप से शामिल रहे।

100 लोगों की जांच में 50 में बुखार निकला

कार्यालय संवाददाता, बदायूं

सहोरा गांव में शिविर लगाकर मरीजों को दवा देते डॉक्टर। ● अमृत विचार

- बुखार से ग्रामीण की मौत के बाद जागा स्वास्थ्य विभाग

अमृत विचार : ब्लॉक जगत के सहोरा गांव में 100 से अधिक बुखार के मरीज हैं। हर घर में बुखार फैला है। बुखार से एक ग्रामीण की मौत हो गई। इसके बाद स्वास्थ्य विभाग की नींद टूटी। गांव में शिविर लगा कर बुखार पीड़ितों को दवा दी गई। 100 लोगों की जांच की गई। इसमें 48 लोग बुखार पीड़ित मिले। गांव में गंदगी के चलते मच्छर पनप रहे हैं। जिससे डेंगू फैलने का भी खतरा बना हुआ है।

गांव के अधेड़ मनोहर लाल को कई दिन से बुखार आ रहा था। उन्होंने कुछ झोलाछापों से दवा भी ली मगर आराम नहीं मिला। परिजनों ने उन्हें बाहर भी दिखाया, लेकिन बुखार से राहत नहीं मिली। शुक्रवार देर शाम उनकी मौत हो गई। मनोहर लाल की मौत के बाद गांव में दहशत फैल गई। बुखार पीड़ितों ने कहा कि सरकारी सेवाएं नहीं मिल रही है। झोलाछापों से दवा लेनी पड़ रही है। बुखार से मौत की सूचना पर स्वास्थ्य विभाग में हड़कंप मच गया। सीएमओ डॉ. रामेश्वर मिश्रा के आदेश पर शनिवार को गांव में स्वास्थ्य शिविर लगाए गए। दो स्थानों पर कैंप लगाकर मरीजों की जांच की गई। 100 से मरीजों की जांच की गई जिसमें 48 बुखार के मरीज मिले हैं। कुछ मलेरिया के मरीज होने की संभावना जताई जा रही है। ग्रामीणों ने कहा कि गांव में करीब दस दिन से बुखार फैला हुआ है। कुछ ग्रामीण जिला अस्पताल से दवा भी ले रहे हैं। जबकि अधिकांश मरीज झोलाछापों की शरण में हैं। निजी पैथोलॉजी लैब पर ब्लड की जांच करा रहे हैं।

ब्लॉक जगत के एमओआईसी डॉ. मोहम्मद असलम ने बताया कि कोई भी मरीज मलेरिया व डेंगू पॉजिटिव नहीं है। सभी सामान्य वायरल बुखार के मरीज हैं। उन्होंने बताया कि गांव में गंदगी है। नालियां साफ नहीं हैं। मच्छर पनप रहे हैं।

ब्लॉक जगत के कई गांवों में फैला बुखार

ब्लॉक जगत के गांव खिरिया और नैथू में भी बुखार के दर्जनों मरीज हैं। इन गांवों में भी गंदगी से मच्छर फैल रहे हैं। अभी तक स्वास्थ्य विभाग की टीम गांव नहीं पहुंची है। स्वास्थ्य विभाग के आंकड़ों के अनुसार ब्लॉक दातागंज और समरेर के बाद तीसरा ब्लॉक जगत है जो संवेदनशील है। इस ब्लॉक में कई गांवों में बुखार फैलने की बात कही जा रही है। स्वास्थ्य विभाग का कहना है कि जहां से भी सूचना मिलेगी वहां स्वास्थ्य शिविर लगा कर दवा दी जाएगी।

डीएपी की किल्लत, पशुओं को नहीं लगे टीके

एसडीएम सहसवान साई आश्रित शाखमुरी को ज्ञापन सौंपते राष्ट्रीय भ्रष्टाचार दमन परिषद भारत के पदाधिकारी। ● अमृत विचार

कार्यालय संवाददाता, बदायूं

- राष्ट्रीय भ्रष्टाचार दमन परिषद भारत के पदाधिकारियों ने एसडीएम को दिया ज्ञापन

अमृत विचार : इस समय गेंहू की बुवाई का समय है, लेकिन साधन सहकारी समितियों पर डीएपी उपलब्ध नहीं है। निजी दुकानदार जमकर मनमानी कर रहे हैं। वहीं पशुओं में तमाम बीमारियां फैल रहीं हैं, लेकिन दहगवां पशु चिकित्सा अधिकारी पर टीकाकरण न कराए जाने का आरोप लगा है। शनिवार को राष्ट्रीय भ्रष्टाचार दमन परिषद भारत के कार्यकर्ताओं ने उपजिलाधिकारी सहसवान साई आश्रित शाखमुरी को ज्ञापन सौंपा।

संगठन के जिलाध्यक्ष पुष्पेंद्र यादव ने कहा कि जहां किसानों के लिए फसल की बुवाई का समय है। उन्हें डीएपी की जरूरत पड़ रही है लेकिन साधन सहकारी समितियों से निराशा ही मिलती है। समितियों के सचिव भ्रष्टाचार कर रहे हैं। मनोज कुमार ने कहा कि पशुओं में खुरपका मुंहपका व लंपी वायरल जैसी बीमारियां हो रही हैं, लेकिन पशु चिकित्सा अधिकारी दहगवां के द्वारा क्षेत्र में कोई टीकाकरण नहीं कराया गया है। तिलक सिंह भारती, बिजनेस कुमार, उमेश यादव आदि उपस्थित रहे।

सेवानिवृत फौजी से 500 रुपये का जुर्माना वसूला

कार्यालय संवाददाता, बदायूं

- बेंच पर बैठकर मूंगफली खाकर इधर-उधर फेंके छिलके
- कर्मचारियों के विरोध पर मारपीट पर उतारू हुआ सेवानिवृत फौजी

अमृत विचार : रेलवे प्रशासन की ओर से रेलवे स्टेशन पर साफ सफाई की जाती है। इसके बाद भी कुछ लोग गंदगी करते हैं। शनिवार को सेवानिवृत फौजी ने प्लेटफार्म पर मूंगफली के छिलके इधर-उधर फेंककर गंदगी कर दी। यह देखकर हंगामा हो गया। रेलवे प्रशासन ने 500 रुपये का जुर्माना लगा दिया। जुर्माना भरने के बाद ही सेवानिवृत फौजी को जाने दिया गया।

रेलवे स्टेशन पर साफ सफाई पर विशेष ध्यान दिया जाता है। सभी स्टेशनों पर इन दिनों सफाई अभियान चलाया जा रहा है। शनिवार को रेलवे स्टेशन के प्लेटफार्म एक पर सेवानिवृत फौजी पत्नी के साथ बेंच पर बैठा था। वह मूंगफली खाकर छिलके इधर-उधर फेंक रहा था। रेलवे कर्मचारियों ने गंदगी न करने को कहा तो फौजी मारपीट पर आमादा हो गया। उसने रेलवे कर्मचारी को धमकी देनी शुरू कर दी। मामला बढ़ने पर अन्य कर्मचारी भी मौके पर पहुंच गए। जीआरपी पुलिस भी मौके पर आ गई। गंदगी का विरोध कर रहे कर्मचारी मनकुश ने कहा कि एक तो गंदगी करते हैं दूसरे धमकी देते हैं। इसलिए रेलवे के नियम के अनुसार गंदगी करने पर 500 रुपये का जुर्माना लगाया गया है। जुर्माना लगने पर फौजी और भड़क गया, लेकिन उन्हें जुर्माना भरने के बाद ही जाने दिया गया। रेलवे प्रशासन द्वारा साफ कहा गया है कि रेलवे स्टेशन पर गंदगी करने पर जुर्माना लगाया जाता है।

आशा वर्कर्स ने किया धरना-प्रदर्शन

कार्यालय संवाददाता, बदायूं

डीपीएम को ज्ञापन देतीं आशा संगिनी वर्कर्स। ● अमृत विचार

- विभिन्न मांगों को लेकर डीपीएम को दिया ज्ञापन

अमृत विचार : उत्तर प्रदेश आशा वर्कर्स यूनियन ने प्रदेश बंद के आह्वान पर काम बंद कर हड़ताल जारी रखी। अपनी विभिन्न मांगों को लेकर डीपीएम को ज्ञापन सौंपा।

शनिवार को आशा संगिनी वर्कर्स ने काम बंद कर धरना प्रदर्शन किया। आंबेडकर पार्क में प्रदर्शन करते हुए जिला अध्यक्ष जौली वैश्य ने कहा दशकों से आशा कर्मियों के सवालों पर सरकार चुप्पी साधे हुए है। धैर्य की सीमा खत्म हो चुकी है। प्रोत्साहन राशि देने में सरकार के पसीने छूट रहे हैं। आशा कर्मियों की 4 माह की प्रोत्साहन राशि और अन्य पारिश्रमिक बकाया हैं। सरकार और राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन इस प्रोत्साहन राशि घोटाले के बारे में कुछ बोलने को तैयार नहीं है। यही नहीं प्रधानमंत्री की सबसे महत्वाकांक्षी आरोग्य भारत योजना के तहत गोल्डन आयुष्मान कार्ड और आभा आई डी बनाने के करोड़ों रुपये बकाया है, जबकि 2013 में ही भारतीय श्रम सम्मेलन ने राज्य कर्मी का दर्जा देकर न्यूनतम वेतन सहित सभी सुविधाएं देने की सिफारिश की थी। जिला सचिव मनीषा ने कहा कि दो लाख का जीवन बीमा अनुमन्य है किंतु अब तक एक भी दुर्घटना बीमा निर्गत नहीं किया गया है।

आशा संगिनी ने विभिन्न मांगों को लेकर राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के डीपीएम डॉ. कमलेश शर्मा को ज्ञापन सौपा। इस मौके पर चंद्रकांता, रितेश, भूदेवी, नन्नी देवी, रजनी, नजमी, रेखा रानी, पुष्पा देवी, कमलेश, अलका रानी, साजिदा बेगम, भगवान श्री, मिथलेश, ओमवती, सहित दर्जनों आशा वर्कर्स मौजूद रही।

ऑटो और बैलगाड़ी की भिड़ंत में बुजुर्ग की मौत

कार्यालय संवाददाता, बदायूं

अमृत विचार : दातागंज कोतवाली क्षेत्र में ऑटो और बैलगाड़ी की भिड़ंत हो गई। हादसे में एक बुजुर्ग की मौत हो गई जबकि पांच लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है। घायलों को अस्पताल में भर्ती किया गया है।

हादसा दातागंज कोतवाली क्षेत्र में बरेली-दातागंज मार्ग स्थित गांव ढिलवारी के पास हुआ। अनियंत्रित ऑटो आगे चल रही बैलगाड़ी में जा घुसा। हादसे में गांव हरली निवासी 65 साल के मुनव्वर पुत्र रहीम बक्श की मौत हो गई। वह जिला शाहजहांपुर के खेड़ा बझेड़ा स्थित अपनी रिश्तेदारी में दावत खाने के बाद वापस लौट रहे थे। घायलों को दातागंज के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पर भर्ती कराया गया है। सूचना पर पुलिस पहुंची। शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजकर हादसे की जांच शुरू कर दी है।

घायल बुजुर्ग की अस्पताल में मौत

बिल्सी, अमृत विचार : बिल्सी कोतवाली क्षेत्र के गांव अंबियापुर निवासी संतोष कुमार (59) पुत्र श्यामलाल शाक्य 30 अक्टूबर की सुबह अपने खेत से पैदल अपने घर जा रहे थे। रास्ते में गंगा एक्सप्रेस वे के काम में लगे डंपर ने उन्हें टक्कर मार दी थी। संतोष कुमार गंभीर रूप से घायल हो गए थे। घायल को बिल्सी के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ले गए। हालत गंभीर होने पर चिकित्सक ने हायर सेंटर रेफर कर दिया। एक निजी अस्पताल में इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई।

आंगनबाड़ी वर्कर्स का ससुराल की ग्राम सभा या वार्ड में किया जाएगा स्थानांतरण

कार्यालय संवाददाता, बदायूं

जिले में कार्यरत हैं 2498 आंगनबाड़ी कार्यकत्रियां

जिले में 2940 आंगनबाड़ी केंद्र संचालित हैं। इनमें से 2498 केंद्रों पर आंगनबाड़ी कार्यकत्रियां कार्यरत हैं। 442 पद अभी रिक्त हैं। वहीं 2940 में 1577 सहायिका कार्यरत हैं। 1363 पद रिक्त हैं। कार्यरत कार्यकत्रियों में से करीब दो से अधिक शादी के बाद जिले से बाहर रह रहीं हैं। उन्हें ड्यूटी करने के लिए पिता के घर रहना पड़ रहा है। वहीं कई एक से दूसरे ब्लॉक में निवास कर रही हैं। इनके द्वारा कई सालों से स्थानांतरण की मांग की जा रही थी। अब शासन के आदेश पर विभाग में स्थानांतरण प्रक्रिया शुरू हुई है।

- समायोजन के लिए पिछले कई माह से भाग दौड़ कर रही थी आंगनबाड़ी वर्कर्स
- जिला कार्यक्रम विभाग की ओर से समायोजन के लिए मांगे गए आवेदन

अमृत विचार : आंगनबाड़ी वर्कर्स के समायोजन की प्रक्रिया शुरू हो गई हैं। विभाग द्वारा मांगे गए आवेदन का सत्यापन किया जाने लगा है। सत्यापन के बाद आंगनबाड़ी वर्कर्स को चुने गए केंद्र पर समायोजन कर दिया जाएगा। विभाग में स्थानांतरण के करीब 500 से अधिक आवेदन आए हैं।

जिला कार्यक्रम अधिकारी पीके सिंह ने बताया कि समन्वित बाल विकास परियोजना कार्यक्रम के तहत जिले की सभी बाल विकास परियोजनाओं में तैनात आंगनबाड़ी कार्यकर्त्री का स्थानांतरण किया जाना है। यह निर्णय शासन स्तर से मिले निर्देश के बाद लिया गया है। इसकी स्वीकृति भी डीएम से मिल चुकी है। आगंनबाड़ी कार्यकत्री या सहायिका शादी के पश्चात ससुराल में निवास कर रही हैं, तो उसकी ससुराल की ग्राम सभा या वार्ड स्थानांतरण किया जाएगा। जिले से बाहर निवास कर रहीं आगंनबाडी कार्यकत्रियों का भी स्थानांतरण किया जाना है। अब तक स्थानांतरण की मांग करने वाली 500 से अधिक आगंनबाडी कार्यकत्रियों के आवेदन प्राप्त हुए हैं। उनका सत्यापन किया जा रहा है। सत्यापन के बाद स्थानांतरण की प्रक्रिया पूरी की जाएगी। आंगनबाड़ी कार्यकत्री व सहायिका के स्थानांतरण की प्रक्रिया ऑनलाइन की जाएगी। विभाग में पहुंचे ऑफलाइन आवेदनों का सत्यापन करने के बाद सही पाए गए आवेदनों का डाटा ऑनलाइन फीड होने के बाद स्थानांतरण होगा।

जिले में दो दिन के भ्रमण पर रहेंगे सपा राष्ट्रीय महासचिव

बदायूं, अमृत विचार : समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव व पूर्व कैबिनेट मंत्री शिवपाल सिंह यादव रविवार से दो दिन के लिए जिले के भ्रमण पर रहेंगे। उनके साथ बदायूं सांसद आदित्य यादव भी विभिन्न कार्यक्रमों में शिरकत करेंगे।

राष्ट्रीय महासचिव दो नवंबर दोपहर 12 बजे दहगवां चौराहा स्थित सहसवान विधायक ब्रजेश यादव के राव फार्मस होटल एंड बैंकट हॉल के उद्घाटन कार्यक्रम में प्रतिभाग करेंगे। फिर डीएम रोड स्थित अपने आवास पर रात्रि विश्राम के बाद तीन नवंबर की सुबह 9 बजे मोहल्ला शिवपुरम में हिमांशु भवन पर सपा जिलाध्यक्ष आशीष यादव के आवास पर जाएंगे। सुबह साढ़े 10 बजे लाबेला चौक स्थित समाजवादी व्यापार सभा के जिलाध्यक्ष रचित गुप्ता की ओर से आयोजित कार्यक्रम में शामिल होंगे।

खतरा बना पीपल का पेड़, कटवाने की मांग

पीपल के पेड़ के नीचे से गुजर रही हाईटेंशन लाइन। ● अमृत विचार

संवाददाता, उसहैत

अमृत विचार : कस्बे में प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र के निकट खड़े पीपल के पेड़ के नीचे बिजली की केबल है। पेड़ की टहनी टूट कर कभी भी तार पर गिर सकती है। जिससे बड़ा हादसा हो सकता है। कस्बे के लोगों ने पीपल की टहनी काटने की मांग की है।

कस्बे की पीएचसी के निकट पीपल का पेड़ है इसकी टहनी टूट कर पिछले दिनों एक खंभे पर गिर गई जिससे खंभा टूट गया। कुछ लोग बाल बाल बच गए। पेड़ की टहनी के नीचे से बिजली की लाइन के तार हैं इन तारों पर टहनी टूट कर गिर सकती है लेकिन विभाग को इसकी चिंता नहीं है। इसका लोगों ने वीडियो बना कर वायरल कर दिया है फिर भी कोई सुनने को तैयार नही है। कस्बे के लोगों ने पीपल की जर्जर टहनी को हटाने की मांग की है।

अमृत विचार

बरेली, रविवार, 2 नवंबर 2025

ब्रीफ न्यूज

अनियंत्रित ई-रिक्शा पलटा, छह लोग घायल

बिल्सी, अमृत विचार : कोतवाली क्षेत्र के गांव नागर झूना निवासी राहुल कुमार ई-रिक्शा चलाते है। वह अंबियापुर चौराहे से अपने ही गांव की सवारी अमित, राजो पत्नी चंद्रभान, चंद्रभान पुत्र भगवानदास, अजय कुमार को लेकर गांव को जा रहा था। जैस ही उसका ई-रिक्शा बांस बरोलिया गांव के मोड़ पर मुड़ रहा था, तभी अचानक से वह पलट गया। जिससे सभी सवारी घायल हो गई। सभी घायलों को अस्पताल में भर्ती कराया।

डायट में हुई शिक्षक संकुल बैठक

बदायूं, अमृत विचार : जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान में शनिवार को शिक्षक संकुल बैठक का आयोजन किया गया। इसमें 137 न्याय पंचायत के 685 शिक्षक संकुल शामिल रहे। बैठक में डायट प्रवक्ता डॉ अमित शर्मा ने शिक्षकों को सैद्धांतिक, वैचारिक व्यवहार, इको क्लब नोटिफिकेशन ऑनलाइन, खाद्यान्न कब तक का, कन्वर्जन कास्ट संबंधी जानकारी दी। बैठक में फराह अंसारी, राजेश कुमार राजू, सपना, जाकिर अली खान, अल्पेश कुमार वैश्य, मोहम्मद नवेद आदि उपस्थित रहे।

आचार्य के आगमन पर निकाली पदयात्रा

बदायूं, अमृत विचार : जैन धर्म के आचार्य वसुनंदी मुनि महाराज का शनिवार को कस्बा उझानी में प्रवेश हुआ। उनके आगमन पर जैन समाज में उल्लास का माहौल रहा। नगर के मुख्य मार्गो को सजाया गया था। उनके आगमन पर कस्बे में पदयात्रा निकाली गई। इसमें जैन समाज के साधर्मी बंधु व महिलाएं शामिल हुई। पदयात्रा के बाद महाराज दिगम्बर जैन मंदिर पहुंचे। यहां उन्होंने जैन समाज के लोगों ने दर्शन कर आशीर्वाद प्राप्त किया।

बिल्सी सीएचसी को भेंट किया वाटर कूलर

बिल्सी, अमृत विचार : क्रेडिट एक्सेस इंडिया फाउंडेशन ग्रामीण की तरफ से शनिवार को मरीजों को बेहतर पेयजल के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य बिल्सी को एक वाटर कूलर भेंट किया गया। इस मौके पर चिकित्सा अधीक्षक डॉ. अनिल कुमार गुप्ता, चिकित्सा अधिकारी डॉ. प्रेमपाल सिंह, फार्मासिस्ट सुनील को कुमार शर्मा, ब्लॉक लेखा प्रबंधक राजकुमार मौर्य, प्रेमवीर सिंह, सरवर अली, कंपनी के डिवीजन मैनेजर सुरेंद्र बहादुर सिंह, एरिया मैनेजर श्याम सुंदर, ब्रांच मैनेजर राकेश कुमार सैनी, किशनवीर, संजीव, गुड्डू, अजीत आदि मौजूद है।

घरों के आंगन में चौक और रंगोली बना कर भगवान विष्णु की पूजा कर जगाया

देवउठनी एकादशी पर गन्ना व शकरकंद से घरों व मंदिरों में पूजा की

- महिलाओं ने व्रत रखकर समूह में भजन कीर्तन किया, बच्चों ने सिघांड़े व गन्ना का आनन्द लिया

कार्यालय संवाददाता, बदायूं

अमृत विचार : कार्तिक मास शुक्ल पक्ष एकादशी को घरों के आंगन में चौक और रंगोली बना कर भगवान विष्णु की पूजा कर उन्हें जगाया गया। महिलाओं ने गन्ना, सिंघाड़ा, शकरकंद, फल, फूल का भोग लगाया। धूप, दीप, कपूर आदि से आरती उतार पूजा कर देवोत्थान पर्व मनाया। वहीं मंदिरों में साधु संतों ने भगवान विष्णु की पूजा कर घंटा घड़ियाल ,शंख बजाकर उन्हें जगाते हुए संसार का कल्याण कर पालन करने के लिए प्रार्थना की। इसी दिन से मांगलिक कार्यक्रमों की भी शुरुआत हो गई।

नेहरू चौक स्थित ठेले से सिघांडा खरीदते लोग। ● अमृत विचार

देव उठनी एकादशी शनिवार को जनपद में हर्षोल्लास के साथ मनाई गई। सुबह से ही घरों में तैयारी होने लगी थी। महिलाओं ने घर आंगन की साफ सफाई कर कमरों से आंगन तक आंगन से दरवाजे तक अक्षत के घोल से चौक व रंगोली बनाई। चौक पर गन्ना सिंघाड़ा, शकरकंद, फल, फूल चढ़ा कर जगत के पालन कर्ता भगवान विष्णु की पूजा की। साथ ही पति की दीर्घायु व संतान प्राप्ति एवं परिजनों की सुख शांति के लिए कामना की। पुरुषों ने घंटा, शंख बजा कर देवों को जगाने का कार्य किया। मंदिरों में साधु संतों ने सामूहिक रूप से भगवान विष्णु की आरती की। शंख ध्वनि के साथ घंटा बजाकर भगवान से आराधना कर निद्रा से जागाया। संसार का कल्याण करने एवं सृष्टि का संचालन करने के लिए प्रार्थना की। वहीं महिलाओं ने व्रत रखकर समूह में भजन कीर्तन किया। बच्चों ने प्रसाद में चढ़ाये गये सिघांड़े गन्ना आदि खाकर आनन्द लिया। इस अवसर पर बाजार में जगह जगह बिक रहे गन्ना ,सिंघाड़ा के खरीदने वालों ने जमकर खरीदारी की।

गन्ना और सिघांड़े की हुई जमकर खरीदारी

बाजारों में सुबह से ही सब्जियों की दुकानों पर भारी भीड़ रही। लोगों ने बाजार में पहुंचकर गन्ना, सिघाड़े, शकरकंद, मूली आदि सब्जियों की खरीदारी की। इसके अलावा उनके द्वारा पूजन सामग्री को भी लोगों के द्वारा खरीदा गया। रेडीमेड से लेकर कॉस्मेटिक दुकानों पर लोगों की भारी भीड़ देखी गई। दुकानों पर पहुंचकर महिलाओं व युवतियों ने खरीदारी की। देव उठनी एकादशी पर करवा चौथ के बाद रौनक लौटी। सहालग शुरू होने के कारण लोगों की दुकानों पर श्रृंगार के सामने के लिए लाइन लगी रही। दुल्हन के लिए नई-नई डिजायनों के लहंगा, चुन्नी, लांचा के साथ रेशमी व बनारसी साड़ियों की खूब खरीददारी की गई। इसमें दूल्हे के लिए शेरवानी की नई-नई वैरायटियों में इंडोवेस्टर्न के कोट-पेंट की भी खूब बिक्री हुई।

बाजार में फूलमालाओं की दुकानें रहीं गुलजार

शादी-विवाह फूलमालाओं की मांग को देखते हुए छह सड़का, टिकटगंज, चूना मंडी आदि बाजारों में फूल विक्रेताओं के यहां फूलों व मालाओं के लिए लोगों की भीड़भाड़ रही। शहर के सभी मैरिज हॉल तरह-तरह की रंगीन रोशनियों से जगमगा रहे थे। शाम होते ही इनमें शहनाई का बजना शुरू हो गया था। आतिशबाजी के साथ बारात की हो रही चढ़त से हुआ। अनुमान के मुताबिक शहर में इस दिन 25 से अधिक शादियां हुईं।

देवउठनी एकादशी पर बाजार से गन्ना खरीदते लोग। ● अमृत विचार

ककोड़ा गंगा मेले में बढ़ने लगी रौनक

रेत पर बसने लगा तंबुओं का शहर, गंगा में पानी कम होने के बाद भी श्रद्धालुओं ने शुरू किया स्नान

ककोड़ा मेला

कार्यालय संवाददाता, बदायूं

अमृत विचार : रुहेलखंड के मिनी कुंभ कहे जाने वाले मेला ककोड़ा में गंगा तीरे रेत पर तंबुओं का शहर तेजी से बस रहा है। श्रद्धा, भक्ति और आस्था का अद्भुत महासंगम देखने को मिल रहा है। मां गंगा के तट पर श्रद्धालु उमड़ने लगे हैं। चाय की दुकानों पर भी खरीदारी होने लगी है। गंगा में जल की कमी के बावजूद भी श्रद्धालुओं का उत्साह चरम पर है। श्रद्धालु मां गंगा की निर्मल धारा में आस्था की डुबकी लगाकर पुण्यलाभ अर्जित कर रहे हैं। दूर-दराज के जिलों से श्रद्धालु निजी वाहनों, ट्रैक्टर-ट्रालियों, मोटरसाइकिलों, टेंपो और साइकिलों से लगातार मेले में पहुंच रहे हैं।

गंगा तट पर पहुंचने के बाद श्रद्धालु तंबू और टेंट लगाकर रात्रि विश्राम करने लगे हैं। श्रद्धालु अपने परिवारों के साथ वहीं भोजन बनाते, भंडारा करते और प्रसाद वितरित करते नजर आ रहे हैं। पूरा मेला क्षेत्र भक्ति और उत्सव के वातावरण में डूबता नजर आ रहा है। गंगा किनारे बसे इस तंबुओं के शहर में सुबह आरती और संध्या दीपदान के मनोहारी दृश्य श्रद्धालुओं के आकर्षण का केंद्र बने हुए हैं। मेले में बच्चों और युवाओं के लिए झूले, नाव की सवारी, मौत का कुआं जैसे पारंपरिक मनोरंजन के साधन तैयार हो रहे हैं। मीना बाजार में भी दुकानें लग रही हैं। खिलौनों, कपड़ों, श्रृंगार सामग्री, और परचून की कुछ दुकानें भी लग चुकी है और लगातार लग रही हैं। चाट-पकौड़ी, मूंगफली, जलेबी, पूरी-सब्जी और चाय-नाश्ते की दुकानों पर दिनभर रौनक बनी रहती है। हर ओर हंसी, उल्लास और आस्था का अनूठा समागम दिखाई देने लगा है। मेला क्षेत्र में प्रशासन और पुलिस विभाग लगातार निगरानी में जुटे हुए हैं। मुख्य मार्गों पर यातायात व्यवस्था को सुचारू बनाए रखने के लिए यातायात पुलिस की टीम तैनात है। स्वास्थ्य विभाग की ओर से अस्थाई शिविर और एंबुलेंस की व्यवस्था भी की गई है। मेले में सफाई व्यवस्था और प्रकाश की बेहतर व्यवस्था के कारण श्रद्धालुओं को किसी तरह की असुविधा नहीं हो रही है। मिनी कुंभ मेला ककोड़ा न केवल धार्मिक आस्था का प्रतीक है बल्कि यह क्षेत्र की संस्कृति और लोक परंपराओं का जीवंत प्रदर्शन भी है।

ककोड़ा मेला में पहुंचकर ट्रॉली से सामान उतारता परिवार। ● अमृत विचार

मेला में तंबू लगाकर बैठे साधु।

मेला ककोड़ा में लगा रहा बड़ा झूला। ● अमृत विचार

दिन रात होंगे भजन-कीर्तन, कथा-प्रवचन

मेला ककोड़ा में गंगा आरती, भजन-कीर्तन, कथा-प्रवचन और यज्ञ जैसे धार्मिक आयोजन दिन-रात रहेंगे। श्रद्धालु कहना है कि मेला ककोड़ा आध्यात्मिक अनुभूति और सांस्कृतिक एकता का अद्वितीय अनुभव कराता है। हर साल की तरह इस बार भी ककोड़ा मेला पूरे रुहेलखंड और पश्चिमी उत्तर प्रदेश की आस्था का केंद्र बन गया है। गंगा तट पर उमड़ा यह जनसैलाब एक बार फिर साबित करता है कि मां गंगा की भक्ति लोगों के हृदय में आज भी उतनी ही गहराई से बसती है। ककोड़ा मेला फिर आस्था, परंपरा और उत्सव का प्रतीक बना है।

पूर्णिमा तोमर ने प्रथम और ओमानंद ने पाया दूसरा स्थान

कार्यालय संवाददाता, बदायूं

- युवाओं की भूमिका विषय पर हुई पोस्टर प्रतियोगिता में मारी बाजी

अमृत विचार : सरदार वल्लभभाई पटेल की जयंती के उपलक्ष्य में राष्ट्रीय एकता पखवाड़े के तहत आवास विकास स्थित राजकीय महाविद्यालय में कृष्णा कल्चरल क्लब ओर से पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिता हुई। इसका विषय राष्ट्रीय एकता में युवाओं की भूमिका था। प्रतियोगिता का आरंभ प्राचार्य डॉ. अनिल कुमार ने किया। डॉ. राकेश कुमार जायसवाल व डॉ. सरिता के निर्देशन में प्रतियोगिता हुई।

प्रतियोगिता में कुमारी पूर्णिमा तोमर को पहला, ओमानंद को दूसरा और अर्चना वर्मा को तीसरा स्थान मिला। निर्णायक मंडल में डॉ. सचिन कुमार, डॉ. गौरव कुमार सिंह व डॉ. प्रियंका सिंह रही। विजेताओं की घोषणा क्लब के सचिव डॉ. प्रेमचन्द चौधरी ने की। महाविद्यालय परिवार व क्लब की ओर से विजेता विद्यार्थियों और प्रतिभागियों को सम्मानित किया। युवाओं में राष्ट्रीय एकता की चेतना जागृत करने की दिशा में इस आयोजन को सराहा गया। डॉ. रविन्द्र सिंह यादव, डॉ. हुकुम सिंह, डॉ. सतीश सिंह यादव, डॉ. दिलीप कुमार वर्मा आदि ने सहयोग प्रदान किया।

आवास विकास स्थित राजकीय महाविद्यालय में प्रतियोगिता में प्रतिभाग करते छात्र-छात्राएं।

भाकियू चढूनी के तहसील उपाध्यक्ष बने अनुज

बदायूं, अमृत विचार: भाकियू चढूनी कैम्प कार्यालय पर जिलाध्यक्ष सतीश साहू ने संगठन का विस्तार किया। उन्होंने कुंवर गांव निवासी हरी राम मौर्य को कुंवरगांव नगर उपाध्यक्ष, अनुज मिश्रा को तहसील उपाध्यक्ष और डॉ. महेंद्र पाल को जिला सचिव के पद पर नियुक्त किया है। नवनियुक्त पदाधिकारियों को सदस्यता ग्रहण कराई गई। इस अवसर पर विमलेश कुमार यादव,रजनेश उपाध्याय, सत्येंद्र यादव, रनवीर यादव, बीयीशु दास कल्लू, अजय सैनी भूपेंद्र पाठक, आदि लोग मौजूद रहे।

पदाधिकारियों को नियुक्ति पत्र देते सतीश साहू।

एकादशी पर भागीरथी तट पर श्रद्धालुओं ने की पूजा-अर्चना

कार्यालय संवाददाता, बदायूं

- भक्तों ने गंगा स्नान करने के बाद किया हवन पूजन, शाम को दीपदान

अमृत विचार : रुहेलखंड के सुप्रसिद्ध मिनी कुंभ मेला ककोड़ा में देवोत्थान एकादशी का पर्व श्रद्धा, भक्ति और उल्लास के साथ मनाया गया। सुबह से ही गंगा तट पर श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ पड़ी। हर-हर गंगे और जय श्री हरि के जयघोष से पूरा मेला क्षेत्र गुंजायमान रहा।

भक्तों ने भगवान विष्णु के चार माह के शयन के बाद जागरण के प्रतीक इस पर्व पर विशेष पूजा-अर्चना की। गन्ना, सिंघाड़ा, शकरकंदी, धूप, दीप और तुलसी दल अर्पित कर श्रद्धालुओं ने व्रत का पालन किया। गंगा स्नान के बाद भक्तों ने हवन, भजन-कीर्तन और दीपदान कर लोककल्याण की कामना की। शाम होते ही पूरे मेला क्षेत्र में हजारों दीपों की रोशनी से अलौकिक दृश्य बन गया। गंगा तट पर अखिल विश्व गायत्री परिवार, सामाजिक संस्थाओं और साधु-संतों ने मिलकर सामूहिक आरती का आयोजन किया। श्रद्धालुओं ने दीपदान कर मां गंगा से देश, समाज और मानवता की समृद्धि की प्रार्थना की। रात होते-होते गंगा किनारे भक्ति की गूंज दूर-दूर तक सुनाई दी। हजारों दीपों की रोशनी में गंगा का प्रवाह स्वर्णिम नजर आ रहा था। डेरा तंबू में भी देवोत्थान एकादशी पर भक्तों ने भगवान विष्णु और मां गंगा से अपने जीवन में शांति, समृद्धि और सद्भाव की कामना की। इस मौके पर मुनीश सिंह, तरुण पटेल, संगीता, रागिनी, पायल, सुगंध, सत्यपाल सिंह, नन्ही देवी, उदयवीर सिंह आदि मौजूद रहे।

मिनी कुंभ मेला ककोड़ा में देवोत्थान एकादशी का पर्व मनाते श्रद्धालु। ● अमृत विचार

श्रद्धालुओं ने कछला घाट पर लगाई आस्था की डुबकी

गंगा घाट पर स्नान करते श्रद्धालु। ● अमृत विचार

- गंगा स्नान के बाद श्रद्धालुओं ने निभाई दान की परंपरा

बदायूं, अमृत विचार: कार्तिक मास के शुक्ल पक्ष की देवउठनी एकादशी जनपद में धूमधाम से मनाई गई। एकादशी के मौके पर हजारों श्रद्धालुओं ने कछला स्थित गंगा घाट पर स्नान किया। शनिवार की भोर से ही गंगा घाट पर श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ने लगी। सुबह होने के साथ ही हर - हर गंगे के जयकारों से घाट गूंज उठा। देवउठनी एकादशी के अवसर पर श्रद्धालुओं ने गंगा में पवित्र स्नान किया और दान की परंपरा निभाई। गंगा में पवित्र स्नान के बाद श्रद्धालु ने आचमन कर ब्राह्मणों व भिक्षुकों में चावल, दाल सहित अन्य वस्तुओं का दान किया। गंगा स्नान के लिए स्थानीय लोगों के अलावा राजस्थान, मध्य प्रदेश सहित अन्य स्थानों के लोग पहुंचे। लोगों ने सत्यनारायण की कथा कराई। साथ ही कन्याओं को भोज कराया। शाम को गंगा आरती में भी शामिल हुए। गंगा स्नान को लेकर सुरक्षा व्यवस्था रही।

Rohilkhand INFERTILITY & IVF CENTRE
Creating life.... completing families.

दिल्ली का जाना-माना IVF सैन्टर
RISAA IVF
Creating life.... completing families.

अब अधूरे सपने होंगे पूरे

निःसन्तानता निवारण टेस्ट ट्यूब सैन्टर

परामर्श शुल्क
₹200/- ₹100/-

दिन : प्रत्येक सोमवार व शुक्रवार
समय : प्रातः 10:00 से 02 बजे तक

अपनी नन्हीं खुशियों को आज ही अपने घर लाये हमारे साथ !

उपलब्ध सुविधायें :-
★ निःसन्तानता सम्बन्धित जाँचें
★ टेस्ट ट्यूब बेबी (IVF) रियायती दरो पर
★ लैब टेस्ट भारी छूट पर
★ इन्फर्टीलिटी अल्ट्रासाउंड मात्र 200/- में

विशेषतायें:-
★ 25 वर्षों के अनुभव के साथ।
★ ICSI, I.U.I., लेप्रोस्कॉपी हिस्ट्रोस्कोपी (दुरबीन द्वारा बच्चेदानी व अंडेदानी की जाँच)
★ उच्चतम सफलता दर ★ विश्वस्तीय आधुनिकतम IVF लैब

देश विदेश में हजारों दम्पत्ति हुए लाभान्वित आइये आप भी यह उम्मीद पाएं.....

स्थान :
IVF सैन्टर Ist Floor न्यू बिल्डिंग कमरा नं. 106
रोहिलखण्ड मेडिकल कॉलेज एवं हॉस्पिटल
सुरेश शर्मा नगर चौराहा, डेंटल कॉलेज रोड, बरेली
हेल्पलाइन नं० 6398018900

पूर्ण एन.ए.बी.एच (NABH) से मान्यता प्राप्त हॉस्पिटल

BAREILLY INTERNATIONAL UNIVERSITY
Rohilkhand Medical College Campus, Pilibhit Bypass Road,
Bareilly-243006 (UP) India, Phone : 0581-2526051, 053, 153
Email : registrar@biu.edu.in, Website : www.biu.edu.in
For any query contact : 9520876189, 9105500202, 9105500404

Applications are invited from Indian/NRI/Foreign National Students for Admission to Ph.D. Programmes January 2026 session in the following disciplines

- Faculty of Medical Sciences (All Clinical and Non-Clinical Specialities)
- Faculty of Nursing M.Sc. (N) with 3 years teaching or clinical experience
- Faculty of Dental Sciences (All Specilities)
- Humanities and Journalism English
- Faculty of Pharmacy
- Faculty of Management
- Faculty of Allied Health Sciences (Faculty of Paramedical Sciences) (Ph.D. in Medical Laboratory Technology/Physiotherapy)

Application Fee
- For Indian Candidate Rs. 2000/-
- NRI/Foreign National Candidate Rs. 5000/- or $60 USD

Last Date of Receiving Application : 30th November, 2025

Application Submission Address : To, The Registrar, Administrative Block, Bareilly International University, Bareilly-243006 (U.P.) India
For more details and application form & application fee, visit univerisity website : www.biu.edu.in
(https://biu.edu.in/reseach/Latest-Application-form-for-PHD-programme.pdf)

ब्रीफ न्यूज

सावित्री बाई फुले को बताया महिलाओं की प्रेरणाश्रोत

बिल्सी, अमृत विचार : क्षेत्र के गांव भिलौलिया में तीन दिवसीय मेले में बुद्ध महोत्सव का आयोजन किया। दूसरे दिन मथुरा से राष्ट्रीय फुले संघ की अध्यक्ष अधिवक्ता अंजलि सैनी, दिल्ली से नीरेश शाक्य व मध्यप्रदेश की राजलक्ष्मी कुशवाह पहुंचीं। अंजलि सैनी ने महात्मा ज्योतिबा फुले, सावित्रीबाई फुले और डॉ. भीमराव आंबेडकर के जीवन पर प्रकाश डालते हुए कहा कि सभी महापुरुष ने सामाजिक न्याय और समानता के लिए अपना जीवन समर्पित कर दिया। बताया कि फुले दंपति ने महिलाओं और समाज के वंचित तबकों को शिक्षित किया। जबकि डॉ. आंबेडकर ने जाति व्यवस्था के खिलाफ संघर्ष किया। भारतीय संविधान के निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। समाजसेवी चन्द्र शेखर ने कहा कि मेला हमारी संस्कृति और एकता का प्रतीक हैं। हमें मेलों में जाकर अपनी संस्कृति और परंपराओं को बढ़ावा देना चाहिए। नीरेश शाक्य राजलक्ष्मी कुशवाहा ने शिक्षा को अपना अमूल्य हथियार बताया। कार्यक्रम का संचालन मेला अध्यक्ष जय प्रकाश शाक्य ने किया। इस मौके पर डॉ. शिवओम शाक्य, भूपसिंह, वेदपाल मौर्य, रामनिवास शाक्य, धर्मवीर शाक्य, धीरेंद्र शाक्य, लवकुश मौर्य के साथ सैकड़ों लोग मौजूद रहे।

जहरखुरानी के शिकार को हाईवे किनारे उतारा

बदायूं, अमृत विचार : सहसवान क्षेत्र में एक बुजुर्ग रोडवेज बस में जहरखुरानी का शिकार हो गया। बस के चालक और परिचालक उसे मेरठ राजमार्ग किनारे उतारकर भाग गए। पुलिस ने बुजुर्ग को अस्पताल में भर्ती कराया। उझानी-सहसवान मार्ग स्थित गांव सालिक नगला के पास स्थित पेट्रोल पंप पर दोपहर लगभग 12 बजे रोडवेज बस से एक बुजुर्ग को धक्का देकर बाहर उतार दिया गया। चालक बस तेजी से लेकर चला गया। राहगीरों की सूचना पर पुलिस पहुंची। बुजुर्ग को एम्बुलेंस से सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पर भर्ती करया गया। बुजुर्ग की पहचान अलापुर क्षेत्र निवासी डालचंद के रूप में हुई। बुजुर्ग दिल्ली में मजदूरी करता था और अपने घर आ रहा था।

बीआईएमटी में आज होगी प्रतियोगिता

बदायूं, अमृत विचार : भारत विकास परिषद रोहिलखंड के प्रांत स्तरीय राष्ट्रीय समूह गान प्रतियोगिता के आयोजन का दायित्व इस बार भारत विकास परिषद गौरीशंकर शाखा बदायूं को मिला है। जिला संयोजक आयुष भारद्वार और शाखा अध्यक्ष वीरेश वार्ष्णेय ने बताया कि कार्यक्रम का आयोजन दो नवंबर को ककराला स्थित बीआईएमटी कॉलेज में किया जाएगा।

योजना में बैंक बनीं रोड़ा स्वीकृत नहीं हो रहे आवेदन

नंदिनी, मिनी नंदिनी डेयरी योजना में 100 से अधिक आए आवेदन

- बैंकों से लेकर विभाग के चक्कर काट रहे आवेदक

कार्यालय संवाददाता, बदायूं

अमृत विचार : प्रदेश सरकार महत्वाकांक्षी देसी गाय पालन डेयरी योजना जिले में बैंकों की वजह से परवान नहीं चढ़ पा रही है। योजना के तहत बैंकों में पहुंच रही पत्रावलियों पर ऋण स्वीकृत नहीं किया जा रहा है। उनके द्वारा कोई न कोई आपत्ति लगाकर वापस किया गया है। जिसके चलते आवेदक बैंकों से लेकर विभाग भवन स्थित पशु पालन विभाग के चक्कर काट रहे हैं।

देसी गाय को संरक्षण प्रदान करने और पशुपालकों की आमदनी बढ़ाने के लिए प्रदेश सरकार नंदिनी डेयरी योजना चला रही है। योजना के तहत पशुपालन विभाग को नंदिनी डेयरी में दो और मिनी नंदिनी में 8 डेयरी स्थापित कराने के लिए शासन स्तर से लक्ष्य दिया गया है।

नंदिनी के लिए विभाग में 25 आवेदन और मिनी नंदिनी डेयरी स्थापित करने के 50 से अधिक इच्छुक लोगों ने आवेदन किया है। नंदिनी में आए 25 और मिनी में आए 50 आवेदनों का पशु पालन विभाग द्वारा सत्यापन किया गया। जिसमें 20 आवेदन सही पाए गए। आवेदनों का सत्यापन करने के बाद पशुपालन विभाग द्वारा ऋण स्वीकृति के लिए पत्रावलियां संबंधित बैंकों को भेजी जा रही हैं, लेकिन बैंकों के द्वारा ऋण स्वीकृति नहीं दी जा रही है। सीवीओ ने बताया कि योजना के तहत डेयरी स्थापित करने को 10 पत्रावलियां ऋण स्वीकृति के लिए संबंधित बैंकों को भेजी गईं, लेकिन अब तक एक भी पत्रावली बैंकों के द्वारा स्वीकृत नहीं की है। उनमें आपत्तियां लगाकर वापस कर दिया जा रहा है। सीवीओ ने बताया कि बैंकों की बेरुखी के कारण योजना के तहत डेयरी स्थापित नहीं हो पा रही है। डीएम के माध्यम से बैंकों को पत्राचार कर ऋण स्वीकृति के लिए कहा जाएगा। फिलहाल आवेदक बैंक और विभाग के चक्कर काट रहे है।

> नंदिनी में दो और मिनी नंदिनी में 8 डेयरी स्थापित करने का लक्ष्य मिला है। विभाग में करीब 75 आवेदन आए थे। इनमें से 20 आवेदन सही पाए गए हैं। ऋण स्वीकृति के लिए पत्रावलियां संबंधित बैंकों को भेजी जा रही हैं, लेकिन उन्हें स्वीकार नहीं किया जा रहा। बैंकों की ओर आपत्तियां लगाकर वापस कर दी जा रही हैं। आपत्तियों को सही करने के बाद भेजी गईं पत्रावलियों पर ऋण स्वीकृति पर बैंक विचार नहीं कर रहीं। डीएम के माध्यम से बैंकों के लिए पत्राचार कराया जाएगा। जिससे जिले में देसी गाय की डेयरी स्थापित हो सके।
>
> – समदर्शी, सीवीओ

नंदिनी डेयरी योजना में मिलती है 50 फीसद की सब्सिडी

सीवीओ ने बताया कि नंदिनी डेयरी योजना 62 लाख की है। इसमें डेयरी स्थापित करने वाले व्यक्ति को 50 प्रतिशत सब्सिडी मिलती है। योजना के तहत 31 लाख रुपये आवेदन को स्वयं के पास खर्च करने पड़ते हैं। योजना के तहत 25 देसी गाय का पालन किया जाता है। मिनी नंदिनी दस गायों की योजना है। डेयरी स्थापित करने में 23.60 लाख की लागत आती है। इसमें 11.80 लाख रुपये की छूट मिलती है।

ट्रांसफार्मर में चोरी बंद रही कोल्ड स्टोर की सप्लाई

बदायूं, अमृत विचार : कस्बा उझानी स्थित माहेश्वरी कोल्ड स्टोरेज के समीप लगे बिजली विभाग के 250 केबी के ट्रांसफार्मर पर चोरों ने चोरी कर ली। चोरों ने ट्रांसफार्मर के अंदर लगे क्वाइल, तेल, कॉपर आदि चोरी कर लिया। इससे कोल्ड स्टोर की बिजली सप्लाई बंद हो गई। शनिवार की सुबह जानकारी होने पर जेई सहित अन्य कर्मचारियों ने मौके पर पहुंचकर स्थिति का जायजा लिया। साथ ही अज्ञात में रिपोर्ट दर्ज कराई है।

बाईपास पर लगे ट्रांसफार्मर को अज्ञात चोरों ने निशाना बना लिया। चोर लोहे का खाली खोखा छोड़कर उसमें लगे कीमती उपकरण चोरी कर ले गए। सुबह जानकारी होने पर जेई शिव शरण प्रसाद, सुभाष चन्द्र, सोहन लाल के साथ अन्य कर्मचारियों ने जाकर देखा व उच्चाधिकारियों को चोरी की जानकारी दी। बिजली विभाग ने कोतवाली पुलिस को भी ट्रांसफार्मर से चोरी की जानकारी दी है। विभाग के अधिकारियों ने थाने में अज्ञात चोरों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कराई है।

ट्रांसफार्मर की जांच करते अधिकारी।

45 शिकायतों में सात का मौके पर किया निस्तारण

तहसील दिवस में शिकायतें सुनते डीएम अवनीश कुमार राय व अन्य अधिकारी।

कार्यालय संवाददाता, बदायूं

अमृत विचार : बिसौली तहसील में शनिवार को समाधान दिवस का आयोजन हुआ। इसमें डीएम अवनीश कुमार राय ने फरियादियों की शिकायतें सुनी। उनके समक्ष 45 शिकायतें आईं। इनमें सात का मौके पर निस्तारण किया। अन्य शिकायतों को अधीनस्थ अधिकारियों को निस्तारण करने के आदेश दिए।

संपूर्ण समाधान दिवस में चकरोड पर से अवैध कब्जा हटवाने, भूमि की पैमाइश कराने, भूमि पर से अवैध कब्जा हटवाने सहित कुल 45 शिकायती पत्र प्राप्त अधिकारियों के समक्ष आए। इनमें से 07 का मौके पर ही निस्तारण किया गया। शेष शिकायती पत्रों का सम्बंधित अधिकारियों को गुणवत्तापरक व समयबद्ध निस्तारण करने के निर्देश दिए। डीएम ने अधिकारियों से कहा कि शिकायतों के निस्तारण में शिकायतकर्ता की संतुष्टि आवश्यक है। इसका विशेष ध्यान रखा जाए। इस अवसर पर एसएसपी डॉ ब्रजेश कुमार सिंह, सीडीओ केशव कुमार, एसडीएम राशि कृष्णा सहित अन्य विभागीय अधिकारी मौजूद रहे।

बिल्सी में 26 में तीन शिकायतें हुईं निस्तारित

बिल्सी, अमृत विचार : सम्पूर्ण समाधान दिवस में एडीएम एफआर वैभव शर्मा ने शिकायतों को सुनकर गंभीरता पूर्वक व समयबद्ध निस्तारण करने के अधिकारियों को निर्देश दिए। इस दौरान 26 प्रार्थना पत्र प्राप्त हुए। जिनमें से तीन का मौके पर ही निस्तारण हो सका।

रंगोली में ग्रीन हाउस और निबंध में शिखा ने मारी बाजी

बिल्सी, अमृत विचार : स्थानीय नन्नूमल जैन इंटर कालेज में शनिवार को सरदार वल्लभभाई पटेल की जयंती के उपलक्ष्य में छात्राओं की रंगोली एवं निबंध प्रतियोगिता आयोजित की गई। जिसमें निर्णायक मंडल द्वारा रंगोली सजाओ प्रतियोगिता में ग्रीन हाउस को पहला, रेड हाउस, ब्लू हाउस और व्हाइट हाउस संयुक्त रूप से दूसरा स्थान दिया गया। इसी तरह निबंध प्रतियोगिता में ग्रीन हाउस की शिखा को पहला, ब्लू हाउस की निधि माहेश्वरी और ग्रीन हाउस की रीता को संयुक्त रूप से दूसरा स्थान दिया गया। इस मौके पर लवकुमार, विपिन कुमार, सचिन उपाध्याय, पुरुषोत्तम शाक्य, गौरव शर्मा, रीना शर्मा, कविता, प्रिया, ब्रजवाला आदि मौजूद रहे।

इधर, भूदेवी वार्ष्णेय इंटर कॉलेज में भी कक्षा नौ और 11 के विद्यार्थियों के बीच निबंध प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। जिसमें प्रथम स्थान पल्लवी, द्वितीय स्थान शिवांगी तथा तृतीय स्थान आस्था चौहान को दिया गया। प्रधानाचार्य प्रदीप कुमार शर्मा ने विद्यार्थियों का उत्सावर्धन किया। इस दौरान स्कूल का स्टॉफ मौजूद रहा।

रुक्मणी विवाह का प्रसंग सुन श्रद्धालु भाव विभोर

संवाददाता, कुंवरगांव

अमृत विचार : नगर के गायत्री शक्तिपीठ में चल रही श्रीमद् भागवत कथा में भक्ति और श्रद्धा का माहौल लगातार बना हुआ है। कथा का आयोजन राधा पोरवाल एवं पोरवाल परिवार द्वारा कराया जा रहा है। कथा वाचन अमित मोहन ने कथा में रुक्मणी विवाह प्रसंग सुनाया। इसे सुनकर श्रद्धालु झूम उठे।

शनिवार को कथा का छठा दिन रुक्मणी विवाह के रूप में मनाया गया। कथा में भगवान श्रीकृष्ण और रुक्मणी के विवाह प्रसंग का अत्यंत मनोहर वर्णन किया गया। गीतों, भजनों और ढोल-नगाड़ों की गूंज से पूरा परिसर भक्तिमय हो उठा। श्रद्धालुओं ने पुष्प वर्षा कर आनंद व्यक्त किया और श्रीकृष्ण-रुक्मणी विवाह की झांकी का आनंद लिया। इससे पूर्व श्रीकृष्ण जन्मोत्सव धूमधाम से मनाया गया था। जिसमें भगवान को 56 भोग अर्पित किए गए और श्रद्धालुओं को प्रसाद वितरित किया गया। आयोजकों ने बताया कि कथा का समापन हवन और भंडारे के साथ किया जाएगा।

कथा सुनाते अमित मोहन व्यास।

एप पर हर बच्चे का हर महीने करें आंकलन

- जिला स्तरीय द्वितीय त्रैमासिक शिक्षक संकुल बैठक डायट में हुई

कार्यालय संवाददाता, बदायूं

अमृत विचार : जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान में जिले की 137 न्याय पंचायत के 685 शिक्षक संकुल के लिए शिक्षक-शिक्षा योजना के अंतर्गत शिक्षक संकुल सदस्यों की बैठक हुई। सेवारत विभाग प्रभारी डॉ. अमित शर्मा ने विकास क्षेत्र जगत, कादरचौक और वजीरगंज के शिक्षकों को संकुल बैठक के एजेंडा के बारे में विस्तार से बताया।

सैद्धांतिक, वैचारिक व्यवहार, इको क्लब नोटिफिकेशन ऑनलाइन, खाद्यान्न कब तक का, कन्वर्जन कास्ट कब तक की, आईसीटी लैब स्थापित है कि नहीं, दीक्षा ऐप पर क्युआर कोड के माध्यम से पढ़ाना, निपुण प्लस एप के माध्यम से हर विद्यालय, हर छात्र के हर महीने का आंकलन करने, उद्गम पोर्टल, पत्रिका- मेरी उड़ान आदि के बारे में बताया। डायट प्रवक्ता दिलीप कुमार ने कहा कि प्री-प्राइमरी की क्लास सुबह 10 बजे से दोपहर 2 बजे तक हैं। इसके लिए कुछ अध्यापक नियुक्त किए जाते हैं। इनका रजिस्टर हैडमास्टर अपने पास रखें। एसआरजी सुधा मिश्रा ने कहा कि टैबलेट को संचालित करें, नेट परीक्षा और निपुण आकलन शीघ्र होने वाला है। कालांश के अनुरूप शिक्षण कार्य कराने की जानकारी दी। एसआरजी जसवीर सिंह ने बिल्डाथान का रजिस्ट्रेशन, टीम बनना, थीम, वीडियो व फोटो अपलोड करना, इको क्लब का गठन विद्यालय में किया गया है कि नहीं, रिमांइडर आ रहा है कि नहीं आदि के बारे में बताया। पीयूष कुमार ने शिक्षक संकुल एजेंडा का साकार रूप देना, आंगनबाड़ी केंद्र को संचालित कराना, बालवाटिका के बच्चों को गतिविधियों द्वारा सिखाना आदि पर विचार व्यक्त किए। अफजाल अहमद, शैलेन्द्र सिंह अंजुम खान, कामिनी रानी सहित 51 एआरपी, जमीर अहमद, नाहिद फराह अंसारी, राजेश कुमार राजू, सपना, जाकिर अली खान, अल्पेश कुमार वैश्य, मोहम्मद नवेद, सुभाष कुमार सागर, परमानंद, निहाल उद्दीन आदि उपस्थित रहे।

हर्षोल्लास के साथ मनाया खाटू श्याम का जन्मोत्सव

- कस्बा उझानी में निकाली निशान झंडी यात्रा, शामिल हुए जनप्रतिनिधि

कार्यालय संवाददाता, बदायूं

अमृत विचार : शहर के जनपद में प्रभु खाटू श्याम का जन्मोत्सव धूमधाम से मनाया गया। जन्मोत्सव पर निशान शोभायात्राएं निकाली गईं। कस्बा उझानी में भी निशान शोभायात्रा निकाली गई। जिसमें आमजन के साथ जनप्रतिनिधि भी शामिल हुए। जजपुरा स्थित खाटू श्याम मंदिर पर जन्मोत्सव पर पूजा अर्चना के लिए श्रद्धालुओं की भीड़ जुटी रहीं।

नगर उझानी में शनिवार को श्री श्याम प्रभु के जन्मोत्सव पर निशान शोभायात्रा निकाली गई। शोभायात्रा महात्मा गांधी इंटर कॉलेज प्रांगण से शुरू हुई। शोभायात्रा के साथ चल रहे डीजे पर बज से रहे भजनों से माहौल भक्तिमय हो गया। निशान यात्रा में अजय कुमार मित्तल, केन्द्रीय राज्यमंत्री बीएल वर्मा, पूर्व राज्यमंत्री विमल कृष्ण अग्रवाल, सचिन अग्रवाल सहित तमाम लोग शामिल रहे। शोभायात्रा सात किलोमीटर की रही।

श्याम बाबा के मंदिर में पहुंचे भक्तों ने मुख्य द्वार और मुख्य भवन पर निशान अर्पित किए। निशान अर्पित किए जाने का विशेष महत्व माना गया है। पूर्वाह्न में श्रृंगार आरती के बाद श्याम बाबा को छप्पन भोग का प्रसाद अर्पित किया गया। जन्मोत्सव में बरेली, बदायूं, बिल्सी, कासगंज, बिसौली, बिनावर और सहसवान से भी श्याम भक्तों ने मंदिर में मत्था टेककर आशीर्वाद पाया।

रेलवे स्टेशन पर चलाया जागरुकता अभियान

कार्यालय संवाददाता, बदायूं

रेलवे स्टेशन पर जागरुकता अभियान चलातीं महिला पुलिस। ● अमृत विचार

अमृत विचार : महिलाओं को जागरूक करने के लिए सरकार मिशन शक्ति अभियान चला रही है। रेलवे स्टेशन पर महिलाओं को उनके अधिकारों के प्रति जागरूक किया गया। उन्होंने हर परिस्थिति में संघर्ष करने का पाठ पढ़ाया गया। छात्राओं को निडर बन कर जीने को प्रेरित किया गया। महिला पुलिस ने कहा कि जिस प्रदेश की नारी सशक्त होगी वह प्रदेश खुशहाल और समृद्ध होगा।

शनिवार को रेलवे स्टेशन पर महिला सशक्तिकरण को अभियान चलाया गया। महिला पुलिस ने प्लेटफार्म एक पर महिला यात्रियों को एकत्र किया। उन्हें उनके अधिकारों के बारे में जानकारी दी। महिला सिपाही बबीता ने कहा कि आज सरकार भी नारी सशक्तिकरण के लिए कई योजनाएं चला रही है। उन्हें जागरूक किया जा रहा है। यदि कोई व्यक्ति किसी महिला के साथ अभद्र व्यवहार करता है तो महिलाएं पुलिस द्वारा बताए गए नंबरों पर कॉल कर पुलिस की मदद ले सकती हैं। महिलाओं को आगे बढ़ाने को सरकार ने कई योजनाएं संचालित की हैं। जिनसे महिलाएं जागरूक हो रही हैं। सिपाही रेखा ने कहा कि अब समय बदल रहा है इसलिए महिलाओं को भी संकोचवादी सोच से बाहर निकलना होगा। समाज में बुराइयों का खात्मा करने को संघर्ष करना होगा। अपने अधिकारों को जानने के लिए महिलाएं अब आगे आ रही हैं। इस मौके पर छात्राओं को निडर बन कर जीने को प्रेरित किया गया। महिला पुलिस ने कहा कि छात्राएं घर से बाहर तक आती जाती हैं कहीं भी कुछ गलत होता है तो वह स्वयं मुकावला करें और पुलिस की मदद लें।

सहोरा गांव में युवक की मौत, परिजन बोले डेंगू से हुई

विजय नगला, अमृत विचार : विकास क्षेत्र जगत के गांव सहोरा में एक महीने से बुखार फैला हुआ है। गांव निवासी मनोहर लाल को एक हफ्ते से बुखार आ रहा था। उनके परिजनों के अनुसार गांव मोहम्मद नगर सुलरा की एक लैब से जांच कराई थी। जिसमें डेंगू की पुष्टि हुई। उनका झोलाछाप के यहां इलाज चल रहा था। इलाज के दौरान कभी बुखार उतर जाता तो कभी तेजी से चढ़ जाता था। जिसके बाद परिजनों ने मलगांव स्थित एक लैब पर जांच कराई तो उसमें भी डेंगू की पुष्टि हुई थी। इलाज के दौरान उनकी हालत बिगड़ती चली गई। उन्होंने दम तोड़ दिया। परिजनों में कोहराम मच गया। ग्रामीणों ने स्वास्थ्य विभाग को बुखार फैलने की सूचना दी लेकिन टीम गांव नहीं पहुंची। गांव के रामपाल, प्रेमपाल, रक्षपाल, सरला, गंगाश्री, रघुवीर, सियाराम आदि को काफी समय से बुखार आ रहा है।

किसी भी एक पार्टी का वोट नहीं वैश्य समाज

कार्यालय संवाददाता, बदायूं

अमृत विचार : अलापुर मार्ग स्थित एक लॉन में शनिवार को भारतीय वैश्य महासभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष रवि प्रकाश अग्रवाल पहुंचे। यहां आयोजित प्रेस वार्ता में वैश्य वर्ग के उत्थान व राजनीतिक भागीदारी पर विचार व्यक्त किए। उन्होंने कहा कि वैश्य समाज किसी एक पार्टी का वोट बैंक नहीं है, जो पार्टी वैश्य समाज को प्रगति के रास्ते पर और राजनीतिक भागीदारी पर अच्छा आचरण करेगी। वैश्य समाज के उत्थान के लिए हर संभव प्रयास करेगी।

उन्होंने कहा कि राजनीतिक विचारधारा के साथ वैश्य समाज आगामी उत्तर प्रदेश की विधानसभा में रणनीति तय करेगा। उत्तर प्रदेश के विधानसभा में कम से कम वैश्य समाज के 100 से ऊपर विधायक विधानसभा पहुंचे ऐसी रणनीति संगठन के कार्यकर्ताओं और अधिकारियों की रहेगी। कहा कि पूरे प्रदेश में 42 जिलों में हमारा संगठन मजबूती के साथ खड़ा है। 12 जगह ऐसे व्यक्ति भी तय कर लिए हैं जिनको विधानसभा में लड़वाना है। संगठन के प्रधान महासचिव बंटी वार्ष्णेय ने कहा कि अब वैश्य समाज किसी के आगे नहीं झुकेगा। हर कीमत पर अपनी राजनीतिक भागीदारी लेकर ही रहेगा। संगठन के जिलाध्यक्ष अरविंद गुप्ता ने कहा कि वैश्य समाज का एकत्र होने का समय आ गया है। किसी भी परिस्थिति में वैश्य समाज को प्रताड़ित नहीं किया जा सकता। सुबोध गोयल ने वैश्य समाज के एकत्रीकरण पर जोर दिया। कार्यक्रम का संचालन भारतीय वैश्य महासभा के जिला महामंत्री अधिवक्ता उज्जवल गुप्ता ने किया। विनोद गुप्ता, सतीश गुप्ता, उमेश गुप्ता, प्रशांत गुप्ता, प्रमोद गुप्ता, शैलेश महेश्वरी आदि उपस्थित रहे।

प्रेस वार्ता में महासभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष व अन्य।

करखेड़ी में हाईटेंशन लाइन डालने का विरोध

कार्यालय संवाददाता, बदायूं

अमृत विचार : बिसौली के ग्राम करखेड़ी में विद्युत विभाग की टीम 11 हजार की हाईटेंशन लाइन डाल रही है। हाईटेंशन लाइन से खतरे को भांपते हुए ग्रामीण सड़कों पर उतर आए। ग्रामीणों ने कहा कि गांव के बीच से लाइन नहीं चलने दी जाएगी। लाइन से कभी भी बड़ा हादसा हो सकता है। ग्रामीणों का विरोध देख बिजली विभाग ने काम रोक दिया है।

बिसौली की ग्राम पंचायत करखेड़ी में 11 हजार वोल्टेज वाली लाइन डाली जा रही है। यह लाइन गांव के बीच से निकाल कर बाहर पहुंचाई जा रही है। शनिवार को बिजली विभाग के कर्मचारी ग्राम प्रधान के घर के सामने लाइन डालने लगे तो ग्रामीणों ने इसका विरोध किया। लेकिन कर्मचारी नहीं माने वह लोग तार का बंडल खोल कर तार डालने लगे। तभी गांव के लोग सड़कों पर उतर आए। ग्रामीणों ने विरोध किया और लाइन डालने वालों को गांव से खदेड़ दिया।

ग्रामीणों ने सुरक्षा कारणों का हवाला देते हुए लाइन बिछाने का विरोध किया। उनका कहना था कि एचटी लाइन से पहले भी कई हादसे हो चुके हैं। हाईटेंशन लाइन गांव के लिए खतरनाक साबित हो सकती है। ग्रामीणों ने बताया कि पूर्व में भी कई बार लाइन टूट चुकी है। जिससे नालों में करंट फैल गया था। इन घटनाओं से कई ग्रामीण बिजली की चपेट में आकर गंभीर रूप से झुलस चुके हैं। ग्रामीणों ने कहा कि हाईटेंशन लाइन का तार कभी टूटता है तो बड़ी जनहानि होती है। इसलिए गांव के बीच से लाइन किसी कीमत पर नहीं डालने दी जाएगी। इस मौके ग्राम प्रधान राजवीर यादव, गुलाम मोहम्मद, गुलाम नबी, उमेश यादव, बच्चन अली, रहीश, शाहिद अली, शराफत अली सहित गांव के अन्य प्रमुख लोग मौजूद रहे।

लाइन डालने का विरोध करते ग्रामीण। ● अमृत विचार

दो साल पूर्व बिसौली में मां और बेटे की करंट से हुई थी मौत

करखेड़ी गांव के लोगों ने बताया कि दो साल पूर्व बिसौली में हाईटेंशन तार की चपेट में आने से मां बेटे की मौत हो चुकी है। बिसौली में लोगों के मकानों के ऊपर से हाई टेंशन लाइन गुजर रही है जो जानलेवा साबित हो रही है। विभागीय अधिकारियों से कस्बे के बीच से लाइन हटाने को कहा था आज तक लाइन नहीं हटाई गयी है जिससे हर समय लोगों में अनहोनी का भय बना रहता है। अन्य कई घटनाएं हो चुकी हैं। लेकिन जिला प्रशासन और बिजली विभाग हर वार वहाने वाजी कर अपना पल्ला झाड़ लेता है।

उझानी में निकाली गई श्री श्याम प्रभु की शोभायात्रा

बदायूं, अमृत विचार : श्रीश्याम प्रभु के जन्मोत्सव पर शनिवार को उझानी के महात्मा गांधी कॉलेज रोड स्थित श्याम भवन से शोभायात्रा निकली गई। भजनों की धुन पर थिरकते श्रद्धालु सड़कों से गुजरे। शोभायात्रा में शामिल भजन मंडली ने भजनों की अमृतवर्षा की। इससे पहले निशान पूजन अजय कुमार मित्तल के सानिध्य में केंद्रीय राज्यमंत्री बीएल वर्मा, पूर्व राज्यमंत्री विमल कृष्ण अग्रवाल, भाजपा के नगर अध्यक्ष सचिन अग्रवाल ने पूजा अर्चना के साथ किया।

अमृत विचार एक सम्पूर्ण अखबार
क्लासीफाइड
विज्ञापन हेतु सम्पर्क करें
9756905552, 8445507002

आवश्यकता है
फार्मा कंपनी में
फील्ड वर्क में कार्य करने हेतु लड़कों की
सेल्स एग्जीक्यूटिव
के पद के लिए
योग्यता इंटरमीडिएट / स्नातक
कार्य करने हेतु बाइक अनिवार्य, फ्रेशर्स भी आवेदन कर सकते हैं।
सैलरी 12000 व पेट्रोल खर्च 1.75/- किमी.
सम्पर्क करें:- नितिन शर्मा मो. 918958039775
bluestrongpharmaceuticals@gmail.com

आवश्यकता है
सेल्समैन और सेल्सगर्ल एवं गार्ड की,
गर्म कपड़ों के शोरूम
ओसवाल कलैक्शन
46, सिविल लाईस, होटल ओबराय आनंद बेसमेंट हाल, हनुमान मंदिर के सामने, बरेली।
मो. 8847392798

सूचना
मैंने अपने पुत्र संजीव कुमार व पुत्रवधू नीरज से उनके दुर्व्यवहार के कारण सम्बंध विच्छेद कर अपनी समस्त चल-अचल सम्पत्ति से बेदखल कर दिया है। भविष्य में वह अपने लेन-देन, कृत्यों आदि के स्वयं जिम्मेदार होंगे। मेरा व मेरे परिवार का कोई वास्ता नहीं होगा। **भगवान दास पुत्र मंगली प्रसाद निवासी- ग्राम/मोहल्ला भिटौरा, थाना फतेहगंज पश्चिमी, बरेली।**

सूचना
सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मैंने एस आर एम इंटर कॉलेज बीसलपुर जिला पीलीभीत से 2013 में हाई स्कूल की मुख्य परीक्षा जिसकी अंक तालिका क्रमांक 1108580 उत्तीर्ण की थी। जो वास्तव में कहीं खो गई है। काफी तलाशने के बाद भी अभी तक नहीं मिल सकी। **सौरभ दुबे पुत्र रमेश चंद्र दुबे मोहल्ला दुबे बीसलपुर जिला पीलीभीत**

सूचना
सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मैंने सरस्वती विद्या मंदिर बीसलपुर जिला पीलीभीत से 2017 में इंटरमीडिएट की मुख्य परीक्षा जिसकी अंक तालिका अनुक्रमांक 0724545 पास की थी। जो वास्तव में कहीं खो गई है काफी तलाशने के बाद भी अभी तक नहीं मिल सकी। **प्रियंका सिंह पत्नी रोहित सिंह निवासी- 353 हजियापुर फाटक वाली गली पुराना शहर जिला बरेली**

आवश्यकता है
अनुभवी व्यक्तियों की
• पी.आर.ओ. (पब्लिक रिलेशन ऑफिसर)
• कम्प्यूटर ऑपरेटर
• लेखा परीक्षक (ऑडिटर)
वेतन:- योग्यतानुसार
सम्पर्क करें:-
एच.आर.ऑफिस एडमिन ब्लाक
वरूण अर्जुन मेडिकल कॉलेज एवं रोहिलखण्ड अस्पताल
एन.एच.-30, बन्थरा, शाहजहांपुर
समयः- प्रातः 10 बजे से सायं 04 बजे तक
मो. 7521001986

सूचना
सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मेरे हाईस्कूल वर्ष 2010 रोल नं. 0920979 का अंकपत्र व सनद, इण्टरमीडिएट वर्ष 2015 रोल नं. 0922723 का अंकपत्र सह प्रमाण पत्र, डिप्लोमी इन फार्मेसी जोकि तीर्थांकर विश्वविद्यालय मुरादाबाद वर्ष 2015 से 2017 इनरोलमेंट नं. TPH1501031 का अंकपत्र व प्रमाण पत्र, उ.प्र. फार्मेसी काउंसिल का रजिस्ट्रेशन प्रमाण पत्र रजि नं. 83454 वर्ष 26.10.2018 व ग्रीन बुक सीरियल नं. 159510/1596 कहीं खो गई है जो तलाश करने के बाद भी नहीं मिली है। प्रसंजीत पुत्र श्री शंकर लाल निवासी ईधजागीर तह. नवाबगंज जिला बरेली।

सूचना
मेरे आर्मी नं.- 14838843 P Rank HAV/MT (JANARDHANARAO KALISETTY)मेरे सैन्य दस्तावेज में मेरे पुत्र का नाम (KALISETTY JASWANTH KUMAR) त्रुटिवश गलत अंकित हो गया है। जबकि वास्तविक सही नाम (KALISETTY JASWANTH KUMAR) है, जो आधार कार्ड के अनुसार सही है। **मो. 7674919657**

आवश्यकता है
अनुभवी व्यक्तियों की
• लाइब्रेरियन (अनुभवी)
• लैब टेक्नीशियन (अनुभवी)
• ओ टी टेक्निशियन (फीमेल)
• नर्सिंग स्टाफ (मेल)
• कैंटीन (कुक)
• सफाईकर्मी/स्वीपर
वेतन:- योग्यतानुसार
सम्पर्क करें:-
रोहेलखंड आयुर्वेदिक मेडिकल कॉलेज एवं हॉस्पिटल
सेक्टर-7 , रामगंगा नगर योजना डोहरा रोड बरेली
मो:- 8077808309 , 9837357497

वैधानिक सूचना :- समाचार पत्र में प्रकाशित किसी भी विज्ञापन जैसे टावर सम्बन्धी, नौकरी सम्बन्धी, ऋण सम्बन्धी या अन्य किसी भी प्रकार के विज्ञापन में पाठकों को सावधान किया जाता है। विज्ञापनदाता द्वारा किये गये दावे या उल्लेख, समर्थन की पुष्टि समाचार पत्र नहीं करता है।

अमृत विचार

बरेली, रविवार,2 नवंबर 2025

अवैध कब्जे पर होगी कठोर कार्रवाई

मुख्यमंत्री ने जनता दर्शन में सुनीं शिकायतें, दिए निर्देश

अमृत विचार, लखनऊ : मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि हर पात्र को सरकारी योजनाओं का लाभ मिले और अवैध कब्जा या अपराध से जुड़ी शिकायतों पर कठोर कार्रवाई की जाए। उन्होंने कहा कि अधिकारी संवेदनशीलता और तत्परता से जनता की शिकायतों का निस्तारण करें, ताकि कोई भी व्यक्ति न्याय से वंचित न रहे।

गोरखपुर : जनता दर्शन में लोगों की शिकायतें सुनते मुख्यमंत्री योगी।

योगी ने शनिवार सुबह को गोरखनाथ मंदिर परिसर स्थित महंत दिग्विजयनाथ स्मृति भवन सभागार में जनता दर्शन के दौरान करीब 200 लोगों की समस्याएं सुनीं। मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार जनता की समस्याओं के समाधान को संकल्पबद्ध है और किसी के साथ अन्याय नहीं होने दिया जाएगा।

आयुष्मान भारत योजना के पोर्टल में फिर साइबर सेंधमारी

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- हेराफेरी कर अधिकारियों के आधार लिंक मोबाइल नंबर हटाए गए
- फर्जी नंबरों पर ओटीपी भेजकर पोर्टलों में अनधिकृत लॉगिन से वित्तीय गड़बड़ी की आशंका

अमृत विचार : राजधानी लखनऊ में आयुष्मान भारत–प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना और मुख्यमंत्री जन आरोग्य अभियान के संचालन से जुड़ी स्टेट एजेंसी फॉर कॉम्प्रेहेंसिव हेल्थ एंड इंटीग्रेटेड सर्विसेज (साचीज) में एक बार फिर बड़ी साइबर जालसाजी उजागर हुई है। इस बार संबन्धित पोर्टल्स से अधिकारियों के मोबाइल नंबर बदलकर वित्तीय हानि पहुंचाने का खुलासा हुआ है। योजना के राज्य नोडल अधिकारी डॉ. सचिन वैश्य ने इस मामले में थाना हजरतगंज, कोतवाली लखनऊ में प्राथमिकी दर्ज करा दी है।

जानकारी के अनुसार, साइबर अपराधियों ने साचीज से जुड़े अधिकारियों और कर्मचारियों के आधार लिंक मोबाइल नंबरों को बिना अनुमति राष्ट्रीय स्वास्थ्य प्राधिकरण (एनएचए) के पोर्टल पर बदल दिया और नए फर्जी नंबरों पर ओटीपी प्राप्त कर एनएचए के पोर्टलों में अनधिकृत लॉगिन कर कई संदिग्ध वित्तीय गतिविधियों अंजाम दे डाला। इसकी भनक अधिकारियों को मोबाइल पर अपडेट रिक्वेस्ट मैसेज मिलने पर हुई, हालांकि अब तक वित्तीय नुकसान का आंकड़ा नहीं जुटाया जा सका है।

पूर्व में भी सामने आ चुकी गड़बड़ी : जून माह में तकनीकी गड़बड़ी के चलते 39 अस्पतालों को 9.94 करोड़ रुपये का गलत भुगतान हो गया था। इस राशि की वसूली कर ली गई और सभी संबंधित अस्पतालों को आयुष्मान योजना की सूची से बाहर कर दिया गया।

फर्जी ओटीपी से डेटा व सेवाओं पर खतरा

साचीज की मुख्य कार्यपालक अर्चना वर्मा ने बताया कि प्रारंभिक जांच में यह स्पष्ट हुआ है कि फर्जी मोबाइल नंबरों और आधार प्रमाणीकरण प्रणाली में फर्जी प्रवेश कर यह साइबर फ्रॉड किया गया। संभव है कि अस्पतालों के भुगतान कराने के लिए फर्जीवाड़ा किया गया हो, क्योंकि जांच के बाद अधिकारियों के मोबाइल नंबर पर अप्रूवल आता है। मगर इस फर्जीवाड़े से सरकारी सेवाओं, बैंकिंग लेनदेन और डिजिटल सिस्टम की सुरक्षा पर गंभीर खतरा उत्पन्न हो गया है। उन्होंने बताया कि साचीज द्वारा ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति रोकने के लिए पोर्टलों की सुरक्षा प्रणाली को और मजबूत किया जा रहा है। राष्ट्रीय स्वास्थ्य प्राधिकरण के सहयोग से आईपी एड्रेस मैपिंग पूरी कर ली गई है। साथ ही सख्त चेतावनी दी गई है कि यदि कोई व्यक्ति या संस्था फर्जी तरीके से आयुष्मान कार्ड बनाते या उपयोग करते पाए गए, तो उनके खिलाफ कठोर वैधानिक कार्रवाई की जाएगी।

न्यूज ब्रीफ

दो माह बाद भी अधर में आउटसोर्स सेवा निगम

राज्य ब्यूरो, लखनऊ : मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की अध्यक्षता में दो सितंबर को स्वीकृत हुए उत्तर प्रदेश आउटसोर्स सेवा निगम के गठन की प्रक्रिया अब तक पूरी नहीं हो सकी है। दो माह बीतने के बाद भी निगम का पंजीकरण न होने से प्रदेशभर के लाखों आउटसोर्स कर्मचारी मानदेय वृद्धि और अन्य सुविधाओं के लाभ से वंचित हैं। 20 सितंबर को शासनादेश जारी करते समय कहा गया था कि दो माह में निगम का गठन कर भर्तियां शुरू कर दी जाएंगी। प्रस्तावित योजना के तहत निगम को पब्लिक लिमिटेड, गैर-लाभकारी संस्था के रूप में संचालित किया जाएगा। इसमें कार्यरत कर्मचारियों को न्यूनतम 20 हजार रुपये मानदेय देने का प्रावधान किया गया है। विभाग के प्रमुख सचिव मनीष चौहान के अनुसार, रजिस्ट्रेशन से पूर्व की सभी औपचारिकताएं पूरी की जा रही हैं। पंजीकरण के बाद सबसे पहले महानिदेशक की नियुक्ति की जाएगी, इसके बाद निगम की अन्य व्यवस्थाएं लागू होंगी।

मुख्यमंत्री योगी ने अर्पित की श्रद्धांजलि

अमृत विचार, लखनऊ : मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शनिवार को गोरखपुर में भाजपा के वरिष्ठ नेता रमेश सिंह के आवास पर पहुंचकर उनके दिवंगत पिता अयोध्या सिंह के चित्र पर पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि दी। दिवंगत आत्मा की शान्ति की कामना करते हुए शोक संतप्त परिजनों के प्रति संवेदना व्यक्त की।

लोहिया विधि विवि का दीक्षांत समारोह आज

अमृत विचार, लखनऊ : डॉ. राम मनोहर लोहिया राष्ट्रीय विधि विश्वविद्यालय, लखनऊ का चतुर्थ दीक्षांत समारोह रविवार प्रातः 10 बजे विश्वविद्यालय के प्रेक्षागृह में आयोजित किया गया है। समारोह की अध्यक्षता मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ करेंगे। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में सर्वोच्च न्यायालय के न्यायमूर्ति सूर्यकांत उपस्थित रहेंगे। साथ ही न्यायमूर्ति विक्रम नाथ और न्यायमूर्ति अरुण भंसाली की उपस्थिति रहेगी। समारोह में स्नातक, स्नातकोत्तर एवं शोध उपाधियां प्रदान की गईं।

बिहार में भाजपा की विदाई तय : अखिलेश

अमृत विचार, लखनऊ : सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने शनिवार को बिहार के दरभंगा जिले के बहादुरपुर विधानसभा क्षेत्र में राजद प्रत्याशी भोला यादव को भारी मतों से विजयी बनाने और तेजस्वी यादव को मुख्यमंत्री बनाने की अपील की। कहा कि बिहार का चुनाव परिणाम दिल्ली की सत्ता का भविष्य तय करेगा, और जनता सामाजिक न्याय की ताकतों को फिर सत्ता में लाएगी। सपा प्रमुख ने जनसभा में कहा कि इस बार का चुनाव भाजपा की विदाई का चुनाव है।

भारत बना दुनिया की बड़ी ताकत : मुख्यमंत्री

सैमसंग इनोवेशन कैंपस में योगी आदित्यनाथ ने 1300 विद्यार्थियों को दिए प्रशिक्षण प्रमाण-पत्र

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

गोरखपुर में आयोजित समारोह में विद्यार्थियों को प्रमाणपत्र सौंपते मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, साथ में कंपनी के अधिकारी।

अमृत विचार : मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि कभी पहचान के संकट से जूझ रहा भारत आज दुनिया की बड़ी ताकत के रूप में अपना एहसास करा रहा है। यह परिवर्तन सक्षम और दूरदर्शी नेतृत्व की देन है, जिसने देश की वैश्विक पहचान को बदला है।

वे शनिवार को योगिराज बाबा गंभीरनाथ प्रेक्षागृह गोरखपुर में आयोजित सैमसंग इनोवेशन कैंपस प्रमाणपत्र वितरण समारोह को संबोधित कर रहे थे। इस दौरान उन्होंने दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय सहित विभिन्न तकनीकी संस्थानों के 1300 विद्यार्थियों को प्रमाणपत्र वितरित किए। मुख्यमंत्री ने कहा कि 2014 से पहले का भारत भ्रष्टाचार और अविश्वास की छाया में था, लेकिन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में आज भारत वैश्विक मंच पर सम्मान और स्थिरता का प्रतीक बन चुका है। पीएम स्टार्टअप, स्टैंडअप इंडिया, डिजिटल इंडिया जैसी योजनाओं ने देश को दुनिया की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनाने की दिशा में अग्रसर किया है। उन्होंने कहा कि नेतृत्व वही समर्थ होता है, जो देश के प्रति दुनिया की धारणा बदलने का सामर्थ्य रखता है।

योगी ने युवाओं से इमर्जिंग टेक्नोलॉजी, इनोवेशन और रिसर्च एंड डेवलपमेंट पर ध्यान देने की अपील की। उन्होंने कहा कि ईज ऑफ लिविंग बढ़ाने में तकनीक अहम भूमिका निभा सकती है। योगी ने कहा कि समस्याओं को कोसने से कुछ नहीं होगा, उनके समाधान की दिशा में काम करना ही सफलता का मार्ग है। उन्होंने उदाहरण देते हुए कहा कि ट्रैफिक नियमों का पालन न करने की प्रवृत्ति ही जाम जैसी समस्या की जड़ है। मुख्यमंत्री ने बताया कि यूपी सरकार ने युवाओं के स्वावलंबन के लिए 1000 करोड़ रुपये का स्टार्टअप फंड बनाया है और टाटा टेक्नोलॉजी के साथ मिलकर 150 आईटीआई संस्थानों को आधुनिक प्रशिक्षण केंद्रों में बदला जा रहा है।

- योगी ने युवाओं से नवाचार तकनीकी और रिसर्च से जुड़ने का किया आह्वान

यूपी बोर्ड परीक्षा का केंद्र निर्धारण 10 से

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- अंतिम परीक्षा केंद्र सूची 30 दिसंबर को जारी होगी

अमृत विचार : उप्र. माध्यमिक शिक्षा परिषद (यूपी बोर्ड) की वर्ष 2026 की हाईस्कूल एवं इंटरमीडिएट परीक्षाओं को नकलविहीन, निष्पक्ष और पारदर्शी बनाने के लिए परीक्षा केंद्रों का निर्धारण इस बार पूरी तरह ऑनलाइन किया जाएगा। इसके लिए राज्य सरकार द्वारा शनिवार को केंद्र निर्धारण की नीति और मानक तय कर दिए गए हैं। इस प्रक्रिया को 10 नवंबर से 30 दिसंबर तक पूरा किया जाएगा।

शासनादेश के अनुसार, 10 नवंबर तक विद्यालयों द्वारा भौतिक संसाधनों का विवरण अपलोड करना होगा। तहसील स्तरीय समिति द्वारा भौतिक सत्यापन 17 नवंबर, सत्यापित आख्या अपलोड करने की अंतिम तिथि 24 नवंबर, परिषद द्वारा 27 नवंबर को प्रारंभिक केंद्र सूची जारी करनी होगी। 28 नवंबर को डिबार एवं अनर्ह विद्यालयों की सूची जारी की जाएगी। जारी सूची के बाद 4 दिसंबर तक आपत्तियां-प्रत्यावेदन लिए जाएंगे। आपत्तियों का निस्तारण जिला विद्यालय निरीक्षक द्वारा 11 दिसंबर तक किया जाएगा। इसके बाद अनुमोदित केंद्र सूची 17 दिसंबर को अपलोड होगी। हालांकि इसके बाद भी 22 दिसम्बर तक पुनः आपत्तियां ली जाएंगी, जिनका निस्तारण कर अंतिम परीक्षा केंद्र सूची 30 दिसंबर को जारी होगी।

19 वर्ष से फरार घोटाले का आरोपी वीडीओ गिरफ्तार

बलिया में हुआ था 3.45 करोड़ का खाद्यान्न घोटाला

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

राज कुमार दुबे

अमृत विचार : बलिया में 19 वर्ष पूर्व हुए 3.45 करोड़ के खाद्यान्न घोटाले में आरोपी ग्राम पंचायत विकास अधिकारी को ईओडब्ल्यू ने शुक्रवार देर रात को गिरफ्तार कर लिया। वह 19 वर्ष से फरार चल रहा था। बलिया खाद्यान्न घोटाले में कुल 43 मामले दर्ज हैं। आरोपियों ने मजदूरों को खाद्यान्न वितरित न कर कालाबाजारी कर गबन कर लिया गया। इस मामले में 11 आरोपियों के खिलाफ चार्जशीट दाखिल की गई है।

ईओडब्ल्यू के अधिकारी के मुताबिक, पकड़ा गया आरोपी राज कुमार दुबे बलिया के बांसडीह स्थित हुसैनाबाद का रहने वाला है। वह उस वक्त ग्राम पंचायत विकास अधिकारी के पद पर तैनात था। ईओडब्ल्यू वाराणसी यूनिट की टीम ने आरोपी को बरेली स्थित कचहरी ऑफिसर्स कालोनी से गिरफ्तार किया है। बलिया खाद्यान्न घोटाले में कुल 43 मामले अलग-अलग थानों में दर्ज हुए थे।

60.7 प्रतिशत ने छोड़ी कंप्यूटर ऑपरेटर परीक्षा

अमृत विचार, लखनऊ : उप्र पुलिस में कंप्यूटर ऑपरेटर ग्रेड-ए के 1129 पदों पर भर्ती के लिए ऑफलाइन लिखित परीक्षा (ओएमआर आधारित) में शनिवार को 39.3 प्रतिशत अभ्यर्थी ही परीक्षा केंद्रों पर पहुंचे। जबकि 60.7 प्रतिशत अभ्यर्थियों ने परीक्षा छोड़ दी। कंप्यूटर ऑपरेटर भर्ती के लिए आवेदन दिसंबर 2023 में किए गए थे। इसके बाद फरवरी 2024 में 60,244 पदों पर सिपाही भर्ती की परीक्षा का पेपर लीक हो गया था और सिपाही भर्ती की परीक्षा अगस्त 2024 में दोबारा सकुशल संपन्न कराई गई थी। सिपाही भर्ती परीक्षा के चलते कंप्यूटर आपरेटर की परीक्षा दो वर्ष विलंब से हुई।

फर्जी मतदाताओं को जड़ से उखाड़ फेंकेगी भाजपा

बंद कमरे में हुई संगठन की अहम बैठक, एसआईआर को लेकर बनी रणनीति

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- सांस्कृतिक राष्ट्रवाद और जनभागीदारी को सशक्त बनाएगी भाजपा : भूपेंद्र सिंह

अमृत विचार : भारतीय जनता पार्टी ने विशेष मतदाता पुनरीक्षण (एसआईआर) अभियान को लेकर संगठनात्मक स्तर पर कमर कस ली है। शनिवार को प्रदेश मुख्यालय लखनऊ में प्रदेश अध्यक्ष भूपेंद्र सिंह चौधरी की अध्यक्षता और प्रदेश महामंत्री (संगठन) धर्मपाल सिंह की मौजूदगी में बंद कमरे में हुई अहम बैठक में बूथ स्तर से लेकर प्रदेश स्तर तक की कार्ययोजना तय की गई। स्पष्ट संदेश दिए गए कि फर्जी वोटरों को जड़ से उखाड़ फेंका जाएगा और प्रत्येक पात्र व्यक्ति को मतदाता सूची में जोड़ना भाजपा का संकल्प है।

बैठक दो चरणों में हुई, जिसमें प्रदेश पदाधिकारियों, क्षेत्रीय अध्यक्षों, जिला अध्यक्षों, प्रभारी और अभियानों के संयोजकों ने हिस्सा लिया। प्रदेश अध्यक्ष भूपेंद्र सिंह चौधरी ने कहा कि भाजपा सिर्फ एक राजनीतिक दल नहीं, बल्कि सेवा, समर्पण और राष्ट्र निर्माण का आंदोलन है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में आत्मनिर्भर भारत अभियान जनांदोलन बन चुका है और अब संगठनात्मक स्तर पर इसे और सशक्त बनाया जाएगा। उन्होंने कहा कि मतदाता पुनरीक्षण अभियान के तहत पार्टी कार्यकर्ता घर-घर जाकर यह सुनिश्चित करें कि हर पात्र व्यक्ति का नाम मतदाता सूची में शामिल हो। उन्होंने कहा कि लोकतंत्र की मजबूती मतदाता की सक्रियता से होती है और भाजपा कार्यकर्ता इस दिशा में पूर्ण समर्पण से जुटें। संगठन महामंत्री धर्मपाल सिंह ने कहा कि प्रत्येक बूथ, मंडल और शक्ति केंद्र पर यह सुनिश्चित किया जाएगा कि कोई भी पात्र नागरिक मतदाता सूची से वंचित न रहे। उन्होंने कार्यकर्ताओं को निर्देश दिया कि वे मतदाताओं से संवाद के दौरान मोदी-योगी सरकार की उपलब्धियों, योजनाओं और विकास कार्यों की जानकारी भी साझा करें।

उन्होंने कहा कि यह अभियान संगठन के लिए जनता से जुड़ने और विश्वास बढ़ाने का सुनहरा अवसर है।

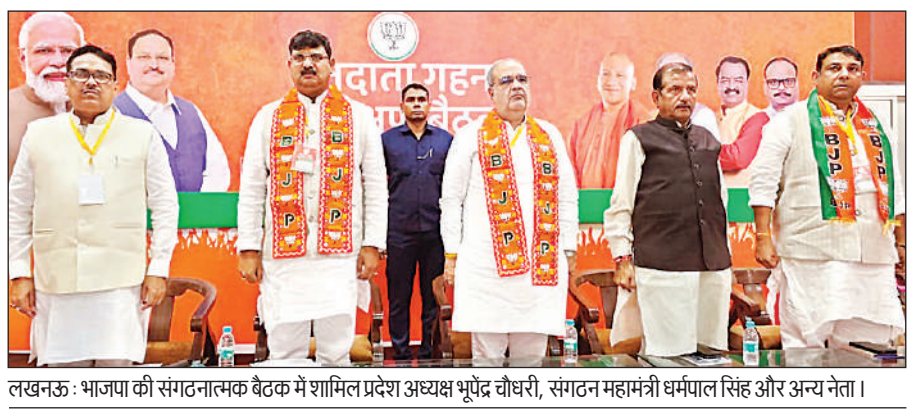

लखनऊ : भाजपा की संगठनात्मक बैठक में शामिल प्रदेश अध्यक्ष भूपेंद्र चौधरी, संगठन महामंत्री धर्मपाल सिंह और अन्य नेता।

संगठनात्मक बैठक में शामिल होने प्रदेशभर से आए जिलों के भाजपा पदाधिकारी।

वंदे मातरम के 150 वर्ष पूरे होने पर प्रदेशभर में कार्यक्रम

संगठन महामंत्री धर्मपाल सिंह ने बताया कि भूपेंद्र वंदे मातरम के 150 वर्ष पूरे होने पर पार्टी 7 नवंबर को प्रदेश के 18 स्थानों पर एक साथ भव्य कार्यक्रम आयोजित होंगे। यह सिर्फ एक गीत नहीं, राष्ट्र की आत्मा है, जिसने स्वतंत्रता आंदोलन को ऊर्जा दी। आज फिर उसी राष्ट्रभक्ति के भाव को जन-जन तक पहुंचाना हमारा कर्तव्य है। इन आयोजनों का संयोजन पार्टी के प्रदेश उपाध्यक्ष त्र्यंबक त्रिपाठी करेंगे।

ओबीसी वर्ग को संगठित करें : मायावती

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- बसपा प्रमुख ने भाईचारा बैठक में पिछड़ा वर्ग पदाधिकारियों से मांगा आर्थिक व राजनीतिक सहयोग

अमृत विचार : सपा के 'पीडीए' को टारगेट करते हुए बसपा प्रमुख मायावती ने कहा कि ओबीसी जितनी जल्दी बसपा के बैनर तले संगठित होगा, उतनी जल्दी उसके अच्छे दिन आएंगे। साथ ही कहा कि अपर कास्ट समाज राजनीतिक रूप से पहले से ही मजबूत और जागरूक है, इसलिए वह अपना हित देखकर खुद ही बसपा से जुड़ जाएगा।

बसपा प्रमुख शनिवार को मॉल एवन्यू स्थित पार्टी कार्यालय में पिछड़ा वर्ग समाज भाईचारा संगठन के पदाधिकारियों के साथ बैठक कर रही थी। साल 2007 की तरह सोशल इंजीनियरिंग फार्मूले पर

उन्होंने संगठन की प्रगति की समीक्षा की और कहा कि ओबीसी समाज कई जातियों में बंटा हुआ है। इनमें से कुछ जातियों द्वारा अलग-अलग संगठन या दल बनाने से इनकी एकता प्रभावित होती है, जिसका लाभ जातिवादी पार्टियां हर चुनाव में उठाती हैं।

कांशीराम का असली बामसेफ पंजीकृत नहीं

बैठक में बामसेफ संगठन को लेकर फैलाई जा रही भ्रांतियों पर भी मायावती ने स्थिति स्पष्ट की, कहा कि बामसेफ कोई राजनीतिक संगठन नहीं, बल्कि शिक्षित कर्मचारियों का एक सामाजिक संगठन है, जिसका उद्देश्य बहुजन समाज में जागरूकता फैलाना है। उन्होंने कहा कि कांशीराम द्वारा स्थापित मूल बामसेफ पंजीकृत नहीं है और वही असली संगठन है। बाकी बने हुए पंजीकृत बामसेफ "स्वार्थी और अवसरवादी लोगों" के संगठन हैं, जिनसे कांशीराम ने हमेशा सतर्क रहने की सलाह दी थी।

प्रतिक्रिया

यूनेस्को की सूची में शामिल होकर नवाबों की तहजीब, अदब और स्वाद का संगम अब विश्व मंच पर जगमगा रहा

लखनऊ की पहचान अब वैश्विक स्तर पर होगी और मजबूत

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार : नवाबों की तहज़ीब, अदब और स्वाद का संगम अब विश्व मंच पर जगमगा रहा है। यूनेस्को ने लखनऊ को "क्रिएटिव सिटी ऑफ गैस्ट्रोमी" की सूची में शामिल कर भारत को गौरवान्वित किया है। यह सम्मान लखनऊ की समृद्ध अवधी पाककला, उसके स्वाद, परंपरा और विविधता को मिला है। शहर अब वैश्विक नक्शे पर अपनी तहजीब के साथ अपनी थाली के स्वाद से भी पहचाना जाएगा।

लखनऊ की पहचान हमेशा से शहर-ए-अदब और शहर-ए-तहज़ीब के रूप में रही है, मगर यहां का खाना इस तहज़ीब का सबसे स्वादिष्ट अध्याय है। टुंडे कबाब, गलौटी, सीक और बोटी कबाब, दुम पुख्त बिरयानी, टोकरी चाट, मक्खन मलाई, खस्ता कचौरी- इन व्यंजनों में सदियों का इतिहास, नवाबी रसोई की नज़ाकत और आम जनता की जुबान का स्वाद समाया है। यूनेस्को की विशेषज्ञ समिति ने लखनऊ की पाक विरासत, उसके कारीगर खानसामाओं, स्थानीय व्यंजन परंपराओं और खाद्य स्थिरता को उच्च मूल्यांकन में स्थान दिया।

लखनऊ अपनी जीवंत संस्कृति और शानदार खानपान के लिए प्रसिद्ध है। खुशी है कि यूनेस्को ने इसकी इस विशेषता को मान्यता दी है। दुनिया के लोग लखनऊ आइए और इसकी अनोखी परंपरा को देखें।

– नरेंद्र मोदी, प्रधानमंत्री

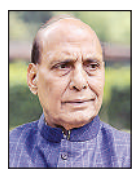

लखनऊ को यूनेस्को की क्रिएटिव सिटी ऑफ गैस्ट्रोनॉमी के रूप में चुना जाना इसकी सदीयों पुरानी पाक परंपरा, तहज़ीब और स्वाद की वैश्विक पहचान है। यह भारत की सांस्कृतिक विरासत को और समृद्ध करेगा।

–राजनाथ सिंह, रक्षा मंत्री

यूनेस्को की यह मान्यता लखनऊ की समृद्ध पाक-धरोहर और भारत की खाद्य परंपरा के योगदान की पुष्टि है। प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में भारत की संस्कृति को वैश्विक सम्मान मिल रहा है।

–गजेंद्र सिंह शेखावत केंद्रीय संस्कृति मंत्री

मुबारकबाद का सिलसिला बढ़ाइए, थोड़ा और मुस्कुराइए... क्योंकि अब विश्व के खानपान के मानचित्र पर अपने लखनऊ का नाम दर्ज हो गया है। हर लखनवी का मान बढ़ा है।

–अखिलेश यादव, सपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष व पूर्व मुख्यमंत्री

प्रधानमंत्री मोदी और मुख्यमंत्री योगी के नेतृत्व में यह गौरव संभव हुआ है। लखनऊ की पहचान अब वैश्विक स्तर पर और मजबूत होगी, जिससे पर्यटन को भी बढ़ावा मिलेगा।

–जयवीर सिंह, पर्यटन मंत्री उत्तर प्रदेश

प्रमुख सचिव, पर्यटन अमृत अभिजात ने इस उपलब्धि पर कहा कि यूनेस्को की इस मान्यता से लखनऊ के छोटे खाद्य उद्यमों और फूड टूरिज्म को बड़ा लाभ मिलेगा।

मुख्यमंत्री के सलाहकार अवनीश अवस्थी ने प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए कहा कि लखनऊ की यह उपलब्धि उत्तर प्रदेश के गौरव को बढ़ाने वाली है।

बाहर की दवा लिखी तो होगी सख्त कार्रवाई

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- स्वास्थ्य महानिदेशक ने मुख्य चिकित्सा अधीक्षकों व प्रभारी चिकित्सकों को दिए निर्देश

अमृत विचार : प्रदेश के सरकारी अस्पतालों में मरीजों से मिलने वाली शिकायतों और शासकीय अधिकारियों को निरीक्षण के दौरान मिलने वाली खामियों को लेकर स्वास्थ्य महानिदेशक डॉ.रतन पाल सिंह सुमन ने नाराजगी व्यक्त की है।

चेतावनी देते हुए उन्होंने अस्पतालों में बेहतर इलाज और समुचित सुविधाएं मुहैया कराने के लिए सभी मुख्य चिकित्सा अधीक्षकों और स्वास्थ्य इकाइयों के प्रभारी चिकित्सकों को सख्त दिशा-निर्देश जारी किए हैं। स्वास्थ्य महानिदेशक ने शनिवार को जारी निर्देश में कहा है कि शासन द्वारा पूर्व में भी कई बार निर्देश दिए जा चुके हैं कि सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों, प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों और अन्य सरकारी चिकित्सा इकाइयों में आने वाले रोगियों को अस्पताल में उपलब्ध दवाओं से ही उपचार दिया जाए। बावजूद इसके, कुछ स्थानों पर इन निर्देशों का पालन नहीं हो रहा है। उन्होंने सभी प्रभारियों को निर्देश देते हुए कहा कि किसी भी चिकित्सक द्वारा मरीज को बाहर की दवा न लिखी जाए।

दुग्धाभिषेक व महाआरती... तिगरी गंगा मेला आरंभ

जिला पंचायत अध्यक्ष ललित तंवर, मंडलायुक्त आन्जनेय कुमार सिंह व डीआइजी मुनिराज सिंह, डीएम ने की पूजा

संवाददाता, गजरौला

अमृत विचार : ऐतिहासिक तिगरी गंगा मेले का देवोत्थान के मौके पर हवन-यज्ञ के बाद दुग्ध अभिषेक और महाआरती कर शुभारंभ हो गया। शुभारंभ के मौके जिला पंचायत अध्यक्ष ललित तंवर, मंडलायुक्त आन्जनेय कुमार सिंह व डीआइजी मुनिराज सिंह ने यज्ञ में आहुति देकर पूजा अर्चना की।

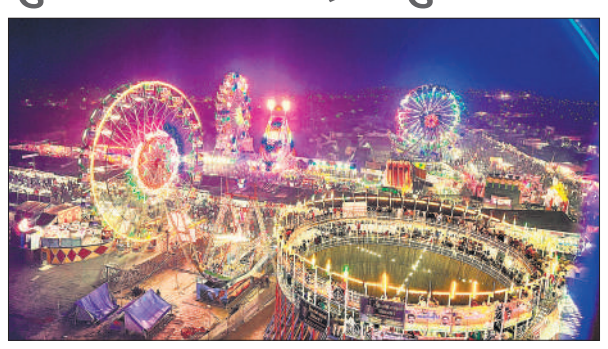

कार्तिक पूर्णिमा के अवसर पर पश्चिम अमरोहा के प्रसिद्ध तिगरी गंगा धाम में मेला लगता है। जिसमें 25-30 लाख श्रद्धालुओं का बसेरा रहता है। शनिवार की शाम को इस मेला का मां गंगा की आरती व दुग्ध अभिषेक कर शुभारंभ हो गया। मेले में पहुंचे सभी प्रशासनिक अधिकारियों ने गंगा के पावन तट पर बने पंडाल में बैठ यज्ञ में आहुति देकर पूजा अर्चना की। उसके बाद पतित पावनी गंगा की निर्मल धारा में दुग्ध अभिषेक किया गया। दुग्ध अभिषेक के बाद सभी शासनिक व प्रशासनिक अधिकारियों द्वारा पतित पावनी गंगा के तट पर बने भव्य मंच से पंडितों के साथ मंत्र उच्चारण कर मां गंगा की आरती भी की गई। तत्पश्चात मां गंगा के तट के समीप बने भव्य मंच पर बाहर से बुलाए गए कलाकारों द्वारा भजन संध्या के साथ-साथ लेजर शो द्वारा रंगारंग कार्यक्रम भी प्रस्तुत किया गया।

कार्यक्रम में डीएम निधि गुप्ता वत्स, एसपी अमित कुमार आनन्द, एडीएम गरिमा सिंह, सीडीओ अश्विनी कुमार मिश्र, एएसपी अखिलेश भदौरिया, एसडीएम विभा श्रीवास्तव, सीओ अंजली कटारिया, विधायक महेंद्र सिंह खड़गवंशी, एमएलसी डा. हरि सिंह ढिल्लो, अमरोहा चेयरमैन शशि जैन, धनौरा चेयरमैन प्रवीण अग्रवाल, हसनपुर चेयरमैन राजपाल सैनी, भाजपा के जिला उपाध्यक्ष वीरेंद्र सिंह, भाजपा जिला महामंत्री अभिनव कौशिक, डॉ.राजीव त्यागी, आदि मौजूद रहे।

मेले में 400 स्काउट गाइड दे रहे सेवा : तिगरी गंगा मेले में जनपद के कई विद्यालयों के स्काउट अपनी सेवाएं दे रहे हैं। स्काउट बच्चे अलग-अलग दल के रूप में मेला क्षेत्र में घूमकर परिजनों से बिछड़े बच्चों व बड़ों को मिलवा रहे हैं। यातायात व्यवस्था को भी संभालने में भी वे अपना योगदान दे रहे हैं। सदर चौक पर श्रद्धालुओं को आने जाने के लिए बनाए गए मार्गो पर ही आने जाने के लिए प्रेरित कर रहे हैं। सदर चौक पर बने भारत स्काउट के कार्यालय परिसर में सोमवार को शिक्षिकाओं ने रंगोली भी सजाई। यहां एक मचान भी बनाया गया है, जहां खोये हुए बच्चों को मिलवाया जा रहा है। स्काउट सूचना केन्द्र से मेले में श्रद्धालुओं के पालन करने सम्बंधी निर्देशों व अफसरों द्वारा दी जाने वाली आवश्यक सूचनाओं को ध्वनि विस्तारक यंत्र से दे रहे हैं।

तिगरी में शनिवार सुबह गंगा घाटों के किनारे श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ रही। लाखों श्रद्धालुओं ने डुबकी लगाई। गंगा घाट श्रद्धालुओं से खचाखच भरे नजर आए। तड़के से ही श्रद्धालुओं का गंगा स्नान के लिए पहुंचना शुरू हो गया। गंगा स्नान कर श्रद्धालुओं ने सूर्य को अर्घ्य दिया। परिवार एवं समाज में सुख-शांति एवं समृद्धि की कामना की। बहुत से श्रद्धालुओं ने गंगा में प्रसाद आदि चढ़ाया। गंगा किनारे धूप-दीप जलाकर पूजा की। युवाओं ने गंगा स्नान के बाद गंगा किनारे मस्ती भी की।

तिगरी गंगा में स्नान करने को उमड़ पड़े श्रद्धालु।

तिगरी गंगा मेले में रात में रोशनी से नहाए झूले।

तीन किशोरी एक साथ प्रेमियों के साथ फरार

बरेली, अमृत विचार : बारादरी थाना क्षेत्र से एक साथ तीन किशोरी सहेलियां प्रेमियों के साथ फरार हो गई। पुलिस ने अज्ञात के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर किशोरियों की तलाश शुरू की एक किशोरी प्रेमी के साथ हिमाचल तो दूसरी रुद्रपुर गई है। जबकि तीसरी को पुलिस ने बरामद कर लिया। टीम दोनों की बरामदगी के लिए रवाना हो चुकी है। बारादरी थाना प्रभारी धनंजय पांडे ने बताया कि थाना क्षेत्र से दो 16 वर्षीय और एक 14 वर्षीय किशोरी 29 अक्टूबर को एक साथ लापता हो गई। परिजनों ने काफी तलाश की मगर कुछ पता नहीं चल सका। पुलिस को पता चला कि 29 अक्टूबर दोपहर बाद तीनों किशोरी एक साथ घर से यह कहकर निकली कि वह बाजार में कपड़ा खरीदने जा रही हैं। घर से निकलने पर वापस नहीं लौटी। सीसीटीवी फुटेज के आधार पर पता चला कि तीनों एक साथ ऑटो में बैठ कर सेटेलाइट बस अड्डे पर आई और यहां से बस में बैठ कर निकल गईं। तीनों के पास मोबाइल फोन नहीं है।

पूर्वोत्तर रेलवे

ई-निविदा सूचना

निम्नलिखित कार्य के लिये ई-निविदा भारत के राष्ट्रपति की ओर से उप मुख्य यांत्रिक इंजीनियर/प्लांट, यांत्रिक कारखाना, पूर्वोत्तर रेलवे, गोरखपुर द्वारा आमंत्रित की जाती हैं।

क्रम सं.-01, निविदा संख्या: EL-MWS-GKP-2025-26-12, कार्य का विवरण : कोच अल्टरेशन इन इलेक्ट्रिकल सिस्टम इन 1000 कोचेज ऑफ 2-टियर एल.एच.बी. एलॉटेड क्वांटिटी 50 नं. कोचेज। अनुमानित लागत (रू.में): ₹ 70,35,486.50, बयाने की राशि (रू.में): ₹ 1,40,700/-, निविदा प्रपत्र का मूल्य: ₹ शून्य, कार्य पूर्ण करने की समय/अवधि स्वीकार पत्र जारी होने की तिथि से-12 महीना।

• आन लाइन ई-निविदा जमा करने की तिथि: 24-11-2025, समय 11:00 बजे तक। • पूर्ण विवरण एवं निविदा की प्रस्तुति करने के लिये भारतीय रेल के वेबसाइट *www.ireps.gov.in* पर देखें। • यदि निविदा सूचना में हिन्दी एवं अंग्रेजी में अन्तर होता है तो निविदा सूचना में अंग्रेजी संस्करण ही मान्य होगा।

उप मुख्य यांत्रिक इन्जीनियर/प्लांट (कार.),
मुजाधि/यॉंत्रिक-87 **गोरखपुर**

गाड़ियों की छतों व पावदान पर कदापि यात्रा न करें।

आवश्यकता है

अस्थाई रूप से सम्पूर्ण सुरक्षा केन्द्र जिला अस्पताल बरेली में

1. प्रोग्राम मैनेजर -1 पद

योग्यता - MSW/MA Sociology
मानदेय -21000/- प्रतिमाह
कम से कम 1 वर्ष का अनुभव

प्रत्यक्ष रूप या डाक से आवेदन जमा करने की अंतिम तिथि 31.10.2025
शाम 5 बजे तक

ईमेल- bareilly.chetna@gmail.com

पता : महाराणा प्रताप संयुक्त जिला अस्पताल, बरेली

संपर्क : 8799261418, 9897934428

दिनांक 23.10.2025 को प्रकाशित विज्ञापन सम्पूर्ण सुरक्षा मैनेजर (SSM) का आवेदन किन्हीं कारणों से निरस्त किया जा रहा है।

कोर्स चिकित्सकों को आत्मविश्वास और कौशल दोनों प्रदान करते हैं : डॉ. लता

कार्यालय संवाददाता, बरेली

अमृत विचार : रोहिलखंड मेडिकल कॉलेज एवं हॉस्पिटल के बाल रोग विभाग की ओर से भारतीय बाल रोग अकादमी के सहयोग से शनिवार को दो दिवसीय एडवांस्ड लाइफ सपोर्ट (पीडियाट्रिक) प्रोवाइडर कोर्स की सीएमई का आयोजन हुआ।

कार्यक्रम में बरेली इंटरनेशनल यूनिवर्सिटी की वाइस चांसलर डॉ. लता अग्रवाल ने कहा कि बाल आपात स्थितियों में प्रशिक्षित चिकित्सक एक सशक्त स्वास्थ्य प्रणाली की नींव है। ऐसे कोर्स चिकित्सकों को आत्मविश्वास और कौशल दोनों प्रदान करते हैं। यूनिवर्सिटी के प्रो चांसलर डॉ. अशोक अग्रवाल ने कहा कि रोहिलखंड मेडिकल कॉलेज सदैव उत्कृष्टता और नैतिक शिक्षा के प्रति समर्पित रहा है। यह आयोजन हमारे संस्थान की अकादमिक सशक्तता का उदाहरण है। प्रशिक्षण कार्यक्रम का नेतृत्व विभागाध्यक्ष डॉ. प्रीति लता राय एवं प्रोफेसर डा. अनीता कुमारी ने किया। संचालन कोर्स डायरेक्टर डा. पियाली भट्टाचार्य एवं कोर्स कोऑर्डिनेटर डा. प्रीति लता राय के मार्गदर्शन में हुआ। जिसमें 40 चिकित्सकों ने भाग लिया। इससे पहले कार्यक्रम का उद्घाटन प्रो. चांसलर डॉ. अशोक अग्रवाल, वाइस चांसलर डॉ. लता अग्रवाल, प्रिंसिपल डॉ. रजनीश पठानिया एवं आईएपी शाखा के अध्यक्ष डॉ. रुचिन अग्रवाल ने दीप प्रज्वलन कर किया। प्रिंसिपल डॉ. रजनीश पठानिया ने इस पहल की सराहना करते हुए, कहा कि एएलएस जैसे कोर्स चिकित्सकों को आपातकालीन स्थितियों में टीमवर्क और त्वरित निर्णय क्षमता विकसित करने का अवसर प्रदान करते हैं। डॉ. रुचिन अग्रवाल ने कहा कि आईएपी का उद्देश्य देशभर में बाल आपातकालीन देखभाल को सुदृढ़ करना है और आरएमसीएच इस दिशा में एक प्रेरक उदाहरण प्रस्तुत कर रहा है। दो दिवसीय प्रशिक्षण के पहले दिन कई विषयों पर व्याख्यान एवं हैंड्स-ऑन स्किल सत्र आयोजित किए गए। सभी प्रशिक्षण सत्रों में डॉ. अनीता कुमार, डॉ. नीता भार्गव, डॉ. संध्या चौहान, डॉ. प्रीति लता राय, डॉ. प्रियंका, डॉ. मानसिंह परिहार समेत फैकल्टी टीम ने सक्रिय भूमिका निभाई।

परीक्षा में आधे से भी कम अभ्यर्थी हुए शामिल

बरेली, अमृत विचार : यूपी पुलिस में कंप्यूटर ऑपरेटर ग्रेड-ए की सीधी भर्ती-2023 की लिखित परीक्षा जिले में शनिवार को 15 केंद्रों पर हुई। जिसमें आधे से भी कम अभ्यर्थी शामिल हुए। डीएम अविनाश सिंह और एसएसपी अनुराग आर्य ने केंद्रों का निरीक्षण कर परीक्षा व्यवस्था का जायजा लिया। अभ्यर्थियों से बात कर उनकी समस्या को भी जाना। अफसरों के अनुसार परीक्षा में 6960 में से 2912 अभ्यर्थी उपस्थित रहे, जबकि 4048 अनुपस्थित रहे। इस दौरान टीम ने अभ्यर्थियों पर पैनी नजर रखी।

कार्यालय ग्राम पंचायत खिरिया वि.खं. निगोही जनपद शाहजहांपुर

अति अल्पकालीन निविदा सूचना

समस्त अधिकृत फर्मो/विक्रेताओं को सूचित किया जाता है कि विकास खण्ड निगोही शाहजहांपुर वित्तीय वर्ष 2025-26 में मनरेगा योजना के अन्तर्गत ग्राम पंचायत खिरिया में मिट्टी व खडंजा निर्माण कार्य को कराए जाने हेतु कार्यस्थल पर निम्न सामग्री ईट, खडंजा आदि की आवश्यकता है। सामग्री की कार्यस्थल पर आपूर्ति हेतु सम्बन्धित ग्राम पंचायत के कार्यालय पर निविदाएं आमंत्रित की जाती है। निविदा की विस्तृत जानकारी किसी भी कार्य दिवस पर ग्राम पंचायत कार्यालय पर प्राप्त की जा सकती है। मोहरबन्द निविदायें ग्राम पंचायत के कार्यालय पर रखे टेन्डर बॉक्स में इस निविदा के प्रकाशन तिथि से तीन दिवस तक डाली जा सकती है। जो उसी दिन 3:00 बजे सम्बन्धित प्रधान/सचिव द्वारा अधिकृत फर्मो/विक्रेताओं के प्रतिनिधियों के समक्ष खोली जायेगी।

क्र.	कार्य का नाम	सामग्री की अनु. लागत (लाख में)
1.	ग्राम पंचायत खिलिया के ग्राम घनश्यामपुर में मेन रोड से कश्मीर के मकान तक मिट्टी व खडंजा निर्माण कार्य।	3.83 लाख

मोनिका सिंह (ग्राम प्रधान) **गंगा महेश पाण्डेय (सचिव)**

कार्यालय ग्रा.पं. सिठौरा वि.खं. भदपुरा (बरेली)

निविदा आमंत्रण सूचना दिनांक : 02.11.2025

समस्त अधिकृत फर्मो व विक्रेताओं को सूचित किया जाता है कि ग्राम पंचायत सिठौरा में मनरेगा योजना के अन्तर्गत निम्न निर्माण कार्य हेतु सामग्री आपूर्ति हेतु पंजीकृत फर्मो से निविदा आमंत्रित की जाती है। सामग्री विवरण निम्नवत् है-ईट, बजरफुट, सरिया, सरिया, रेता व अन्य सामग्री जो प्राक्कलन में लिखित है। निविदा पंचायत कार्यालय पर दिनांक 02.11.2025 से 05.11.2025 तक किसी समय खोली जा सकती है। कार्य हेतु सामग्री आपूर्ति आदि की सूचना किसी कार्यालय दिवस में देखी जा सकती है।

क्र.सं.	कार्य का नाम	माप	अनु. लागत
1.	दोदराज के घर से बाबू सेठ की जगह तक सी.सी. रोड व नाली निर्माण कार्य	76X2.5 मी	188000.00
2.	छेदा लाल सागर के घर से पंचायत घर तक सी.सी. रोड व नाली निर्माण कार्य	130X4 मी	370000.00

अभिषेक सिंह-सचिव **वीरमति-ग्राम प्रधान**

कार्यालय नगर पालिका परिषद नवाबगंज (बरेली)

पत्रांक : 966/न.पा.परि.नवा./2025-26 दिनांक : 01.11.2025

अल्पकालीन ई-निविदा सूचना

नगर पालिका परिषद नवाबगंज (बरेली) द्वारा 14वां वित्त आयोग एवं अवस्थापना निधि, के अन्तर्गत स्वायत्त निकाय/पब्लिक सेक्टर विभाग/राज्य सरकार/केन्द्र सरकार/अन्य सरकारी विभाग में डी/सी श्रेणी में कार्यो की लागत के सीमा अनुरूप पंजीकृत निविदादाताओं से ई-टेण्डरिंग के माध्यम से प्रतिशत दर के आधार पर नीचे दर्शाये गये कार्यो हेतु ई-निविदा आमंत्रित की जाती है। कार्य का विवरण निम्नवत् है-

1. वेबसाइट पर डाक्यूमेंट की उपलब्धता की तिथि 03.11.2025
2. ई-निविदा के माध्यम से निविदा अपलोड के लिए अन्तिम तिथि/समय 24.11.2025 को अपरान्ह 02:00 बजे तक
3. ई-निविदा के माध्यम से निविदा खोलने की तिथि एवं समय 24.11.2025 को 03:00 बजे
4. निविदा आमंत्रणकर्ता को आईटीबी के क्लॉज-9 के अनुसार परिशिष्ट/शुद्धि पत्र जारी करने का अधिकार है जो वह नियमित रूप से ई-निविदा पोर्टल पर निगरानी रखें।
5. अधिक जानकारी के लिये कृपया वेबसाइट की वेबसाइट http://etender.up.nic.in पर लॉग इन करें तथा बिड डाक्यूमेंट को डाउनलोड करें।

अधिशासी अधिकारी
नगर पालिका परिषद , नवाबगंज, बरेली।

फर्जी किरायानामा से फर्म बनाकर की टैक्स चोरी

कार्यालय संवाददाता, बरेली

- **राज्य कर अधिकारी ने बारादरी थाने में दर्ज कराई रिपोर्ट**

अमृत विचार : एक व्यक्ति ने फर्जी किरायानामा से बोगस फर्म बनाकर 4.39 करोड़ रुपये की टैक्स चोरी की। राज्य कर अधिकारी ने बारादरी थाने में आरोपी के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कराई है।

राज्य कर अधिकारी ने रिपोर्ट दर्ज कराई कि जौनपुर में पंजीकृत एक फर्म सर्वश्री विनोद इंटरप्राइजेज जांच में बोगस पाई गई थी। फर्म रजिस्ट्रेशन के लिए जिस ईमेल और फोन नंबर का इस्तेमाल किया गया था, उस पर अन्य फर्मों का रजिस्ट्रेशन भी कराया गया था। इन फर्मों की जांच के आदेश दिए गए थे। इसके अलावा पीलीभीत बाईपास पर नवादा शेखान के पते पर दर्शायी गई फर्म सर्वश्री ठाकुर इंटरप्राइजेज की जांच जीएसटी पोर्टल पर की गई। जांच में पाया कि फर्म ने कोई आयात नहीं किया लेकिन कागजों पर तीन फर्मों को सप्लाई दिखाई गई। जांच में पाया कि फर्म का मालिक अभिषेक ठाकुर निवासी वैशाली विहार बिना इनवर्ड प्राप्त किए, फर्जी आपूर्ति घोषित कर टैक्स चोरी कर रहा था। अभिषेक ने फर्जी बिलिंग के जरिए करीब 2441.95 लाख रुपये की सप्लाई दिखाकर 439.55 लाख रुपये का अवैध आईटीसी पास ऑन किया। बरेली रेंज ए के उपायुक्त टीम के साथ जब फर्म के पते पर जांच करने पहुंचे तो वहां एक मकान मिला। मकान पर फर्म का कोई बोर्ड नहीं था। मौके पर मिले वेदपाल ने बताया कि ठाकुर इंटरप्राइजेज नाम से कोई फर्म संचालित नहीं होती है। वेदपाल की पत्नी नीलम की तरफ से बनाए गए किरायानामा को दिखाया तो बताया गया कि नीलम की मृत्यु 2021 में हो चुकी है जबकि किरायानामा 2024 में बनाया गया था। आसपास अभिषेक का फोटो दिखाया गया लेकिन किसी ने उसकी पहचान नहीं की। इससे स्पष्ट हो गया कि फर्म खोलने के लिए, जिस किरायानामा का प्रयोग किया गया है वह भी फर्जी है। अभिषेक ठाकुर के खिलाफ बारादरी थाने में मुकदमा दर्ज कराया गया है। पुलिस आरोपी अभिषेक की तलाश कर रही है। बता दें कि राज्य कर अधिकारी ने बारादरी थाने में आरोपी के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कराई है।

पुलिस मुठभेड़ में हिस्ट्रीशीटर गिरफ्तार पैर में लगी गोली

बरेली/आंवला, अमृत विचार : आंवला थाना क्षेत्र में गैंगस्टर एक्ट में वांछित हिस्ट्रीशीटर गौसिया चौक निवासी दानिश को शुक्रवार रात पुलिस ने मुठभेड़ में गिरफ्तार किया।

पुलिस के मुताबिक शुक्रवार देर रात सूचना मिली कि वांछित आरोपी दानिश बिलायतगंज के पास स्थित बंद पड़े मकबरे में छिपा हुआ है। सूचना पर बाइक सवार पुलिसकर्मी जब मौके पर पहुंचे तो आरोपी वहां से भागने लगा। उसने खुद को घिरता देख पुलिस पर फायरिंग कर दी।

पुलिस ने जवाबी फायरिंग की तो दानिश के दाहिने पैर में जा धंसी और पुलिस ने उसे गिरफ्तार कर लिया। उसके पास से एक तमंचा और दो कारतूस बरामद हुए। आरोपी के खिलाफ हत्या की कोशिश की धाराओं में रिपोर्ट दर्ज की गई है। 2 अगस्त को इंस्पेक्टर आंवला कुंवर बहादुर सिंह ने गैंगस्टर एक्ट के तहत गैंग लीडर दानिश और उसके साथियों रईस अहमद उर्फ घिर्री, लालू यादव, नेत्रपाल और मोबीन के खिलाफ कार्रवाई की थी। आंवला सीओ नितिन कुमार ने बताया कि दानिश के खिलाफ गैंगस्टर और आर्म्स एक्ट समेत 10 से अधिक आपराधिक मुकदमे दर्ज हैं। वह आंवला थाने का हिस्ट्रीशीटर भी है। वहीं पुलिस ने उसके पास से एक तमंचा और दो कारतूस बरामद किए।

अवैध संबंधों के शक में करती थी विवाद

कार्यालय संवाददाता, नवाबगंज (बरेली)

- **हाफिजगंज के अनिल ने अनीता से किया था प्रेम विवाह**
- **पति ने की थी हत्या, पुलिस ने पांच आरोपियों को किया गिरफ्तार**

अमृत विचार : नवाबगंज थाना क्षेत्र के ओम सिटी कॉलोनी में अनीता की हत्या करने वाले पति समेत पांच आरोपियों को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया।

आरोपी पति ने बताया कि अवैध सबंधों को लेकर उसकी पत्नी शक करती थी आए दिन विवाद होने के कारण उसने अनीता को मार डाला। पुलिस ने पांचों आरोपियों को शनिवार को कोर्ट में पेश किया। जहां से सभी को जेल भेज दिया गया। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान ग्राम कमुआ हाफिजगंज निवासी पति अनिल कुमार, जमुना प्रसाद, भगवानदेई, सचिन और महेश कुमार के रुप में हुई है। वारदात को लूट दिखाने के लिए हत्यारोपी पति ने शव को बेड में छिपाया था।

हाफिजगंज के कमुआ गांव निवासी अनिल ने पिछले साल नवंबर में अनीता से प्रेम विवाह किया था। शादी के बाद दोनों अनिल के छोटे भाई सचिन के साथ कॉलोनी में किराए के मकान में रहने लगे थे।

आरोप है कि फुफेरे भाई की साली अनीता से एक वर्ष पूर्व हुए प्रेम विवाह के बाद से ही मृतका के ससुराल पक्ष के लोग कार की मांग कर विवाहिता को प्रताड़ित करते थे। जब कि मृतका के भाई ने अपनी जमीन बेच कर विवाह में 14 लाख रुपये खर्च किया था। जिनमें 10 लाख नकदी और 4 अन्य कार्यों में खर्च किया था। मृतका का पति उसे धमका कर कई बार हजारो रुपये भी ऐंठ चुका था और मांग पूरी न होने से खिन्न होकर ही ससुरालियों ने उसकी गला रेत कर हत्या कर दिया। अनीता शारीरिक रूप से काफी मजबूत थी और पुलिस भर्ती की तैयारी कर रही थी। घर में बिखरा सामान और मुड़ा हुआ हंसिया बताता है कि उसने आखिरी सांस तक हमलावरों से मुकाबला किया। पुलिस सभी आरोपियों की तलाश कर रही थी इसी बीच पांचों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया गया। घटना में सम्मिलित आला कत्ल भी आरोपियों की निशानदेही पर पुलिस ने बरामद कर लिया है।

कार्यालय ग्राम पंचायत डूंगरपुर विकासखंड फतेहगंज पश्चिमी (बरेली)

निविदा सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि ग्राम पंचायत डूंगरपुर की ओर से वित्तीय वर्ष 2025-26 में मनरेगा/ग्राम निधि के अंतर्गत प्राप्त धनराशि के सापेक्ष ग्राम पंचायत में निर्माण कार्यो में प्रयुक्त होने वाली सामग्री आपूर्ति हेतु सीलवन्द निविदाऐं 02.11.2025 से 05.11.2025 तक ग्राम पंचायत कार्यालय पर अपरान्ह 2 बजे तक आमन्त्रित की जाती है जो उसी दिन 0.11.2025 को शाम 4 बजे ग्राम पंचायत अध्यक्ष/प्रधान एवं समिति के समक्ष खोली जायेगी।

क्र.सं.	कार्य का नाम	सामग्री	अनु. लागत
1.	टीकाराम की जगह से नरेन्द्र के मकान तक सी सी नाली निर्माण	ईट, रोड़ा, वजरी, बजरफुट, सीमेन्ट रेता, सरिया आदि	392779.00
2.	सुखलाल के घर से सोमपाल के मकान तक सीसी नाली निर्माण।	ईट, रोड़ा, बजरी, बजरफुट, सीमेन्ट, रेता, सरिया आदि।	398908.00

नियम व शर्तें :- 1. निविदादाता निविदा के साथ पैन की छाया प्रति आवश्यक रूप से संलग्न करेंगे 2. समस्त सामग्री आर.ई.डी./पी.डब्लू.डी. के अनुसार आपूर्ति की जायेगी। 3. निविदादाताओं को सामग्री की आपूर्ति कार्य स्थल पर करनी होगी। जिसका अलग से कोई भी भाड़ा देय नही होगा। 4. किसी भी समय निविदा ग्राम पंचायत द्वारा निरस्त की जा सकती है।

ग्राम प्रधान - श्रीमती नीरज कुमारी **सचिव - श्री पीयूषकांत गौतम**

47वॉं स्थापना दिवस समारोह

विराट कुक्कुट मेला एवं कृषक संगोष्ठी

(रविवार, 2 नवम्बर, 2025)

cari

सुस्वागतम् सुस्वागतम्

मुख्य आकर्षण

● कुक्कुट प्रदर्शनी द्वारा मुर्गी, बटेर, टर्की, गिनी फाउल की प्रजातियों का प्रदर्शन ● नवीन उत्पादों-अंडे का पेड़ा, मीट बडियों, अंडी की रसमलाई, मीट बाईट आदि की जानकारी ● नवीनतम प्रोद्योगिकियों-कैरी एग शील्ड, कैरी बूस्ट, कैरी टोक्सोमिन, कैरी हाई प्रोटीन एग ड्रिंक, कैरी कम्फर्ट, सस्ता मुर्गी दाना तैयार करना आदि की जानकारी ● सरकारी, गैर सरकारी व वित्तीय संस्थाओं द्वारा प्रदान की जा रही सेवाओं की जानकारी ● कृषक संगोष्ठी द्वारा पॉल्ट्री में आने वाली समस्याओं का समाधान ● कुक्कुट पालन में आने वाली बीमारियों की रोकथाम व उपचार की वैज्ञानिक जानकारी ● मुर्गी अंडा, मॉंस व अन्य पॉल्ट्री प्रोडक्ट्स का प्रदर्शन व बिक्री

स्थान : केन्द्रीय पक्षी अनुसंधान संस्थान, पीलीभीत रोड, बरेली
समय : 10:00 प्रातः से 4:00 बजे सायं तक

आप सादर आमंत्रित हैं

भाकृअप-केन्द्रीय पक्षी अनुसंधान संस्थान
इज्जतनगर-243122, बरेली (उ.प्र.)

Walk-in-Interview

For the Post of Sampoorna Suraksha Manager (SSM) Under NACP-V (01 Post Contractual)- Honorarium Rs. 21,000 PM, Upper Age Limit Maximum 45 Yrs.

Education Qualification : Graduate degree holder in Psychology/Social Work Sociology Anthropology/Human development/Nursing with 3 years of experience in counselling /educating under National Health Programe, "OR" Post-graduate in Psychology/Social Work/Social/ Anthropology/Human development/Nursing.

If Candidate is a Person Living with HIV/AIDS (PLHIV): Graduate degree holder in Psychology/Social Work/Sociology Anthropology/Human development/Nursing with 1 years of experience in counselling/educating under National Health Programmes.

Desirable : Experience of working under the National AIDS and STD Control Programme (NASCP) facility or community settings & Good Computer Skills (MS Office)

इच्छुक अभ्यर्थी अपनी समस्त शैक्षिक योग्यता, अनुभव प्रमाण पत्र एवं बायो-डाटा की मूल प्रति तथा 01 सेट छाया प्रति के साथ दिनांक 07.11.25 को समय प्रातः 9 से दोपहर 2 बजे तक स्थान जिला क्षय रोग केन्द्र, कुतुबखाना, चौपला रोड, बरेली पर पहुंचना सुनिश्चित करें।

अध्यक्ष/सचिव
चेतना सेवा संस्थान, बरेली
मो. 8799261418

कार्यालय जिलाधिकारी, खीरी।

(खनन अनुभाग)

संख्या-3009 /खनिज/विज्ञप्ति-सा0 बालू/2025-26 दिनांक 30-10-2025

ई-निविदा सह- ई-नीलामी आमंत्रण हेतु सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि जनपद-खीरी में प्रवाहित नदियों के तल में बालू के निम्न विवरण के अनुसार रिक्त खनन क्षेत्रों को उ0प्र0 उप खनिज (परिहार) नियमावली-2021 के नियम-23 के उप नियम-(1) के प्राविधानों के अन्तर्गत उपलब्ध घोषित किया जाता है।

उत्तर प्रदेश उप खनिज (परिहार) नियमावली-2021 के अध्याय-4 के नियम 23(1) के प्राविधानों के अन्तर्गत ई-निविदा सह-ई-नीलामी प्रणाली के माध्यम से खनन पट्टे पर स्वीकृत किये जाने हेतु निम्नलिखित क्षेत्र उपलब्ध है-

1- क्षेत्र का विवरण :-

क्र0 सं0	उपखनिज का नाम	नदी का नाम	क्षेत्र का विवरण				जियो कोआर्डिनेटस	नियमावली 2021 के अनुसूची-1 के अनुसार रायल्टी दर (रू0 प्रति घनमीटर)	खनन योग्य आकलित उपखनिज का भण्डार (घनमी0 प्रतिवर्ष)	प्रथम वर्ष में आंकलित भण्डार की कुल रायल्टी रूपयों में (कालम-9 में अंकित घनमी0 प्रतिवर्ष को कालम- 10 में अंकित रायल्टी की दर से गुणा करने पर उपलब्ध सकल धनराशि) (रूपये में)	अर्नेष्टमनी (कालम 11 में अंकित सकल धनराशि का 25 प्रतिषत) (रूपये में)
			तहसील	ग्राम	गाटा सं0/खण्ड सं0/जोन सं0	क्षेत्रफल (हे0 में)					
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12
01	सा0बालू	शारदा नदी	लखीमपुर	सर्वा शिवपुरी	183अ	13.06हे0	A-28° 7′13.18″N 80° 50′40.28″E B-28° 7′9.51″N 80° 51′3.24″E C-28° 6′59.17″N 80° 50′59.16″E D-28° 7′4.58″N 80° 50′47.22″E	55.00	1,56,720.00	86,19,600.00	21,54,900.00
02	सा0बालू	शारदा नदी	लखीमपुर	सर्वा शिवपुरी	183ब	13.06हे0	A-28° 7′9.51″N 80° 51′3.24″E B-28° 6′59.17″N 80° 50′59.16″E C-28° 6′50.82″N 80° 51′9.91″E D-28° 7′2.99″N 80° 51′14.38″E	55.00	1,56,720.00	86,19,600.00	21,54,900.00
03	सा0बालू	शारदा नदी	लखीमपुर	सर्वा शिवपुरी	193ब	13.47हे0	A-28° 7′ 6.61″N 80° 51′31.76″E B-28° 7′ 4.64″N 80° 51′42.40″E C-28° 7′ 1.67″N 80° 51′45.87″E D-28° 6′ 52.34″N 80° 51′39.19″E E-28° 6′ 57.42″N 80° 51′27.47″E	55.00	175110.00	96,31,050.00	24,07,763.00

ई-निविदा सह ई-नीलामी की कार्ययोजना एवं अवधि निम्नानुसार सम्पादित की जायेगी :-

प्रेस विज्ञप्ति (विज्ञप्ति का प्रकाशन)	01.11.2025
प्रथम चरण ई-निविदा (ई-टेण्डर) की अवधि	दिनांकः 02.12.2025 (पूर्वाह्न 10:00 बजे) से 06.12.2025 (अपरान्ह 17:00 बजे) तक
प्रथम चरण में प्राप्त ई-निविदा (बिड) का खोला जाना एवं उसका मूल्यांकन	08.12.2025 पूर्वाह्न 10:00 बजे से क्रमांक-1 से 2 पर विज्ञापित क्षेत्र 09.12.2025 पूर्वाह्न 10:00 बजे से क्रमांक-3 विज्ञापित क्षेत्र
द्वितीय चरण ई-नीलामी की अवधि।	08.12.2025 अपरान्ह 01:00 बजे से 15:00 बजे तक क्रमांक-1 एवं 2 पर विज्ञापित क्षेत्र 09.12.2025 अपरान्ह 01:00 बजे से 15:00 बजे तक क्रमांक-3

ई-निविदा सह ई-नीलामी से सम्बन्धित सम्पूर्ण प्रक्रिया एवं शर्तो की जानकारी ऑनलाइन एम0एस0टी0 सी0 के ई आक्शन पोर्टल WWW.mstcecommerce.com पर अपलोड करा दिया गया है। जिसे सम्बन्धित सभी निविदादाता/बोलीदाता द्वारा देखा जा सकता है। उक्त से सम्बन्धित सम्पूर्ण प्रक्रिया एवं शर्तो की जानकारी किसी भी कार्य दिवस में खनिज कार्यालय लखीमपुर खीरी एवं कार्यालय अपर जिलाधिकारी वि0एवं रा0 कलेक्ट्रेट खीरी से प्राप्त की जा सकती है।

(दुर्गा शक्ति नागपाल)
जिलाधिकारी
लखीमपुर-खीरी।

UP - 239730 **दिनांक:** 31/10/2025
विज्ञापन वेबसाइट www.up.gov.in **पर उपलब्ध है।**

अमृत विचार

रविवार, 2 नवंबर 2025

सालाही सालाहि एती
सुरति न पाईआ।
नदीआ अतै वाह पवहि
समुंदि न जाणीअहि॥

गुरु नानक देव जी कहते हैं, ईश्वर की कितनी भी प्रशंसा की जाए, इसके बाद भी उसकी संपूर्ण महिमा को समझ पाना संभव नहीं है। जैसे, नदियां हमेशा समुद्र की ओर बहती हैं, लेकिन कभी भी समुद्र की गहराई और उसकी संपूर्णता को पूरी तरह नहीं जान पातीं।

ज्ञान का प्रकाश मिलते ही समाप्त हो जाती है माया

जीवन प्रकृति का उपहार है। कोई जन्म लेता है। जन्मा शिशु हंसता है। हाथ-पैर चलाता है। परिवार छोटे बच्चों को बढ़ता हुआ देखकर प्रसन्न होता है। फिर आती है जीवन की चुनौतियां। दुख आते हैं। सुख आते हैं। वे बारी-बारी से आते-जाते हैं। परिवार बढ़ता है। वह वृहत्तर समाज का अंग हो जाता है। वह जैसा चाहता है, वैसा नहीं होता, तो उसे दुख होता है। दुख और सुख आते-जाते हैं। दुख स्वयं निरपेक्ष नहीं है। दुख-सुख का अभाव है। दुख का मुख्य कारण आसक्ति है। माना जाता है, माया मोह में फंसकर व्यक्ति दुखी रहता है। बुद्ध ने दुख को ही समस्या का जड़ माना है।

शब्द 'माया' लोक जीवन में बहुत चलता है। संसार के प्रति आसक्ति के लिए भी 'माया' शब्द का प्रयोग होता है। तब उसे माया मोह कहते हैं। संसार को कागज की पुड़िया बताने वाले संत कबीर भी माया को ठगनी बताते हैं। एक पूरी सभ्यता को ही 'माया सभ्यता' कहा जाता है। माया सभ्यता मध्य अमेरिका के दक्षिणी मेक्सिको से लेकर ग्वाटेमाला बेलीज पश्चिमी होंडुरस और एल साल्वाडोर तक फैली हुई थी। ऋग्वेद में एक शब्द आया है 'ऋभु'। ऋभु कारीगर हैं। एक मंत्र के अनुवाद में ऋभुओं द्वारा बहुत सुंदर स्थापत्य बनाने की प्रशंसा की गई है। माया किसी न किसी रूप में, भारत के मन में बहुत गहराई से बैठी हुई प्रतीत होती है। तुलसीदास भी सांसारिक दुखों का कारण माया बताते हैं। माया प्रभावित जीव दुखी रहते हैं।

माया संस्कृत का शब्द है। इसका अर्थ है जो नहीं है, अर्थात हमारे इन्द्रियबोध को धोखा देने वाला। अद्वैत दर्शन में माया की धारणा बहुत महत्वपूर्ण है। यह सत्य सुव्यवस्थित है कि परमार्थतः ब्रह्म ही एकमात्र सत् है। ब्रह्म एक निर्गुण निर्विकार भेदरहित सत्ता है। ब्रह्म से अलग कुछ भी नहीं। बाकी सब मिथ्या है, लेकिन सांसारिक जीवन में कुछ जिज्ञासाएं भी चला करती हैं। ब्रह्म की सत्ता पर पूर्ण विश्वास न करने वाले विद्वान कहते हैं कि सांसारिक जीव ऐसा अनुभव नहीं करते। उनके अनुसार जगत् में उन्हें जगत् जीव प्रपंच के अनुभव दिखाई पड़ते हैं। वैसे भी विद्वतजनों में मतभेद बने रहना स्वाभाविक है। मूलभूत प्रश्न है कि इस संसार के सारे प्रपंच और ब्रह्म से उनके संबंध क्या हैं? संसार में जैव विविधता है। मत भिन्नता भी है। जीवन के बारे में

> माया संस्कृत का शब्द है। इसका अर्थ है जो नहीं है, अर्थात हमारे इन्द्रियबोध को धोखा देने वाला। अद्वैत दर्शन में माया की धारणा बहुत महत्वपूर्ण है। यह सत्य सुव्यवस्थित है कि परमार्थत : ब्रह्म ही एकमात्र सत् है। ब्रह्म एक निर्गुण निर्विकार भेदरहित सत्ता है। ब्रह्म से अलग कुछ भी नहीं। बाकी सब मिथ्या है, लेकिन सांसारिक जीवन में कुछ जिज्ञासाएं भी चला करती हैं। ब्रह्म की सत्ता पर पूर्ण विश्वास न करने वाले विद्वान कहते हैं कि सांसारिक जीव ऐसा अनुभव नहीं करते।

अनेक दृष्टिकोण हैं। कुछ मानते हैं कि यह जीवन और जगत् किसी सर्वशक्तिशाली परम शक्ति के द्वारा दिया गया है। उसे ईश्वर की संज्ञा दी गई है, कुछ ऐसे चिंतक विचारक भी हैं, जो जीवन जगत् के लिए प्रकृति की शक्तियों पर निर्भर हैं। अद्वैत वेदांत में केवल ब्रह्म को ही माना गया है। उनका ब्रह्म संसार नहीं बनाता।

हृदय नारायण दीक्षित
पूर्व विधानसभा अध्यक्ष
उत्तर प्रदेश

शंकराचार्य ने ब्रह्म को मात्र एक पारमार्थिक सत्ता बताया है। फिर प्रत्यक्ष संसार की गतिविधियों का रहस्य क्या है? प्रत्यक्ष भौतिक जगत् को माया रूप देखना तथ्यगत नहीं जान पड़ता। शंकराचार्य के अनुसार माया भावात्मक है। अविद्या अभावात्मक है। सुर नर मुनि भी माया के पाश में बंधे रहते हैं। माया में प्रतिबिंबित ब्रह्म ईश्वर है, किंतु विद्या में प्रतिबिंब ब्रह्म जीव है। माया ईश्वर को भी प्रभावित करती है, जबकि अविद्या जीव को प्रभावित करती है। अविद्या त्रिगुणात्मक है। अज्ञान, अव्यक्त, अनिर्वचनीय, भ्रांति आदि शब्द एक जैसे हैं। इस तरह माया जड़ है और अपनी सत्ता के लिए ब्रह्म पर आश्रित है।

उपनिषदों में विद्या और अविद्या शब्द आए हैं। कुछ विद्वान मानते हैं कि आसक्ति के कारण यह संसार खूबसूरत दिखाई पड़ता है। दुख आने पर यह संसार वैसा नहीं दिखाई पड़ता जैसा हम सोचते हैं। दर्शन में ऐसे प्रश्नों पर गंभीर विचार हुआ है। प्रश्न है कि, यह विश्व किस तरह अस्तित्व में आया? क्या इसे किसी ने बनाया है? क्या यह सदा से है? अगर किसी देव शक्ति ने बनाया है, तो इस रचना के पहले कुछ तो रहा ही होगा? कोई वस्तु पदार्थ अथवा अणु परमाणु शून्य से नहीं पैदा हो सकते।

वैदिक काल से लेकर उपनिषद काल तक यह धारणा रही है कि ईश्वर शासक नहीं है। वह करुणानिधान है। वह सर्वशक्तिमान सत्ता है, जो समस्या भारत में ऋषियों के सामने थी, वही समस्या यूनानी दार्शनिकों के मध्य विचारणीय थी। शंकराचार्य ने स्वयं कहा है कि माया और अविद्या में कोई भेद नहीं है। सांख्य दर्शन द्वैतवादी है। शंकराचार्य ने सांख्य दर्शन के द्वैतवाद का खंडन किया है और सांख्य के पुरुष तत्व को ब्रह्म या आत्मा का आसन दिया। माया अनादि है, लेकिन अनंत नहीं है। माया की शुरुआत कब हुई पता नहीं। अनादि और अनंत में फर्क होते हैं। अनादि वह तत्व है जो सदा से है और अनंत का अर्थ, जिसका अंतिम छोर पता नहीं। शंकराचार्य के अनुसार माया ज्ञान के सामने नहीं बचती। अनादि होकर भी अनंत न होना स्वाभाविक है। वस्तुतः माया ज्ञान प्रकाश मिलते ही समाप्त हो जाती है।

माया अजर-अमर नहीं है। वह ज्ञान से बाधित है। माया ज्ञान के समक्ष नहीं बच पाती। यह अभावात्मक भी नहीं है। यदि यह केवल अभाव रूप होती, तो इससे सृष्टि का उद्भव असंभव होता। संसार भ्रम से भरा-पूरा है। इस तरह माया सत् नहीं है। ब्रह्म से स्वतंत्र उसकी कोई सत्ता नहीं है। माया को सत् या असत् नहीं कहा जा सकता। माया सत् नहीं है। यह यथार्थ ज्ञान से तिरोहित हो जाती है। माया की कोई स्वतंत्र सत्ता नहीं है। वह असत् भी नहीं है। वह जगत् को आरोपित करती है।

इसी तरह का माया जैसा एक आंतरिक अनुभव अध्यास है, जो वस्तु नहीं है। उसका अनुभव करना अध्यास है। माया भी ऐसी है। जिस प्रकार रस्सी को सांप समझने तक सत्य का पता नहीं चलता। वहां सांप वास्तव में नहीं होता, लेकिन अध्यास के कारण वह प्रभावी रहता है। माया का आश्रय ब्रह्म है। माया ब्रह्म में रहती है और संसार के आविर्भाव के लिए ब्रह्म को ही अपना विषय बनाती है। अपने सारे काम करते हुए वह प्रभावित नहीं होती। ब्रह्म भी प्रभावित नहीं होता। माया और अध्यास एक जैसे दिखाई पड़ते हैं, मगर हैं नहीं। माया संसार रचती है। अध्यास के तीन घटक बताए गए हैं। अधिष्ठान, अध्यस्त, अध्यस्त वस्तु और आरोप। यहां अधिष्ठान वह तत्व है जो अध्यास काल में उपस्थित है।

शंकराचार्य के अनुसार अध्यास का कारण अविद्या है। अविद्या का मतलब अज्ञान नहीं होता। विद्या और अविद्या शब्द उपनिषदों से आए हैं। अविद्या का अर्थ है, प्रत्यक्ष संसार की वस्तुओं और आचार विचार की सारी कार्यवाहियों का ज्ञान और विद्या का मतलब है, परम तत्व का ज्ञान। ईशावास्योपनिषद के एक मंत्र में कहते हैं कि जो विद्या के उपासक हैं, वे अंधलोकों में जाएंगे और जो विद्या के उपासक हैं, वे भी अंधलोकों में जाएंगे। सांसारिक ज्ञान अविद्या है। अविद्या और विद्या आध्यात्मिक ज्ञान है। साधक दोनों की जानकारी के लिए उपासना करें। अविद्या से जुड़े होने के कारण अध्यस्त के गुण दोष का कोई प्रभाव अधिष्ठान पर नहीं पड़ता।

पुराना उदाहरण लें, जब कोई अविद्या के कारण रस्सी में सर्प का ज्ञान प्राप्त करता है, तब सर्पत्व का कोई प्रभाव रस्सी पर नहीं पड़ता। अध्यास के प्रभाव में रस्सी सांप नहीं बन जाती। वह सांप जैसी प्रतीत होती है। इससे सर्प ज्ञान बाधित होता है। शंकर के अनुसार अध्यस्त वस्तु अपने मूल रूप में बनी रहती है। इसे असत नहीं कहेंगे। भ्रम काल में भी उसका अनुभव होता है और यह वस्तुतः सही नहीं होता है। हम भारतवासी अध्यात्मबोध को श्रेष्ठ मानते हैं, लेकिन ऐसा बोध माया की सीमा तक जाता है। माया की सीमा है। वह अनंत नहीं है।

स्मार्ट सिटी योजना में पीपीपी मॉडल का प्रयोग

साल 2015 में लॉन्च किए जाते समय 'स्मार्ट सिटीज मिशन' का उद्देश्य 100 शहरी क्षेत्रों का चयन करके उनके बुनियादी ढांचे को चमकदार बनाया जाना और निवासियों को बेहतर प्रशासनिक दक्षता उपलब्ध करवाने में सूचना प्रौद्योगिकी का उपयोग प्रस्तावित था। 'शहरी विकास मंत्रालय' ने 20 वर्षों की इसकी लागत सात लाख करोड़ रुपये बताई थी। इस मिशन के लिए चुने गए शहरों में नई दिल्ली से लेकर भोपाल, भागलपुर, इंदौर, इंफाल, सलेम, सतना और अहमदाबाद आदि शामिल थे। केंद्र सरकार ने प्रारंभ में मिशन के लिए 48,000 करोड़ रुपये आवंटित किए थे। इसमें कुछ राशि उन राज्यों द्वारा भी मिलाई जानी थी, जिनमें परियोजनाएं लागू की जानी थीं। मिशन ने यह सिफारिश की थी कि जलापूर्ति, स्वच्छता, सीवरेज और परिवहन जैसी सार्वजनिक सेवाएं निजी साझेदारों के माध्यम से 'पब्लिक-प्राइवेट पार्टनरशिप' (पीपीपी) के तहत प्रदान की जाएं। 1990 के दशक की शुरुआत में अर्थव्यवस्था के उदारीकरण के बाद से भारत का शहरी विकास मॉडल निजी कंपनियों को सार्वजनिक सेवाओं की उपलब्धता में शामिल करने और फिर नागरिकों से उनका शुल्क वसूलने की रणनीति पर आधारित रहा है।

गौरव द्विवेदी
एक्टिविस्ट

'स्मार्ट सिटी परियोजनाओं' के प्रमुख सहयोगी बहुराष्ट्रीय कॉर्पोरेशन्स और अंतर्राष्ट्रीय वित्तीय संस्थान भी रहे हैं। उनमें 'सिस्को', 'आईबीएम', 'जनरल इलेक्ट्रिक', 'हिताची' और 'तोशिबा' आदि शामिल हैं। ऐसी स्मार्ट परियोजनाओं का उत्साहपूर्वक साथ देने वाले अंतर्राष्ट्रीय वित्तीय संस्थान भी हैं, जैसे 'वर्ल्डबैंक,' 'एशियन डेवलपमेंट बैंक' और कई 'इंटरनेशनल फाइनेंस कॉर्पोरेशन।' भारत के 'स्मार्ट सिटीज मिशन' को 'वर्ल्डबैंक' के अलावा 'इंटरनेशनल फाइनेंस कॉर्पोरेशन' का सहयोग प्राप्त है जो 'वर्ल्डबैंक' समूह की निजी क्षेत्र की शाखा है।

> एक रिपोर्ट ने निष्कर्ष निकाला है कि 'पीपीपी मॉडल' कई स्तरों पर विफल रहा है, जिससे वित्तीय और मानवीय दोनों तरह के प्रभाव उत्पन्न हुए हैं। इसका कारण यह है कि निजी कंपनियां नागरिकों के प्रति नहीं बल्कि अपने शेयरधारकों के प्रति जिम्मेदार होती हैं।

पिछले दो दशकों में भारत का निजी ऑपरेटरों के माध्यम से परियोजनाओं को लागू करने और सार्वजनिक सेवाएं प्रदान करने का अनुभव उम्मीदों पर खरा नहीं उतरा है। जलापूर्ति में पांच 'पीपीपी' पर वर्ल्डबैंक के अध्ययन ने चेतावनी दी है कि 'सिर्फ ऐसे निवेश ही प्रभावी नहीं होंगे, जिनमें कम जवाबदेही हो। आपूर्ति को ठीक से चलाने और मानकों को पूरा करने की कमी हो। कमजोर वाणिज्यिक रुझान हो। बाहरी संस्थाओं द्वारा संचालन में हस्तक्षेप हो और ग्राहक सेवा, वित्तीय स्थिरता पर केंद्रित नियामक ढांचे की अनुपस्थिति हो। इसी बीच, 'यूरोपियन नेटवर्क ऑन डॅट एंड डेवलपमेंट' की एक रिपोर्ट ने निष्कर्ष निकाला है कि 'पीपीपी' मॉडल 'कई स्तरों पर विफल रहा है,' जिससे वित्तीय और मानवीय दोनों तरह के प्रभाव उत्पन्न हुए हैं। इसी रिपोर्ट रिपोर्ट में आगे कहा गया है कि 'पीपीपी' की मानवीय लागत, विशेष रूप से सार्वजनिक सेवा वितरण में स्पष्ट रूप से दिखाई देती है। इसका कारण यह है कि निजी कंपनियां नागरिकों के प्रति नहीं, बल्कि अपने शेयरधारकों के प्रति जिम्मेदार होती हैं।

कॉफी की बूंदें बनाम मिल्क केक के ढेर

हाल में लंदन में एक महिला पर इसलिए 150 पाउंड जुर्माना लगा, क्योंकि बस पकड़ते समय उसने अपने कप में बची हुई कॉफी की बूंदें सडक के नाले में उंडेल दी थीं। पुलिस अधिकारियों ने तुरंत उसे रोककर बताया कि आपने प्रदूषक पदार्थ सार्वजनिक जल निकासी में डाला है। महिला ने माफी मांगी, पर जुर्माना लगा, क्योंकि वहां नियम भावनाओं से नहीं, व्यवस्था से तय होता है। इसके विपरीत अब जरा राजस्थान में अजमेर की तस्वीर देखिए। अजमेर में खाद्य विभाग ने 2000 किलो मिल्क केक जांच के बाद मिलावटी पाया। अधिकारियों ने वह सारा खराब मिल्क केक कागज के डिब्बों समेत सीधे नदी में बहा दिया। इसकी तस्वीरें और वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुए, लेकिन न कोई जुर्माना लगा, न कोई जांच हुई और न किसी अधिकारी की जवाबदेही तय की गई। यह तुलना केवल दो देशों की नहीं है, बल्कि यह दो मानसिकताओं की कहानी है।

अमरपाल सिंह वर्मा
वरिष्ठ पत्रकार

लंदन के उदाहरण से पता चलता है कि वहां कानून व्यक्ति से ऊपर है, जबकि अजमेर के उदाहरण से साफ है, हमारे यहां कानून व्यक्ति के अनुसार चलता है। हम कानून सबके लिए समान होने की बातें कहते हैं, पर ऐसा सिर्फ किताबों में है। हमारे देश में नियमों की कमी नहीं है। प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड से लेकर स्वच्छता अभियान तक हर विभाग के पास नियम-कायदे हैं, लेकिन ये लागू किस पर होते हैं? ज्यादातर आम नागरिक पर। असरदार तो आम तौर पर इससे बच ही जाते हैं।

एक आदमी बिना हेलमेट के निकल जाए तो फौरन चालान हो जाता है, मगर कोई ठेकेदार निर्माण के बाद बचा मलबा खुले नाले में डाल दे तो उसे अनदेखा कर दिया जाता है। लंदन के नाले में कॉफी गिराने वाली महिला की गलती व्यक्तिगत जिम्मेदारी की प्रतीक है, जबकि अजमेर की घटना संस्थागत लापरवाही का उदाहरण है। एक सरकारी विभाग टीम ने मिलकर नदी को प्रदूषित किया, लेकिन दोनों में फर्क देखिए- एक को सजा मिली, जबकि दूसरे को सरकारी संरक्षण हासिल है।

जब भी किसी संस्थागत लापरवाही का मुद्दा उठता है, तो उसे बहाने बनाकर अनदेखा कर दिया जाता है। अजमेर में 2000 किलो मिल्क केक नदी में फेंकते हुए, यह भी नहीं सोचा गया कि इतनी भारी मात्रा में सड़ा हुआ दूध, शक्कर और कागज मिलकर जलचरों के जीवन, ऑक्सीजन स्तर और पानी की गुणवत्ता को किस कदर प्रभावित करेगा? यह सीधे तौर पर पर्यावरण नियमों का उल्लंघन है। ऐसा करने वाला चाहे नागरिक हों या कोई अधिकारी, चूंकि यह उल्लंघन सरकारी विभाग की टीम ने किया है, इसलिए जवाबदेही की बात ही नहीं समझी जा रही है। यानी सरकारी विभाग जवाबदेही से ऊपर हैं। लंदन की महिला की गलती बेशक छोटी थी, पर वहां व्यवस्था ने यह दिखा दिया कि नियम सबके लिए एक हैं, जबकि हमारे यहां अजमेर की घटना यह याद दिलाती है कि जब कानून का पालन करने वाले ही कानून तोड़ते हैं, तब समाज का नैतिक ताना-बाना टूटने लगता है। किसी भी समाज में कानून का अर्थ केवल सजा देना नहीं होता, बल्कि विश्वास बनाना भी होता है।

किसानों की दुर्दशा व सरकारी व्यवस्था

निरंतर बढ़ती जनसंख्या, विकसित भारत के दृष्टिगत सड़कों के जाल और औद्योगिक इकाईयों की स्थापना को कृषि भूमि के अधिग्रहण से हमारे देश-प्रदेश की कृषि भूमि लगातार घट रही है। समय रहते इस दिशा में पहल नहीं की गई तो स्थिति विस्फोटक हो सकती है। कृषि प्रधान देश के नेतृत्वकर्ताओं ने यह तो महसूस किया कि भारत के समग्र विकास का रास्ता गांव और किसान के विकास से होकर ही आगे बढ़ता है। आजादी के बाद से तत्कालीन नेतृत्वकर्ताओं ने कृषि के समुचित विकास को कृषि विकास मंत्रालय के साथ कृषि बीज संवर्धन, कृषि रसायन, कीटनाशन प्रबंधन, रसायनिक खाद उत्पादन एवं वितरण, भूमि संरक्षण, कृषि कार्य के ऋण के लिए खाद व बीज वितरण को सोसाइटीज, गन्ना विकास के लिए अलग समितियां व विभाग, भूमि विकास बैंक, को-ऑपरेटिव बैंक स्थापित किए।

प्रदेश में कांग्रेस, भाजपा, सपा व बसपा की सरकारें रहीं, लेकिन रबी की बुवाई से पूर्व जरूरत के मुताबिक पोटाश खाद व फसल के लिए यूरिया का समय से प्रबंध नहीं कर पाईं और किसान को अपनी जरूरत के मुताबिक खाद मुहैया कराने के लिए जो पापड़ बेलने पड़ते हैं, उसका अंदाज भुक्तभोगी ही लगा सकता है। सत्तारूढ़ दल या विपक्षी दल रसायनिक खाद की जरूरत के समय तक उपलब्धता सुनिश्चित क्यों नहीं करा पाते? और छोटे व साधनविहीन किसानों को इधर-उधर भटकना क्यों पड़ता है?

ओमकार सिंह रघुवंशी
अधिवक्ता

अब किसानों को अपनी फसलों की सिंचाई के लिए इतनी बिजली मिल पा रही है कि वे हाथ-पैर काले किए डीजल इंजन चलाने को नहीं भटक रहे हैं। यह दीगर बात है कि राजकीय नलकूप पर्याप्त नहीं हैं और जो हैं वे राजकीय नलकूप चालक की इच्छा शक्ति से संचालित हो रहे हैं और किसान खासकर छोटे किसान निजी नलकूप संचालकों के रहमो-करम से अपनी फसल बचा पा रहे हैं।

बढ़ती आबादी व विभिन्न योजनाओं में भूमि अधिग्रहण से अधिसंख्य किसान लघु और अत्याधिक लघु किसान के श्रेणी में आते जा रहे हैं। कृषि कार्य के कुशल संचालन को विकास खंड स्तर पर अपर खंड विकास अधिकारी (कृषि) व अन्य स्टाफ की नियुक्ति है, लेकिन इनके द्वारा राजकाज की व्यस्तता के चलते आम सभाएं करके किसानों को सरकारी योजनाओं की सार्वजनिक जानकारी देने का प्रयास नहीं किया जाता।

रबी में तोरिया, सरसों पर कीट प्रबंधन (माहू कीट) से रोकथाम, आलू की फसल में झुलसा आदि रोगों की रोकथाम को कीट प्रबंधन विभाग समाचार पत्रों को विज्ञप्ति जारी करके अपनी ड्यूटी का निर्वाह करता है। उसमें जो सुझाव दिए जाते हैं, वह प्रति हैक्टेअर दवा की मात्रा का जिक्र किया जाता है। उल्लेखनीय है कि जिस किसान पर बीस वर्ष पूर्व एक हेक्टेयर कृषि थी, आज उसके पौत्रों पर 2-3 बीघा कृषि भूमि रह गई है। अब वह हैक्टेअर की दर से दवा का उपयोग कैसे करे इस पर पंचायत या ग्राम स्तर पर कार्यशालाएं आयोजित किए जाने की जरूरत है, लेकिन इसके प्रति जनप्रतिनिधियों की निष्क्रियता से नतीजा शून्य है। किसान अपने विवेक से कीट रसायन प्रयोग करके फसल तो बचा पा रहा है, लेकिन उत्पादित सब्जी व अन्न से आम आदमी की सेहत पर दुष्प्रभाव से किसी को कोई सरोकार नहीं है।

> मृदा परीक्षण के लिए अधिकारियों, कर्मचारियों और प्रयोगशालाओं के लिए सरकार धन तो देती है, इसके सापेक्ष उसकी उपयोगिता पर सत्ता व विपक्ष के प्रतिनिधि दृष्टिपात नहीं करते। मृदा परीक्षण के परिणाम समय से न मिलने से पूरा विभाग सफेद हाथी साबित होता है।

आबादी के सापेक्ष खाद्यान्न उत्पादन के लिए एक महत्वपूर्ण घटक है मृदा परीक्षण। मृदा परीक्षण के लिए नियुक्त अधिकारियों, कर्मचारियों पर प्रयोगशालाओं के रखरखाव पर सरकार द्वारा दिए जाने वाले धन के सापेक्ष उसकी उपयोगिता पर सत्ता व विपक्ष के प्रतिनिधि दृष्टिपात नहीं करते, लेकिन मृदा परीक्षण के परिणाम समय से न मिलने से पूरा विभाग सफेद हाथी साबित होता है। मृदा परीक्षण का परिणाम समय से देने के लिए क्षेत्रवार खेतों की मिट्टी के नमूने प्रयोगशाला तक पहुंचाया जाना, रिपोर्ट व परीक्षित मिट्टी वाले खेत के लिए फसल चयन पर सुझाव कम से कम दो सप्ताह पूर्व प्राप्त होने से तथा सुझाव के अनुरूप बीज व रसायनिक अथवा देसी खाद की उपलब्धता के लिए शासन व प्रशासन स्तर समग्र प्रयास किए जाने चाहिए।

समय की मांग है कि सभी राजनीतिक दलों को अपने कार्यक्षेत्र के किसानों की समस्याओं का आकलन कराकर उनके समाधान का प्रयास करना चाहिए। मात्र स्व महिमा मंडन अथवा अपने प्रतिद्वंद्वी की आलोचना से कुर्सी भले ही मिल जाए लेकिन देश, प्रदेश खुशहाली के लिए कृषि व किसानों के प्रति सकारात्मक सोच आवश्यक है।

कमजोर व ताकतवर के हिसाब से रूप बदलती वादाखिलाफी

किसी को कोई वचन देकर फिर वक्त आने पर मुकर जाना वादाखिलाफी कही जाती है। वादाखिलाफी करने वाला मजबूत रहता है, तो कमजोर पक्ष चुपचाप वादाखिलाफी झेलता है और यदि मजबूत है तो वह वादा निभाने को मजबूर करता है।

महाभारत का युद्ध वादाखिलाफी का परिणाम रहा है। पांडु के असमय मृत्यु हो जाने पर हस्तिनापुर का सम्राट धृतराष्ट्र को इन शर्तों पर बनाया गया कि पांडु पुत्र पांडव जब शासन करने में समर्थ हो जाएंगे, तो उन्हें गद्दी दे दी जाएगी, लेकिन धृतराष्ट्र ने पुत्रमोह के चलते पांडवों को राज्य देना स्वीकार नहीं किया और कृष्ण के समझाने के बावजूद 'सूई की नोक के बराबर भूमि नहीं दूंगा' कहकर पांच गांव देने से भी इनकार कर दिया।

सलिल पांडेय
मिर्जापुर

वादाखिलाफी से संबंधित कथा-सम्राट मुंशी प्रेमचंद की कहानी 'पंच परमेश्वर' भी है। कहानी के एक पात्र जुम्मन शेख ने अपनी बेवा खाला की सारी संपत्ति ले ली और वादा किया कि जुम्मन और उसकी बीबी खाला की भलीभांति देखभाल करेंगे, लेकिन कुछ ही महीनों में जुम्मन ने वादा तोड़ दिया। इस पर मामला पंचायत में गया और जुम्मन के खास दोस्त अलगू ने जुम्मन के खिलाफ फैसला दिया तथा वादा निभाने का आदेश दिया। दोनों में अनबन सी हो गई, लेकिन कुछ दिनों बाद जुम्मन को पंच परमेश्वर बनना पड़ा, क्योंकि अलगू चौधरी द्वारा एक व्यापारी को बेचे गए बैल के मर जाने के कारण व्यापारी ने पैसा देने से इनकार कर दिया था। इस बार जब जुम्मन ने पंच परमेश्वर के पद से अलगू चौधरी के पक्ष में फैसला दिया तथा कहा कि बैल खरीदते समय यदि पूरा पैसा अलगू को मिल गया होता तो पैसे का विवाद न होता।

पहले तो लोगों को उम्मीद थी कि जुम्मन द्वारा अलगू के खिलाफ फैसला दिया जाएगा, लेकिन ऐसा नहीं हुआ। जुम्मन ने न्याय का साथ दिया तथा वादा खिलाफी करने वाले व्यापारी के खिलाफ फैसला हुआ। समाज में आए दिन वादाखिलाफी को लेकर झगड़े होते हैं। कोर्ट-कचहरी तक लोग चक्कर लगाते हैं। लंबी कानूनी प्रक्रिया के बाद फैसला होता है। यदि हर कोई अपनी अंतरात्मा की आवाज सुने, तो मालूम हो जाएगा कि कौन वादाखिलाफी कर रहा है?

स्कूल से पहले ससुराल भेज दी जाती हैं लड़कियां

हमारे देश में कुछ ऐसी सामाजिक बुराईयां आज भी मौजूद हैं, जिनके खिलाफ सख्त कानून तो बने हुए हैं, लेकिन इसके बावजूद वह जारी हैं। इनमें कम उम्र में लड़कियों की शादी प्रमुख है। भारत में प्रत्येक वर्ष 18 साल से कम उम्र की करीब 15 लाख लड़कियों की शादी हो जाती है, जिसके कारण भारत में दुनिया की सबसे अधिक बाल वधुओं की संख्या है, जो विश्व की कुल संख्या का तीसरा भाग है। 15 से 19 साल की उम्र की लगभग 16 प्रतिशत लड़कियां शादीशुदा हैं, हालांकि साल 2005-06 से 2015-16 के दौरान 18 साल से पहले शादी करने वाली लड़कियों की संख्या 47 प्रतिशत से घटकर 27 प्रतिशत हो गई है, परंतु यह अभी भी अधिक है। विशेषकर देश के ग्रामीण क्षेत्रों में इसका प्रतिशत अधिक है।

नजमा बानो
लेखिका

राज्य स्तर पर बात करें, तो राजस्थान के ग्रामीण क्षेत्र इस बुराई से सबसे अधिक प्रभावित हैं। यहां के कई गांवों में लड़कियों की जल्दी शादी हो जाना आम बात है। हालांकि हाल के दशक में यह प्रथा घटने के संकेत दिखे हैं, पर जमीन पर मौजूद तस्वीर मिश्रित है। कुछ जगहों पर बदलाव तेज हैं, तो कई जगहों पर ये बुराई अभी भी जिंदा है। राष्ट्रीय सर्वेक्षणों के आंकड़ों से साफ होता है कि 2005–06 से लेकर 2019–21 तक इसमें स्पष्ट कमी आई है। राजस्थान में 20–24 आयु की महिलाओं में जो 18 साल से पहले शादी कर चुकी थीं, उनकी दर 2005–06 में बहुत ऊंची थी और 2015–16 में यह 35.4% तक आ गई; फिर 2019–21 में और घटकर लगभग 25.4% दर्ज हुई। यानी एक दशक में गिरावट तो हुई है, पर मामला अभी भी व्यापक है।

इन संख्याओं के पीछे हर एक आंकड़ा किसी परिवार की सुबह और किसी छात्रा की किताबों में छूटा हुआ अध्याय बनकर बैठा है। 2005 के बाद से जो गिरावट आई है, वह अक्सर स्कूलों में बढ़ते दाखिलों, स्थानीय जागरूकता अभियानों और कुछ इलाकों में जीवन शैली के बदलने की वजह से है। अंतर्राष्ट्रीय रिपोर्टें भी बताती हैं कि पूरे देश में बाल विवाह घट रहा है, पर कुछ राज्यों और उनके ग्रामीण हिस्सों में यह अभी भी बड़े पैमाने पर मौजूद है। राजस्थान की बदलती दर राष्ट्रीय औसत से भिन्न पैटर्न दिखाती है। कुछ जगहों पर तीक्ष्ण गिरावट हुई है और कुछ जगहों पर धीमी लेकिन लगातार कमी है।

इसी समय, यह भी ठीक है कि हाल के सालों में कुछ रिपोर्टों ने और ताजा स्थानीय पहलों का जिक्र किया है, जिनसे कुछ जिलों में हालिया वर्षों (2022–24) के बीच रोकथाम के अस्थायी या स्थायी नतीजे सामने आए हैं। पर यह जरूरी है कि इन छोटी-छोटी विजयों को व्यापक और गहरे स्तर पर मापा जाए। कुछ मीडिया रिपोर्टों और क्षेत्रीय सर्वेक्षणों ने तेज गिरावट के प्रमाण दिए हैं, फिर भी राष्ट्रीय सर्वेक्षणों का बड़ा फ्रेम (NFHS जैसी) समय-समय पर तुलनात्मक संकेत देता है।

लड़कियों की पढ़ाई पर इसका असर बहुत सीधा और गहरा होता है। जल्दी शादी से स्कूल छोड़ने की प्रवृत्ति बढ़ती है। 12वीं तक पहुंचने की संभावना कम हो जाती है और कई बार लड़कियां अपनी पढ़ाई अधूरी छोड़कर घरेलू जिम्मेदारियों या मां बनने की चुनौती में फंस जाती हैं। इससे आत्मनिर्भर बनने की संभावनाएं सीमित हो जाती हैं। नेशनल सर्वेक्षणों ने यह भी दिखाया है कि जिन इलाकों में बाल विवाह की दर अधिक है, वहां साक्षरता और शैक्षिक उपलब्धियां तुलनात्मक रूप से कम होती हैं। स्वास्थ्य के स्तर पर भी इसका असर होता है। किशोरावस्था में गर्भधारण से मां और शिशु दोनों के जोखिम बढ़ जाते हैं। प्रसव संबंधी जटिलताएं, न्यूट्रिशनल कमी और उच्च बाल-मृत्यु दर जैसी समस्याएं अधिक देखने को मिलती हैं। राष्ट्रीय आंकड़े बताते हैं कि किशोर मातृत्व की दर और किशोरों में गर्भधारण पर प्रभाव उस समुदाय की शादी की प्रथाओं से जुड़ा होता है, जहां शुरुआती शादी सामान्य है वहां ये स्वास्थ्य संकेतक नकारात्मक रहते हैं।

स्वामी-रुहेलखंड इंटरप्राइजेज के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक हरि ओम गुप्ता द्वारा अमृत विचार प्रकाशन, नवादा जोगियान, चक रोड, रोहिलखंड मेडिकल कॉलेज के सामने, बरेली (उ.प्र.), पिन कोड-243006 से मुद्रित एवं 932 कटरा चांद खां, भारत पेट्रोल पंप के सामने पीलीभीत बाईपास रोड बरेली (उ.प्र.) पिन कोड-243005 से प्रकाशित। **संपादक- राजेश श्रीनेत, स्थानीय संपादक- नवीन गुप्ता*** 0581-4000222 (कार्यालय), ईमेल- editorschoice@amritvichar.com, आर.एन.आई नं0-UPHIN/2019/78502, *इस अंक में प्रकाशित समाचार के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट की धारा 7 के अंतर्गत उत्तरदायी। (नोट-सभी विवादों का न्यायक्षेत्र बरेली होगा)।

देश की तमाम शख्सियतों को लेकर मिमिक्री होना आम बात है। यह बरसों-बरस से हो रही है, बल्कि तमाम हस्तियां इसे एंज्वाय भी करती हैं। जैसे शाहरुख खान की हकलाने वाली मिमिक्री पर वह बुरा नहीं मानते या फिर नाना पाटेकर की खब्ती भरी गुस्से वाली मिमिक्री पर वह खूब हंसते हैं, लेकिन बात इससे कहीं ज्यादा बढ़ गई है। डीपफेक से अब उनकी इमेज को खराब करने की कोशिश की जा रही है। हूबहू उनकी ही शक्ल बनाकर ऊल-जलूल हरकतें या बातें कहलाई जा रही हैं। उनके चेहरे और आवाज का इस्तेमाल फर्जी विज्ञापनों में किया जा रहा है। इसकी वजह से यह सभी हस्तियां चिंता में हैं। कई मशहूर सेलिब्रिटी- अमिताभ बच्चन, जैकी श्रॉफ, संजय दत्त, अनिल कपूर, आशा भोसले आदि पर्सनाल्टी राइट्स को लेकर अदालत पहुंचे हैं।

पर्सनालिटी राइट्स को लेकर परेशान सेलिब्रिटी

आलोक तिवारी
लेखक, लखनऊ

■ भारत में एक नया कानूनी युद्ध शुरू हो चुका है, जो न सीमाओं पर है, न संसद में, बल्कि अदालतों और सोशल मीडिया के बीच लड़ा जा रहा है। यह लड़ाई है "व्यक्तित्व अधिकारों" यानी पर्सनालिटी राइट्स की। हाल ही में देश के कई मशहूर हस्तियों, अमिताभ बच्चन, जैकी श्रॉफ, संजय दत्त, अनिल कपूर, आशा भोसले सद्गुरु और श्री श्री रविशंकर ने अदालत का दरवाजा खटखटाया है और किसी व्यक्ति ने इनको मजबूर नहीं किया है, बल्कि एआई ने आर्टिफिसियल इंटेलिजेंस ने इन लोगों के चेहरे आवाज और हाव भाव की इतनी अच्छी नकल कर के दिखाई है कि एक सामान्य नागरिक को भी असली और नकली का अंतर नहीं मालूम पड़ सकता और इसी बात ने इन्हें मजबूर किया है।

■ एआई के आने बाद प्रश्न खड़े हो रहे हैं कि क्या अब किसी व्यक्ति का नाम, चेहरा और आवाज भी उसकी संपत्ति मानी जाएगी, जिसे वह चाहे तो बेच सके, लाइसेंस दे सके या उसके उपयोग से रॉयल्टी कमा सके?

भारतीय न्यायालयों में विवाद

अब यही विवाद भारतीय न्यायालयों तक पहुंच गया है। कानूनी दृष्टि से भारतीय अदालतें अब तक इन मामलों में अनुच्छेद 21 यानी जीवन और निजता के अधिकार का सहारा लेती रही हैं। परंतु यहां एक गहरी दुविधा है। क्या यह अधिकार "निजता" का है या "संपत्ति" का? अमेरिका, जापान और जर्मनी जैसे देशों ने इसे संपत्ति के अधिकार के रूप में स्वीकार किया है। वहां मर्लिन मुनरो और एलवीश प्रेसले जैसे कलाकारों की मृत्यु के बाद भी उनकी पहचान से जुड़े अधिकार उनके परिवार या ट्रस्ट को मिलते हैं, जबकि भारत में ऐसा कोई स्पष्ट प्रावधान नहीं है। उदाहरण के तौर पर, सुशांत सिंह राजपूत के पिता ने उनके जीवन पर आधारित एक फिल्म रोकने की कोशिश की थी, लेकिन दिल्ली हाईकोर्ट ने यह कहते हुए याचिका खारिज कर दी कि "व्यक्तिगत पहचान मृत्यु के बाद स्वतः परिवार को ट्रांसफर नहीं होती।" यानी भारत में व्यक्तित्व अधिकार अभी विरासत योग्य नहीं हैं। हर बार जब कोई नया डीपफेक या बिना अनुमति विज्ञापन सामने आता है, तो अदालतों को "John Doe Orders" जारी करने पड़ते हैं। ऐसे आदेश, जो "अज्ञात व्यक्तियों" के खिलाफ होते हैं, लेकिन यह समाधान अस्थायी है। यह केवल तत्काल राहत देता है, न कि स्थायी कानूनी सुरक्षा। कई बार ये आदेश इतने व्यापक होते हैं कि वैध आलोचना, व्यंग्य और पत्रकारिता की स्वतंत्रता पर भी अंकुश लगने लगता है। परिणामस्वरूप, यह अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता पर एक नकारात्मक प्रभाव डाल देता है।

■ सच्चाई यह है कि भारत में अब तक एआई और डीपफेक के लिए कोई ठोस कानून नहीं बना है। अदालतें केस-दर-केस फैसले दे सकती हैं, पर संपूर्ण नीति नहीं बना सकतीं। इसलिए अब समय आ गया है कि संसद इस विषय पर एक स्पष्ट और संतुलित Personality Rights Law बनाए, जो व्यक्ति की पहचान की रक्षा करे, लेकिन साथ ही कला, व्यंग्य, पत्रकारिता और जनहित की स्वतंत्रता को भी सुरक्षित रखे।

निजता के अधिकार का उल्लंघन

■ दरअसल अब यह बहस सिर्फ गोपनीयता तक सीमित नहीं रही। मामला यह है कि किसी की पहचान- जैसे चेहरा, आवाज या नाम का बिना अनुमति इस्तेमाल अगर किसी के आर्थिक लाभ के लिए किया जाता है, तो यह संपत्ति के अधिकार का उल्लंघन बन जाता है। अगर इसका इस्तेमाल किसी की बदनामी या अपमान के लिए किया जाए, तो यह निजता के अधिकार का उल्लंघन कहलाएगा। यानी Privacy Violation और Property Violation दोनों में बारीक, लेकिन बहुत अहम फर्क है। सोचिए, आपके मोहल्ले की नाई की दुकान के बाहर अमिताभ बच्चन की तस्वीर लगी हो और नीचे लिखा हो- "Amitabh Style Haircut Available Here!" या कोई आइसक्रीम बेचने वाला जैकी श्रॉफ का डायलॉग बोलता दिखे-"भिडू, सबसे झकास फ्लेवर यही मिलेगा।" तो यह भले ही मजाक लगे, लेकिन कानून की नजर में यह Personality Rights Violation है। क्योंकि इन छवियों या वाक्यों का इस्तेमाल बिना अनुमति किया गया है।

■ पहले यह सब इतना गंभीर नहीं माना जाता था। स्टेज शो में कलाकार, फिल्मी अभिनेताओं की नकल करते, आवाजें निकालते और मनोरंजन करते थे। परंतु आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) और डीपफेक टेक्नोलॉजी के आने के बाद तस्वीर पूरी तरह बदल गई है। आज कोई भी व्यक्ति कुछ ही सेकंड में किसी भी सेलिब्रिटी की आवाज और चेहरा हूबहू बना सकता है। इतने सटीक वीडियो बनाए जा रहे हैं कि आम दर्शक के लिए असली और नकली में फर्क करना लगभग असंभव हो गया है।

यही कारण है कि अब अदालतों में एक नई किस्म की याचिकाएं बढ़ने लगी हैं। जैकी श्राफ कह रहे हैं- "भिड़ू" शब्द उनकी पहचान है, अनिल कपूर "झकास" पर अपना अधिकार बता रहे हैं, संजय दत्त "बाबा" शब्द पर दावा कर रहे हैं, तो कोई अपनी तस्वीर या वीडियो के गलत इस्तेमाल से परेशान है। आशा भोसले जैसी दिग्गज गायिका भी कह चुकी हैं कि लोग बिना अनुमति उनके गीतों पर उनकी तस्वीर चिपकाकर वीडियो बना देते हैं। यहां तक की श्री श्री रविशंकर और सद्गुरु भी कोर्ट से गुहार लगा रहे है कि उनके आध्यात्मिक प्रवचनों का प्रयोग उनकी एआई फोटो और आवाज के साथ किया जा रहा है और जो बात हम लोगों ने कहा भी नहीं है वो भी जनता को बताई जा रही है, जो हमारा ही नहीं संस्कृति और अध्यात्म का भी गलत प्रस्तुतिकरण है, जो हमारे धर्म को ही नष्ट कर देगा।

मॉडल आफ द वीक

नाम: स्वाति यादव
टाउन: कानपुर
एजूकेशन: बी कॉम
अचीवमेंट: इंडियन नेशनल अवार्ड 2020
ड्रीम: प्रोफेशनल मॉडलिंग, एक्टर

जोकर के खौफ की कहानी 'इट'

स्टीफन किंग के हॉरर उपन्यास 'इट' ने पाठकों और दर्शकों के मन में ऐसा भय पैदा किया, जो दशकों बाद भी कम नहीं हुआ। इस उपन्यास का मुख्य खलनायक 'पेनीवाइज' हॉरर दुनिया का सबसे डरावना चेहरा बन चुका है। हालांकि 'पेनीवाइज' पूरी तरह काल्पनिक पात्र है, लेकिन इसकी जड़ें उन वास्तविक अपराधों और सामाजिक भय से जुड़ी दिखाई देती हैं, जिन्होंने अमेरिका को हिला दिया था।

ऐसे बनी 'इट' की पृष्ठभूमि

स्टीफन किंग ने कभी सीधा यह स्वीकार नहीं किया कि 'पेनीवाइज' किसी असल व्यक्ति पर आधारित है, लेकिन उन्होंने यह जरूर कहा कि वे बच्चों के "सबसे गहरे और अनकहे डर" को कहानी में रूप देना चाहते थे। 1980 के दशक में अमेरिका में बच्चों के अपहरण और हत्या की घटनाओं में वृद्धि ने माता-पिता और समाज दोनों के मन में असुरक्षा की भावना भर दी थी। यही सामाजिक भय 'इट' की पृष्ठभूमि बना।

किंग का मानना था कि बच्चों की दुनिया में जोकर एक ऐसा चरित्र है, जिसके चेहरे पर मुस्कान होती है, पर असल भावनाएं छिपी रहती हैं। यह विरोधाभास ही डर पैदा करता है। इसी आधार पर जन्म हुआ पेनीवाइज जैसा राक्षसी जोकर, जो मासूमियत का मुखौटा पहने भय का खेल खेलता है।

एक मनोवैज्ञानिक सच

जोकरों से डर को 'कूलरोफोबिया' कहा जाता है। चमकीला मेकअप, अतिरंजित मुस्कान और छिपा हुआ चेहरा लोगों के लिए जोकर का असली स्वभाव समझना मुश्किल हो जाता है। यही अनिश्चितता डर की वजह बनती है।

'पेनीवाइज' इसी मनोवैज्ञानिक कमजोरी का फायदा उठाता है और बच्चों को उनके ही डर में फंसाता है।

जॉन वेन गेसी: वास्तविक दुनिया का 'किलर क्लाउन'

'पेनीवाइज' की कल्पना भले ही काल्पनिक हो, पर 'किलर क्लाउन' की वास्तविक कहानी जॉन वेन गेसी से मिलती-जुलती है। गेसी पार्टियों में 'पोगो द क्लाउन' बनकर बच्चों का मनोरंजन करता था, लेकिन बाद में वह 33 किशोरों और युवाओं का कुख्यात हत्यारा निकला। उसके अपराध उजागर होने के बाद समाज में जोकरों को लेकर नया भय पैदा हुआ, जिसने हॉरर कहानियों को एक नया आयाम दिया।

पेनीवाइज : रूप बदलने वाला आतंक

'पेनीवाइज' असल में इंटरडाइमेंशनल ईविल एंटिटी "इट" का रूप है, जो बच्चों के डर को खाना अपनी ताकत मानता है। यह हर 27 साल में लौटकर बच्चों को उनके सबसे बड़े भय से रूबरू कराता है। यही वजह है कि यह पात्र केवल एक जोकर नहीं, बल्कि डर का प्रतीक बन चुका है।

जिंदगी का सफर

सुबह सी नूतन

नूतन अपने दौर की सबसे प्रतिभाशाली अभिनेत्रियों में से एक थीं। उनका चेहरा इतना सौम्य था कि देखने पर हमेशा उन पर सुबह सी ताजगी नजर आती थी। उन्होंने अपनी सादगी, सशक्त अभिनय और बहुमुखी प्रतिभा से दर्शकों के दिलों पर अमिट छाप छोड़ी। नूतन समर्थ का जन्म चार जून 1936 को बंबई (अब मुंबई) में हुआ था। वह एक फिल्मी पृष्ठभूमि वाले परिवार से थीं। उनके पिता कुमारसेन समर्थ एक फिल्म निर्देशक और कवि थे। उनकी मां शोभना समर्थ एक प्रसिद्ध अभिनेत्री थीं। अभिनेत्री तनुजा उनकी छोटी बहन हैं और लोकप्रिय अभिनेत्री काजोल उनकी भतीजी हैं।

नूतन ने फिल्मी करियर की शुरुआत साल 1950 में की थी। तब वह स्कूल की छात्रा थीं। बतौर बाल कलाकार फिल्म 'नल दमयंती' में उन्होंने काम किया था। इसी साल नूतन ने अपनी मां द्वारा निर्मित और निर्देशित फिल्म 'हमारी बेटी' (1950) में भी अभिनय किया। 1951 में 'मिस इंडिया' का खिताब जीतने के बाद, उन्होंने कई फिल्मों में काम किया। उन्हें फिल्म 'सीमा' (1955) से बड़ी सफलता मिली, जिसके लिए उन्हें सर्वश्रेष्ठ अभिनेत्री का पहला फिल्मफेयर पुरस्कार मिला।

नूतन को महिला केंद्रित भूमिकाओं को पर्दे पर उतारने के लिए जाना जाता है, जो उस समय काफी दुर्लभ था। उनकी अभिनय शैली सहज और यथार्थवादी थी। उनकी कुछ सबसे यादगार फिल्मों में शामिल हैं, 'सीमा' (1955), 'सुजाता' (1959), 'बंदिनी' (1963)। इस फिल्म में एक जेल कैदी की भूमिका को उनके करियर की सर्वश्रेष्ठ भूमिकाओं में से एक माना जाता है। जिस वक्त उन्होंने यह फिल्म की, वह गर्भवती थीं। इसके अलावा 'मिलन' (1967), 'सरस्वतीचंद्र' (1968), 'मैं तुलसी तेरे आंगन की' (1978) और 'मेरी जंग' (1985) जैसी फिल्में शामिल हैं। नूतन ने अपने करियर में कुल छह फिल्मफेयर पुरस्कार जीते, जिनमें से पांच सर्वश्रेष्ठ अभिनेत्री के लिए थे। सर्वश्रेष्ठ अभिनेत्री के लिए सबसे अधिक फिल्मफेयर पुरस्कार जीतने का उनका रिकॉर्ड कई दशकों तक कायम रहा। भारतीय सिनेमा में उनके उत्कृष्ट योगदान के लिए उन्हें 1974 में भारत के चौथे सर्वोच्च नागरिक सम्मान 'पद्म श्री' से सम्मानित किया गया था।

11 अक्टूबर 1959 को नूतन ने भारतीय नौसेना के लेफ्टिनेंट कमांडर रजनीश बहल से शादी की। उनका एक बेटा है, अभिनेता मोहनीश बहल। नूतन का 21 फरवरी 1991 को कैंसर के कारण 54 वर्ष की उम्र में निधन हो गया। भारतीय सिनेमा में उनके योगदान और बेहतरीन अभिनय को आज भी याद किया जाता है।

टाटा केमिकल्स का मुनाफा सितंबर तिमाही में 60.30% घटा

मुंबई। टाटा केमिकल्स ने शनिवार को बताया कि सितंबर तिमाही में उसका एकीकृत शुद्ध लाभ 60% से अधिक घटकर 77 करोड़ रुपये रह गया। एक साल पहले उसका शुद्ध लाभ 194 करोड़ था। समीक्षाधीन तिमाही के दौरान टाटा केमिकल्स का परिचालन राजस्व 3 .05% घटकर 3,877 करोड़ रुपये रह गया, जबकि गत वित्त वर्ष इसी अवधि में यह 3,999 करोड़ रुपये था। प्रबंध निदेशक और सीईओ आर मुकुंदन ने दूसरी तिमाही के दौरान कीमतें कमजोर बनी रहीं।

अमृत विचार

बरेली, रविवार, 2 नवंबर 2025

www.amritvichar.com

बरेली मंडी

वनस्पति तेल तिलहन : तुलसी 2565, राज श्री 1820, फ़ॉर्चून कि . 2245, रविन्द्रा 2475, फॉर्चुन 13 किग्रा 1980, जय जवान 2005, सचिन 2040, सूरज 1990, अवसर 1925, उजाला 1920, गृहणी 13 किग्रा 1945, क्लासिक (किग्रा) 2160, मोर 2200, चक्र टिन 2330, ब्लू 2175, आशीर्वाद मस्टर्ड 2410, स्वास्तिक 2520

किराना (प्रतिकु .) : हल्दी निजामाबाद 14000, जीरा 24000, लाल मिर्च 14000-17000, धनिया 9000-11000, अजवायान 13500-20000, मेथी 7000-8000 सौंफ 9000-13000, सोंठ 27000, (प्रतिकि .) लौंग 800-1000, बादाम 780-1080, काजू 2 पीस 880, किसमिस पीली 300-400, मखाना 800-1100

चावल (प्रति कु .) : डबल चाबी सेला 9600, स्पाइस 6500, शरबती कच्ची 4950, शर्बती स्टीम 5100, मंसूरी 4000, महबूब सेला 4050, गौरी रॉयल 7300, राजभोग 6850, हरी पत्ती (1-5 किग्रा) 10100, हरी पत्ति नेचुरल 9100, जेनिथ 8100, गलैक्सी 7400, सूमो 4000, गोल्डन सेला 7900, मंसूरी पनघट 4350, खजाना 4300 दाल दलहन : मूंग दाल इंदौर 9800, मूंग धोवा 10000, राजमा चित्रा 12800-13500, राजमा भूटान नया 10100, मलका काली 7250-7450 मलका दाल 7550-8900, मलका छौंटी 7550, दाल उड़द बिलासपुर 8000-9000, मसूर दाल छोटी 9500-11200, दाल उड़द दिल्ली 10300, उड़द साबुत दिल्ली 9900, उड़द धोवा इंदौर 12800, उड़द धोवा 10000-11000, चना काला 7050, दाल चना 7450, दाल चना मोटी 7600, मलका विदेशी 7300, रूपकिशोर बेसन 8200, चना अकोला 7200, डबरा 7200-9200, सच्चा हीरा 8600, मोटा हीरा 10700, अरहर गोला मोटा 7800, अरहर पटका मोटा 8300, अरहर कोरा मोटा 8700, अरहर पटका छोटा 10000-10600, अरहर कोरी छोटी 10800

चीनी : पीलीभीत 4400, सितारगंज 4300

अक्टूबर में बिजली की खपत 6% घटी

नई दिल्ली। देश में बिजली की खपत अक्टूबर में 6% घटकर 132 अरब यूनिट रह गई, जो पिछले साल इसी महीने 140 .47 अरब यूनिट थी। इसकी मुख्य वजह शीतलन उपकरणों का कम इस्तेमाल है। अक्टूबर में देश के कई हिस्सों में बारिश भी हुई। विशेषज्ञों के अनुसार बिजली की खपत में गिरावट का कारण देश के कुछ हिस्सों में इस महीने हुई बेमौसम बारिश और सर्दियों के मौसम की शुरुआत है। इस वजह से तापमान नियंत्रण में रहा।

जीएसटी संग्रह हुआ 1.96 लाख करोड़

अक्टूबर का आंकड़ा त्योहारी सत्र की बिक्री व दबी हुई मांग के प्रभाव को दर्शाता है

नई दिल्ली, एजेंसी

जीएसटी दरों में कटौती के बावजूद त्योहारी खरीदारी के कारण अक्टूबर में सकल जीएसटी संग्रह 4.6 प्रतिशत बढ़कर लगभग 1.96 लाख करोड़ रुपये हो गया। यह चालू वित्त वर्ष में अब तक की सबसे धीमी दर है।

रसोई के सामान से लेकर इलेक्ट्रॉनिक्स और ऑटोमोबाइल सहित 375 वस्तुओं पर वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) की नयी दरें 22 सितंबर से प्रभावी हुईं थीं। यह नवरात्रि का पहला दिन था और यह समय नए सामान खरीदने के लिए शुभ माना जाता है। अक्टूबर के जीएसटी संग्रह के आंकड़े त्योहारी सत्र की बिक्री और दबी हुई मांग के प्रभाव को दर्शाते हैं। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने स्वतंत्रता दिवस के अपने भाषण में दिवाली से पहले जीएसटी दरों में कटौती की घोषणा की थी। इसके बाद उपभोक्ताओं ने जीएसटी दरों में कटौती का इंतजार करते हुए अपनी खरीदारी का फैसला टाल दिया था।

● अगस्त-सितंबर में कर संग्रह क्रमश : 1.86 लाख करोड़ और 1.89 लाख करोड़ से थोड़ा कम

शनिवार को जारी आंकड़ों के अनुसार अक्टूबर में सकल जीएसटी संग्रह 1.96 लाख करोड़ रहा, जो अक्टूबर 2024 के 1.87 लाख करोड़ रुपये के संग्रह से 4.6% अधिक है। इस साल अगस्त और सितंबर में कर संग्रह क्रमशः 1.86 लाख करोड़ रुपये और 1.89 लाख करोड़ रुपये से थोड़ा कम रहा। हालांकि अक्टूबर में जीएसटी संग्रह में सालाना आधार पर 4.6 प्रतिशत की वृद्धि पिछले महीनों में देखी गई लगभग नौ प्रतिशत की औसत वृद्धि से कम है। सकल घरेलू राजस्व, जो स्थानीय बिक्री का एक संकेतक है, अक्टूबर में दो प्रतिशत बढ़कर 1.45 लाख करोड़ रुपये हो गया। आयात कर लगभग 13 प्रतिशत बढ़कर 50,884 करोड़ रुपये रहा। जीएसटी रिफंड भी सालाना आधार पर 39.6 प्रतिशत बढ़कर 26,934 करोड़ रुपये हो गया। रिफंड समायोजित करने के बाद अक्टूबर 2025 में शुद्ध जीएसटी राजस्व 1.69 लाख करोड़ रुपये रहा, जो पिछले वर्ष की तुलना में 0.2% अधिक है।

बढ़ रही है लगातार मांग : जैन

प्राइस वाटरहाउस एंड कंपनी एलएलपी के पार्टनर प्रतीक जैन ने कहा कि 22 सितंबर से प्रभावी दरों में भारी कटौती के बावजूद घरेलू जीएसटी संग्रह में मामूली वृद्धि दर्शाती है कि मांग लगातार बढ़ रही है। उन्होंने कहा कि जीएसटी रिफंड (घरेलू और निर्यात दोनों) में लगातार वृद्धि से कर प्रशासन के इस भरोसे का पता चलता है कि भविष्य में भी जीएसटी संग्रह सकारात्मक रहेगा।

आंकड़े दर्शाते है अर्थव्यवस्था की मजबूती

ईवाई इंडिया के टैक्स पार्टनर सौरभ अग्रवाल ने कहा कि जीएसटी संग्रह बढ़ने की धीमी गति मुख्य रूप से दरों को युक्तिसंगत बनाने और त्योहारी सत्र से पहले उपभोक्ता खर्च में देरी के कारण थी। डेलॉयट इंडिया के पार्टनर और अप्रत्यक्ष कर प्रमुख महेश जयसिंह ने कहा कि जीएसटी संग्रह के आंकड़े त्योहारी उत्साह और बेहतर अनुपालन के बीच अर्थव्यवस्था की मजबूती को दर्शाते हैं।

मालवाहक गलियारे का रेल परिचालन 48% बढ़ा : रेलवे बोर्ड सीईओ

नई दिल्ली। डेडिकेटेड फ्रेट कॉरिडोर कारपोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड (डीएफसीसीआईएल) ने वित्त वर्ष 2024-25 में मालगाड़ियों के परिचालन में 48% की वृद्धि दर्ज की। रेलवे बोर्ड के मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) और चेयरमैन सतीश कुमार ने भारत मंडपम में डीएफसीसीआईएल के 20वें स्थापना दिवस में यह बात कही।

डीएफसीसीआईएल 2,750 किमी लंबे पूर्वी और पश्चिमी गलियारों का प्रबंधन करती है। निगम ने बताया कि गत वित्त वर्ष में उसने प्रतिदिन औसतन 381 से अधिक मालगाड़ियों का परिचालन किया। वरिष्ठ अधिकारियों ने बताया कि भारत की लॉजिस्टिक लागत 24 लाख करोड़ रुपये आंकी गई है और निगम के परिवर्तनकारी प्रभाव ने लॉजिस्टिक लागत को सकल घरेलू उत्पाद के 14 प्रतिशत से घटाकर लगभग 8-9 प्रतिशत करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।

भारत को और अधिक विकेंद्रीकरण की जरूरत

नई दिल्ली, एजेंसी

● ईएसी-पीएम के चेयरमैन बोले- चीन और अमेरिका में विकेंद्रीकरण का स्तर कहीं अधिक

प्रधानमंत्री की आर्थिक सलाहकार परिषद (ईएसी-पीएम) के चेयरमैन महेंद्र देव ने कहा कि भारत को और अधिक विकेंद्रीकरण की जरूरत है, लेकिन कई राज्यों में परिषदों को शक्तियां सौंपने का विरोध हो रहा है।

ग्रामीण विकास में उत्कृष्ट योगदान के लिए चौथे रोहिणी नैयर पुरस्कार समारोह में देव ने कहा कि चीन और अमेरिका में विकेंद्रीकरण का स्तर कहीं अधिक है। भारत को और अधिक विकेंद्रीकरण की जरूरत है, जिसमें पंचायतों और स्थानीय निकायों को अधिक शक्तियां देना, साथ ही ग्रामीण मजदूरी में सुधार के लिए कृषि क्षेत्र में प्रौद्योगिकी का अधिक उपयोग शामिल होना चाहिए... कई राज्यों में स्थानीय परिषदों को शक्तियां सौंपने का विरोध हो रहा है।

देव ने कहा कि पंचायतों के माध्यम से महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी अधिनियम (मनरेगा) के कार्यान्वयन से न केवल मजदूरी में सुधार हुआ, बल्कि जमीनी स्तर पर लोकतंत्र में भरोसा भी बढ़ा है। उन्होंने पुणे की सामाजिक उद्यमी विद्या परशुरामकर को पोषण को अधिक सुलभ, टिकाऊ और समुदाय-संचालित बनाने में उनके योगदान के लिए रोहिणी नैयर पुरस्कार प्रदान किया। परशुरामकर एग्रोजी ऑर्गेनिक्स और इसकी प्रमुख पहल 'मिलेट्स नाउ' का नेतृत्व करती हैं।

चावल, गेहूं, दालें, चीनी नरम खाद्य तेलों में उतार चढ़ाव

नई दिल्ली, एजेंसी

घरेलू थोक जिंस बाजारों में शनिवार को चावल का औसत भाव गिर गया। गेहूं, दालों और चीनी के भाव भी टूट गये। वहीं, खाद्य तेलों में उतार-चढ़ाव देखा गया।

घरेलू थोक जिंस बाजारों में चावल की औसत कीमत 33 रुपये घटकर 3,826 रुपये प्रति क्विंटल रह गई। गेहूं चार रुपये कमजोर हुआ और 2,859.91 रुपये प्रति क्विंटल के भाव बिका। आटे की कीमत 3,318.60 रुपये प्रति क्विंटल पर स्थिर रही। खाद्य तेलों में मूंगफली तेल की कीमत 221 रुपये प्रति क्विंटल लुढ़क गई। वनस्पति में सात रुपये और सूरजमुखी तेल में 35 रुपये प्रति क्विंटल की गिरावट रही। सरसों तेल 35 रुपये और सोया तेल छह रुपये प्रति क्विंटल मजबूत हुआ।

● चावल की कीमत 33 रुपये घटी गेहूं चार रुपये हुआ कमजोर

पाम ऑयल सात रुपये प्रति क्विंटल की बढ़त में रहा। दाल-दलहनों में नरमी रही। चना दाल 38 और तुअर दाल 85 रुपये प्रति क्विंटल सस्ती हुई। उड़द दाल 45 और मूंग दाल 42 रुपये प्रति क्विंटल बढ़ी। मसूर दाल में 68 रुपये प्रति क्विंटल की तेजी दर्ज की गयी। गुड़-चीनीः मीठे के बाजार में आज गुड़ की औसत कीमत 14 रुपये प्रति क्विंटल बढ़ गयी। हालांकि चीनी तीन रुपये प्रति क्विंटल सस्ती हुई।

कोल इंडिया के उत्पादन में 9.8% की आई गिरावट

कोलकाता। देश की प्रमुख कोयला उत्पादक कंपनी कोल इंडिया लिमिटेड का अक्टूबर 2025 में उत्पादन सालाना आधार पर 9.8% की गिरावट के साथ 5.64 करोड़ टन रह गया।

कंपनी की ओर से शनिवार को जारी आंकड़ों के अनुसार, अक्टूबर माह के दौरान कोयले का वितरण भी 5.9 प्रतिशत घटकर 5.83 करोड़ टन रह गया। अप्रैल-अक्टूबर 2025 के दौरान कंपनी का संचयी उत्पादन 38.53 करोड़ टन रहा, जो पिछले वर्ष की समान अवधि से 4.5 प्रतिशत कम है। इस बीच, कोल इंडिया ने सनोज कुमार झा को अंतरिम चेयरमैन-सह-प्रबंध निदेशक नियुक्त किया है। यह नियुक्ति एक नवंबर से प्रभावी हो गई।

त्योहारी सीजन व जीएसटी में राहत से यात्री वाहनों की बंपर बिक्री

नई दिल्ली, एजेंसी

मारुति सुजुकी, टाटा मोटर्स व किआ इंडिया ने मासिक बिक्री का नया रिकॉर्ड बनाया

त्योहारी सीजन और वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) में राहत से अक्टूबर में देश में यात्री वाहनों की बिक्री में जबरदस्त वृद्धि हुई और मारुति सुजुकी, टाटा मोटर्स तथा किआ इंडिया ने मासिक बिक्री का नया रिकॉर्ड बनाया।

देश की सबसे बड़ी यात्री वाहन कंपनी मारुति सुजुकी की घरेलू बिक्री 1,80,675 इकाई पर पहुंच गई। यह मासिक बिक्री का कंपनी का नया रिकॉर्ड है। वहीं, निर्यात 31,304 इकाई और मारुति के डीलर नेटवर्क से दूसरे विनिर्माता के वाहनों की 8,915 इकाई रही। उसने अक्टूबर में 85,210 कारें, 77,571 उपयोगी वाहन और 13,537 वैन बेचे। महिंद्रा ऑटो के उपयोगी वाहनों की घरेलू बिक्री अक्टूबर में 31% बढ़कर 71,624 इकाई हो गयी। वहीं, वाणिज्यिक वाहनों की बिक्री 18 प्रतिशत बढ़कर 44,503 इकाई पर पहुंच गयी। निर्यात का आंकड़ा 15 फीसदी की वृद्धि के साथ 4,015 पर रहा। हुंडई मोटर्स इंडिया लिमिटेड ने अक्टूबर में घरेलू बाजार में 53,792 वाहन बेचे। उसका निर्यात सालाना आधार पर 11% बढ़कर 16,102 इकाई पर पहुंच गया। कुल बिक्री 69,894 इकाई रही। उसके क्रेटा और वेन्यू मॉडलों की संयुक्त बिक्री 30,119 इकाई रही जो दूसरी सबसे बड़ी मासिक बिक्री है। टाटा मोटर्स के यात्री वाहनों की बिक्री अक्टूबर में 27% बढ़कर 61,295 इकाई रही। इसमें घरेलू बाजार में बिक्री 61,134 इकाई दर्ज की गई। दूसरे महीने उसने रिकॉर्ड बिक्री की। इसमें इलेक्ट्रिक वाहनों की बिक्री सालाना आधार पर 73% बढ़कर उच्चतम स्तर पर पहुंच गई। नवरात्र और दिवाली के बीच कंपनी ने एक लाख से अधिक वाहनों की डिलीवरी की जो पिछले साल के मुकाबले 33% की वृद्धि दर्शाता है। टाटा मोटर्स के वाणिज्यिक वाहनों की बिक्री 10% बढ़कर 37,530 इकाई पर पहुंच गई। घरेलू बिक्री में सात प्रतिशत और निर्यात में 56% की सालाना वृद्धि रही। घरेलू बिक्री 35,108 इकाई और निर्यात 2,422 इकाई रही। टोयोटा किर्लोस्कर मोटर की बिक्री 39% बढ़कर 42,892 इकाई रही।

स्कोडा-निशान ने भी की सर्वाधिक बिक्री

स्कोडा इंडिया की बिक्री 8,252 इकाई रही जो उसकी सबसे अधिक मासिक बिक्री है। इस वृद्धि के पीछे सबसे बड़ी भूमिका स्कोडा इंडिया की पहली सब-4 मीटर एसयूवी 'काइलैक' की रही, जिसकी बिक्री बढ़ रही है। निसान मोटर इंडिया ने बताया कि इस साल सितंबर की तुलना में अक्टूबर में उसकी बिक्री 45 प्रतिशत बढ़कर 2,402 इकाई पर पहुंच गयी।

राष्ट्रीय

बिहार चुनाव विकास बनाम जंगलराज

केंद्रीय गृह मंत्री शाह ने गोपालगंज और समस्तीपुर की रैलियों को वर्चुअल किया संबोधित

पटना/गोपालगंज/समस्तीपुर, एजेंसी

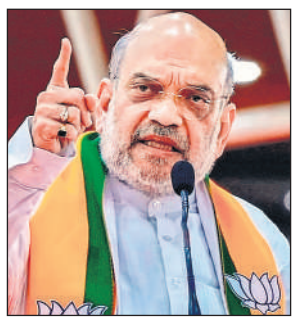

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने शनिवार को कहा कि बिहार चुनाव राज्य की जनता के लिए प्रधानमंत्री मोदी और मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के नेतृत्व में विकास का रास्ता चुनने और राष्ट्रीय जनता दल (राजद) के नेतृत्व वाले विपक्ष के 'जंगलराज' को वापस लाने के बीच का चुनाव है। भाजपा के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष ने यह बात गोपालगंज और समस्तीपुर जिलों में आयोजित रैलियों को वर्चुअल रूप से संबोधित करते हुए कही। खराब मौसम से वह इन स्थानों पर नहीं पहुंच सके।

राजद प्रमुख लालू प्रसाद के गृह जिले गोपालगंज का उल्लेख करते हुए शाह ने पूर्व मुख्यमंत्री राबड़ी देवी के भाई और पूर्व विधायक साधू यादव के अत्याचारों का जिक्र किया और लोगों को चेताया कि अगर विपक्ष सत्ता में आया तो फिर से जंगलराज लौट आएगा। यह चुनाव ये तय करने का अवसर है कि बिहार का भविष्य किसे सौंपना चाहिए। एक ओर वे लोग हैं जिन्होंने राज्य में जंगलराज लाया था और दूसरी ओर प्रधानमंत्री मोदी और मुख्यमंत्री नीतीश की जोड़ी है, जिन्होंने विकास का रास्ता दिखाया है।

उन्होंने कहा कि मुझे भरोसा है कि वे इस परंपरा को बनाए रखेंगे... गोपालगंज के लोगों से बेहतर कोई साधू यादव को नहीं जानता। साधू यादव, जो गोपालगंज से विधायक और सांसद दोनों रह चुके हैं। शाह ने उन घटनाओं का उल्लेख किया जिनमें यादव का नाम सामने आया था, जैसे 1999 में राबड़ी देवी की बड़ी बेटी मीसा भारती की शादी के दौरान शो-रूम से जबरन कारें उठवा लेने का मामला, जिसका जिक्र प्रधानमंत्री मोदी ने भी किया था। 90 के दशक के शिल्पी गौतम हत्याकांड में भी यादव का नाम आया था। हाल में यह मामला तब सुर्खियों में आया जब जनसुराज पार्टी के प्रमुख प्रशांत किशोर ने उपमुख्यमंत्री और भाजपा नेता सम्राट चौधरी (जो उस वक्त राजद में थे) पर इस मामले में संलिप्तता का आरोप लगाया।

समस्तीपुर में शाह ने राहुल गांधी पर निशाना साधा और आरोप लगाया कि उन्होंने वोटर अधिकार यात्रा निकालकर घुसपैठियों को बचाने की कोशिश की थी। राहुल जितनी यात्राएं निकाल लें, हर घुसपैठिए को देश से बाहर किया जाएगा।

बिहार में नहीं है डबल इंजन सरकार, सब कुछ दिल्ली से नियंत्रित होता है : प्रियंका गांधी

बेगूसराय। कांग्रेस सांसद प्रियंका गांधी ने शनिवार को बिहार में बेरोजगारी और पलायन के मुद्दे पर राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) सरकार पर हमला करते हुए कहा कि राज्य में डबल इंजन की सरकार नहीं है, क्योंकि सब कुछ दिल्ली से नियंत्रित किया जाता है। बेगूसराय में पहली चुनावी सभा में प्रियंका ने आरोप लगाया कि केंद्र और राज्य, दोनों जगह राजग की सरकारें विभाजनकारी राजनीति और झूठे राष्ट्रवाद का सहारा लेकर लोगों का ध्यान असली मुद्दों से भटकाने का प्रयास कर रही हैं। कांग्रेस सांसद ने कहा कि मतदान का अधिकार भारतीय संविधान का सबसे बड़ा वरदान है, लेकिन राजग सरकार ने मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के जरिए लोगों के वोट का अधिकार कमजोर कर दिया, जिसमें 65 लाख मतदाताओं के नाम मतदाता सूची से हटा दिए गए। बिहार में कोई डबल इंजन सरकार नहीं है, बल्कि एक ही इंजन है... सब कुछ दिल्ली से नियंत्रित किया जाता है। न तो आपकी सुनी जाती है और न ही आपके मुख्यमंत्री नीतीश कुमार का सम्मान होता है। प्रियंका ने मतदाता सूची की समीक्षा प्रक्रिया को लेकर भाजपा पर निशाना साधते हुए कहा कि मतदाताओं के नाम हटाना लोगों के अधिकारों का हनन है। कांग्रेस सांसद ने आरोप लगाया कि पहले उन्होंने लोगों को बांटा, फिर लड़ाई करवाई, लेकिन जब जनता का ध्यान असली मुद्दों से नहीं हटा सके, तो अब वोट चुराने की कोशिश कर रहे हैं।

शहाबुद्दीन के बेटे को टिकट देना जंगलराज का सबूत : नड्डा

पटना/सीवान। भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा ने शनिवार को आरोप लगाया कि राष्ट्रीय जनता दल (राजद) अगर सत्ता में आया तो वह बिहार में एक बार फिर जंगलराज लेकर आएगा। राजद द्वारा दिवंगत बाहुबली नेता मोहम्मद शहाबुद्दीन के बेटे को उम्मीदवार बनाना इसका स्पष्ट संकेत है। खराब मौसम से सीवान नहीं पहुंच पाने पर नड्डा ने वर्चुअल सभा को संबोधित किया। राजद शासनकाल में बिहार ने जंगलराज देखा था। उस समय राज्य में अराजकता फैली हुई थी। कानून-व्यवस्था ध्वस्त हो चुकी थी और अपहरण एक उद्योग बन गया था, जिसका सौदा तत्कालीन मुख्यमंत्री के आवास पर तय होता था। भाजपा अध्यक्ष ने कहा कि सीवान ने शहाबुद्दीन का आतंक झेला है और अब राजद ने विधानसभा चुनाव में उसके बेटे को टिकट देकर एक बार फिर वही भयावह दौर लौटाने का संकेत दिया है। लालू प्रसाद की पार्टी बिहार में जंगलराज वापस लाना चाहती है। राजद ने सीवान की रघुनाथपुर सीट से शहाबुद्दीन के बेटे ओसामा शहाब को उम्मीदवार बनाया है।

अलीनगर में राजनीतिक अनुभव की कमी को दूर करेंगी मैथिली ठाकुर

अलीनगर (दरभंगा)। एक दशक पहले जब बिहार की किशोरी ने मधुर आवाज़ से संगीत जगत में पहचान बनानी शुरू की थी, तब शायद ही किसी ने सोचा होगा कि वही संकोची लड़की राजनीति में उतर जाएगी। अब बिहार चुनाव के सबसे चर्चित उम्मीदवारों में शामिल 25 वर्षीय मैथिली ठाकुर ने कहा कि मैं अलीनगर में घर बनाना चाहती हूं और इसे ही स्थायी ठिकाना बनाऊंगी। मेरे ननिहाल की जड़ें यहीं हैं। मैं कहीं और नहीं रहना चाहती। दरभंगा जिले के अलीनगर विस क्षेत्र से भाजपा उम्मीदवार ठाकुर को बाहरी होने के आरोपों का सामना करना पड़ रहा है। वह मैथिली भाषा में निपुण हैं और उनकी पारिवारिक जड़ें मधुबनी में हैं। वह अपने माता-पिता और भाइयों के साथ दिल्ली में रह रही थीं। ठाकुर ने 14 अक्टूबर को भाजपा की सदस्यता ली, लेकिन इसके पहले से ही उनके राजनीति में आने की अटकलें तेज थीं। पांच अक्टूबर को, जब चुनाव की घोषणा से एक दिन पहले भाजपा महासचिव विनोद तावड़े और केंद्रीय मंत्री नित्यानंद राय के साथ उनकी तस्वीर वायरल हुई, तय ये माना जा रहा था कि वह चुनाव में उतरेंगी।

कन्नड़ की उपेक्षा कर हिंदी थोप रही केंद्र सरकार : सिद्धरमैया

बेंगलुरु। कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धरमैया ने शनिवार को केंद्र सरकार पर कन्नड़ भाषा की उपेक्षा और हिंदी थोपने का आरोप लगाया। उन्होंने लोगों से कन्नड़-विरोधी ताकतों का विरोध करने का आह्वान किया।

मुख्यमंत्री ने राज्य स्थापना दिवस (राज्योत्सव दिवस) पर कहा कि केंद्र सरकार कर्नाटक के साथ सौतेला व्यवहार कर रही है। उन्होंने आरोप लगाया कि राज्य केंद्र को 4.5 लाख करोड़ का राजस्व देता है, लेकिन उसे उसका उचित हिस्सा नहीं मिलता और बदले में मामूली राशि दी जाती है। कन्नड़ भाषा के साथ अन्याय होने का जिक्र करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि हिंदी थोपने के प्रयास हो रहे हैं। हिंदी-संस्कृत के विकास के लिए अनुदान दिए जाते हैं, जबकि देश की अन्य भाषाओं की उपेक्षा की जा रही है। उन्होंने कहा कि कर्नाटक को राज्य के विकास के लिए आवश्यक धन से वंचित किया जा रहा है। कन्नड़ जैसी शास्त्रीय भाषा के विकास के लिए पर्याप्त धनराशि नहीं दी जा रही, जिससे उसके साथ अन्याय हो रहा है। हमें उन सभी का विरोध करना चाहिए जो कन्नड़-विरोधी हैं।

भारत-रूस संबंधों को नुकसान पहुंचाने वाले आदेश पारित नहीं करना चाहते : सुप्रीम कोर्ट

बाल संरक्षण विवाद

दुर्लभ मामले में पॉक्सो की कार्यवाही हुई निरस्त

सुप्रीम कोर्ट ने दुर्लभ मामले में संविधान के अनुच्छेद 142 के तहत पूर्ण शक्तियों का इस्तेमाल कर उस व्यक्ति के खिलाफ पॉक्सो की कार्यवाही निरस्त कर दी है, जिसने नाबालिग लड़की के साथ यौन संबंध बनाए और बाद में उससे शादी कर ली थी। न्यायालय ने कहा कि यह अपराध वासना का नहीं, बल्कि प्रेम का परिणाम था। न्यायमूर्ति दीपांकर दत्ता और एजी मसीह की पीठ ने कहा कि पीड़िता (अब पत्नी) ने कहा है कि उसकी शादी उस व्यक्ति (दोषी) से हुई थी और उन दोनों का एक साल का बेटा भी है। वे अब खुशहाल जीवन जी रहे हैं। लड़की के पिता भी चाहते हैं कि उनकी बेटी के पति के खिलाफ आपराधिक कार्यवाही समाप्त हो। पीठ ने कहा कि अपराध एक व्यक्ति के विरुद्ध नहीं, बल्कि समग्र समाज के विरुद्ध है।

नई दिल्ली, एजेंसी

सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि वह रूसी महिला का अपने भारतीय पति के साथ बच्चे को संरक्षण को लेकर जारी विवाद में ऐसा कोई आदेश पारित नहीं करना चाहता, जिससे भारत-रूस संबंधों को नुकसान पहुंचे। न्यायालय ने रूसी महिला का पता लगाने के लिए किए जा रहे प्रयासों पर चिंता व्यक्त की। रूसी महिला जारी विवाद के बीच बच्चे को लेकर मॉस्को चली गई है।

न्यायमूर्ति सूर्यकांत व जे बागची की पीठ ने समुचित समन्वय की जरूरत पर बल दिया। अदालत ने रेखांकित किया कि इस मुद्दे का समाधान ढूंढने और बच्चे को सुप्रीम कोर्ट की अभिरक्षा में वापस लाने के लिए विदेश मंत्रालय (एमईए), मॉस्को स्थित भारतीय दूतावास और नई दिल्ली स्थित रूसी दूतावास के सामने एक कूटनीतिक चुनौती खड़ी हो गई है। विदेश मंत्रालय की रिपोर्ट में बताया गया कि दूतावास ने पारस्परिक और सौहार्द के सिद्धांतों के आधार पर सहायता और सहयोग के लिए पहले ही अभियोजक जनरल के कार्यालय से संपर्क किया था और पारस्परिक कानूनी सहायता संधि (एमएलएटी) के तहत नए अनुरोध 17 अक्टूबर को मॉस्को स्थित भारतीय दूतावास के माध्यम से रूस के अभियोजक जनरल के कार्यालय को भेजे गये थे।

केंद्र की ओर से पेश अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल ऐश्वर्या भाटी ने कहा कि विदेश मंत्रालय नेपाल के साथ एमएलएटी के माध्यम से नेपाली नागरिकों समेत अन्य संलिप्त व्यक्तियों की जांच के लिए दिल्ली पुलिस के साथ समन्वय कर रहा है। पीठ ने कहा कि दिल्ली पुलिस ने रूसी अधिकारियों को नोटिस भेजकर विस्तृत जानकारी मांगी, लेकिन इसका कोई ठोस नतीजा नहीं निकला। बच्चे की मां रूसी नागरिक है, जो 2019 से भारत में रह रही है।

साहित्यकार रामदरश मिश्र के अंतिम संस्कार में उमड़े लेखक व प्रकाशक

नई दिल्ली। प्रसिद्ध साहित्यकार रामदरश मिश्र का शनिवार को मंगलापुरी श्मशानघाट पर अंतिम संस्कार हुआ, जिसमें साहित्यकार, पत्रकार, लेखक व प्रकाशक शामिल हुए। प्रसिद्ध कवि और आलोचक ओम निश्चल ने बताया कि मिश्र का निधन शुक्रवार को उनके द्वारका स्थित आवास पर हुआ। वह 101 वर्ष के थे। डॉ मिश्र 99 साल में घर पर गिरने से चोटिल हो गए थे।

मिश्र के अंतिम संस्कार में प्रोफेसर नित्यानंद तिवारी, कथाकार भगवान दास मोरवाल, आलोचक जसवीर त्यागी, कवि ओम निश्चल, डॉ. प्रकाश मनु, श्रीहरि शंकर राही, उपेंद्र मिश्र, डॉ.वेदमित्र शुक्ल, भारतीय शिक्षा बोर्ड की अध्यक्ष डॉ. सोनी पांडे, मशहूर नाटककार प्रताप सहगल, डॉ. पवन माथुर, लक्ष्मीशंकर वाजपेयी पूर्व महानिदेशक आकाशवाणी, डॉ. रेनू यादव, मशहूर ग़ज़लकार नरेश शांडिल्य, केंद्रीय हिंदी संस्थान के पूर्व निदेशक अनिल जोशी, साहित्य अकादमी के उपसचिव देवेंद्र कुमार देवेश, इंद्रप्रस्थ प्रकाशन के अशोक शर्मा आदि शामिल हुए।

रांची से स्वच्छता और एकता का संदेश

रांची, अमृत विचारः केंद्रीय संचार ब्यूरो, रांची द्वारा जेएन कॉलेज, धुर्वा में राष्ट्रीय एकता दिवस, सतर्कता जागरूकता सप्ताह और विशेष स्वच्छता अभियान 5.0 के तहत दो दिवसीय चित्र प्रदर्शनी और सेमिनार का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का मुख्य विषय सतर्कता : हमारी साझा जिम्मेदारी रहा।

कार्यक्रम में शाहिद रहमान ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के संदेश का उल्लेख करते हुए राष्ट्रीय एकता और अखंड भारत की भावना पर बल दिया। रेल मंडल की वरिष्ठ वाणिज्यिक प्रबंधक शुचि सिंह ने सतर्कता शपथ दिलाई और रेलवे की स्वच्छता पहलों 'रेल मदद' ऐप, सीसीटीवी निगरानी और वेस्ट टू आर्ट जैसी परियोजनाओं की जानकारी दी।

वरिष्ठ मंडल वाणिज्यिक प्रबंधक शुचि सिंह, सीसीएल रणधीर सिंह, सहायक आयुक्त अमोद कुमार, सामाजिक कार्यकर्ता चम्पा तिग्गा, सीआईएसएफ के अरविंद पाठक, बॉटनी विभागाध्यक्ष सत्यनारायण उरांव ने सभी को संबोधित किया। जया नलिनी एक्का ने धन्यवाद ज्ञापन किया। प्राचार्य डॉ. शमशुन नेहार सहित विद्यार्थी, शिक्षक और केंद्रीय संचार ब्यूरो के अधिकारी-कर्मचारी मौजूद रहे। प्रतियोगिता में कंचन प्रिया, रूपा कुमारी, राज स्मिता सिन्हा, हेरम्बी होरो और दीप्ति मिंज ने क्रमशः प्रथम से पंचम स्थान पाया।

वर्ल्ड ब्रीफ

अमेरिकी रिफाइनरी में विस्फोट से फैला धुआं

आर्टेसिया। न्यू मेक्सिको में एक तेल रिफाइनरी में हुए विस्फोट के बाद संयंत्र से घना धुआं निकला जो आर्टेसिया शहर के कई हिस्सों में फैल गया। नवाजो रिफाइनरी के संचालक एच एफ सिंक्लेयर ने बताया कि आग बुझा दी गई है और तीन लोगों को चिकित्सा के लिए घटनास्थल से बाहर ले जाया गया है। किसी और के घायल होने की सूचना नहीं है। एच एफ सिंक्लेयर के प्रवक्ता कोरिन स्मिथ ने बताया कि रिफाइनरी और आस-पास के इलाके में वायु गुणवत्ता की समीक्षा से पता चलता है कि इससे लोगों को कोई खतरा नहीं है।

काठमांडू जा रहे विमान की आपात लैंडिंग

काठमांडू। नेपाल के लुम्बिनी प्रांत में गौतम बुद्ध अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे पर शनिवार को एक निजी एयरलाइन के विमान को तकनीकी खराबी आने के कारण आपात स्थिति में उतारना पड़ा। विमान में 82 लोग सवार थे। हवाई अड्डे के अधिकारियों के अनुसार, सभी यात्री और चालक दल के सदस्य सुरक्षित बताए जा रहे हैं। काठमांडू जाने वाली श्री एयरलाइंस की उड़ान संख्या 222 ने सुदूर पश्चिम प्रांत के धनगढ़ी से सुबह लगभग 10 बजे उड़ान भरी थी। विमान की हाइड्रोलिक प्रणाली में खराबी आने पर उसे भैरहवा ले जाया गया, जहां गौतम बुद्ध हवाई अड्डे पर उतारा गया।

श्रीलंका के विपक्षी सांसदों ने मांगी सुरक्षा

कोलंबो। श्रीलंका के विपक्षी सांसदों ने देश के पुलिस प्रमुख से विभिन्न निर्वाचित निकायों में जनता के सभी निर्वाचित प्रतिनिधियों को व्यक्तिगत सुरक्षा प्रदान करने का अनुरोध किया है। विपक्षी सांसदों ने अध्यक्ष से अनुरोध किया कि वे इस मुद्दे पर चर्चा के लिए शुक्रवार को पुलिस प्रमुख प्रियंता वीरासूर्या को सदन में बुलाएं। मुख्य विपक्षी दल एसजेबी के सांसद रंजीत मद्दुमा बंडारा ने कहा कि जनप्रतिनिधियों की सुरक्षा करना सरकार का कर्तव्य है। वीरासूर्या ने सांसदों से कहा कि व्यक्तिगत सुरक्षा हटाने का फैसला सरकार का एक राजनीतिक फैसला है।

चीन ने अंटार्कटिका में भेजा अपना दल

बीजिंग। चीन ने अंटार्कटिका में ड्रिलिंग संबंधी प्रयोग करने के मिशन के तहत अपने 42वें दल को सबसे ठंडे महाद्वीप के लिए रवाना किया ताकि इसकी विकास प्रक्रिया और प्राकृतिक संसाधनों का पता लगाया जा सके। चीन अंटार्कटिका में समय-समय पर अपने दल भेजता रहा है। संसाधन-संपन्न महाद्वीप में अन्वेषण करने के लिए उसके पांच अनुसंधान केंद्र हैं लेकिन यह पहली बार होगा जब उसका दल महाद्वीप के तल में ड्रिलिंग पर ध्यान केंद्रित करेगा।

भारत से आज सबसे भारी संचार उपग्रह का प्रक्षेपण करेगा इसरो

- एलवीएम3-एम5 के जरिए प्रक्षेपित करने की तैयारी

श्रीहरिकोटा, एजेंसी

भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) का 4,000 किलोग्राम से अधिक वजनी संचार उपग्रह सीएमएस-03 रविवार को इस अंतरिक्ष केंद्र से प्रक्षेपित किए जाने के लिए पूरी तरह तैयार है।

अंतरिक्ष एजेंसी ने बताया कि लगभग 4,410 किलोग्राम वजन वाला यह उपग्रह भारत की धरती से भू-समकालिक स्थानांतरण कक्षा (जीटीओ) में प्रक्षेपित किया जाने वाला सबसे भारी उपग्रह होगा। यह उपग्रह एलवीएम3-एम5 रॉकेट के जरिये प्रक्षेपित किया जाएगा, जिसे इसकी भारी भारोत्तोलन क्षमता के लिए 'बाहुबली' नाम दिया गया है। बेंगलुरु स्थित अंतरिक्ष एजेंसी ने शनिवार को बताया कि प्रक्षेपण यान को पूरी तरह से तैयार कर लिया गया है और अंतरिक्ष यान के साथ एकीकृत कर दिया गया है तथा इसे प्रक्षेपण-पूर्व कार्यों के लिए यहां दूसरे प्रक्षेपण स्थल पर ले जाया गया है। इसरो ने बताया कि 4,000 किलोग्राम तक भारी पेलोड ले जाने की क्षमता के कारण 'बाहुबली' नाम से जाना जाने वाला 43.5 मीटर लंबा यह यान दो नवंबर यानी रविवार को शाम पांच बजकर 26 मिनट पर प्रक्षेपित होगा। उसने बताया कि एलवीएम3 (प्रक्षेपण यान मार्क-3) इसरो का भारी वजन वहन करने वाला प्रक्षेपण यान है।

इंटरनेट ब्राउजिंग का नया दौर लेकिन खतरे भी बढ़े

चैटजीपीटी एटलस

ओपनएआई ने हाल ही में चैटजीपीटी एटलस नामक एक नए ब्राउज़र को लॉन्च किया है, जो एआई तकनीक पर आधारित है और इंटरनेट ब्राउज़िंग के तरीके को बदलने का वादा करता है। चैटजीपीटी एटलस एक पूर्ण-विशेषता वाला वेब ब्राउज़र है जिसमें चैटजीपीटी असिस्टेंट बनाया गया है, जो उपयोगकर्ताओं को वेब पेजों को समझने, प्रश्नों का उत्तर देने और कार्यों को स्वचालित करने में मदद करता है।

एटलस को इस तरह से तैयार किया गया है कि यह उपयोगकर्ता के साथ हर वेबसाइट पर सक्रिय रहे, उनकी पसंद याद रखे, लेखों का सारांश दे और फ्लाइट बुक करने या किराने का सामान ऑर्डर करने जैसे कार्य तक स्वचालित रूप से पूरा करे। हालांकि विशेषज्ञों का कहना है कि इस अत्याधुनिक तकनीक के पीछे गंभीर सुरक्षा और गोपनीयता संबंधी खतरे छिपे हैं, जिनसे आम उपयोगकर्ता अनभिज्ञ हैं।

नई तरह के साइबर खतरे : सुरक्षा विशेषज्ञों ने चेतावनी दी है कि एटलस की डिजाइन पारंपरिक ब्राउज़र सुरक्षा सीमाओं से आगे बढ़ जाती है। उदाहरण के तौर पर 'प्रॉम्प्ट इंजेक्शन अटैक' के ज़रिए दुर्भावनापूर्ण वेबसाइटें छिपे हुए आदेशों के माध्यम से एआई के व्यवहार को नियंत्रित कर सकती हैं। ऐसी स्थिति में कोई वेबसाइट चैटजीपीटी को निर्देश दे सकती है कि वह खुले टैब जैसे बैंकिंग पोर्टल या ईमेल ड्राफ्ट आदि से निजी जानकारी निकाल ले, वह भी बिना किसी पासवर्ड एक्सेस के। एक वेबसाइट पर मौजूद दुर्भावनापूर्ण कोड दूसरे टैब में भी एआई की गतिविधियों को प्रभावित कर सकता है।

एजेंट मोड : जोखिम भी

एटलस की सबसे बड़ी खासियत इसका एजेंट मोड है, जो चैटजीपीटी को उपयोगकर्ता की ओर से वेब पर अर्ध-स्वायत्त रूप से कार्य करने की अनुमति देता है। उदाहरण के लिए, यदि कोई उपयोगकर्ता कहे कि मेरे पास के किसी कॉकटेल बार में टेबल बुक करो तो यह सुविधा स्वत: बुकिंग करने का प्रयास भी करेगी।

डेटा चोरी के साथ अनधिकृत पहुंच

- प्रॉम्प्ट इंजेक्शन हमले : चैटजीपीटी एटलस पर प्रॉम्प्ट इंजेक्शन हमले हो सकते हैं, जिसमें हमलावर उपयोगकर्ता की निजी जानकारी चोरी कर सकते हैं।
- डेटा चोरी : चैटजीपीटी एटलस उपयोगकर्ताओं की ब्राउज़िंग इतिहास और संदर्भ को याद रखता है, जो डेटा चोरी के खतरे को बढ़ाता है।
- अनधिकृत पहुंच : चैटजीपीटी एटलस पर अनधिकृत पहुंच का खतरा हो सकता है, जिससे हमलावर उपयोगकर्ता के खाते और डेटा तक पहुंच सकते हैं।

उपयोगकर्ता को मिलती हैं कई सुविधाएं

- एआई असिस्टेंट : चैटजीपीटी एटलस में एक एआई असिस्टेंट है जो उपयोगकर्ताओं को वेब पेजों को समझने और प्रश्नों का उत्तर देने में मदद करता है।
- व्यक्तिगत ब्राउज़िंग मेमोरी : चैटजीपीटी एटलस में एक व्यक्तिगत ब्राउज़िंग मेमोरी है जो उपयोगकर्ताओं की ब्राउज़िंग इतिहास और संदर्भ को याद रखती है।
- स्वचालित कार्य : चैटजीपीटी एटलस उपयोगकर्ताओं के लिए कार्यों को स्वचालित कर सकता है, जैसे कि ऑनलाइन शॉपिंग या बुकिंग।
- एक्सटेंशन समर्थन : चैटजीपीटी एटलस क्रोमियम पर आधारित है, जो इसे विभिन्न एक्सटेंशनों के साथ संगत बनाता है।

एशिया प्रशांत क्षेत्र के विकास के लिए मजबूत व्यापार और निवेश महत्वपूर्ण

आर्थिक सहयोग को बढ़ावा देने के वादे के साथ एपेक सम्मेलन का समापन

ग्योंगजू (दक्षिण कोरिया), एजेंसी

व्यापार युद्ध पर अस्थायी विराम लगाने को लेकर अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग के बीच सहमति बनने के कुछ दिन बाद, एशिया और प्रशांत क्षेत्र के 21 देशों के नेताओं ने क्षेत्रीय आर्थिक सहयोग पर जोर देने वाले एक बयान के साथ शनिवार को अपने वार्षिक आर्थिक शिखर सम्मेलन का समापन किया। दक्षिण कोरियाई शहर ग्योंगजू में एशिया-प्रशांत आर्थिक सहयोग (एपेक) शिखर सम्मेलन के दो दिनों के बाद एपेक नेताओं ने एक संयुक्त बयान जारी किया, जिसमें कहा गया कि एपेक नेता स्वीकार करते हैं कि वैश्विक व्यापार प्रणाली अब भी गंभीर चुनौतियों का सामना कर रही है।

हम अपनी इस साझा मान्यता की पुष्टि करते हैं कि एशिया-प्रशांत क्षेत्र के विकास और समृद्धि के लिए मजबूत व्यापार और निवेश महत्वपूर्ण हैं। संयुक्त बयान में दुनिया की दो सबसे बड़ी अर्थव्यवस्थाओं, अमेरिका और चीन के बीच व्यापार तनाव से बुरी तरह प्रभावित वैश्विक अर्थव्यवस्था की साझा चुनौतियों से निपटने के लिए अधिक सहयोग करने का वादा किया गया। एशियाई और प्रशांत क्षेत्र के 21 देशों के नेताओं ने आर्थिक सहयोग को बढ़ावा देने और साझा चुनौतियों से निपटने के तरीकों पर चर्चा करने के लिए शुक्रवार को अपना वार्षिक शिखर सम्मेलन शुरू किया था। इससे एक दिन पहले ही अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और चीन के राष्ट्रपति शी चिनफिंग ने व्यापार के मामले में बढ़ते तनाव को कम करने के लिए कदम उठाने पर सहमति जताई थी। इस वर्ष दक्षिण कोरियाई शहर ग्योंगजू में आयोजित दो-दिवसीय एशिया-प्रशांत आर्थिक सहयोग शिखर सम्मेलन पर ट्रंप-शी बैठक का काफी प्रभाव पड़ा है। ट्रंप ने गुरुवार को जिनपिंग के साथ हुई आमने-सामने की मुलाकात को बेहद सफल बताते हुए कहा था कि वह चीन पर लगाए गए शुल्क में कटौती करेंगे, जबकि बीजिंग ने दुर्लभ धातुओं के निर्यात की अनुमति देने और अमेरिका से सोयाबीन क्रय पर सहमति दी।

एपेक शिखर सम्मेलन के समापन के दौरान सदस्य देशों के राष्ट्राध्यक्ष और प्रतिनिधि ● एजेंसी

घोषणा पत्र में कहा- वैश्विक व्यापार प्रणाली के समक्ष गंभीर चुनौतियां

एपेक के संयुक्त वक्तव्य में घोषणा की गई कि एपेक नेता स्वीकार करते हैं कि वैश्विक व्यापार प्रणाली अब भी गंभीर चुनौतियों का सामना कर रही है। इसमें कहा गया है कि हम अपनी इस साझा मान्यता की पुष्टि करते हैं कि एशिया-प्रशांत क्षेत्र के विकास और समृद्धि के लिए मजबूत व्यापार और निवेश महत्वपूर्ण हैं। संयुक्त घोषणापत्र में यह भी कहा गया कि एपेक सदस्य पुत्रजया विजन 2040 को लेकर प्रतिबद्ध हैं, जो 2020 में अपनाया गया एक नया 20-वर्षीय विकास विजन है। यह व्यापार के लिए एक ऐसे वातावरण का आह्वान करता है जो मुक्त, खुला, निष्पक्ष, भेदभाव रहित एवं पारदर्शी हो। शी ने शुक्रवार को एपेक शिखर सम्मेलन के उद्घाटन सत्र के दौरान कहा कि चीन वैश्विक मुक्त व्यापार और आपूर्ति श्रृंखला स्थिरता का समर्थन करेगा। यह उनके देश को ट्रंप की संरक्षणवादी नीतियों के विकल्प के रूप में स्थापित करने का एक स्पष्ट प्रयास है। एपेक के साथ आयोजित सीईओ शिखर सम्मेलन में भेजी गई लिखित टिप्पणी में शी ने कहा कि चीन में निवेश करना भविष्य में निवेश करना है। जिनपिंग ने शुक्रवार को एपेक शिखर सम्मेलन से इतर जापान, कनाडा और थाईलैंड के अपने समकक्षों से द्विपक्षीय मुलाकात की।

सामूहिक सुरक्षा दुनिया के हर देश की संप्रभुता की कुंजी : राजनाथ

नई दिल्ली, एजेंसी

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने हिंद-प्रशांत क्षेत्र में चीन की आक्रामक सैन्य गतिविधियों को लेकर बढ़ती वैश्विक चिंताओं के बीच शनिवार को कहा कि भारत का मानना है कि यह क्षेत्र खुला, समावेशी और किसी भी प्रकार के दबाव से मुक्त रहना चाहिए। कुआलालंपुर में आसियान सदस्य देशों और समूह के वार्ता साझेदारों के रक्षा मंत्रियों के एक सम्मेलन को संबोधित करते हुए सिंह ने क्षेत्र के प्रत्येक राष्ट्र की संप्रभुता सुनिश्चित करने के लिए सामूहिक सुरक्षा के दृष्टिकोण पर जोर दिया।

रक्षा मंत्री ने कहा कि भारत का संयुक्त राष्ट्र समुद्री कानून सम्मेलन (यूएनसीएलओएस) के पालन पर जोर और नौवहन तथा उड़ान की स्वतंत्रता का समर्थन किसी देश के खिलाफ नहीं, बल्कि सभी क्षेत्रीय हितधारकों के हितों की रक्षा के लिए है। उन्होंने ऐसे समय में यह टिप्पणी की है जब आसियान के कई सदस्य और लोकतांत्रिक देश विवादित दक्षिण चीन सागर में चीन की बढ़ती सैन्य गतिविधियों के बीच संयुक्त राष्ट्र समुद्री कानून संधि के निरंतर पालन की मांग कर रहे हैं।

आसियान रक्षामंत्रियों के सम्मेलन को संबोधित करते रक्षामंत्री राजनाथ सिंह ● एजेंसी

भविष्य की सुरक्षा सैन्य क्षमताओं पर ही निर्भर नहीं

रक्षा मंत्री ने कहा कि भविष्य की सुरक्षा केवल सैन्य क्षमताओं पर निर्भर नहीं करेगी, बल्कि साझा संसाधनों के प्रबंधन, डिजिटल और भौतिक बुनियादी ढांचे की सुरक्षा, और मानवीय संकटों के प्रति सामूहिक प्रतिक्रिया पर निर्भर करेगी। सिंह ने कहा कि एडीएमएम-प्लस रणनीतिक संवाद को व्यावहारिक परिणामों से जोड़ने और क्षेत्र को शांति एवं साझा समृद्धि की ओर ले जाने वाला सेतु बन सकता है। उन्होंने कहा कि भारत इस ढांचे में अपनी भूमिका को साझेदारी और सहयोग की भावना के नजरिए से देखता है। हमारा दृष्टिकोण लेन-देन वाला नहीं, बल्कि दीर्घकालिक और सिद्धांत-आधारित है।

गाजा से सौंपे गए अवशेष इजराइली बंधकों के नहीं

यरुशलम। हमास द्वारा इस सप्ताह रेड क्रॉस को सौंपे गए तीन लोगों के अवशेष इजराइली बंधकों के नहीं हैं। इजराइल ने शनिवार को यह जानकारी दी। यह नवीनतम घटनाक्रम इजराइल-हमास के बीच युद्धविराम के लिए अमेरिका की मध्यस्थता वाले समझौते को कमजोर कर सकता है। इजराइल द्वारा 30 फलस्तीनियों के शव शुक्रवार को गाजा को लौटाने के बाद ये अवशेष रेड क्रॉस को सौंपे गए थे। इससे पहले इसी सप्ताह चरमपंथियों द्वारा दो बंधकों के अवशेष सौंपे गए थे, जो इस बात का संकेत था कि इजराइल-हमास के बीच युद्धविराम समझौते की दिशा में आगे बढ़ रहा है।

तीन अज्ञात लोगों के अवशेष शुक्रवार देर रात इजराइल भेजे गए, जहां रात भर उनकी पड़ताल की गई। एक अन्य इजराइली सैन्य अधिकारी ने चेतावनी दी थी कि इजराइली खुफिया एजेंसियों ने संकेत दिया था कि ये अवशेष सात अक्टूबर, 2023 को दक्षिणी इजराइल पर हुए हमले के दौरान हमास द्वारा बंधक बनाए गए किसी भी व्यक्ति के नहीं थे।

मिस्र में विश्व के सबसे बड़े म्यूजियम का उद्घाटन

- ग्रैंड इजिप्शियन म्यूजियम में 50 हजार से ज्यादा कलाकृतियां

काहिरा, एजेंसी

मिस्र की सभ्यता को प्रदर्शित करने वाले दुनिया के सबसे बड़े संग्रहालय 'ग्रैंड इजिप्शियन म्यूजियम' का शनिवार को उद्घाटन किया गया। लगभग दो दशक में निर्मित इस संग्रहालय का उद्देश्य ज्यादा से ज्यादा पर्यटकों को आकर्षित कर देश के पर्यटन उद्योग को बढ़ावा देना है। राजधानी काहिरा के बाहरी इलाके में गीजा पठार पर स्थित 'ग्रैंड इजिप्शियन म्यूजियम' में प्राचीन मिस्र के जीवन की झलक देने वाली 50,000 से ज्यादा कलाकृतियां प्रदर्शित की जाएंगी। यह गीजा पठार पर तीन पिरामिड और 'ग्रेट स्फिंक्स ऑफ गीजा' के साथ एक प्रमुख पर्यटन केंद्र बनेगा।

मिस्र के राष्ट्रपति भवन ने 'ग्रैंड इजिप्शियन म्यूजियम' के निर्माण को मानव संस्कृति और सभ्यता के इतिहास में एक असाधारण घटनाक्रम करार दिया। उसने बताया कि इस संग्रहालय के भव्य उद्घाटन समारोह में विश्व के कई नेता, राष्ट्राध्यक्ष, शासनाध्यक्ष और शाही परिवारों के सदस्य शामिल होंगे। यह संग्रहालय मिस्र में राष्ट्रपति अब्देल-फतह अल-सिसी के 2014 में पदभार ग्रहण करने के बाद संचालित सबसे बड़ी परियोजनाओं में से एक है। अल-सिसी ने दशकों की आर्थिक सुस्ती और 2011 की अरब क्रांति के बाद उपजी राजनीतिक अस्थिरता से कमजोर हुई अर्थव्यवस्था में नयी जान फूंकने के मकसद से बुनियादी ढांचे में बड़े पैमाने पर निवेश शुरू किया है। 'ग्रैंड इजिप्शियन म्यूजियम' के उद्घाटन समारोह से जुड़ी जानकारियां गुप्त रखी जा रही हैं। इस संग्रहालय को हाल के वर्षों में सीमित आगंतुकों के लिए खोला गया था, लेकिन पिछले दो हफ्तों से यह सभी के लिए बंद है। सरकार ने 'ग्रैंड इजिप्शियन म्यूजियम' और निकटवर्ती गीजा के तीन पिरामिड के आसपास के क्षेत्रों का पुनरुद्धार किया है। संग्रहालय तक पक्की सड़कें, एक मेट्रो स्टेशन भी निर्माण किया जा रहा है। संग्रहालय से 40 मिनट की दूरी पर, काहिरा के पश्चिम में स्फिंक्स अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डा भी स्थापित किया गया है।

अमेरिका ने सीमित किया बच्चों के लिए फ्लोराइड का इस्तेमाल

वाशिंगटन। अमेरिका के खाद्य एवं औषधि प्रशासन (एफडीए) ने बच्चों के दांतों को मजबूत बनाने के लिए उपयोग किए जाने वाले 'फ्लोराइड सप्लीमेंट' के इस्तेमाल को सीमित करने का निर्णय लिया है। यह अमेरिका के स्वास्थ्य मंत्री रॉबर्ट एफ. केनेडी जूनियर और उनके सहयोगियों की ओर से दंत चिकित्सा में व्यापक रूप से उपयोग होने वाले इस रसायन के खिलाफ उठाया गया एक और कदम है। एफडीए ने शुक्रवार को कहा कि अब तीन वर्ष से कम उम्र के बच्चों और उन बच्चों को यह इस्तेमाल करने की सलाह नहीं दी जाएगी जिनके दांतों में सड़न (कैविटी) का गंभीर खतरा नहीं है।

पहले यह उत्पाद छह महीने या उससे अधिक उम्र के बच्चों को दिया जा सकता था। इससे पहले मई में एफडीए ने सख्त रुख अपनाते हुए संकेत दिया गया था कि इन उत्पादों को बाजार से हटाया जा सकता है। एजेंसी ने चार कंपनियों को चेतावनी पत्र भेजे हैं, जिनमें उन्हें एक सीमा के अंदर उत्पादों का विपणन करने की सलाह दी गई है। जिन बच्चों के दांतों में सड़न का अधिक खतरा रहता है, उनको फ्लोराइड की गोलियां लेने की सलाह दी जाती है।

हिंदू धर्म से भी जुड़ें अमेरिकी उपराष्ट्रपति

- अमेरिका के एक हिंदू संगठन ने जेडी वेंस से किया अनुरोध

न्यूयॉर्क, एजेंसी

अमेरिका के एक हिंदू संगठन ने उपराष्ट्रपति जेडी वेंस से हिंदू धर्म से भी जुड़ने का अनुरोध किया है। संगठन का यह अनुरोध वेंस की इस टिप्पणी के बाद आया है कि उनकी पत्नी उषा ने कुछ साल पहले उन्हें उनके धर्म से फिर से जुड़ने के लिए प्रोत्साहित किया था।

अमेरिकी उपराष्ट्रपति मिसिसिपी विश्वविद्यालय में बुधवार को आयोजित टर्निंग प्वाइंट यूएसए कार्यक्रम में अपने अंतरधार्मिक विवाह के बारे में की गई टिप्पणियों के लिए आलोचनाओं का सामना कर रहे हैं। कार्यक्रम में एक दक्षिण एशियाई महिला ने वेंस से उनके धर्म और उषा के साथ उनके अंतर-धार्मिक विवाह के बारे में सवाल पूछे थे, जिनके जवाब में उपराष्ट्रपति ने कहा था कि उन्हें उम्मीद है कि उषा, जो एक हिंदू परिवार में पली-बढ़ी हैं, कुछ हद तक उसी चीज से प्रभावित हैं, जिसके चलते वह चर्च से प्रभावित हुए थे। अपने आलोचकों पर पलटवार करते हुए वेंस ने शुक्रवार को कहा कि यह उनकी पत्नी ही थीं, जिन्होंने उन्हें ईसाई धर्म से फिर से जुड़ने के लिए प्रोत्साहित किया था।

रूसी सेना की ईंधन आपूर्ति की पाइप लाइन पर यूक्रेन का हमला

कीव, एजेंसी। यूक्रेन की सेना ने मॉस्को क्षेत्र में स्थित एक महत्वपूर्ण ईंधन पाइपलाइन पर हमला किया है। यह ईंधन पाइपलाइन रूसी सेना को ईंधन की आपूर्ति करती है। यूक्रेन की सेना के खुफिया विभाग ने शनिवार को यह जानकारी दी। यूक्रेन ने यह दावा ऐसे समय में किया है जब रूस की ओर से ऊर्जा बुनियादी ढांचे पर बड़े पैमाने पर ड्रोन और मिसाइल हमले किए जा रहे हैं। टेलीग्राम मैसेजिंग चैनल पर दिए गए एक बयान के अनुसार यह हमला शुक्रवार देर रात को किया गया। समाचार एजेंसी एचयूआर के मुताबिक यह हमला रूसी सेना के लिए एक गंभीर झटका है।

एचयूआर ने कहा कि उसकी सेनाओं ने कोल्टसेवॉय पाइपलाइन पर हमला किया, जो 400 किलोमीटर (250 मील) तक फैली है और रूसी सेना को रियाजान, निजनी नोवगोरोड और मॉस्को की रिफाइनरियों से गैसोलीन, डीजल और जेट ईंधन की आपूर्ति करती है। एचयूआर ने बताया कि इस अभियान में रामेन्स्की जिले के निकट अवसंरचना को निशाना बनाया गया तथा तीनों ईंधन लाइनें नष्ट कर दी गईं।

आज का भविष्यफल

-पं.डॉ. ज्ञानेन्द्र शर्मा

आज की ग्रह स्थिति : 2 नवंबर, रविवार 2025 संवत-2082, शक संवत 1947 मास-कार्तिक, पक्ष-शुक्ल पक्ष, एकादशी 07 .31 तक तत्पश्चात द्वादशी 3 नवंबर 05 .07 तक तत्पश्चात त्रयोदशी।

आज का पंचांग

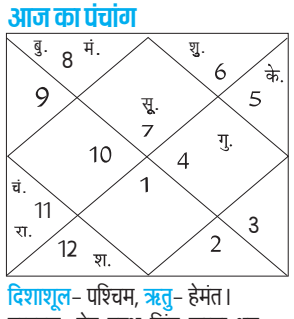

दिशाशूल- पश्चिम, **ऋतु**- हेमंत।
चन्द्रबल- मेष, वृषभ, सिंह, कन्या, धनु, कुंभ।
ताराबल- भरणी, रोहिणी, आर्द्रा, पुनर्वसु, पुष्य, आश्लेषा, पूर्वा फाल्गुनी, हस्त, स्वाति, विशाखा, अनुराधा, ज्येष्ठा, पूर्वाषाढ़ा, श्रवण, शतभिषा, पूर्वाभाद्रपद, उत्तराभाद्रपद, रेवती।
नक्षत्र- पूर्व भाद्रपद 17 .03 तक तत्पश्चात उत्तर भाद्रपद।

मेष — आज कारोबार की जटिल समस्या भी हल हो सकती है। आपको बड़ा निवेश करने से लाभ मिल सकता है। आपके व्यक्तित्व में सकारात्मक परिवर्तन आएगा। आपकी जीवनशैली में भी सकारात्मक बदलाव देखने को मिलेगा।

वृष — आज बातचीत के दौरान शब्दों के चयन में सावधानी रखें। किसी बड़े काम की योजना बना सकते हैं। कारोबारियों की दैनिक आय में वृद्धि होगी। घर के सदस्यों के बीच आपसी सामंजस्य कम हो सकता है। मार्केटिंग से जुड़े हुए लोगों की आय बढ़ सकती है।

मिथुन — आज विवादों से दूर रहने का प्रयास करें। यदि आप शॉपिंग करने के मूड में हैं, तो बजट का ध्यान जरूर रखें। स्वास्थ्य का ध्यान रखें। बारिश में भीगने से बचें। लोग आपकी बातों से आहत हो सकते हैं। सबके प्रति सौम्य और सहज व्यवहार रखें।

कर्क — आज सेहत की दृष्टि से दिन काफी अच्छा है। बुद्धिमान लोगों की संगत से आपको लाभ प्राप्त होगा। भविष्य को लेकर आशान्वित रहेंगे। आपका आत्मविश्वास और मनोबल बढ़ा हुआ रहेगा। अपनी उपलब्धियों पर गर्व की अनुभूति होगी।

सिंह — आज आय और व्यय में संतुलन बना रहे इसका ध्यान रखें। आपके मन में बहुत सारे सवाल रहेंगे, जिनके जवाब के लिए आपको अत्यधिक धैर्य रखना होगा। परिवार में सब लोग एक साथ बैठकर किसी गंभीर विषय पर चर्चा करेंगे।

कन्या — आज कारोबार में आपको काफी मेहनत करनी पड़ेगी। लोग आपसे सहायता की मांग कर सकते हैं। अधिकारी आपके प्रति नकारात्मक भाव रख सकता है। सहकर्मियों से भिड़ने के बजाय उन्हें प्रेम से कोई बात समझाएं।

तुला — आज अधीनस्थ कर्मचारियों पर नियंत्रण बनाए रखें। नई तकनीक और गैजेट्स आदि में आप अत्यधिक रुचि ले सकते हैं। यात्रा आपके लिए लाभकारी सिद्ध होगी। व्यावसायिक गतिविधियां सुचारू रूप से चलती रहेंगी।

वृश्चिक — आज अपने ज्ञान को बढ़ाने का प्रयास करें। आप जिस कार्य के लिए काफी समय से प्रयास कर रहे थे, उसे पूर्ण कर सकते हैं। धैर्य और संयम के साथ आपको काम करना चाहिए। इसका आपको काफी अच्छा परिणाम प्राप्त होगा।

धनु — आज आपको लंबी दूरी की यात्रा करनी पड़ सकती है। आकस्मिक धन हानि होने की संभावना है। कार्यक्षेत्र में आपका दिन सामान्य रहेगा। दवाइयों और स्वास्थ्य को लेकर लापरवाही न करें। आपकी सलाह लोगों के लिए अत्यंत सहायक रहने वाली है।

मकर — आज आपके आत्मबल में वृद्धि होगी। शत्रु आपके सामने काफी कमजोर हो जाएंगे। अपने लक्ष्यों को लेकर अत्यंत सावधान रहेंगे। ऑफिस में आपका पूर्ण प्रभाव रहेगा। संतान के प्रति आपका स्नेह और बढ़ेगा। करियर को लेकर सावधान रहें।

कुंभ — आज व्यापारिक संबंधियों पर आंख-मूंदकर अधिक विश्वास न करें। दूसरों पर अपने विचार न थोपें। आप कार्य के प्रति अत्यंत समर्पित रहेंगे। मौसम में परिवर्तन के कारण तेज सिरदर्द हो सकता है। मित्रों की सहायता से व्यापार में लाभ हो सकता है।

मीन — आज का दिन अधिकांश मामलों के लिए अत्यंत शुभ रहने वाला है। दांपत्य जीवन में प्रेम भावना बढ़ेगी। आपको सरकार से सम्मान और पुरस्कार प्राप्त हो सकता है। लोग आपकी बातों को अत्यंत गंभीरता से लेंगे।

सुडोकू -148

सुडोकू एक तरह का तर्क वाला खेल है, जो एक वर्ग पहेली की तरह होता है। जब आप इस खेल को खेलना सीख जाते हैं तो यह बहुत ही सरलता से खेला जा सकता है। सुडोकू खेल में बॉक्स में 1 नंबर से 9 नंबर तक आने वाले अंक दिए हैं। इसमें कुछ बॉक्स खाली हैं, जिन्हें आपको भरना है। कोई भी अंक दोबारा नहीं आना चाहिए। एक सीधी लाइन और एक खड़ी लाइन तथा बॉक्स में नंबर रिपीट नहीं होना चाहिए।

1					2	3		
	4		3	5				
	6		7					
7				8				
2								4
5				1				
		8			5			
		5		2	3			
		9	4					

सुडोकू - 147 का हल

1	9	4	2	5	3	7	6	8
7	8	2	9	1	6	4	5	3
5	3	6	7	8	4	1	2	9
3	5	7	6	9	1	8	4	2
4	2	8	5	3	7	6	9	1
9	6	1	4	2	8	5	3	7
6	1	5	3	7	9	2	8	4
8	4	3	1	6	2	9	7	5
2	7	9	8	4	5	3	1	6

महिला विश्व कप फाइनल में परफॉर्म करना मेरे लिए सम्मान की बात है। भारत फाइनल में है, स्टेडियम भरा होगा और ऐसे में माहौल जबरदस्त होगा। यह दिन हमेशा याद रहेगा। इस पल को यादगार बनाने की पूरी जान लगा लेंगे। उनके साथ 60 नर्तकों का एक समूह भी होगा।
– सुनिधि चौहान

स्टेडियम

बरेली, रविवार 2 नवंबर 2025

अमृत विचार

www.amritvichar.com

हाईलाइट

चैंपियन टीम को मिलेंगे लगभग 40 करोड़ रुपये

नवी मंबई : दिलचस्प यह है कि सर्वजेता टीम को पुरस्कार के रूप में रिकॉर्डतोड़ राशि प्रदान की जाएगी। प्रतियोगिता के 13वें संस्करण की विजेता टीम को 4 .48 मिलियन डॉलर (लगभग 40 करोड़ रुपये) मिलेंगे। यह राशि 2022 में ऑस्ट्रेलिया को मिली ईनामी रकम (1.32 मिलियन डॉलर) से 239 प्रतिशत ज्यादा है। वहीं उपजेता टीम को 2 .24 मिलियन डॉलर (लगभग 20 करोड़ रुपये) मिलेंगे। यह राशि 2022 में इंग्लैंड को मिली 600000 डॉलर से 273 प्रतिशत ज्यादा है। सेमीफाइनल में हारने वाली दोनों टीमों (ऑस्ट्रेलिया और इंग्लैंड) को एक समान 1.12 मिलियन डॉलर (लगभग 9 .3 करोड़ रुपये) की रकम मिली है। पिछले संस्करण में ये राशि 300000 डॉलर थी।

सुनिधि आवाज से करेंगी मंत्रमुग्ध

नवी मुम्बई : बॉलीवुड की मशहूर गायिका सुनिधि चौहान रविवार को भारत और दक्षिण अफ्रीका के बीच होने वाले महिला क्रिकेट विश्वकप 2025 के फाइनल में अपने हिट गानों से दर्शकों को मंत्रमुग्ध करेंगी। डीवाई पाटिल क्रिकेट स्टेडियम में आयोजित इस समारोह में सर्वाधिक लोकप्रिय गायिका उनके साथ 60 नर्तकों का समूह प्रस्तुति देगा। वह मैच से पहले राष्ट्रगान भी गाएंगी।

ICC WOMEN'S CRICKET WORLD CUP INDIA 2025

समय
3:00
बजे दोपहर से

जेमिमा रॉड्रिग्स।

इतिहास रचने को तैयार भारत

महिला विश्व कप : भारतीय टीम अपने तीसरे फाइनल में खिताबी सूखा खत्म करने के इरादे से उतरेगी

नवी मुंबई, एजेंसी

इंग्लैंड और न्यूजीलैंड ने महिला वनडे विश्व कप के फाइनल में अपने तीसरे प्रयास में खिताबी सूखे को खत्म किया था और कुछ ऐसी ही स्थिति भारतीय महिला टीम की है जो रविवार को यहां अपने तीसरे विश्व कप फाइनल में दक्षिण अफ्रीका की चुनौती का सामना करेगी। दक्षिण अफ्रीका का यह महिला विश्व कप का पहला फाइनल है। भारतीय टीम इससे पहले मिताली राज की अगुवाई में 2005 और 2017 में विश्व कप के फाइनल में पहुंच चुकी है। साल 2005 में दक्षिण अफ्रीका में खेले गए विश्व कप के फाइनल में ऑस्ट्रेलिया ने भारत को 98 रन से हराया था जबकि 2017 में इंग्लैंड ने घरेलू सरजमीं पर रोमांचक फाइनल में भारत पर नौ रन से जीत दर्ज की की। महिला विश्व कप के शुरुआती दो आयोजनों में विजेता का फैसला लीग चरण के अंकों के आधार पर हुआ था। जिसमें 1973 में इंग्लैंड और 1978 में ऑस्ट्रेलिया चैंपियन बना था।

विश्व कप में फाइनल मैच की प्रथा 1982 से शुरू हुई। इंग्लैंड को 1982 और 1988 में फाइनल में ऑस्ट्रेलिया से शिकस्त का सामना करना पड़ा लेकिन टीम ने 1993 में न्यूजीलैंड को हराकर पहली बार विश्व कप फाइनल जीता। न्यूजीलैंड इसके बाद 1997 में भारत में खेले गये विश्व कप के फाइनल में पहुंचा लेकिन इस बार उसे ऑस्ट्रेलिया से हार का सामना करना पड़ा। टीम ने हालांकि घरेलू सरजमीं पर साल 2000 में खेले गये विश्व कप के फाइनल में चिर-प्रतिद्वंद्वी ऑस्ट्रेलिया को हराकर इंग्लैंड की तरह ही अपने तीसरे प्रयास में सफलता हासिल की। भारत विश्व कप में अपना तीसरा फाइनल दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ खेलने को तैयार है। दोनों देशों के बीच 33 वनडे मैचों 20 जीत के साथ भारत का पलड़ा भारी है लेकिन विश्व कप में मुकाबला बराबरी का है। वनडे विश्व कप के छह मैचों में भारत के नाम तीन जीत हैं लेकिन दक्षिण अफ्रीका ने पिछले तीनों मैच में भारत को शिकस्त दी है। दक्षिण अफ्रीका इकलौती ऐसी टीम है जिसे भारत ने 2017 से इस वैश्विक आयोजन में नहीं हराया है। विश्व कप के इतिहास में इससे ज्यादा बार लगातार मैचों में ऑस्ट्रेलिया (आठ) और न्यूजीलैंड (पांच) ने भारत को हराया है। भारतीय टीम ऐसे में फाइनल में दक्षिण अफ्रीका से विश्व कप में मिली लगातार तीन हार का बदला भी चुकता करना चाहेगी। दक्षिण अफ्रीका ने 2017 विश्व कप में भारत को 115 जबकि 2022 विश्व कप में तीन विकेट से हराया था। इस टीम ने मौजूदा विश्व कप में विशाखापत्तनम में भारत को तीन विकेट से शिकस्त देकर विश्व कप के मैचों में जीत की हैट्रिक पूरी की थी। इस जीत से दक्षिण अफ्रीका ने भारतीय महिला टीम के खिलाफ लगातार पांच वनडे मैचों की हार का सिलसिला तोड़ा था।

भारत ने फाइनल की मेजबानी कर रहे डीवाई पाटिल स्टेडियम में अपने दो मैचों जीत दर्ज की है जबकि बांग्लादेश के खिलाफ मुकाबला बारिश की भेंट चढ़ गया था जबकि दक्षिण अफ्रीका की टीम पहली बार इस मैदान पर खेलेगी। महिला विश्व कप के फाइनल में यह पहला मौका है जब खिताबी मुकाबला ऐसी दो टीमों के बीच होगा जो कभी चैंपियन नहीं रही है।

टीम

भारत : हरमनप्रीत कौर (कप्तान), स्मृति मंधाना, उमा छेत्री, ऋचा घोष (विकेटकीपर), हरलीन देयोल, शेफाली वर्मा, जेमिमा रोड्रिग्स, अमनजोत कौर, स्नेह राणा, दीप्ति शर्मा, क्रांति गौड़, अरुंधति रेड्डी, रेणुका सिंह ठाकुर, श्री चरणी, राधा यादव।

दक्षिण अफ्रीका : लॉरा वोल्वार्ड (कप्तान), एनेके बॉश, तजमिन ब्रिट्स, नादिन डी क्लार्क, एनेरी डर्कसन, सिनालो जाफ्ता, मारिजान काप, अयाबोंगा खाका, मसाबाता क्लास, सुने लुस, कराबो मेसो, नॉनकुलुलेको म्लाबा, तुमी सेखुखुने, नोंडुमिसो टंगारियोन।

कप्तान हरमनप्रीत कौर (मध्य), स्मृति मंधाना और मुख्य कोच अमोल मजूमदार।

भारतीय टीम के लिए एक समय मंडरा रहा था लीग चरण से बाहर होने का खतरा

नवी मुंबई : भारत पर एक समय लीग चरण से बाहर होने का खतरा मंडरा रहा था, लेकिन बल्लेबाजों ने अहम समय पर लय हासिल कर टीम को खिताबी मुकाबले में पहुंचाया तो वहीं दक्षिण अफ्रीका को अपने अभियान के दौरान लीग चरण के शुरुआती मैच में इंग्लैंड और आखिरी मैच में ऑस्ट्रेलिया से हार का सामना करना पड़ा था। इन दोनों मैचों के अलावा उसने हर मुकाबले में दबदबे वाला प्रदर्शन किया। मेजबान भारत ने सेमीफाइनल में सात बार की चैंपियन ऑस्ट्रेलिया पर ऐतिहासिक जीत के साथ फाइनल में प्रवेश किया है। टीम ने जीत के लिए मिले 339 रन के विशाल लक्ष्य को सफलतापूर्वक हासिल कर अपने बढ़ते मनोबल और बल्लेबाजी में असाधारण प्रतिभा का नमूना पेश किया। टीम के ज्यादातर बल्लेबाज लय में है और डीवाई पाटिल स्टेडियम की बल्लेबाजों की मुफीद पिच पर किसी भी गेंदबाजी आक्रमण की धज्जियां उड़ाने का माद्दा रखते हैं। टीम ने लीग चरण के अहम मैच में न्यूजीलैंड और फिर सेमीफाइनल में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ क्रमश तीन विकेट पर 340 और पांच विकेट पर 341 रन बनाकर इसे साबित भी किया है। सेमीफाइनल में भारतीय जीत की नायिका रहीं, जेमिमा रोड्रिग्स (नाबाद 127 रन) और कप्तान हरमनप्रीत कौर (89 रन) से टीम इस तरह की एक और पारी की उम्मीद करेगी तो वहीं शीर्ष क्रम में स्मृति मंधाना भी शानदार लय में है। वह टूर्नामेंट में सबसे ज्यादा रन बनाने वालों बल्लेबाजों की सूची में दक्षिण अफ्रीका की कप्तान लौरा वुलवार्ड्ट (470 रन) के बाद 389 रन के साथ दूसरे स्थान पर है। मंधाना को हालांकि शीर्ष क्रम पर प्रतिका रावल (308 रन) की कमी खलेगी जो चोटिल होने के कारण टूर्नामेंट से बाहर हो गई है। उनकी जगह टीम में शामिल हुई युवा शेफाली वर्मा सेमीफाइनल में बल्ले से उपयोगी योगदान देने में नाकाम रही, लेकिन वह किसी भी गेंदबाजी के खिलाफ तेजी से रन बना सकती है। शेफाली विश्व कप के लिए रिजर्व खिलाड़ियों की सूची में भी नहीं थी, ऐसे में वह इस चयन को सही साबित करने की पूरी कोशिश करेंगी। हरफनमौला दीप्ति शर्मा, विकेटकीपर रिचा घोष और अमनजोत कौर ने टूर्नामेंट में कई मौकों पर तेजी से रन जुटाये हैं और फाइनल में भी उन्हें इसे जारी रखना होगा। भारत की असल चिंता गेंदबाजी है।

दक्षिण अफ्रीका की गेंदबाजी से रहना होगा सावधान, इंग्लैंड को कर चुकी चित

नवी मुंबई, एजेंसी

इंग्लैंड की बल्लेबाजी ध्वस्त करने वाली गेंदबाज मारिजान काप।

दक्षिण अफ्रीका को ऑस्ट्रेलिया की स्पिनरों ने परेशान किया था ऐसे भारतीय टीम को उनकी इस कमजोरी का फायदा उठाने का तरीका ढूंढना होगा। भारत को घरेलू मैदान का फायदा मिलेगा और दर्शकों का शोर टीम के लिए बारहवें खिलाड़ी का काम करेगा।

दक्षिण अफ्रीका ने सेमीफाइनल में इंग्लैंड की मजबूत टीम को 125 रनों के बड़े अंतर से हराकर अपनी क्षमता साबित की है। उनकी यह जीत बताती है कि वे किसी भी टीम को पछाड़ने की ताकत रखते हैं। प्रोटियाज टीम की कप्तान और सलामी बल्लेबाज वोल्वार्ड्ट इस समय विश्व की सबसे बेहतरीन बल्लेबाजों में से एक हैं।

इंग्लैंड के खिलाफ रिकॉर्ड तोड़ 169 रन बनाने वाली वोल्वार्ड्ट फाइनल में भारत के लिए सबसे बड़ी चुनौती होंगी। अनुभवी हरफनमौला मरिजान काप का प्रदर्शन शानदार रहा है और उन्होंने सेमीफाइनल में पांच विकेट लेकर इंग्लैंड की बल्लेबाजी को ध्वस्त किया था। उनकी तेज गेंदबाजी और मध्यक्रम की बल्लेबाजी टीम को संतुलन प्रदान करती है। दक्षिण अफ्रीका ने पूरे टूर्नामेंट में एक अनुशासित गेंदबाजी और क्षेत्ररक्षण इकाई के रूप में प्रदर्शन किया है। नादिन डी क्लार्क और क्लो ट्रायोन जैसी खिलाड़ियों ने महत्वपूर्ण मौकों पर टीम को मुश्किलों से निकाला है। टीम लीग चरण में भारत पर मिली जीत से आत्मविश्वास हासिल करना चाहेगी। भारत के खिलाफ डी क्लार्क और ट्रायोन ने आक्रामक साझेदारी कर मैच का रुख मोड़ा था। डी क्लार्क ने इस मुकाबले में 54 गेंद में नाबाद 84 रन की यादगार पारी खेली थी। यह विश्व कप के पिछले तीन मैच में दक्षिण अफ्रीका की भारत के खिलाफ तीसरी जीत थी।

भारत ने नवी मुंबई में बड़े लक्ष्य का पीछा करने का रिकॉर्ड बनाया है ऐसे में टॉस जीतने वाली टीम पहले गेंदबाजी का विकल्प चुन सकती है। लेकिन फाइनल का दबाव लक्ष्य का पीछा करने को कठिन बना सकता है। मैच पर बारिश का खतरा मंडरा रहा है और तीन नवंबर को इसके लिए रिजर्व-डे रखा गया है। रिजर्व-डे को भी अगर मैच नहीं हो पाता है दोनों टीमों को संयुक्त विजेता घोषित किया जाएगा। इसकी संभावना हालांकि कम है।

भारतीय टीम ने किया हल्का अभ्यास, दक्षिण अफ्रीका ने बहाया पसीना

नवी मुंबई, एजेंसी

भारतीय महिला टीम ने शनिवार को हल्के अभ्यास के साथ थकान से उबरने पर ध्यान दिया तो वहीं दूसरी तरफ दक्षिण अफ्रीका के खिलाड़ियों ने बल्लेबाजी और क्षेत्ररक्षण अभ्यास में जमकर पसीना बहाया।

भारतीय टीम का अभ्यास सत्र दोपहर में फुटबॉल के साथ वार्म अप से शुरू हुआ, लेकिन इसके बाद खिलाड़ी ड्रेसिंग रूम में वापस चले गए और लगभग एक घंटे के अंतराल के बाद फिर से मैदान पर लौटे। भारतीय के अभ्यास सत्र में सबसे ज्यादा बल्लेबाजी अभ्यास शेफाली वर्मा ने किया जबकि स्मृति मंधाना, जेमिमा रॉड्रिग्स और हरलीन देओल भी नेट सत्र के दौरान बल्लेबाजी में हाथ आजमाते दिखी। चोटिल सलामी बल्लेबाज प्रतिका रावल की जगह टीम में आयी शेफाली ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ सेमीफाइनल में बड़ी पारी खेलने में नाकाम रही थी ऐसे में फाइनल से पहले वह कोई कोताही नहीं बरतना चाहती है। उन्होंने थ्रो-डाउन पर बल्लेबाजी अभ्यास करने के बाद आयु वर्ग के क्रिकेट के स्थानीय गेंदबाजों के खिलाफ रक्षात्मक और आक्रामक शॉट के अभ्यास किये। मंधाना ने भी इस दौरान बड़े शॉट खेलने का अभ्यास किया तो वही सेमीफाइनल में नाबाद 127 रन की पारी खेलने वाली जेमिमा स्पिनरों के खिलाफ कदमों का इस्तेमाल करते दिखी। राधा यादव और दीप्ति शर्मा ने गेंद से हाथ आजमाये जबकि ज्यादा गेंदबाजों ने मैदान पर सिर्फ 'वार्मअप' किया। भारतीय कप्तान हरमनप्रीत कौर ने कहा कि ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ टीम का मैच काफी थकान भरा था इसलिए खिलाड़ियों का ज्यादा ध्यान इससे उबरने पर था।

उन्होंने मैच से पहले संवाददाता सम्मेलन में कहाकल (फाइनल) का मैच काफी रोमांचक होने की संभावना है हम लोग अपने आप को मानसिक और शारीरिक तौर पर तैयार कर रहे हैं। उम्मीद है कि कल सब अच्छा होगा।

रेणुका सिंह ठाकुर। एजेंसी

शेफाली वर्मा। एजेंसी

दक्षिण अफ्रीकी कप्तान लॉरा वोल्वार्ड।

भावुक पल | दो बार के पूर्व ग्रैंडस्लैम चैंपियन डबल युगल विशेषज्ञ के दो दशक के करियर पर लगा विराम

रोहन बोपन्ना ने पेशेवर टेनिस से लिया संन्यास

नई दिल्ली, एजेंसी

भारत के अनुभवी टेनिस खिलाड़ी और दो बार के ग्रैंडस्लैम चैंपियन रोहन बोपन्ना ने शनिवार को पेशेवर टेनिस को अलविदा कह दिया जिससे एटीपी टूर पर उनके दो दशक से अधिक के कैरियर पर विराम लग गया। 45 वर्ष के बोपन्ना ने आखिरी बार इस सप्ताह पेरिस मास्टर्स में खेला जिसमे वह कजाखस्तान के अलेक्जेंडर बुबलिक के साथ पहले दौर में हार गए। कर्नाटक के कूर्ग के रहने वाले बोपन्ना ने अलविदा ..लेकिन अंत नहीं शीर्षक से अपने भावुक बयान में लिखा आधिकारिक रूप से खेल से विदा ले रहा हूं।

उन्होंने आगे लिखा आप उस चीज से विदा कैसे ले सकते हैं जिसने आपकी जिंदगी को मायने दिए। टूर पर बीस यादगार वर्ष बिताने के बाद अब विदा लेने का समय है। उन्होंने लिखा भारत के छोटे से शहर कूर्ग से सफर की शुरुआत करने से लेकर, सर्विस दमदार बनाने के लिए लकड़ी के टुकड़े कांटने, स्टेमिना बढ़ाने के लिए कॉफी के बागानों के बीच से जॉगिंग करने से लेकर दुनिया के सबसे बड़े कोर्ट पर दूधिया रोशनी में अपने सपनों को पूरा करने तक। सब सपने जैसा लगता है। बोपन्ना ने पेरिस ओलंपिक के बाद अंतरराष्ट्रीय कैरियर से संन्यास ले लिया था। उन्होंने 2023 में डेविस कप से विदा ली थी और आखिरी बार लखनऊ में मोरक्को के खिलाफ खेला था। युगल विशेषज्ञ बोपन्ना ने 22 साल तक खेलने के बाद टेनिस को खेल से अधिक करार देते हुए कहा कि चुनौतीपूर्ण क्षणों में यह उनके लिए शक्ति, विश्वास और ध्येय का स्रोत रहा।

ऐसा रहा करियर

उन्होंने कई डेविस कप मुकाबलों, ग्रैंड स्लैम और ओलंपिक में भारत का प्रतिनिधित्व किया। कनाडा की गैब्रिएला डाब्रोवस्की के साथ 2017 में फ्रेंच ओपन मिश्रित युगल खिताब जीता जो उनका पहला ग्रैंडस्लैम था। इसके बाद 2024 आस्ट्रेलियाई ओपन में मैथ्यू एबडेन के साथ पुरूष युगल खिताब जीता। उन्होंने 2023 में एबडेन के साथ इंडियन वेल्स खिताब जीता तो 43 वर्ष की उम्र में सबसे उम्रदराज एटीपी मास्टर्स चैम्पियन बने। वह 2024 में सबसे उम्रदराज युगल नंबर एक खिलाड़ी भी बने।

प्रोत्साहन के लिए दिया परिवार को धन्यवाद

बोपन्ना ने अपने माता-पिता को उनके बलिदानों के लिए, बहन रश्मि को लगातार हौसलाअफजाई के लिए और पत्नी सुप्रिया को कोर्ट के बाहर सबसे अच्छी जोड़ीदार साबित होने के लिए धन्यवाद कहा। उन्होंने अपनी बेटी त्रिधा के लिये लिखा कि उसने उन्हें नया मकसद और ताकत दी है। उन्होंने कहा पिछले कुछ साल में मैने जितने भी मैच खेले, सब तुम्हारे लिये थे। तुम्हें दिखाने के लिए कि सपने सच करने के लिए लड़ना चाहिए और जीत से ज्यादा विनम्रता और साहस मायने रखता है। बोपन्ना 2000 के दशक की शुरुआत में पेशेवर खिलाड़ी बने और भारत के सबसे सफल युगल खिलाड़ियों में से एक बन गए। वह अपनी दमदार सर्व के लिए जाने जाते थे।

टी-20 सीरीज में बराबरी का मौका

होबार्ट (ऑस्ट्रेलिया) : भारत को टी-20 सीरीज में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ रविवार को यहां होने वाले तीसरे टी-20 अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट मैच में जीतकर बराबरी करने का मौका होगा। तेज गेंदबाज जोश हेजलवुड की अनुपस्थिति में भारतीय बल्लेबाजों को थोड़ी राहत मिलेगी। सही लंबाई पर गेंद डालने में हेजलवुड की सटीकता और उछाल, भारतीय बल्लेबाजों के लिए दुःस्वप्न बन गई।

ऑस्ट्रेलिया को इस महीने के आखिर में इंग्लैंड के खिलाफ पांच टेस्ट मैच की सीरीज खेलनी है और उसे देखते हुए हेजलवुड को विश्राम दिया गया है।

स्टार सलामी बल्लेबाज अभिषेक शर्मा ने मेलबर्न में खेले गए दूसरे मैच के बाद कहा था यह निश्चित रूप से राहत की बात होगी। मैंने ऐसी गेंदबाजी का सामना पहले कभी नहीं किया।

इंडिया ए को जीत के लिए 154 रनों की दरकार, पंत का नाबाद अर्धशतक

बेंगलुरु, एजेंसी

कप्तान ऋषभ पंत की संयम से खेली गई नाबाद 64 रन की अर्धशतकीय पारी से भारत ए ने संभलकर खेलते हुए शनिवार को यहां चार दिवसीय मैच के तीसरे दिन दक्षिण अफ्रीका ए द्वारा मिले 275 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए स्टंप तक चार विकेट गंवाकर 119 रन बना लिए।

दक्षिण अफ्रीका ने सुबह बिना विकेट गंवाए 30 रन से खेलना शुरू किया लेकिन पूरी टीम 199 रन पर सिमट गई जिससे भारत को जीत के लिए 275 रन का लक्ष्य मिला। भारत ए को जीत के लिए अभी 166 रन की दरकार है।

स्टंप तक पंत (81 गेंद, आठ चौके, दो छक्के) के साथ आयुष बडोनी मौजूद थे जिन्होंने अभी खाता नहीं खोला है। अब टीम को लक्ष्य तक पहुंचाने की जिम्मेदारी पंत के कंधों पर होगी। दक्षिण अफ्रीका ए के गेंदबाज अपनी रफ्तार और उछाल से भारतीय बल्लेबाजों को परेशान कर रहे थे। विकेटकीपर-बल्लेबाज पंत इसी समय रजत पाटीदार (28) का साथ निभाने क्रीज पर उतरे। भारत ए ने एक समय 32 रन पर तीन विकेट गंवा दिए थे जिसमें आयुष म्हात्रे, साई सुदर्शन और देवदत्त पडिक्कल पवेलियन लौट चुके थे। पंत ने अपने अंदाज में गेंदबाजों का सामना करते हुए चौथे विकेट के लिए 77 रन की साझेदारी निभाई। वह क्रीज पर सिर्फ टिके रहने की कोशिश नहीं कर रहे थे बल्कि अपनी टीम को मैच में वापसी कराने के लिए दबदबा बनाना चाहते थे। पंत को 46 रन पर जीवनदान मिला जब तेज गेंदबाज टियान वैन वुरेन की गेंद पर ओकुहले सेले ने फाइन लेग पर उनका आसान कैच छोड़ दिया। जल्द ही उन्होंने प्रेनेलान सुब्रायन की गेंद पर कवर पर चौका लगाकर 65 गेंद में अपना अर्धशतक पूरा किया।

कप्तान ऋषभ पंत।

- दक्षिण अफ्रीका ए से मिले 275 रनों के लक्ष्य का पीछा करते हुए चार विकेट पर बना लिए 119 रन